CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 06-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 04-05-2026 23:06 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 6 अप्रैल 2026 > चैत्र 16 शक संवत 1948 वैशाख कृष्ण चतुर्थी, विक्रम संवत 2083

WATCH GOD WATCHDOG

NBT नवभारत टाइम्स

वर्ष 80, संख्या 80 > पेज 12 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

ट्रंप ने फिर दी धमकी

मंगलवार को ईरान में पावर प्लांट डे और ब्रिज डे एक साथ मनाया जाएगा। हमला ऐसा होगा, जो पहले नहीं देखा गया होगा। होर्मुज खोल दो! वरना तुम नर्क में रहोगे।

कहां गिरा जेट? जहां उसे ढूंढा गया

F-15E जेट कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद, खुजेस्तान प्रांत के आसपास गिरा बताया गया है।

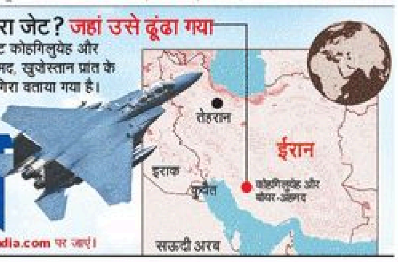

अब नेतृत्व की बारी है, नारी शक्ति वंदन की ज़िम्मेवारी है

4.6+ करोड़ सुकन्या समृद्धि खातों से हम बेटियों का भविष्य सुरक्षित

हम 3+ करोड़ महिलाएं अब हैं लखपति दीदी

हम 35+ करोड़ महिलाओं ने पाया मुद्रा लोन

CBC 22201/13/0002/2627

डेथ लाइन से 36 घंटे में अपने दो पायलट को बचा ले गया अमेरिका

ईरान में अमेरिकी एयरमैन को पकड़ने की रेस चल रही थी। एक तरफ ईरानी सेना तो दूसरी तरफ अमेरिकी। साथ ही कई मिलिशिया के लोग उसे तलाश रहे थे। जमकर मुठभेड़ हुई। सामने मौत थी, उस डेथ लाइन से अमेरिका 36 घंटे के अंदर **अपना दूसरा पायलट भी बचा ले गया, लेकिन कैसे?**

■ एपी, वॉशिंगटन

अमेरिकी सेना ने भीषण गोलीबारी के बीच ईरान में घुसकर अपने एयरमैन की जान बचा ली है। अमेरिकी जेट के दो क्रू मेंबर शुक्रवार को तब लापता हो गए थे, जब ईरान ने अमेरिकी F-15E स्ट्राइक ईगल विमान को मार गिराया था। एक पायलट को तब ही बचा लिया गया था, दूसरे की तलाश थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने सेना की बहादुरी की तारीफ करते हुए रविवार को कहा, We got him... एयरमैन (वेपन सिस्टम ऑफिसर) को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सोमवार को ट्रंप इस मामले पर सेना के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। लेकिन ईरान ने दावा किया कि अमेरिकी रेस्क्यू ऑपरेशन फेल रहा। उसने अमेरिका के 2 ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर और 2 ट्रांसपोर्ट विमान (C-130) मार गिराए हैं।

द न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान से बचाए गए अमेरिकी एयरमैन और कमांडो को निकालने वाले दो ट्रांसपोर्ट विमान वहीं फंस गए थे। इसके बाद अमेरिका को तीन नए विमान भेजने पड़े। बाद में अमेरिकी सेना ने उन फंसे हुए ट्रांसपोर्ट विमानों को खुद ही उड़ा दिया, ताकि उनकी तकनीक ईरान के हाथ न लगे।

ट्रंप बोले, We got him...

AFP

तस्वीर दिखाकर ईरान का दावा- दो C-130 विमान और 2 हेलिकॉप्टर गिराए, अमेरिका का ऑपरेशन फेल।

रेस्क्यू पर नेतन्याहू बोले- किसी को पीछे नहीं छोड़ते

इस्राइल के पीएम बेन्यामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी एयरमैन के रेस्क्यू को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को बधाई दी। नेतन्याहू ने कहा, एक बहादुर अमेरिकी अफसर के साहसिक बचाव पर सभी इस्राइली बेहद खुश हैं। यह बचाव अभियान उस सिद्धांत को और मजबूत बनाता है जो कहता है कि हम किसी को पीछे नहीं छोड़ते। यह एक साझा संकल्प है, जिसे हमारे दोनों देशों ने बार-बार अपने इतिहास में साबित किया है। ▸▸ पेज 7

ट्रंप की धमकी पर ईरान बोला- तुम्हारे लिए नरक..

ईरान ने ट्रंप के 48 घंटे में होर्मुज खोलने का अल्टिमेटम ठुकरा दिया है। ईरानी सेना ने कहा है कि अमेरिका बेबस और घबराकर धमकियां दे रहा है। बीबीसी फारसी के मुताबिक खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के कमांडर मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही ने कहा, मत भूलो कि तुम्हारे लिए नरक के दरवाजे खुल जाएंगे। इस्लामी गणराज्य की हार का भ्रम तुम्हारे लिए दलदल बन गया है जिसमें तुम डूब जाओगे।

48 घंटे के अल्टिमेटम को बताया बेबसी

वॉर अपडेट्स

- ■ ईरानी ड्रोन ने कुवैत, बहरीन के ऊर्जा ठिकानों को बनाया निशाना।
- ■ विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ईरान, कतर और UAE के विदेश मंत्रियों से फोन पर बात की।
- ■ ईंधन संकट से निपटने को नेपाल में अब 2 दिन की छुट्टी रहेगी।
- ■ इस्राइल ने दावा किया है कि उसने 24 घंटे में ईरान के 120 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए। ईरान ने कहा, इस्फहान में अमेरिकी MQ-9 रीपर ड्रोन गिराया।

AI Image

खाड़ी में जंग 37 दिन

किसने अंजाम दिया रेस्क्यू ऑपरेशन?

- दक्षिणी ईरान के ऊपर मार गिराए गए जेट के क्रू मेंबर को बचाना सबसे मुश्किल ऑपरेशन में से एक रहा।
- इसके लिए अमेरिकी सेना और उसके सहयोगी तैयारी करते हैं। इसे कॉम्बैट सर्च एंड रेस्क्यू (CSAR) के नाम से जानते हैं।
- CSAR मिशन के पीछे एयर फोर्स यूनिट में मिलिट्री के कुछ सबसे ज्यादा ट्रेंड और एक्सपर्ट मेंबर शामिल होते हैं।
- ये मिशन अक्सर हेलिकॉप्टर से किए जाते हैं, इस ऑपरेशन में भी हेलिकॉप्टर शामिल थे।
- साथ ही दूसरे मिलिट्री एयरक्राफ्ट भी होते हैं जो हमले करते हैं। इसी तरह इस पूरे ऑपरेशन को अंजाम दिया गया।

पहाड़ों में छिपा था अमेरिकी एयरमैन

दो दिन चली ज़िंदगी और मौत की दौड़

■ F-15E जेट से इजेक्ट होने के बाद एयरमैन पहाड़ी में छिप गया। उसने 24 घंटे से ज्यादा समय तक ईरानी फोर्सेस से बचते हुए बिताया।
■ एक समय 7,000 फीट ऊंची पहाड़ी तक चढ़ गया। शुरुआत में उसकी लोकेशन अमेरिका को पता नहीं थी, लेकिन बाद में CIA ने उसकी लोकेशन का पता लगाया।
■ रेस्क्यू के लिए अमेरिका की नेवी सील टीम 6 के कमांडो समेत सैकड़ों स्पेशल ऑपरेशन सैनिक दुश्मन के इलाके में पहुंचे।
■ अमेरिका ने ईरानियों को रोकने के लिए बमबारी और फायरिंग की, ताकि वे एयरमैन तक न पहुंच सकें।
■ डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि वह बहादुर सैनिक दुश्मन के इलाके में पहाड़ों के बीच फंसा था और दुश्मन हर घंटे उसके करीब पहुंच रहा था। एयरमैन को बचा लिया गया।
■ अमेरिकी अफसरों के मुताबिक, घायल अफसर तक पहुंचने के लिए अमेरिकी और ईरानी फोर्सेस के बीच दो दिन तक 'जिंदगी और मौत' की दौड़ चली। हालांकि रेस्क्यू टीम को कोई नुकसान नहीं हुआ।

जेट के गिरने पर इजेक्ट हुआ था।

युवराज को इंसाफ का इंतज़ार

80 दिन बाद भी SIT रिपोर्ट नहीं

STAR WARS
IPL : आज का मैच
कोलकाता नाइट राइडर्स Vs पंजाब किंग्स
कोलकाता, शाम 7:30 बजे से

खबरों के अंदर की बात
NBT Lens
देखें पेज 5, 6 और 10

हैपी मॉर्निंग
अंकल (पिंटू से): रात को कितने बजे सोते हो बेटा?
पिंटू: किताब उठा लूं तो 9 बजे और फोन उठा लूं तो 2 बजे।

मौसम
अधिकतम तापमान 32.7°
20.1° न्यूनतम तापमान
सूर्यास्त सोमवार 6:42 | सूर्योदय मंगलवार 6:05
बादल छाए रहेंगे। तेज हवाओं के बीच बारिश का अनुमान है।

टॉय कार बम से दिल्ली को दहलाने की साज़िश नाकाम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

राजधानी को दहलाने की साजिश समय रहते नाकाम कर दी गई। स्पेशल सेल ने महाराष्ट्र एटीएस के साथ जॉइंट ऑपरेशन में मुंबई के कुर्ला और ठाणे के मुंब्रा से कामरान और बादा इमरान को गिरफ्तार किया। शुरुआती जांच में सामने आया कि दोनों टॉय कार के जरिए दिल्ली में धमाका करने की साजिश रच रहे थे। उनके पास से संदिग्ध सामग्री, दिल्ली और मुंबई के कई प्रतिष्ठित ठिकानों के नक्शे, कार मैप, मोबाइल, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद हुए हैं।

जांच में पता चला कि दोनों आरोपी यूपी के कुशीनगर निवासी रिजवान अहमद के संपर्क में थे। रिजवान उन्हें निर्देश दे रहा था। एजेंसियों को शक है कि इनका ब्रेनवॉश जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े पाकिस्तानी हैंडलर ने किया, जो टेलिग्राम और सिग्नल जैसे एन्क्रिप्टेड ऐप्स के जरिए संपर्क में था।

स्पेशल सेल ने कुशी नगर से रिजवान अहमद को पकड़ा है। सूत्रों ने बताया कि उसे ट्रांजिट रिमांड पर लिया है। रिजवान का नाम 2015 में ISIS से जुड़े मामले में सामने आया था। 2017 में उसके पास से विस्फोटक भी मिले थे और वह 2017 से 2023 तक जेल में रहा। ▸▸ पेज 5

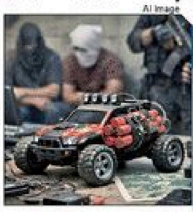

AI Image

कारों में आग लगाने के आरोप में चार पकड़े

आतंकी गतिविधियों में शामिल मेरठ और गौतमबुद्धनगर के छपरौला निवासी 4 आरोपियों को यूपी एटीएस ने 5 दिन की रिमांड पर लिया है। आरोपी दिल्ली एनसीआर में लावारिस खड़ी कारों और डंपिंग साइट में आग लगाते थे। इसका विडियो भेजने पर इन्हें 15-20 हजार रुपये मिलते थे। वहीं, आंध्र प्रदेश में भारत में युवाओं को कथित तौर पर कट्टरपंथी बनाने में शामिल विदेशी संचालकों और ISIS सहित चरमपंथी संगठनों से संदिग्ध तौर जुड़े एक आतंकी गिरोह का पर्दाफाश किया गया है। खुफिया विभाग के एक सूत्र ने रविवार को यह जानकारी दी।

छोटा सिलिंडर अब सिर्फ ID प्रूफ से

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली में प्रवासी मजदूर अब वैध पहचान पत्र दिखा कर गैस एजेंसियों से 5 किलो का सिलिंडर हाथों-हाथ ले सकते हैं। बुकिंग या कनेक्शन की जरूरत नहीं होगी। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि गोदाम से सीधे सिलिंडर बेचना अवैध है। ऐसी गतिविधि पर ऐक्शन होगा। ▸▸ पेज 3

शुगर और BP की नकली दवा पकड़ी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने शुगर, ब्लड प्रेशर, संक्रमण और अन्य बीमारियों में इलाज में इस्तेमाल होने वाली नकली दवाइयां पकड़ी हैं। डीसीपी आदित्य गौतम के मुताबिक, नकली दवाइयों को कई नामी ब्रैंड के नकली पैकेट में पैक किया जाता था। 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ▸▸ पेज 3

ये है अमृत भारत ट्रेन का कोच, आग लगने की आशंका बेहद कम

■ अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के सैंपल कोच का शनिवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने निरीक्षण किया।
■ कोच HL3 से बना है, जिससे आग लगने की आशंका बेहद कम है। फर्श, सीट, बर्थ, टेबल, टॉइलट सभी जगह एक जैसे रंगों का इस्तेमाल हुआ।

फटाफट खबरें

आजादपुर में बस की टक्कर से मौत

आदर्श नगर के आजादपुर में शनिवार शाम तेज रफ्तार डीटीसी बस की टक्कर से सड़क पार कर रहे 19 वर्षीय आकाश की मौत हो गई। आकाश शालीमार बाग के सहीपुर गांव के रहने वाले थे। आरोपी ड्राइवर फरार है। पुलिस ने केस दर्ज कर CCTV के जरिए बस और चालक की तलाश शुरू कर दी है।

गांववालों ने खुद तोड़ा अवैध निर्माण

यूपी के संभल के मुबारकपुर बंद गांव में ग्रामीणों ने ग्राम सभा की करीब साढ़े तीन बीघा जमीन पर बने मदरसा, मस्जिद और प्राथमिक स्कूल को खुद बुलडोजर से गिराना शुरू किया। मशीन का खर्च भी ग्रामीण उठा रहे हैं। प्रशासन ने कब्जा होने की पुष्टि की है।

मेरठ का मामला 2018 में हुई थी शादी, पिता ने कहा- ससुराल में बेटी को किया जा रहा था प्रताड़ित

बेटी के तलाक पर जश्न, पिता ने बजवाए ढोल, बोले- जैसे विदा किया, वैसे ले आया

■ NBT रिपोर्ट, मेरठ

ढोल-नगाड़ों की आवाज, I Love My Daughter लिखी टीशर्ट पहने लोग मिठाइयां बांटते चल रहे थे और बीच में थी एक लड़की जो फूल-मालाओं से लदी थी। मेरठ की सड़कों पर यह जश्न तलाक मिलने का था। रिटायर्ड जज पिता ने बेटी का तलाक होने के बाद कचहरी से घर तक जश्न मनाया।

रिटायर्ड जज ज्ञानेंद्र शर्मा ने बताया कि बेटी प्रगिता शर्मा की शादी 14 दिसंबर 2018 को शाहजहांपुर के रहने वाले आर्मी के मेजर गौरव अग्निहोत्री से की थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले प्रगिता को परेशान करने लगे। प्रगिता ने तलाक के लिए आवेदन दिया था, जो शनिवार को मंजूर हुआ।

कचहरी से घर तक ढोल-नगाड़ों के साथ परिवार ने मनाया जश्न

रिटायर्ड जज पिता बोले, बेटी का सम्मान पहले

ज्ञानेंद्र ने कहा, 'अगर मेरी बेटी शादी से दुखी थी, तो उसे खुशी देना मेरा दायित्व है। बेटी शादी में ढोल-नगाड़ों के साथ विदा हुई थी। आज उसे उसी सम्मान के साथ वापस लेकर आया हूं।' प्रगिता ने कहा, 'परिवार हर वक्त साथ खड़ा था, जिससे लड़ने की ताकत मिली। मैं सभी लड़कियों से कहूंगी कि कोई भी परेशान करे तो चुप न रहें।

मोदी ने उठाया, महाजंगलराज का मुद्दा, ममता बोलीं, SIR के खिलाफ वोट दें

■ पीटीआई, कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदा में भीड़ की ओर से न्यायिक अधिकारियों का घंटों तक घेराव किए जाने की घटना को लेकर रविवार को तृणमूल कांग्रेस (TMC) पर निशाना साधा और इसे सत्ताधारी पार्टी की सरकार के महाजंगलराज का उदाहरण बताया। मोदी कूचबिहार में रविवार को चुनावी रैली में कहा कि TMC बंगाल में कानून-व्यवस्था को तहस-नहस करने पर तुली हुई है। उन्होंने कहा, 'हम ऐसी सरकार से बंगाल की जनता की सुरक्षा की उम्मीद नहीं कर सकते।' वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने समसेरगंज में कहा, 'लोग SIR के खिलाफ अपना वोट डालें ताकि नतीजे उसी तरह दिखें। बंगाल के मजदूरों को बांग्लादेशी बताकर निकाला गया है।' ▸▸ पेज 6

PTI

बंगाल के कूचबिहार में हुई जनसभा में पीएम मोदी का स्वागत।

जुबिन और पार्टी के विचार एक: राहुल

राहुल गांधी ने असम के विश्वनाथ और गोलाघाट जिले में कहा कि उनकी पार्टी की विचारधारा संगीतकार जुबिन गर्ग जैसी है, जिन्होंने अपना जीवन असम को एकजुट करने में लगाया।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 06-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH10 User: cci Time: 04-05-2026 23:45 Color:

4
बोलर्स ने IPL इतिहास में दो-दो बार पारी में पांच विकेट या इससे अधिक झटके हैं। ये हैं- जयदेव उनादकट, जेम्स फॉकनर, जसप्रीत बुमरा और भुवनेश्वर कुमार

Quiz IPL स्पेशल

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. कितने बोलर्स ने IPL मैच में दो बार पांच विकेट या इससे अधिक लिए हैं?
A) 1 B) 2 C) 3 D) 4
2. KKR के लिए मौजूदा सीजन में सर्वाधिक रन किस बैटर ने बनाए हैं?
A) फिन एलेन B) अंगकृष रघुवंशी C) अजिंक्य रहाणे D) रिंकू सिंह

कल के जवाब
1.C) समीर रिजवी 2. B) 35

लकी WINNER

1. मुस्कान अग्रवाल, कालकाजी, दिल्ली
2. अमित बंसल, गाजियाबाद, यूपी
3. सचोष भंडारी, दहिसर, मुंबई

अब आप अपने जवाब हमें !!!!अलर्ट!!!!
8796958780
पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

फटाफट खबरें

अभय जीते, अनाहत बाहर
■ **नई दिल्ली:** भारत के अभय सिंह ने इजिप्ट में चल रही अल गौना ओपन स्क्वैश के मेंस सिंगल्स के पहले राउंड में मेजबान देश के अली अबोउ एलीनन को 3-2 से हराया। अब अभय का सामना इजिप्ट के ही छठे वरीय खिलाड़ी यूसुफ इब्राहिम से होगा। विमिंस सिंगल्स में भारत की अनाहत सिंह को इजिप्ट की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी हानिया अल हम्मामी ने पहले राउंड में हरा दिया।

कोचर रहे पांचवें स्थान पर
■ **चीबा:** भारत के करणदीप कोचर चौथे राउंड के अंतिम चरण में बर्डी की हैटट्रिक लगाकर इंटरनैशनल सीरीज जापान गोल्फ टूर्नामेंट में पांचवें स्थान पर रहे। ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस स्मिथ ने अंतिम होल में ईगल के साथ खिताब जीता। कोचर ने अंतिम दिन बोगी रहित प्रदर्शन किया।

उत्तर प्रदेश की बड़ी जीत
रांची: 16वीं सब जूनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में पंजाब, उत्तर प्रदेश, बंगाल और अरुणाचल प्रदेश ने दमदार जीत दर्ज की। पंजाब ने महाराष्ट्र को 2-0 से हराया, जबकि उत्तर प्रदेश ने मणिपुर को 17-1 से रौंदा। डिवीजन बी में बंगाल ने गुजरात पर 18-0 की जीत हासिल की।

टॉमी पॉल फाइनल में
■ **ह्यूस्टन:** टॉमी पॉल ने ह्यूस्टन में यूएस मेंस क्ले कोर्ट चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में फ्रांसिस टियाफो को हराकर अपने पहले एटीपी टूर क्ले फाइनल में जगह बनाई। अमेरिकी खिलाड़ी ने तीन सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में 7-5, 4-6, 7-6 से जीत हासिल की।

चौबीस की उम्र में रिटायर
■ **नई दिल्ली:** पेरिस ओलिंपिक्स में 57 किलो भार वर्ग की विमिंस रेसलिंग चैंपियन सुगुमी सकुराई ने महज 24 साल की उम्र में रिटायर होने का फैसला किया है।

शमी की धार और पंत के कमाल से सुपर जायंट्स ने सनराइजर्स को हराया
हैदराबाद में खुला लखनऊ का खाता

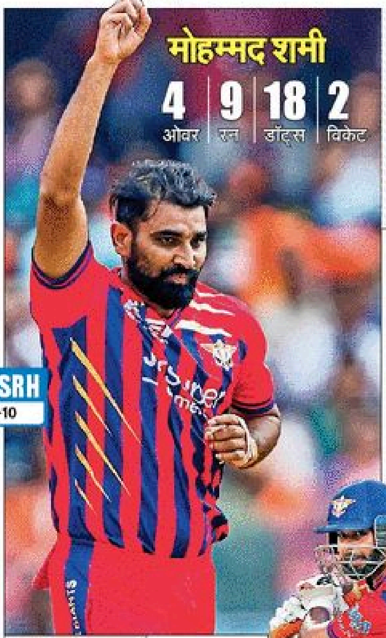

LSG vs SRH
मैच नंबर-10

■ **एजेंसियां, हैदराबाद:** मोहम्मद शमी (2/9) की करिश्माई गेंदबाजी और कप्तान ऋषभ पंत की संयमित अर्धशतकीय पारी के दम पर लखनऊ सुपर जायंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को पांच विकेट से हराकर IPL-2026 में जीत का खाता खोल लिया। यह मुकाबला दो हिस्सों में बंटा नजर आया। मुकाबले की पहली इनिंग्स शमी के नाम रही, जिन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल में सिर्फ नौ रन खर्च किए, जबकि दूसरी पारी कप्तान ऋषभ पंत के नाम रही। पहले बैटिंग करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद 20 ओवरों में नौ विकेट पर 156 रन बना पाया। लखनऊ ने 19.5 ओवरों में पांच विकेट शेष रहते टारगेट हासिल कर लिया।

शमी की घातक बोलिंग: 'प्लेयर ऑफ द मैच' शमी ने नई गेंद से ऐसी सटीक लाइन-लेंथ पकड़ी कि हैदराबाद की शुरुआत ही बिखर गई। उन्होंने अभिषेक शर्मा (0) और ट्रेविस हेड (7) को लगातार ओवर्स में आउट कर हैदराबाद को 26/4 के संकट में धकेल दिया। कुल 18 डॉट बॉल्स के साथ उनका स्पेल न सिर्फ बल्लेबाजों के लिए पहेली बना, बल्कि राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के लिए भी मजबूत संदेश साबित हुआ। युवा पेसर प्रिंस यादव ने भी दो विकेट लेकर बढ़िया साथ निभाया।

क्लासेन-रेड्डी ने संभाला: हेनरिक क्लासेन (62) और नीतीश कुमार रेड्डी (56) ने पांचवें विकेट के लिए 116 रन जोड़कर मैच में जान फूंकी। ग्यारहवें से 15वें ओवर के बीच 79 रन बनाकर दोनों ने लखनऊ की पकड़ ढीली की, लेकिन जैसे ही यह साझेदारी टूटी, हैदराबाद की पारी फिर बिखर गई। आखिरी 2.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर टीम 156/9 तक ही पहुंच सकी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ को एडेन मार्करम (46) ने मजबूत आधार दिया, लेकिन असली कहानी कप्तान पंत ने लिखी। धीमी पिच पर उन्होंने संतुलन बनाते हुए 50 गेंदों में 68* रन जड़े।

IPL 2026 में पावरप्ले में छोटे टोटल

स्कोर	टीम	खिलाफ
22/3	हैदराबाद	लखनऊ
33/4	दिल्ली	लखनऊ
41/4	चेन्नै	राजस्थान
41/2	मुंबई	दिल्ली
42/2	दिल्ली	मुंबई

116 रन जोड़े क्लासेन और नितीश ने। यह साझेदारी SRH की पांचवें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है

626 रन बनाए हैं ऋषभ पंत ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ। पंत का हैदराबाद के खिलाफ औसत 44.71 है

ऋषभ पंत

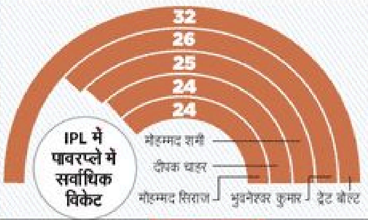

स्कोरकार्ड

SRH: ट्रेविस हेड कॉ मार्करम बो शमी 7, अभिषेक शर्मा कॉ सिद्धार्थ बो शमी 0, ईशान किशन बो प्रिंस 1, लियम लिविंगस्टोन कॉ पंत बो राठी 0, हेनरिक क्लासेन कॉ पंत बो आवेश 62, नीतीश कुमार रेड्डी कॉ प्रिंस बो सिद्धार्थ 56, अनिकेत वर्मा नॉट आउट 2, हर्ष दुबे बो आवेश 0, शिवम कुमार बो प्रिंस 5, हर्षल पटेल रन आउट 4 **एक्स्ट्राज:** 5 **टोटल:** 20 ओवर्स में नौ विकेट पर 156 रन **विकेट:** 1-1, 2-8, 3-11, 4-26, 5-142, 6-144, 7-144, 8-151, 9-156 **बोलिंग:** मोहम्मद शमी 4-0-9-2, दिग्वेश राठी 4-0-46-1, प्रिंस यादव 4-0-34-2, एम सिद्धार्थ 4-0-29-1, आवेश खान 4-0-36-2

LSG: एडेन मार्करम कॉ लिविंगस्टोन बो शिवांग 45, मिचेल मार्श कॉ रेड्डी बो मलिंगा 14, ऋषभ पंत नॉट आउट 68, आयुष बडोनी स्टंप ईशान बो हर्ष 12, निकोलस पूरन रन आउट 1, अब्दुल समद कॉ लिविंगस्टोन बो दुबे 16, मुकुल चौधरी नॉट आउट 2 **एक्स्ट्राज:** 2 **टोटल:** 19.5 ओवर्स में पांच विकेट पर 160 रन **विकेट:** 1-37, 2-77, 3-102, 4-105, 5-139 **बोलिंग:** हर्ष दुबे 4-0-18-2, नितीश कुमार रेड्डी 1-0-14-0, जयदेव उनादकट 3.5-0-50-0, ईशान मलिंगा 4-0-30-1, हर्षल पटेल 3-0-16-0, शिवम कुमार 4-0-30-1

मेरा बल्ला ही बोले: पंत
कप्तान ऋषभ पंत बाहरी आलोचनाओं से दूर रहते हुए अपने प्रदर्शन से जवाब देना पसंद करते हैं और उनके इसी तेवर ने लखनऊ सुपर जायंट्स को सनराइजर्स हैदराबाद पर पांच विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। टी20 बल्लेबाजी शैली को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच, पंत ने स्पष्ट किया कि उनके लिए ड्रेसिंग रूम के अंदर की बातचीत सबसे अधिक मायने रखती है। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'मैं जानता हूं कि मैं अच्छी तैयारी कर रहा हूं। मैं चाहता हूं कि मेरा बल्ला ही बोले। मेरे साथी और टीम मैनेजमेंट मेरी मेहनत देखते हैं, वही मायने रखता है।'

टिम, रजत के बूते बेंगलुरु की चेन्नै पर रॉयल जीत

202 विकेट हो गए हैं भुवनेश्वर कुमार के IPL में। इस लीग में युजवेंद्र चहल (224) के बाद 200+ विकेट लेने वाले वह दूसरे बोलर हैं

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली/बेंगलुरु:** टिम डेविड (70* रन, 25 बॉल, 3 फोर, 8 सिक्स) और कप्तान रजत पाटीदार (48* रन, 19 बॉल, 1 फोर, 6 सिक्स) की पावर हिटिंग के बाद अनुशासित गेंदबाजी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने रविवार को चेन्नै सुपरकिंग्स (CSK) पर 43 रन से जीत दर्ज की। डेविड और पाटीदार ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में स्लॉग ओवर्स में पावर हिटिंग का अद्भुत नजारा पेश किया और 36 गेंद पर 99* रन की साझेदारी की। इस जोड़ी ने अंतिम पांच ओवर्स में 97 रन जोड़े जिससे RCB ने 250/3 का विशाल टोटल खड़ा किया। चेन्नै के खिलाफ बेंगलुरु का यह हाईएस्ट टोटल था, जबकि IPL में उनका तीसरा हाईएस्ट टोटल। इस पहाड़ जैसे टोटल के सामने चेन्नै की टीम दबाव में आ गई और 207 रन पर सिमट गई। इसके साथ बेंगलुरु ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की वहीं चेन्नै को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा। बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नै की टीम शुरुआती दबाव में ही 30 के टोटल पर ऋतुराज गायकवाड़, आयुष म्हात्रे और संजू सैमसन के विकेट गंवाकर पटरी से उतर गई। हालांकि इसके बाद सरफराज खान (50 रन, 25 बॉल) ने तेजी से रन बटोरकर पारी को संवारने की कोशिश की, लेकिन उनके आउट होते ही बेंगलुरु के बोलर्स ने पीछे से और दो विकेट निकालकर चेन्नै का आधा दम निकाल दिया। इसके बाद प्रशांत वीर (43) और जेमी ओवर्टन (37) ने हार के अंतर को कम किया।

RCB vs CSK
मैच नंबर-11

विराट-सॉल्ट ने दिया स्टार्ट: इससे पहले, CSK की शुरुआत अच्छी रही और उसने विराट कोहली व फिल सॉल्ट की ओपनिंग जोड़ी पर दबाव बनाया। बेंगलुरु की पहली बाउंड्री चौके के रूप में 20 गेंद बाद आई। लेकिन फिर विराट ने बल्ला चलाना शुरू किया और पावरप्ले में स्कोर 51 रन तक पहुंच गया। विराट के जाने के बाद सॉल्ट ने पारी संभाली और 10 ओवर्स में टीम के टोटल को 91 रन तक पहुंचा दिया। वहां से देवदत्त पडिक्कल और पाटीदार ने मोर्चा संभाला और 18 गेंदों में पांच सिक्स और तीन फोर जड़कर 14वें ओवर में ही टीम टोटल 150 के पार पहुंचा दिया। **डेविड ने जॉइन की पार्टी:** पडिक्कल के आउट होने से खुश चेन्नै का खेमा चंद गेंदें बाद ही परेशान हो उठा जब नए बल्लेबाज डेविड ने आते ही पाटीदार के साथ बाउंड्री लगाने की होड़ शुरू कर दी। पाटीदार ने 14 गेंद पर पांच सिक्स की मदद से 40 रन ठोक दिए थे। इसके बाद डेविड ने 17वें ओवर में अटैक पर आए नूर अहमद पर तीन सिक्स जड़े। पारी के 19वें ओवर में ओवर्टन अटैक पर आए तो उनके ओवर में डेविड ने चार सिक्स और एक फोर जड़कर खलबली मचा दी।

स्कोरकार्ड

RCB: फिल सॉल्ट कॉ नूर बो दुबे 46, विराट कोहली कॉ दुबे बो कंबोज 28, देवदत्त पडिक्कल 50, रजत पाटीदार नॉट आउट 48, टिम डेविड नॉट आउट 70 **एक्स्ट्राज:** 8 **टोटल:** 20 ओवर्स में तीन विकेट पर 250 रन **विकेट:** 1-47, 2-93, 3-151 **बोलिंग:** खलील 4-0-37-0, मैट 3-0-36-0, कंबोज 4-0-52-1, नूर 4-0-49-0, ओवर्टन 3-0-42-1, शिवम 2-0-30-1

CSK: फिल सल्ट, सैमसन कॉ पडिक्कल बो शमी 9, ऋतुराज गायकवाड़ कॉ पडिक्कल बो शर्मा 7, आयुष म्हात्रे कॉ पाटीदार बो भुवनेश्वर 1, सरफराज खान स्ट शर्मा बो कुणाल 50, कार्तिक शर्मा कॉ अभिनंदन बो कुणाल 6, शिवम दुबे कॉ जितेश बो अभिनंदन 18, प्रशांत वीर कॉ पाटीदार बो भुवनेश्वर 43, जेमी ओवर्टन कॉ सब, बो सुयश 37, अंशुल कंबोज नॉट आउट 19, नूर अहमद कॉ कोहली बो भुवनेश्वर 8, मैट हेनरी कॉ सॉल्ट बो अभिनंदन 2 **एक्स्ट्राज:** 7 **टोटल:** 19.4 ओवर्स में 207 रन पर ऑल आउट **विकेट:** 1-9, 2-10, 3-30, 4-77, 5-84, 6-108, 7-165, 8-178, 9-190, 10-207 **बोलिंग:** शमी 4-0-58-2, भुवनेश्वर 4-0-41-3, अभिनंदन 3.4-0-30-2, कुणाल 3-0-36-2, सुयश 4-0-21-1, शेफर्ड 1-0-19-0

किंग्स लगाएंगे जीत की हैटट्रिक या नाइटराइडर्स टालेंगे तीसरी हार

■ **एजेंसियां, कोलकाता:** मौजूदा IPL सीजन में लगातार दो जीत हासिल करने वाली पंजाब किंग्स (PBKS) की टीम आज जब कोलकाता नाइटराइडर्स (KKR) के सामने होगी तो उसका इरादा जीत की हैटट्रिक लगाने वाली सीजन की पहली टीम बनने का होगा। वहीं दूसरी ओर अपने होम ग्राउंड पर उतर रही कोलकाता लगातार तीसरी हार टालकर सीजन की पहली जीत हासिल करना चाहेगी।

गलत साबित हो रही रणनीति: तीन बार की चैंपियन टीम के लिए गलत रणनीति बड़ा मुद्दा बनकर उभर रही है। टीम की उलझी हुई रणनीति टीम संयोजन में साफ नजर आती है।

KKR vs PBKS
मैच नंबर-12

न्यूजीलैंड के तीन शीर्ष खिलाड़ियों फिन एलेन, टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र के टीम में होने के बावजूद नाइटराइडर्स की टीम उनका सही इस्तेमाल करने में नाकाम रही है। इसके अलावा रोवमैन पॉवेल भी बाहर हैं जिससे टीम के चयन फैसलों पर सवाल उठ रहे हैं।

कॉन्फिडेंट नजर आ रही 'श्रेयस की सेना': दूसरी ओर श्रेयस की अगुआई में पंजाब ने अब तक अपने तीनों मैच जीते हैं। युवा कूपर कोनोली ने दो मैच में 108 रन बनाकर तीसरे नंबर पर प्रभावित किया है जबकि प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने टीम को अच्छी शुरुआत दी है। श्रेयस ने बीच के ओवरों में भरोसे के साथ बल्लेबाजी की है। अर्शदीप सिंह, मार्को यानसेन और विजयकुमार वैशाख की मौजूदगी में गेंदबाजी इकाई संतुलित लग रही है जबकि अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल आक्रमण को मजबूत करते हैं।

श्रेयस अय्यर
रिकी पॉन्टिंग

आमना सामना	KKR जीती	कुल मैच	PBKS जीती	नो रिजल्ट
	21	35	13	1

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

घरेलू टीम को हराने के एक्सपर्ट!
श्रेयस की कप्तानी में पंजाब किंग्स ने घर से बाहर भी दमदार प्रदर्शन किया है। टीम का अवे-रेकॉर्ड उसे इस सीजन की सबसे खतरनाक टीमों में शामिल करता है। पिछले सीजन से अब तक खेले 11 अवे मैच में पंजाब ने 8 में जीत दर्ज की है, जबकि उसे सिर्फ दो में हार मिली। यह आंकड़ा टीम की निरंतरता में खेलने की क्षमता को दर्शाता है। अवे जीत के मामले में पंजाब, बेंगलुरु के बाद दूसरे स्थान पर है।

संभावित प्लेइंग XI

KKR: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलेन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, रिंकू सिंह, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, सुनील नरेन, कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती **इम्पैक्ट प्लेयर:** ब्लेसिंग मुजरबानी

PBKS: प्रियांश आर्या, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कूपर कोनोली, श्रेयस अय्यर (कप्तान), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, मार्को यानसेन, जेवियर बार्टलेट, विजयकुमार वैशाख, अर्शदीप सिंह **इम्पैक्ट प्लेयर:** युजवेंद्र चहल

टेलिकास्ट: शाम 7:30 बजे से जियोहॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

103 रन के साथ अंगकृष रघुवंशी मौजूदा IPL सीजन में KKR के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले प्लेयर हैं

अब सिलेक्टर्स की निगाहें रहेंगी देशपांडे पर: स्टेन

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** साउथ अफ्रीका के पूर्व दिग्गज पेसर डेल स्टेन मौजूदा IPL सीजन में तुषार देशपांडे के प्रदर्शन से प्रभावित हैं और उनका कहना है कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ आखिरी ओवर में राजस्थान रॉयल्स के इस पेसर का धैर्यपूर्ण प्रदर्शन नैशनल सिलेक्टर्स का ध्यान खींचेगा। देशपांडे ने अहमदाबाद में गुजरात के खिलाफ आखिरी ओवर में 10 रन बचाकर उन्होंने रॉयल्स को जीत दिलाई। स्टेन ने कहा, 'तुषार का आखिरी ओवर बढ़िया था। उन्होंने दबाव में सही यॉर्कर डाली, राशिद खान जैसे खिलाड़ी को बाउंड्री लगाने का मौका नहीं दिया। एक बोलर के लिए इतने अधिक दबाव वाली स्थिति में शांत रहना बहुत मुश्किल होता है। उन्होंने निडर गेंदबाजी की और यह प्रदर्शन सुनिश्चित करेगा कि भारतीय सिलेक्टर इस IPL सीजन में उनसे नजरें नहीं हटाएंगे।'

एक्सपर्ट्स की राय

राजस्थान रॉयल्स के तुषार देशपांडे

साई ने उठाई जिम्मेदारी: अश्विन: भारत के पूर्व ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने गुजरात टाइटंस के लिए साई सुदर्शन की खेली गई पारी की तारीफ की। अश्विन के मुताबिक, 'साई को पता था कि शुभमन आज नहीं खेल रहे हैं, इसलिए उन्हें खुद ही सारा काम करना पड़ा। जिस तरह से उन्होंने शुरुआत की, उससे पता चला कि वह अपनी ताकत समझते हैं।'

अमन, सुजीत होंगे मेडल की होड़ में
■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में ओलिंपिक्स मेडल विजेता अमन सहरावत भारत की अगुआई करेंगे। इस चैंपियनशिप में करीब 350 पहलवान 30 गोल्ड मेडल के लिए होड़ में होंगे। इसमें कुल 30 भारतीय पहलवान हिस्सा लेने जा रहे हैं। अमन नॉन-ओलिंपिक्स 61 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगे। सुजीत कलकल से भारत को मेडल की उम्मीद होगी।

एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप

अमन सहरावत

चुनौतियां पसंद हैं मुझे: वैशाख

■ **एजेंसियां, कोलकाता:** पंजाब किंग्स के पेसर विजयकुमार वैशाख IPL में अपनी बोलिंग में विविधता लाने के साथ लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करना चाहते हैं। दो मैच में पांच विकेट लेकर वैशाख ने पिछले सीजन के पांच मैच में लिए गए चार विकेट के मुकाबले इस सीजन में कहीं ज्यादा बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, 'मैं उतनी तेज गेंदबाजी नहीं करता हूं जितनी तेज गेंदबाजी अन्य कर रहे हैं। लेकिन हां, जहां तक मेरी बात है, मुझे चुनौतियां स्वीकार करना पसंद है। इसलिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं किस समय गेंदबाजी कर रहा हूं। जब तक मैं टीम के लिए अपना योगदान दे रहा हूं, तब तक सब ठीक है।'

आईपीएल रिऐक्शंस

विजयकुमार वैशाख

बैटर्स से बेहतर प्रदर्शन चाहें हेडन
गुजरात के बैटिंग कोच मैथ्यू हेडन चाहते हैं कि लगातार दूसरी हार के बाद उनके बैटर्स अधिक एकजुट होकर खेलें। हेडन ने कहा, 'वॉशिंगटन सुंदर अगर रवि बिश्नोई जैसे किसी गेंदबाज के खिलाफ आक्रामण करने जा रहे थे, जो अच्छी लय में थे, तो उस समय उन्हें एक बहुत बड़ा फैसला लेना था। शायद यह ऐसा विकल्प था जिस पर वह सोच सकते थे और लक्ष्य का पीछा करते हुए और एकजुट रहने की कोशिश कर सकते थे।'

भारत को राइफल, पिस्टल में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

■ **एजेंसियां, ग्रेनाडा (स्पेन):** भारतीय पिस्टल और राइफल निशानेबाज सोमवार से यहां होने वाले सीजन के शुरुआती ISSF वर्ल्ड कप में पिछले साल के अपने दबदबे वाले प्रदर्शन को जारी रखने के संकल्प के साथ उतरेंगे। मोरक्को में आयोजित शॉटगन वर्ल्ड कप में निराशाजनक शुरुआत के बाद भारतीय निशानेबाजों का सारा ध्यान पिस्टल और राइफल स्पर्धाओं पर केंद्रित है। टीम नए सिरे से जीत की मानसिकता के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक होगी, जिसे ओलिंपियन रिया सांगवान, अंजुम मौदगिल और मेहुली घोष की उपस्थिति से बल मिलेगा। टीम को हालांकि दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता मनु भाकर और वर्ल्ड चैंपियन सम्राट राणा के अनुभव की कमी खलेगी।

शूटिंग वर्ल्ड कप

शूटर रिया सांगवान

ऑस्ट्रेलिया की भारत पर बड़े अंतर से जीत
■ **एजेंसियां, पाथुम थानी (थाईलैंड):** भारतीय महिला फुटबॉल टीम को पाथुम थानी स्टेडियम में AFC अंडर-20 विमिंस एशियन कप 2026 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 0-5 से करारी हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के लिए स्काई हैल्मरिक (38, 39, 48वें मिनट) ने हैटट्रिक लगाई, जबकि डेनेला बूटस (54वें मिनट) और डेनी ब्राउन (90+4वें मिनट) ने भी गोल किए। इस नतीजे से ऑस्ट्रेलिया की टीम ने नॉकआउट राउंड में जगह बना ली। भारत अभी ग्रुप-सी में सबसे नीचे है और दो मैच में उसका खाता नहीं खुला है।

अंडर-20 विमिंस एशियन कप

साउथैम्पटन ने किया बड़ा उलटफेर

■ **एजेंसियां, लंदन:** दूसरे टियर की टीम साउथैम्पटन ने एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल को 1-2 से हरा दिया, जबकि मैनचेस्टर सिटी ने अर्लिंग हालैंड की हैटट्रिक से लीवरपूल को 4-0 से शिकस्त दी। इंग्लिश लीग कप के फाइनल में सिटी के खिलाफ हार के बाद आर्सेनल ने 85वें मिनट में गोल गंवाकर साउथैम्पटन को जीत दर्ज करने का मौका दिया और संभवतः एक और खिताब जीतने का मौका गंवा दिया। दूसरी तरफ सिटी के पास मौजूदा सीजन में दोहरा खिताब जीतने का मौका है। चेल्सी ने भी टीम पोर्ट वेल को 7-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

फुटबॉल कॉर्नर

आर्सेनल पर जीत के बाद जश्न मनाते साउथैम्पटन टीम के खिलाड़ी

खिताब की ओर बार्सिलोना
मैड्रिड: बार्सिलोना ने वापसी करते हुए ला लीगा में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे ऐटलेटिको मैड्रिड को 2-1 से हराकर खिताब जीतने की ओर मजबूत कदम बढ़ाए। रियाल मैड्रिड की 1-2 की हार ने बार्सिलोना की स्थिति और मजबूत कर दी।

मीनाक्षी, जैसमीन ने भी कर लिया मेडल पक्का

■ **एजेंसियां, उलानबटोर:** मीनाक्षी हुड्डा और जैसमीन लंबोरिया के सेमीफाइनल में पहुंचने से भारतीय विमिंस बॉक्सर का एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन रविवार को भी जारी रहा। इन दोनों की जीत के साथ ही भारतीय महिला दल के सभी मुक्केबाजों का पदक पक्का हो गया है। मीनाक्षी ने 48 किग्रा वर्ग में जापान की युका सादामात्सु को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराया। जैसमीन ने 57 किग्रा वर्ग में चीन की निवी चेन को 5-0 से मात दी। वहीं, पुरुष वर्ग में लोकेश (85 किग्रा) ने गियाट किम को 5-0 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। इसके बाद आकाश (75 किग्रा) ने भी अपना मुकाबला जीत लिया।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप

जैसमीन (बाएं) और मीनाक्षी

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 06-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH11 User: cci Time: 04-05-2026 22:25 Color:

NBT Delhi Times OF INDIA masala mix
MONDAY, APRIL 6, 2026 ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE

इमरान ने कहा, 'सिर्फ बड़ी फिल्मों के लिए थिएटर जाने में दर्शकों की कोई गलती नहीं'

बेटी आराध्या को हम खुद करके सिखाते हैं: अभिषेक बच्चन

@bachchan

हाल ही में अभिषेक बच्चन ने बताया कि अपनी बेटी आराध्या की वजह से कैसे वह जिंदगी को नए नजरिये से देखने लगे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वह और पत्नी ऐश्वर्या राय बच्चन इस बात पर विश्वास रखते हैं कि बेटी को अपने माता-पिता को देखकर सीख लेनी चाहिए। एक बातचीत में उन्होंने कहा, 'मैं और ऐश्वर्या बेटी आराध्या के लिए एक अच्छा उदाहरण बनने की कोशिश करते हैं, ना कि सिर्फ यह बताते हैं कि उसके लिए क्या अच्छा है और क्या बुरा। हम उसको वह करके दिखाने की कोशिश करते हैं, जो हम उससे कहते हैं। हम कभी यह नहीं कहते कि हम आपको अपना बचाव करना सिखाते हैं। आप अगर मेरी पत्नी को देखें तो वह अपना ख्याल खुद रखती हैं। हमने कभी यह नहीं बोला कि मैं उसे सेल्फ डिफेंस सिखाता हूं, आप (ऐश्वर्या) उसे प्यार करना सिखाएं।'

इसी दौरान अभिषेक ने एक वाकया भी साझा किया। उन्होंने बताया, 'बचपन में एक बार आराध्या टीवी देख रही थी तो मैंने उससे पूछा कि क्या वह मुझे एक गिलास पानी दे देगी। उसने पूछा क्यों, तो मैंने कहा कि क्योंकि मैंने आपसे कहा है और यह नॉर्मल बात है। वह मेरे लिए पानी ले आई। थोड़ी देर बाद उसने मुझसे कहा कि क्या मैं उसे पानी लाकर दे सकता हूं। तो मैंने कहा कि आप जाकर ले लो। तो उसने मुझे पूछा कि अगर वह मुझे पानी लाकर दे सकती है तो मैं क्यों नहीं लाकर दे सकता। मेरे पास इस सवाल का कोई जवाब नहीं था।'

फिल्म ने बदल दी मृणाल की ज़िंदगी

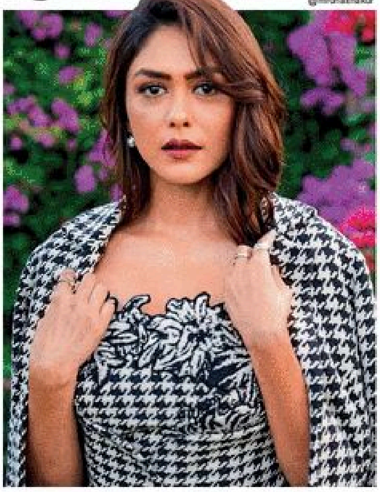
@mrunalthakur

आमिर खान की फिल्म 3 इडियट्स (2009) की कहानी आज भी कई लोगों को खूब पसंद आती है। अब मृणाल ठाकुर का कहना है कि इस फिल्म ने उनपर भी गहरा असर डाला और उनकी जिंदगी बदल दी।

उन्होंने एक बातचीत में कहा, 'जब मैं बड़ी हो रही थी, तब मैं 3 इडियट्स से बहुत प्रेरित थी। इसने मेरी जिंदगी बदल दी। तब मैंने तय किया कि मैं भी ऐसे सिनेमा का हिस्सा बनूंगी जो किसी की जिंदगी में बदलाव लाए। मैं चाहती हूं कि लोग सोचें कि अगर फिल्म का किरदार ऐसा कर सकता है, तो मैं भी कर सकता हूं।' वह आगे कहती हैं, 'मेरा मेड इन हैवन वाला किरदार काफी बोल्ड था, लेकिन आज भी मैं कहीं जाती हूं तो कई महिलाएं मेरे पास आकर कहती हैं कि वह खराब रिश्ते में थीं और कैसे मेरे किरदार ने उन्हें प्रेरित किया जिसके बाद वह उन हालातों से बाहर निकलीं और आज वह अपनी जिंदगी अच्छी जी रही हैं।'

3 इडियट्स का एक सीन

रणदीप हुड्डा ने अपने 'साथियों' होप-वीर पर लुटाया खूब प्यार

अपने घोड़े के साथ रणदीप हुड्डा
@randeephooda

रणदीप हुड्डा आए दिन अपने घोड़ों के साथ तस्वीरें साझा करते रहते हैं। अब एक बार फिर उन्होंने अपने इन प्यारे साथियों के साथ कुछ खास फोटोज साझा की हैं, जिन्हें सोशल मीडिया पर खूब सारा प्यार भी मिल रहा है। दरअसल इन फोटोज में रणदीप अस्तबल में अपने घोड़ों होप और वीर पर प्यार लुटाते हुए नजर आ रहे हैं। किसी तस्वीर में वह उन्हें प्यार से सहला रहे हैं तो किसी में उनके माथे पर किस कर रहे हैं। इन फोटोज को शेयर करते हुए रणदीप ने प्यारा सा कैप्शन भी डाला। उन्होंने लिखा, 'मुझे लगा ये नन्हे अपना प्यार मिस कर रहे थे, तो मैं उनके पास गया और एक किस के साथ सब ठीक कर दिया। साफ दिल का होप साढ़े तीन साल का है और भरपूर ताकत वाला वीर दो साल का है।'

> मुझे लगा ये नन्हे प्यार मिस कर रहे थे, तो मैं उनके पास गया और एक किस के साथ सब ठीक कर दिया

रणदीप की पर्सनल लाइफ की बात करें तो वह हाल ही में पिता बने हैं। उनकी पत्नी लिन लैशराम ने एक बेटी को जन्म दिया है। इसकी जानकारी कपल ने सोशल मीडिया पर दी।

NBT कम्युनिटी कनेक्ट

हनुमान जयंती पर गुर्जर समाज का शक्ति और सम्मान का संगम

Mohit.Chandela
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा की ओर से हर वर्ष की तरह इस बार भी भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। वर्ष 2021 में शुरू हुई इस परंपरा का यह छठा आयोजन रहा, जिसमें धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सम्मान का अनूठा संगम देखने को मिला।

फरीदाबाद के मेवला महाराजपुर स्थित अनुराग फार्मिंग में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत हवन-पूजन के साथ हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रतिभा सम्मान समारोह रहा, जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।

महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग गुर्जर ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में एकता, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि इस मंच के जरिए समाज के उन लोगों को सम्मान दिया गया, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करते हुए समाज का नाम रोशन किया है।

समारोह में सम्मानित किए गए प्रमुख लोगों में आचार्य वीरेंद्र विक्रम, आचार्य ओमप्रकाश यजुर्वेदी, एसीपी राजेश चेची, पार्षद अजय बैसला, पार्षद तिलकी चपराना, सुनील खटाना, सतीश, संजय चपराना, नरेश बैसला, प्रवीण बैसला, अमर सिंह भड़ाना, शशि अधाना, प्रमोद बिधूड़ी और ब्रह्म सिंह नागर शामिल रहे। इन सभी को उनके-अपने क्षेत्र में योगदान के लिए मंच पर सम्मानित किया गया।

राजस्थान के गुर्जर समाज से जुड़े कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया

- हनुमान जन्मोत्सव पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया
- साल 2021 से शुरू हुई परंपरा का छठा सफल आयोजन
- अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा की ओर से किया गया आयोजन
- हवन-पूजन से हुई शुरुआत, श्रद्धालुओं को वितरित किया गया प्रसाद

सम्मान के प्रतीक के रूप में सभी सम्मानित व्यक्तियों को गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज और भगवान देवनारायण जी की प्रतिमा स्वरूप मोमेंटो भेंट किया गया। यह पहल समाज के गौरवशाली इतिहास को याद करने और नई पीढ़ी को उससे जोड़ने का प्रयास मानी जा रही है।

आयोजकों के अनुसार, इस वर्ष का कार्यक्रम विशेष रूप से राजस्थान के गुर्जर समाज के लिए भी महत्वपूर्ण रहा, जहां से जुड़े कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। बड़ी संख्या में समाज के लोग, पदाधिकारी और श्रद्धालु इस आयोजन में शामिल हुए और कार्यक्रम को सफल बनाया। महासभा ने सभी समाज बंधुओं से अपील की कि वे ऐसे आयोजनों में हिस्सा लेकर सामाजिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को और मजबूत करें।

मिथिला के दिग्गज गीतकार रवींद्रनाथ ठाकुर को किया याद

कार्यक्रम की अध्यक्षता देवशंकर नवीन ने की और उदयनारायण सिंह 'नचिकेता' मुख्य अतिथि रहे

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर ने जिनकी रचना को स्वरबद्ध किया, मिथिला के ऐसे गीतकार रवींद्रनाथ ठाकुर का जन्मोत्सव रविवार को धूमधाम से मनाया गया। रवींद्र सांस्कृतिक मंच द्वारा ITO स्थित राजेंद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में रवींद्र नाथ ठाकुर रचित गीतों को उनके ही पुत्र अवनींद्र ठाकुर ने गाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। उनके अलावा अंजू झा और बाल कलाकार यशस्वी झा का गायन और श्रुति सरगम का नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। मंच संचालन रविनाथ ठाकुर ने किया।

संस्था के अध्यक्ष अखिलेश मिश्र ने इस दौरान कहा कि रवींद्र नाथ ठाकुर जैसे रचनाकार मिथिला तो क्या, देश में सदियों बाद जन्म लेते हैं। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ गीतकार चंद्रमणि झा को रवींद्र साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके अलावा ललितेश चन्द्र को रवींद्र नाट्य एवं चलचित्र सम्मान, गोविंद सरस्वती को रवींद्र मैथिली संगीत सम्मान और प्रियम्वदा सिंह को रवींद्र शिक्षा अलख सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विवेकानंद झा, प्रवीण कुमार झा और आलोक कमल आदि विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम के दौरान देश के कुछ अग्रणी मैथिल संस्थाओं का भी सम्मान किया गया।

रोहिणी में रविवार को लगेगा खास हेल्थ कैंप

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: हिमाचल प्रदेश की प्रवासी संस्था हिम सामाजिक संगठन, दिल्ली की ओर से रविवार 12 अप्रैल को रोहिणी में मुफ्त हेल्थ चेकअप शिविर लगाया जाएगा। यह परोपकारी कार्य भगवान परशुराम सेवा प्रतिष्ठान के साथ मिलकर किया जा रहा है। संस्था के प्रधान कुलवंत सिंह राणा ने बताया कि हेल्थ कैंप का आयोजन रोहिणी सेक्टर-2 स्थित परशुराम भवन में सुबह 10 बजे से किया जाएगा। शिविर में डॉक्टरों की टीम लोगों को गहन जांच, मेडिकल टेस्ट और परामर्श जैसी सुविधाएं मुफ्त में उपलब्ध कराएगी। पूरे आयोजन की देखरेख महासचिव दिनेश शर्मा और चेयरमैन संजीव शर्मा करेंगे।

कवयित्री ममता रावत को दी गई श्रद्धांजलि

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

उत्तराखण्ड लोक-भाषा साहित्य मंच, दिल्ली और साबली विकास समिति की ओर से डीपीएमआई सभागार, न्यू अशोक नगर में गढ़वाली कवयित्री ममता रावत को श्रद्धांजलि दी गई। ममता रावत का 25 मार्च 2026 को अचानक निधन हो गया था। वह गढ़वाली भाषा की सुप्रसिद्ध कवयित्री और गीतकार थीं। मांगल गीत गाने में भी उन्हें खास महारत हासिल थी।

मंच के संयोजक दिनेश ध्यानी ने बताया कि ममता रावत बहुत ही होनहार कवयित्री थीं और कम समय में उन्होंने साहित्य में अपनी अलग पहचान बना ली थी। उन्होंने कहा कि ममता रावत सिर्फ कवयित्री ही नहीं, बल्कि गीतकार और मंगलगीत गायिका के रूप में भी प्रसिद्ध थीं। उनका असमय निधन भाषा, साहित्य और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

श्रद्धांजलि सभा में सुप्रसिद्ध लोकगायक सर्वेश्वर बिष्ट ने गीतों के माध्यम से ममता रावत को स्वरांजलि दी। इस मौके पर कई साहित्यकारों और समाजसेवियों ने भी अपने विचार रखे और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में ममता रावत के परिजनों के साथ-साथ कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इनमें साहित्यकार चंदन प्रेमी, भगवती प्रसाद जुयाल गढ़देशी, जबर सिंह कैंतुरा, जयपाल सिंह रावत, दर्शन सिंह रावत, बृजमोहन वेदवाल, दिनेश ध्यानी, रमेश हितैषी, प्रदीप रावत खुदेड़, ओम ध्यानी, वीरेंद्र जुयाल उपरि, दिग्पाल कैंतुरा और दयाल नेगी सहित कई लोग शामिल हुए।

बचपन से ही प्रतिभा की धनी थीं ममता

ममता रावत का जन्म 13 जून 1990 को बीरोंखाल ब्लॉक के अरकंडाई गांव में पीताम्बरी देवी और जगदीश सिंह रावत के घर हुआ था। बचपन से ही वह विलक्षण प्रतिभा की धनी थीं। वह अपने पति अजय सिंह रावत और बेटे आदित्य के साथ फरीदाबाद में रह रही थीं। गढ़वाल विश्वविद्यालय से बीएड करने के बाद ममता रावत ने शिक्षिका के रूप में काम किया।

NBT जन्मदिन मुबारक

आप भी भेज सकते हैं देश की जानी-मानी हस्तियों को जन्मदिन की बधाई। बस इस QR कोड को स्कैन करें और विश करें।

HAPPY BIRTHDAY HAPPY BIRTHDAY

6 अप्रैल

दिलीप वेंगसरकर
6 अप्रैल 1956 को जन्मे दिलीप वेंगसरकर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान हैं। रिटायरमेंट के बाद उन्होंने BCCI के चीफ सिलेक्टर के रूप में भी अहम भूमिका निभाई थी।
@dilipvengsarkarcricketacademy
X @DBVengsarkar

10 अप्रैल

आयशा टाकिया
10 अप्रैल 1986 को जन्मी आयशा टाकिया ने 'टार्जन: द वंडर कार' से फिल्मों में डेब्यू किया था, फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड मिला था। सलमान के साथ 'वांटेड' से उन्हें बड़ी पहचान मिली थी।
@ayeshatakia

7 अप्रैल

जीतेंद्र
7 अप्रैल 1942 को जन्मे जीतेंद्र बॉलिवुड के सुपरस्टार हैं। अनोखे डांसिंग स्टाइल के कारण 'जंपिंग जैक' के नाम से मशहूर जीतेंद्र ने हिम्मतवाला, तोहफा जैसी सुपरहिट फिल्में दी हैं।

मणिशंकर अय्यर
10 अप्रैल 1941 को जन्मे मणिशंकर अय्यर पूर्व राजनयिक (IFS अधिकारी) और कांग्रेस के दिग्गज नेता हैं। वे यूपीए सरकार में पंचायती राज और पेट्रोलियम मंत्री रह चुके हैं।

8 अप्रैल

अल्लू अर्जुन
8 अप्रैल 1982 को जन्मे अल्लू अर्जुन देश के बड़े पैन-इंडिया सुपरस्टार्स में से एक हैं। पुष्पा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों ने उन्हें ग्लोबल स्टार बना दिया है।
@alluarjunonline
X @alluarjun

11 अप्रैल

मोहित सूरी
11 अप्रैल 1981 को जन्मे मोहित सूरी मशहूर फिल्म डायरेक्टर हैं। उन्होंने 'आशिकी 2', 'एक विलेन', 'मर्डर 2', 'कलयुग' और 'मलंग' जैसी कई सुपरहिट फिल्में निर्देशित की हैं।
@mohitsuri X @mohit11481

9 अप्रैल

जया बच्चन
9 अप्रैल 1948 को जन्मी जया बच्चन अभिनेत्री और राज्यसभा सांसद हैं। 'शोले', 'अभिमान' और 'कभी खुशी कभी गम' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

12 अप्रैल

सुमित्रा महाजन
12 अप्रैल 1943 को जन्मी सुमित्रा महाजन BJP की वरिष्ठ नेताओं में से एक और देश की पूर्व लोकसभा अध्यक्ष हैं। 'पद्म भूषण' से भी सम्मानित किया जा चुका है।

स्वरा भास्कर
9 अप्रैल 1988 को जन्मी स्वरा भास्कर ने 'रांझणा', 'तनु वेड्स मनु', 'निल बटे सन्नाटा' और 'वीरे दी वेडिंग' जैसी हिट फिल्मों में काम किया है।
@reallyswara
X @ReallySwara

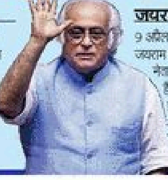

जयराम रमेश
9 अप्रैल 1954 को जन्मे जयराम रमेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद हैं। वे केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। वर्तमान में वे कांग्रेस पार्टी के संचार विभाग के महासचिव हैं।
X @Jairam_Ramesh

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 06-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHBP User: cci Time: 04-05-2026 22:59 Color:

NBT AI टाइम मशीन

जब हुई मॉडर्न ओलिंपिक्स की शुरुआत

आज ही के दिन 1896 को ग्रीस की राजधानी एथेंस में 1,500 वर्षों के बाद पहले आधुनिक ओलिंपिक गेम्स की शुरुआत हुई। फ्रांसीसी इतिहासकार पियरे डी कुबर्टिन (Pierre de Coubertin) ने इन्हें दोबारा शुरू किया। 14 देशों के 241 एथलीटों ने 9 खेलों में हिस्सा लिया। तब महिलाओं के हिस्सा लेने को उचित नहीं समझा जाता था। पहले स्थान वाले विजेताओं को गोल्ड मेडल के बजाय सिल्वर मेडल मिला था।

NBT

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली सोमवार, 6 अप्रैल 2026

भविष्य में चांद पर होंगे ओलिंपिक्स

ChatGPT के मुताबिक, भविष्य में ओलिंपिक्स गेम्स सिर्फ खेल नहीं, एक रोमांचक फ्यूचर अडवेंचर बन जाएंगे। एथलीट AI और न्यूरल टेक्नॉलजी से ट्रेनिंग लेंगे। कुछ मुकाबले धरती पर, तो कुछ अंतरिक्ष और चांद की कम ग्रैविटी में होंगे। ड्रोन रेसिंग, माइंड-कंट्रोल गेम्स और वर्चुअल रियलिटी स्पोर्ट्स नए रोमांच जोड़ेंगे, जहां दर्शक भी अनुभव का हिस्सा बनेंगे। तब स्टेडियम भी स्मार्ट हो चुके होंगे, जहां मौसम, लाइट और ट्रैक AI खुद अडजस्ट करेगा।

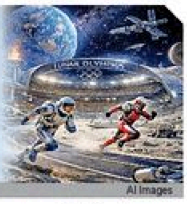

AI Images

NBT इरा

भीड़ का हिस्सा बनना उसकी फितरत नहीं। वह आज की नारी है, वह 'Gen She' है। IRA 2026 बिना दिखावे के। बिना किसी बनावट के। अपनी शर्तों पर जीने वाली निडर लड़कियां। सुंदरता अब किसी की मोहताज नहीं। हुनर और सौंदर्य की मिसाल बनें। आज ही रजिस्टर करें। वॉट्सऐप नंबर -7003490071

SPEED News

बांग्लादेश में खसरे से पीड़ित 98 बच्चों की

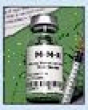

तीन हफ्तों में मौत हो गई। सरकार ने प्रभावित इलाकों में टीकाकरण अभियान तेज कर दिया है।

ईरान जंग लंबी चलने पर जेलेंस्की ने

अमेरिकी मदद मिलने पर चिंता जताई। कहा, डर है कि अमेरिका की प्राथमिकताएं बदल रही हैं।

ब्राजील में विमान रेस्तरां से टकरा गया

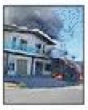

हादसे में पायलट समेत 4 लोगों की जान चली गई। रेस्तरां से पहले छोटा विमान एक खंभे से टकराया।

सरकार ने बढ़ाई सप्लाई, बिना अड्रेस प्रूफ के भी मिलेगा 5 किलोग्राम वाला सिलिंडर

LPG पर राहत, छोटे सिलिंडर के लिए अब ID कार्ड ही काफी

■ पीटीआई, नई दिल्ली

होर्मुज संकट की वजह से गैस की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए सरकार ने 5 किलो वाले छोटे एलपीजी सिलिंडरों की सप्लाई तेज कर दी है। ये सिलिंडर किसी भी गैस एजेंसी के काउंटर से सिर्फ एक वैध पहचान पत्र दिखाकर खरीदे जा सकते हैं। सरकार के मुताबिक, 23 मार्च से अब तक करीब 6.6 लाख छोटे सिलिंडर बेचे जा चुके हैं।

घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के सब्सिडी वाले सिलिंडरों के उलट, इन 5 किलो वाले (FTL) सिलिंडरों की कीमत बाजार भाव पर होती है। इन्हें खरीदने के लिए अड्रेस प्रूफ की भी जरूरत नहीं पड़ती। तेल मंत्रालय ने बताया कि शनिवार को एक ही दिन में 90 हजार से ज्यादा छोटे सिलिंडर बिके।

मंत्रालय ने कहा है कि फिलहाल गैस एजेंसियों पर किल्लत की कोई खबर नहीं है। एक ही दिन में 51 लाख से ज्यादा घरेलू सिलिंडरों की डिलिवरी की गई है और कुल मांग का 95 प्रतिशत हिस्सा ऑनलाइन बुकिंग के जरिए पूरा हो रहा है। प्रशासन ने जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ भी शिकंजा कस दिया है। मार्च से अब तक 50,000 से ज्यादा सिलिंडर जब्त किए गए हैं। अब तक 36 एजेंसियों की डीलरशिप सस्पेंड कर दी गई है। सरकार की प्राथमिकता घरों, अस्पतालों और स्कूलों जैसे जरूरी संस्थानों को गैस और पाइप वाली नेचुरल गैस (PNG) पहुंचाना है। इसके लिए रिफाइनरियों में उत्पादन बढ़ाया गया है और रिफिल कराने के समय के अंतराल को मैनेज किया जा रहा है। कमर्शल गैस की सप्लाई को संकट से पहले के मुकाबले 70 फीसदी तक सीमित कर दिया गया है, ताकि छोटे सिलिंडरों की उपलब्धता बनी रहे और मांग का दबाव कम हो सके।

ऐक्शन प्लान...

50 हजार सिलिंडर जब्त और 36 एजेंसियां सस्पेंड, जमाखोरी रोकने के लिए देशभर छापेमारी में

घरों, अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों को गैस सप्लाई में प्राथमिकता दी जा रही है।

30 प्रतिशत की कटौती की गई कमर्शल गैस सप्लाई में ताकि आम लोगों को दिक्कत न हो

90 प्रतिशत गैस सप्लाई मिलने लगेगी खाद फैक्ट्रियों को 6 अप्रैल से

पेट्रोल पंपों और रिफाइनरियों में तेल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

भारत का 9वां शिप होर्मुज पार

जंग शुरू होने के बाद से LPG की सप्लाई पर चिंता बढ़ी है। इस बीच रविवार को भारतीय जहाज 'ग्रीन आशा' ने तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट (जलडमरूमध्य) को सफलतापूर्वक पार कर लिया। यह इस रूट से निकलने वाला भारत का 9वां जहाज है।

इससे पहले शनिवार को एक और भारतीय जहाज 'ग्रीन सानवी' LPG लेकर होर्मुज से गुजरा था। गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष सांघवी ने कहा, ये 46 हजार टन गैस ले भारत की ओर बढ़ रहा है।

20 प्रतिशत ग्लोबल तेल सप्लाई होर्मुज के रास्ते गुजरती है

170 डॉलर प्रति बैरल तक तेल कीमतें बढ़ सकती हैं, अगर ये रूट तीन महीने बंद रहा तो

FILE

कानपुर किडनी रैकेट में आरोपियों के तार अपराधियों से जुड़े

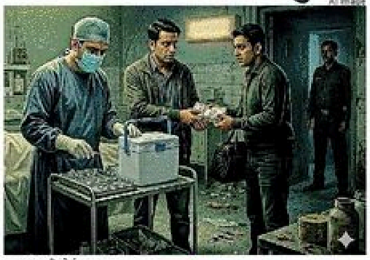

AI image

■ NBT रिपोर्ट, कानपुर

कानपुर में अवैध रूप से किडनी ट्रांसप्लांट के तार अब अपराधियों से भी जुड़ गए हैं। ट्रांसप्लांट के नाम पर लोगों को ठगने की बात भी सामने आई है। डीसीपी एसएम कासिम आबिदी ने रविवार को बताया कि मेरठ के डॉ. अफजल के लिंक वहां के शातिर अपराधी परवेज सैफी से जुड़े हैं। परवेज की गाड़ी से ही डॉक्टर और स्टाफ कानपुर आते थे। पुलिस को एक विडियो भी मिला है, जिसमें बेड पर रखे 22 लाख रुपये के बीच अफजल लेटा और खुश हो रहा है। एक विडियो में पंजाब के तरनतारन का व्यक्ति बता रहा है कि किडनी देने के नाम पर उससे 43 लाख रुपये ठग लिए गए।

किडनी के काले कारोबार में पुलिस अब तक 8 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। बताया जाता है कि जांच के दौरान मेरठ का शातिर अपराधी परवेज सैफी भी पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। पुलिस को किडनी डोनर आयुष के मोबाइल से चैट भी मिली है। इसमें किडनी डोनर आयुष, अली और अफजल से बात कर रहा है कि ट्रांसप्लांट अप्रैल में कराया जाएगा, इससे काम पर कोई असर नहीं पड़ेगा। दो महीने तक आयुष को आराम करना पड़ेगा। आयुष यह भी बता रहा है कि वह बिहार का रहने वाला है और देहरादून में पढ़ाई कर रहा है।

- मेरठ का शातिर परवेज सैफी भी अरेस्ट, इसी की गाड़ी से कानपुर आता-जाता था गिरोह
- इस अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट में अब तक 8 लोगों को अरेस्ट किया गया है

रोती पीड़ित अफ्रीकी महिला का विडियो

एक अफ्रीकी महिला अविका का विडियो सामने आया है। फेस मास्क लगाए डॉक्टर अविका का चेकअप कर रहा है और उससे हालचाल पूछ रहा है। वह रो रही है। डॉक्टर को टूटी-फूटी अंग्रेजी में बता रही है कि पीठ और पेट में दर्द है। डॉक्टर कहता है कि उसे इंजेक्शन लगाया जाएगा। माना जा रहा है कि मार्च के पहले हफ्ते में इस महिला का कानपुर में ही किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था।

पंजाब के पीड़ित का भी विडियो सामने आया

एक अन्य विडियो में आहूजा हॉस्पिटल के बाहर पंजाब के तरनतारन के पास के मनजिंदर सिंह बोल रहे हैं। मनजिंदर विडियो में बता रहे हैं कि वह डायलिसिस पर हैं और किडनी दिलाने के नाम पर इन लोगों ने उससे करीब 43 लाख रुपये ठग लिए।

तेल के दाम बढ़े, हेलिकॉप्टर बुकिंग महंगी

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** जंग के कारण महंगे होते जा रहे एविएशन टरबाइन फ्यूल (ATF) की वजह से फ्लाइटों के टिकट महंगे होते जा रहे हैं। साथ ही शादी-ब्याह, कॉरपोरेट वर्क और अन्य कामों के लिए बुक कराए जाने वाले हेलिकॉप्टर और प्राइवेट जेट की सर्विस भी महंगी हो गई है। हेलिकॉप्टर की सेवाएं देने वाली एक कंपनी के मालिक विशाल ने बताया कि प्राइवेट जेट और हेलिकॉप्टर बुकिंग के लिए 20 हजार से 80 हजार रुपये प्रति घंटे की बढ़ोतरी हो गई है। एक अप्रैल से जो भी नई बुकिंग ली जा रही है। वह महंगी दरों पर ली जा रही है। बड़ा फैक्टर एविएशन फ्यूल का महंगा होना ही है।

FILE

शादियों में हेलिकॉप्टर बुकिंग पर असर

प्राइवेट जेट और अधिक कैपेसिटी वाले हेलिकॉप्टर की कॉरपोरेट, पॉलिटिकल और स्टेट गवर्नमेंट जैसी बुकिंग अधिक होती है। इसके चलते बढ़ी हुई कीमत का बोझ किसी निजी शख्स पर नहीं पड़ेगा। लेकिन ऐसे लोगों पर इस महंगाई का असर जरूर पड़ेगा, जिनका बजट बहुत अधिक नहीं होता है और वह खासतौर से शादी के लिए हेलिकॉप्टर की बुकिंग कराते हैं।

इटली में डोमेस्टिक उड़ानों को तवज्जो

इटली में एविएशन फ्यूल पर राशनिंग शुरू कर दी गई है। यहां इमरजेंसी और मेडिकल इमरजेंसी को छोड़कर बाकी पैसेंजर फ्लाइटों के लिए एविएशन फ्यूल में राशनिंग शुरू हो गई है। इटली के एविएशन रेगुलेटर ने इटली की एयरलाइंस से कहा है कि वह इंटरनेशनल की तुलना में डोमेस्टिक फ्लाइटों को फ्लाई कराने में अधिक प्राथमिकता दें, ताकि देश के लोग परेशान न हों।

नियुक्ति में खामी, नकली दूध पर चुप्पी... FSSAI पर क्या आरोप?

AI image

Vishal.Sharma3
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** दिल्ली पुलिस ने X के 5 अकाउंट के खिलाफ हाल ही में FIR दर्ज कराई है। FSSAI ने इन X यूजर्स पर झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने का आरोप लगाया है, लेकिन विवाद का यह एक सिरा है। अब पड़ताल का दूसरा सिरा समझिए। ये वो X हैंडल हैं, जिनका दावा है कि उनके पास FSSAI में कथित धांधली और खामियों के पुख्ता डॉक्यूमेंट सबूत हैं।

इनमें से एक आरोपी X यूजर हैंडल ने FSSAI डायरेक्टर और कमिटी मेंबर के अपॉइंटमेंट में नियमों की कथित अनदेखी का खुलासा किया है। उसका दावा है कि 26 दिसंबर 2024 को FSSAI ने छह सीनियर ऑफिसर के सिलेक्शन की जांच के लिए एक इंटरनल कमिटी बनाई थी। FSSAI की अपनी रिपोर्ट के नतीजों के मुताबिक, इन छह अधिकारियों में से सिर्फ एक ने सही और वैलिड डॉक्यूमेंट्स जमा किए थे। इसमें जाली अनुभव लेटर, गलत CTC डिटेल्स, और कुछ मामलों में ऐसे कैंडिडेट शामिल थे, जो तय सिलेक्शन क्राइटेरिया को भी पूरा नहीं करते थे। एक और यूजर जो कि YouTuber है, उन्होंने FSSAI डायरेक्टर की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि अथॉरिटी बाजार में नकली दूध, पनीर, तेल और दूसरे सेहत के लिए नुकसानदायक प्रोडक्ट्स की बिक्री पर चुप है। इन्हें लोग लगातार खा रहे हैं और बीमार पड़ रहे हैं।

5 X यूजर्स के खिलाफ FIR हुई है कथित गड़बड़ियों को उजागर करने के बाद | FSSAI का आरोप है कि इन्होंने कॉन्फिडेंशल डॉक्यूमेंट्स अवैध तरीके से हासिल किए

FSSAI में क्यों है हड़कंप?

FSSAI का तर्क है कि इन सोशल मीडिया अकाउंट्स ने गैर-कानूनी तरीके से ऑफिशल डॉक्यूमेंट्स को एक्सेस और सर्कुलेट किया है। इसी कड़ी में जांच कर रही पुलिस का दावा है कि X पर सैकड़ों पोस्ट ऑर्गनाइज्ड तरीके से शेयर किए गए थे, जो FSSAI को टारगेट करके पोस्ट किए गए। FSSAI का दावा है कि कॉन्फिडेंशल डॉक्यूमेंट्स न सिर्फ एक्सेस किए, बल्कि शेयर किए गए। चुनिंदा हिस्सों को ही हाईलाइट किया गया। सोशल मीडिया हैंडल पर जो डॉक्यूमेंट्स दिख रहे हैं, वे सिर्फ स्टाफ के पास ही थे।

X यूजर्स क्यों है कॉन्फिडेंट?

FIR की जांच के घेरे में आए एक हैंडल ने कहा कि किसी पर करप्शन का आरोप लगाने से पहले डॉक्यूमेंट सबूत होने जरूरी हैं। वे सबूत हमारे पास हैं। इन्हें इस आधार पर खारिज किया जा रहा है कि डॉक्यूमेंट्स वैध तरीके से नहीं लिए गए थे। असल में वैध तरीका क्या होता है। अगर RTI को वैध तरीका माना जाता है, तो रिस्पॉन्स अक्सर देर से मिलते हैं, कभी-कभी अधूरे होते हैं। इन चैलेंजेस के बावजूद हमने कुछ जानकारी पाने के लिए RTI का इस्तेमाल किया।

नासा ने जारी की आर्टेमिस-2 मिशन से ऐतिहासिक फोटो

53 साल बाद इंसानी आंखों ने देखा चांद का ये हिस्सा

नासा के आर्टेमिस-2 (Artemis) मिशन से एक ऐतिहासिक तस्वीर सामने आई है। अंतरिक्ष यात्रियों ने जो फोटो ली है, उसमें चांद का एक ऐसा हिस्सा दिखाई दे रहा है, जिसे पहले कभी इस तरह स्पष्ट रूप से नहीं देखा गया था। तस्वीर में चांद के किनारे स्थित विशाल क्षेत्र, ओरिएंटेल बेसिन (Orientale Basin) नजर आ रहा है। नासा के अनुसार, पहली बार इस पूरे इलाके को इंसानी आंखों से सीधे देखा गया है।

नए अंतरिक्ष रेकॉर्ड की ओर

आर्टेमिस-2 म के अंतरिक्ष यात्री चांद के फ्लाईबाय के लिए तैयारी कर रहे हैं। मिशन के तहत वे चांद की सतह के अहम हिस्सों को स्टडी और करेंगे। करीब 10 दिन के इस मिशन में अगला बड़ा पड़ाव रविवार रात से सोमवार के बीच आएगा, जब यान 'लूनर स्फीयर ऑफ इन्फ्लुएंस' में प्रवेश करेगा, जहां चांद की ग्रैविटी पृथ्वी से ज्यादा प्रभावी होगी।

अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो ओरायन स्पेसक्राफ्ट (Orion spacecraft) के साथ उड़ान भर रहे ये अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी से अब तक की सबसे ज्यादा दूरी तय करने का रेकॉर्ड भी बना सकते हैं।

इस बीच मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मिशन में बर्फ जमने से टॉयलेट सिस्टम खराब हो गया। इसके बाद अंतरिक्ष यात्रियों ने इमरजेंसी यूरिन डिवाइस का इस्तेमाल किया।

शिंदे-खरात में बात? CM बोले- कॉल रिकॉर्ड डेटा जांचेंगे

■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई:** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा, महिलाओं से उत्पीड़न के आरोपी 'स्वयंभू बाबा' अशोक खरात और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच हुई कथित बातचीत की जांच की जाएगी।

कॉल रिकॉर्ड डेटा कथित रूप से लीक होने के बाद सीएम ने जांच का भरोसा दिया। शुक्रवार को सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया द्वारा खरात और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच हुई कथित बातचीत के खुलासे के बाद मचे बवाल के बीच सीएम ने कहा खरात की प्रॉपर्टी की जांच ED करेगी।

RTI पर जवाब नहीं दिया, IRCTC को लगाई फटकार

■ **भाषा, नई दिल्ली:** केंद्रीय सूचना आयोग ने IRCTC को एक आरटीआई आवेदन पर जानकारी देने से इनकार करने पर फटकार लगाई है। पूछा गया था कि क्या रेलवे टेंडर में शामिल कंपनियों ने 2015 के 'रेल नीर' घोटाले और CBI-ED की जांच से जुड़े मामलों का खुलासा किया था। आईआरसीटीसी ने सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 8(डी) का हवाला देकर जानकारी देने से इनकार कर दिया। आयोग ने IRCTC को आवेदन पर दोबारा विचार कर स्पष्ट और तर्कसंगत जवाब देने का निर्देश दिया।

पटना रेलवे स्टेशन: नॉर्थ-ईस्ट के लोगों पर नस्ली टिप्पणी

■ **NBT रिपोर्ट:** बिहार के पटना रेलवे स्टेशन पर अरुणाचल प्रदेश के एक सांस्कृतिक नृत्य दल के साथ कथित बदसलूकी का मामला सामने आया है। इसने एक बार फिर पूर्वोत्तर के लोगों के साथ होने वाले भेदभाव के मुद्दे को उजागर किया है। यह घटना 2 अप्रैल की है, जब दल की महिलाएं वेटिंग रूम के शौचालय का इस्तेमाल करने पहुंचीं।

विडियो वायरल होने के बाद लोगों में भारी आक्रोश देखा गया

लोगों के अनुसार, एक महिला यात्री ने उन्हें रोककर पहचान पत्र दिखाने की मांग की। आपत्ति जताने पर महिला ने कथित तौर पर नस्ली टिप्पणियां कीं। घटना का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद व्यापक आक्रोश देखा गया। रेलवे ने कहा इस तरह का भेदभाव अस्वीकार्य है।

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. होर्मुज स्ट्रेट से गुजरे भारत के 9वें जहाज का क्या नाम है?
   A. ग्रीन शक्ति B. ग्रीन आशा C. ग्रीन सान्वी
2. आर्टेमिस 2 धरती से सबसे लंबी दूरी तय करने का रेकॉर्ड बनाने वाला है। यह मिशन कितने दिन का है?
   A. 15 B. 20 C. 10
3. ईरान से बचाए गए दोनों अमेरिकी पायलट कौन सा विमान उड़ा रहे थे?
   A. F-15E B. F-35A C. B-52
4. 5 किलोग्राम के गैस सिलिंडर को खरीदने के लिए अब क्या जरूरी है?
   A.आईडी प्रूफ, B.अड्रेस प्रूफ, C.दोनों
5. कोलकाता नाइट राइडर्स के कैप्टन का क्या नाम है?
   A. अक्षर पटेल B. रिंकू सिंह C. अजिंक्य रहाणे

कल के जवाब

A1 B. वॉरिंगटन A2 A. आर्मेनिया A3 A. न्यू यॉर्क A4 A. 1972 A5 C. 155 लाख

लकी विनर्स

1. लोकेश सैनी, फरीदाबाद
2. नवीन कुमार, दिल्ली
3. राजन गर्ग, दिल्ली

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

उत्तराखंड: स्कूली छात्राएं बीमार तो बनवाया मंदिर

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून

उत्तराखंड में बागेश्वर जिले के इंटरमीडिएट कॉलेज के पास कथित 'भूत मंदिर' बनाए जाने का मामला इन दिनों चर्चा में है। बताया जा रहा है कि स्कूल में कुछ समय से छात्राओं की अचानक तबीयत खराब होने की घटनाओं के बाद 'बुरी आत्मा' की अफवाह फैल गई थी।

इसी के चलते स्कूल के पास एक छोटा मंदिर बना दिया गया, जहां आत्मा की शांति के नाम पर पूजा और शांति पाठ कराया गया। कुछ लोगों का दावा है कि इसके लिए अभिभावकों से करीब 100 रुपये भी लिए गए। इस घटना से पहले स्कूल में छात्राओं की तबीयत बिगड़ने के बाद उनकी काउंसलिंग भी की गई थी। इसका कोई खास असर नहीं दिखा तो स्कूल में ही छोटा मंदिर बना दिया गया।

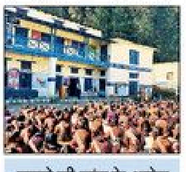

मामले की जांच के आदेश

मामला बढ़ने पर शिक्षा विभाग हरकत में आया है। बागेश्वर के मुख्य शिक्षा अधिकारी ने खंड शिक्षा अधिकारी को जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कर्मचारी के निधन पर भी 10 साल तक परिवार को 50% सैलरी देता है गूगल

■ NBT रिपोर्ट

आमतौर पर नौकरी सिर्फ कर्मचारी तक सीमित मानी जाती है, लेकिन गूगल के लिए कर्मचारी सिर्फ एक रिसोर्स नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा है। कंपनी कर्मचारी की मौत के बाद भी उसके परिवार का ख्याल रखती है और आर्थिक मदद जारी रहती है।

10 साल तक सैलरी

ET के अनुसार, गूगल की इस पॉलिसी के तहत अगर किसी कर्मचारी का निधन हो जाता है, तो उसके जीवनसाथी को अगले 10 साल तक उसकी सैलरी का करीब 50% दिया जाता है। सबसे खास बात यह है कि इसके लिए लंबे समय तक नौकरी करना जरूरी नहीं है। यह सुविधा कर्मचारी के जॉइन करते ही लागू हो जाती है।

AI Image

बच्चों को आर्थिक सहारा

कंपनी बच्चों को भी नजरअंदाज नहीं करती। कर्मचारी के हर बच्चे को हर महीने करीब 1000 डॉलर (लगभग 80 हजार रुपये) की आर्थिक मदद दी जाती है। यह सहायता बच्चों की एक तय उम्र तक जारी रहती है, ताकि उनकी पढ़ाई और बाकी जरूरतें प्रभावित न हों।

शेयर भी परिवार को

पॉलिसी की खास बात यह है कि कर्मचारी को भविष्य में मिलने वाले कंपनी के शेयर भी तुरंत परिवार के नाम ट्रांसफर कर दिए जाते हैं। इससे परिवार को एकमुश्त बड़ी आर्थिक मदद मिल जाती है और आर्थिक सुरक्षा मजबूत होती है।

कॉर्पोरेट में मिसाल

कॉर्पोरेट सेक्टर में ऐसी सुविधाएं बहुत कम देखने को मिलती हैं। इसीलिए गूगल की पॉलिसी चर्चा में रहती है। यह दिखाती है कि कंपनियां चाहें तो अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए एक सुरक्षित माहौल बना सकती हैं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 06-04-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD1 User: cci Time: 04-04-2026 22:36 Color:

नई दिल्ली / एनसीआर > 6-12 अप्रैल 2026 > वर्ष 2, संख्या 14 > पेज 6 > मूल्य ₹6.00

अपनों को दें ऐसा गिफ्ट जो भविष्य संवारे
पारंपरिक गिफ्ट की जगह निवेश आधारित उपहार न सिर्फ यादगार होता है बल्कि लंबे समय में वित्तीय सुरक्षा भी देता है...
देखें PG-2

NBT नवभारत टाइम्स Wealth

...ताकि आपके फोन पर कोई OTP न देखे
Galaxy S26 Ultra का डिस्प्ले स्क्रीन को साइड से पूरी तरह छुपा देता है, जिससे निजी जानकारी यूजर तक रहती है।
देखें PG-5

आपकी बात

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं, आप और किन विषयों पर लेख पढ़ना चाहते हैं? आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064
आज दिन में 11 बजे से 12 बजे तक

अंदर देखें ये खास स्टोरी

जंग और महंगाई के साए में बाज़ार, रह सकता है दबाव

बढ़ते युद्ध तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने शेयर बाजार की दिशा को अनिश्चित बना दिया है। इस हफ्ते भी बाजार पर दबाव बने रहने की आशंका है। विदेशी निवेशकों की बिकवाली, मजबूत डॉलर और बढ़ती बॉन्ड यील्ड्स से बाजार का माहौल कमजोर दिख रहा है। वहीं RBI की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक पर निवेशकों की खास नजर रहेगी, क्योंकि महंगाई और ग्रोथ के बीच संतुलन बनाना बड़ी चुनौती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा हालात में जल्दबाजी से बचना चाहिए और निवेशकों को सतर्क रणनीति अपनाते हुए बाजार के संकेतों पर नजर बनाए रखनी चाहिए।

देखें PG-3

ईरान तनाव के बीच सोने की नहीं रही पहले वाली चमक

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सोने की कीमतों में आई गिरावट ने निवेशकों को चौंका दिया है। पारंपरिक तौर पर संकट के समय सुरक्षित माने जाने वाले सोने का प्रदर्शन इस बार कमजोर रहा है, जिससे 'सेफ हैवन' की धारणा पर सवाल उठ रहे हैं। रियल यील्ड में बढ़ोतरी और बॉन्ड पर बेहतर रिटर्न मिलने से निवेशक सोने से दूरी बना रहे हैं। वहीं केंद्रीय बैंकों की बिकवाली ने भी कीमतों पर दबाव बढ़ाया है। ऐसे में यह समझना जरूरी हो गया है कि सोना हर स्थिति में सुरक्षा देने वाला विकल्प नहीं है, बल्कि इसे पोर्टफोलियो में संतुलन बनाने वाले एक हिस्से के रूप में ही देखना चाहिए।

देखें PG-2

काम की खबरें

AI Image

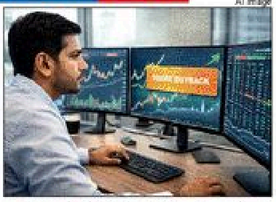

कंपनियों के लिए फिर खुलेगा शेयर बायबैक का रास्ता

SEBI ने कंपनियों को फिर से स्टॉक एक्सचेंज के जरिए ओपन मार्केट से अपने शेयरों की वापस खरीदारी यानी 'बायबैक' की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है। टैक्स नियमों में बदलाव के बाद इस पुराने सिस्टम को दोबारा शुरू किया जाएगा। टैक्स जटिलताओं के कारण इसे 1 अप्रैल 2025 से बंद कर दिया गया था। 1 अप्रैल 2026 से बायबैक से होने वाली आय पर कंपनियों की बजाय निवेशकों को 'कैपिटल गेन्स' के रूप में टैक्स देना होगा। इससे टैक्स का समान व्यवहार सुनिश्चित होगा।

अप्रैल-जून तिमाही के लिए PPF, NSC पर वही ब्याज़

सरकार ने अप्रैल से जून 2026 तिमाही के लिए स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। यानी PPF, सुकन्या समृद्धि योजना और NSC जैसी योजनाओं पर वही रिटर्न मिलेगा, जो जनवरी-मार्च तिमाही में था। PPF पर 7.1%, सुकन्या योजना पर 8.2% और NSC पर 7.7% ब्याज जारी रहेगा। इसके अलावा किसान विकास पत्र पर 7.5% और मंथली इनकम स्कीम पर 7.4% ब्याज मिलेगा।

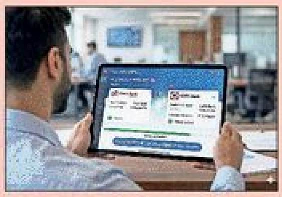

बैंक अकाउंट भी पोर्टेबल, RBI ला रहा नया सिस्टम

RBI 'पेमेंट्स विजन 2028' के तहत बैंकिंग में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। अब मोबाइल सिम की तरह बैंक अकाउंट भी एक बैंक से दूसरे बैंक में आसानी से पोर्ट किया जा सकेगा। RBI 'पेमेंट्स स्विचिंग सर्विस' नाम का केंद्रीय प्लैटफॉर्म विकसित कर रहा है, जहां सभी ऑटो-पेमेंट, EMI और बिल डिटेल्स एक जगह मिलेंगी और नए बैंक में स्वतः शिफ्ट हो जाएंगी। साथ ही, विदेशों में पैसे भेजना भी तेज और सस्ता बनाने की तैयारी है, जिससे डिजिटल पेमेंट सिस्टम और मजबूत होगा।

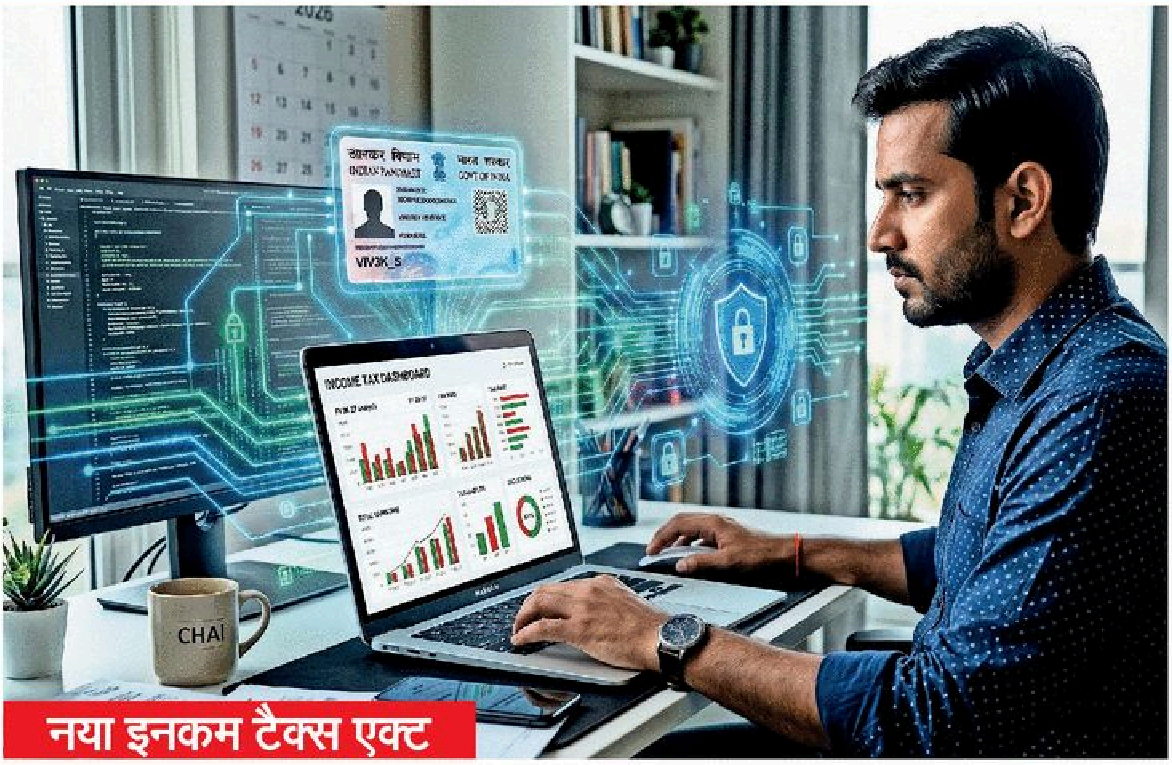

नया इनकम टैक्स एक्ट

HRA से ITR तक बड़े बदलाव समझिए

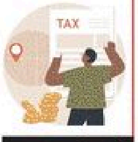

मृत्युंजय त्रिपाठी
Mrityunjay.Tripathi
@timesofindia.com

1 अप्रैल 2026 से इनकम टैक्स सिस्टम में बड़े बदलाव लागू हुए हैं। इन बदलावों से टैक्सपेयर्स को कुछ मामलों में राहत मिलेगी, लेकिन साथ ही कम्प्लायंस (Compliance) यानी नियमों का पालन भी पहले से ज्यादा सख्त होगा।

अन्य बदलावों के बारे में जानने के लिए
देखें पेज 4

इनकम टैक्स से जुड़े कई बदलाव 1 अप्रैल 2026 से शुरू होने वाले टैक्स ईयर 2026-27 में हुए हैं। इनमें TDS (Tax Deducted at Source) यानी स्रोत पर काटे जाने वाला टैक्स, TCS (Tax Collected at Source), यानी स्रोत पर लिया जाने वाला टैक्स तो शामिल है ही, ITR (इनकम टैक्स रिटर्न) भरने की समयसीमा में बदलाव, बायबैक टैक्सेशन के नए नियम और रिपोर्टिंग के नए फॉर्मेट भी शामिल हैं। इन सभी बदलावों का सीधा असर आपकी टैक्स प्लानिंग और कम्प्लायंस पर पड़ने वाला है। इसके अलावा, 'Tax Year' जैसे नए कॉन्सेप्ट का आना, इनकम टैक्स फॉर्म्स का नया स्वरूप और डिडक्शन (छूट) की लिमिट में बदलाव यह दिखाते हैं कि सरकार टैक्स सिस्टम को ज्यादा सरल और व्यवस्थित बनाने की दिशा में काम कर रही है।

हालांकि 1 अप्रैल 2026 से नया इनकम टैक्स एक्ट 2025 और नए इनकम टैक्स नियम 2026 लागू हो जाएंगे, लेकिन वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जो ITR (इनकम टैक्स रिटर्न) 31 जुलाई 2026 तक फाइल किया जाएगा, उस पर अभी भी पुराना इनकम टैक्स एक्ट 1961 और पुराना इनकम टैक्स नियम 1962 ही लागू होंगे। इसका मतलब यह है कि नए नियम लागू तो 1 अप्रैल 2026 से हो गए हैं, लेकिन उनका असर तुरंत ITR फाइलिंग में नहीं दिखेगा। 'Tax Year' का नया कॉन्सेप्ट, नए इनकम टैक्स फॉर्म और नए नियम पहली बार टैक्स ईयर 2026-27 के लिए 2027 में फाइल होने वाले रिटर्न में लागू होंगे।

क्या असर होगा?

इन सभी बदलावों का कुल असर यह होगा कि फॉर्म कम होंगे, इसलिए प्रक्रिया सरल लगेगी। सिस्टम ज्यादा पारदर्शी होगा। हर लेन-देन ट्रैक होगा। गलत जानकारी देने की गुंजाइश कम होगी। यानी ऊपर से सिस्टम आसान दिखेगा, लेकिन अंदर से ज्यादा सख्त होगा। कुल मिलाकर नया टैक्स सिस्टम 'Trust but Verify' यानी 'भरोसा करें, लेकिन जांच भी करें' के सिद्धांत पर काम करेगा, जहां डेटा इंटीग्रेशन के जरिए हर जानकारी की पुष्टि की जाएगी।

क्या-क्या बदला है?

अब जानते हैं कि टैक्स ईयर 2026-27 में और कौन-कौन से बड़े बदलाव किए गए हैं...

अब सिर्फ Tax Year

अब तक टैक्स सिस्टम में दो शब्द इस्तेमाल होते थे- Financial Year (वित्त वर्ष) और Assessment Year (आकलन वर्ष)। नए नियमों में इन दोनों की जगह सिर्फ एक ही शब्द इस्तेमाल होगा, और वह है "Tax Year" (टैक्स वर्ष)। इस बदलाव का मकसद कन्फ्यूजन खत्म करना है। FY और AY को लेकर कन्फ्यूजन होता था।

ITR की डेडलाइन

इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) भरने की समयसीमा में हल्का बदलाव किया गया है। ITR-1 या ITR-2 फाइल करने वाले सैलरीड के लिए डेडलाइन 31 जुलाई ही रहेगी, लेकिन ITR-3 और ITR-4 फाइल करने वाले नॉन-ऑडिट केस के लिए डेडलाइन 31 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। इससे सेल्फ-एम्प्लॉयड, प्रोफेशनल्स को डॉक्यूमेंट्स जुटाने और बिना जल्दबाजी के रिटर्न भरने के लिए समय मिलेगा।

शेयर बायबैक

1 अप्रैल से शेयर बायबैक पर टैक्स का तरीका बदल जाएगा। अब बायबैक से होने वाली कमाई को कैपिटल गेन्स माना जाएगा। पहले पूरी राशि डिविडेंड इनकम मानी जाती थी और स्लैब के अनुसार टैक्स लगता था। अब एक साल से ज्यादा होल्डिंग पर 12.5% कैपिटल गेन्स टैक्स लगेगा, यानी टैक्स सिर्फ मुनाफे पर होगा। कॉरपोरेट प्रमोटरों पर 22% और गैर-कॉरपोरेट पर 30% टैक्स प्रभावी होगा।

रिवाइज्ड रिटर्न फाइलिंग

टैक्सपेयर्स को अब अपनी गलती सुधारने के लिए ज्यादा समय मिलेगा। पहले रिवाइज्ड रिटर्न यानी पहले भरे गए ITR में सुधार की आखिरी तारीख 31 दिसंबर होती थी, यानी करीब 9 महीने का समय मिलता था। अब इसे बढ़ाकर 31 मार्च कर दिया गया है, यानी कुल 12 महीने का समय मिलेगा। इसका मतलब है कि टैक्सपेयर्स को 3 महीने का अतिरिक्त समय मिलेगा, जिससे वे अपनी गलतियों को सुधार सकें। हालांकि, ध्यान रखने वाली बात यह है कि अगर आप 31 दिसंबर के बाद रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करते हैं, तो आपको अतिरिक्त फीस देनी पड़ेगी। वहीं, देरी से भरे जाने वाले रिटर्न (Belated Return) की डेडलाइन में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

HRA क्लेम

अब HRA (House Rent Allowance) यानी किराए पर मिलने वाली टैक्स छूट के लिए क्लेम करना पहले जितना आसान नहीं रहेगा। आपको फॉर्म 124 (फॉर्म 12BB जैसा) में मकान मालिक के साथ अपना रिश्ता बताना होगा, खासकर तब जब मकान मालिक आपका रिश्तेदार हो। वहीं, कर्मचारियों को मकान मालिक का PAN देना जरूरी होगा। साथ ही, किराया देने का सही प्रूफ जैसे रेंट रसीद या बैंक ट्रांजैक्शन भी देना होगा। कुछ मामलों में, HRA क्लेम करते समय मकान मालिक की पूरी जानकारी, जैसे PAN और किराए की रकम भी बतानी पड़ सकती है। यानी फर्जी HRA क्लेम मुश्किल हो जाएगा और सिस्टम ज्यादा पारदर्शी बनेगा। 1 अप्रैल 2026 से HRA के नियमों में एक बड़ा बदलाव किया गया है। अब उन शहरों की संख्या बढ़ा दी गई है, जहां रहने वाले लोगों को ज्यादा टैक्स छूट मिलती है। पहले सिर्फ 4 शहर मुंबई, दिल्ली, चेन्नै, और कोलकाता ही ऐसे थे, जहां रहने पर बेसिक सैलरी का 50% तक HRA छूट मिलती थी। अब इस लिस्ट में 4 और शहर जोड़ दिए गए हैं- हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद और बेंगलुरु। यानी अगर आप इन 8 शहरों में रहते हैं, तो आपको बाकी शहरों के मुकाबले ज्यादा टैक्स राहत मिल सकती है।

> **बदलाव टैक्सपेयर्स को ध्यान में रखकर हुए हैं। नियमों की संख्या 511 से घटाकर 333 कर दी गई है। खास बात यह है कि कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है। पूरा फोकस इस पर है कि टैक्स सिस्टम आसान हो, ज्यादा पारदर्शी हो, ज्यादा भरोसेमंद और अनुमान लगाने लायक हो।**
> *- ज्योति अग्रवाल, एडवोकेट और टैक्स एक्सपर्ट*

> **नए टैक्स रेजीम में टैक्स रेट कम है, लेकिन ज्यादातर छूट नहीं मिलती। इसलिए हर साल यह जांचना जरूरी है कि आपके लिए कौन-सा रेजीम सही है। हर व्यक्ति की स्थिति अलग होती है, तो रणनीति भी अलग हो। सिर्फ टैक्स बचाने के लिए निवेश करना सही तरीका नहीं है।**
> *- CFP तारेश भाटिया, द रिचनेस अकादमी के फाउंडर*

नए इनकम टैक्स कानून की क्या खासियत है?

इनकम टैक्स एक्ट 2025 को 1961 की जगह लाया गया है, जिसका उद्देश्य टैक्स सिस्टम को सरल, आधुनिक और ज्यादा आसान बनाना है।

फाइलिंग

अब फॉर्म की संख्या 399 से घटाकर 190 कर दी गई है। इसका मतलब है कि ITR भरना पहले के मुकाबले आसान होगा। लेकिन यहां एक बदलाव यह भी है कि फॉर्म का पूरा स्ट्रक्चर और नंबरिंग बदल जाएगी। जैसे: Form 16 अब नए नंबर (फॉर्म 130) में बदलेगा।

रिपोर्टिंग

नए नियमों में टैक्सपेयर्स को ज्यादा जानकारी देनी होगी। HRA में मकान मालिक का PAN और रिश्ता बताना जरूरी होगा, जबकि Form 15G/15H में पिछले दो साल के ITR और विदेशी टैक्स क्रेडिट के लिए TIN देना होगा। बड़े लेन-देन पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

पुराने और नए इनकम टैक्स कानून में अंतर समझें

बदलाव	31 मार्च 2026 तक (AY 2026-27 के लिए)	1 अप्रैल 2026 से (टैक्स ईयर 2026-27 के लिए)
कानून और नियम	इनकम टैक्स एक्ट, 1961 और इनकम टैक्स रूल्स, 1962	इनकम टैक्स एक्ट, 2025 और इनकम टैक्स रूल्स, 2026
ITR फाइलिंग की आखिरी तारीख	31 जुलाई 2026 (नॉन-ऑडिट केस)	31 जुलाई (ITR-1 और ITR-2) 31 अगस्त नॉन-ऑडिट केस के लिए (ITR-3 और ITR-4) 31 अक्टूबर ऑडिट केस के लिए
विदेश यात्रा पर TCS	10 लाख तक 5% और उससे ऊपर 20%	विदेश टूर पैकेज पर फ्लैट 2% TCS (कोई लिमिट नहीं) एजुकेशन/मेडिकल रेमिटेंस पर: 2% कुछ वस्तुएं (स्क्रैप, मिनरल्स) पर 2%
NRI से प्रॉपर्टी खरीद पर TDS	प्रक्रिया जटिल	PAN आधारित चालान से TDS, TAN की जरूरत नहीं
शेयर बायबैक पर टैक्स	डिविडेंड की तरह, आपके टैक्स स्लैब के अनुसार	कैपिटल गेन के रूप में टैक्स, होल्डिंग पीरियड के अनुसार STCG या LTCG
रिवाइज्ड ITR की आखिरी तारीख	31 दिसंबर	31 मार्च
HRA	केवल मुंबई, दिल्ली, चेन्नै, कोलकाता में बेसिक के 50% तक छूट	अब इन शहरों के साथ हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद और बेंगलुरु भी शामिल
मील कार्ड पर टैक्स छूट	₹50 प्रति मील	₹200 प्रति मील

कम्प्लायंस *नया सिस्टम पूरी तरह डिजिटल और PAN आधारित होगा। कई जानकारियां पहले से भरी हुई (pre-filled) मिलेंगी। मैनुअल काम कम होगा लेकिन गलत जानकारी देना मुश्किल होगा। KYC (Know Your Customer) नियम सख्त होंगे। यानी प्रक्रिया तो आसान होगी, लेकिन निगरानी ज्यादा सख्त होगी।*

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 06-04-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD2 User: cci Time: 04-04-2026 22:12 Color:

ईरान तनाव के बीच 'सेफ हैवन' की चमक फीकी

सोना अब नहीं रहा सुरक्षित?

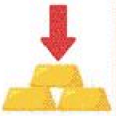

मृत्युंजय त्रिपाठी
Mrityunjay.Tripathi@timesofindia.com

वैश्विक अनिश्चितता के दौर में निवेशकों की रणनीति तेजी से बदल रही है। पारंपरिक सुरक्षित विकल्पों पर भरोसा पहले जैसा नहीं रहा और बाजार में नए ट्रेंड हावी हो रहे हैं। ऐसे माहौल में यह समझना जरूरी है कि जोखिम और सुरक्षा के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए और किस आधार पर फैसले लिए जाएं।

दुनिया में जब भी कोई बड़ा भू-राजनीतिक संकट यानी देशों के बीच तनाव होता है, तो निवेशक आमतौर पर सोने की ओर रुख करते हैं। यही वजह है कि सोने को 'सेफ हैवन' या सुरक्षित निवेश कहा जाता है। लेकिन हाल में अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद सोने की कीमतों में गिरावट ने इस पारंपरिक सोच को चुनौती दी है।

ब्रिटिश मैगजीन 'द इकनॉमिस्ट' (The Economist) के मुताबिक, 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष के बाद सोने की कीमतों में करीब 15% तक गिरावट आई है। यह गिरावट वैश्विक शेयर बाजार से भी ज्यादा है, जो यह दिखाती है कि सोना हर संकट में सुरक्षा नहीं देता।

सोने को समझें

जहां बॉन्ड से ब्याज मिलता है और शेयर से डिविडेंड यानी कमाई होती है, वहीं सोना कोई नियमित कमाई नहीं देता। आप इसे रखने भर से हर महीने या साल पैसा नहीं कमाते। यही वजह है कि समझदार निवेशक सोने को कमाई का जरिया नहीं, बल्कि 'सेफ्टी नेट' यानी सुरक्षा जाल की तरह देखते हैं। लेकिन, सोने के लिए भरोसे को मौजूदा हालात में धक्का लगा है।

गिरावट की वजह

सोने की कीमतों में हालिया गिरावट की बड़ी वजह है 'रियल यील्ड' (Real Yield)। रियल यील्ड यानी असल कमाई, जो ब्याज कमाने के बाद महंगाई का असर हटाने पर बचती है। जब रियल यील्ड बढ़ती है, तो सोना कम आकर्षक लगने लगता है। वजह सीधी है कि सोना कोई ब्याज नहीं देता, जबकि बॉन्ड नियमित रिटर्न देते हैं। द इकनॉमिस्ट के अनुसार, अमेरिका के 10 साल के ट्रेजरी बॉन्ड की रियल यील्ड हाल में करीब 0.4% बढ़ी है। इसका मतलब है कि अब सुरक्षित निवेश में भी पहले से ज्यादा कमाई मिल रही है। ऐसे में निवेशक सोने की बजाय बॉन्ड की तरफ झुकने लगते हैं। इसके पीछे एक और कारण है तेल की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका, जिससे महंगाई बढ़ सकती है। महंगाई बढ़ने पर केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढ़ाते हैं, और जैसे ही ब्याज दरें बढ़ती हैं, बॉन्ड ज्यादा आकर्षक हो जाते हैं और सोने पर दबाव बढ़ जाता है।

केंद्रीय बैंक भी बेच रहे हैं सोना

सोने की कीमतों पर दबाव का एक और कारण है केंद्रीय बैंकों की बिक्री। जब कीमतें ऊंचे स्तर पर हैं, तो कुछ देश मुनाफा वसूल रहे हैं। द इकनॉमिस्ट की रिपोर्ट कहती है कि 20 मार्च तक के दो हफ्तों में तुर्किये ने 8 अरब डॉलर का सोना बेचकर अपनी मुद्रा 'लीरा' (Lira) को संभालने की कोशिश की। इसके अलावा पोलैंड और भारत जैसे देश भी अपने भंडार का संतुलन बनाने के लिए ऐसे कदमों पर विचार कर रहे हैं। जब बड़े स्तर पर बिक्री होती है, तो बाजार में सप्लाई बढ़ती है और कीमतों पर दबाव आता है।

क्या 'मीम ट्रेड' बनता जा रहा है सोना?

एक दिलचस्प बदलाव यह है कि सोना अब 'मीम ट्रेड' (ट्रेंड और भावना के आधार पर होने वाला निवेश) जैसा व्यवहार करने लगा है। पिछले साल से इस साल की फरवरी तक सोने की कीमतों में 60% की तेजी आई थी। इसके पीछे गोल्ड ETF में भारी निवेश था, जिनकी होल्डिंग एक साल में 25% बढ़कर 4,200 टन तक पहुंच गई। लेकिन अब जब निवेशक मुनाफा निकाल रहे हैं, तो वही तेजी गिरावट में बदल रही है। यानी सोना भी भावनाओं और ट्रेंड के साथ ऊपर-नीचे हो रहा है।

क्या अब भरोसा नहीं रहा?

हालिया घटनाएं यह संकेत देती हैं कि सोना हर तरह के संकट में काम आने वाला 'यूनिवर्सल हेज' यानी हर स्थिति में सुरक्षा देने वाला निवेश नहीं है। जब बाजार में शॉर्ट टर्म निवेशक ज्यादा सक्रिय होते हैं और बड़े संस्थागत निवेशक (बड़े फंड और बैंक) मुनाफा बुक करने लगते हैं, तो सोने की पारंपरिक भूमिका कमजोर पड़ जाती है।

फिर भी निवेश क्यों जरूरी है?

सोने का सबसे बड़ा उपयोग 'करंसी डिबेसमेंट' (मुद्रा की वैल्यू गिरना) से बचाव में है। कई देश भारी कर्ज में हैं। ऐसे में सरकारें महंगाई बढ़ाकर उस कर्ज का बोझ कम करने की कोशिश कर सकती हैं। इस स्थिति में कागजी मुद्रा की वैल्यू घटती है, जबकि सोना अपनी वैल्यू बनाए रखता है।

निवेशक क्या करें?

वेल्थ मैनेजमेंट कंपनी Prasar Inc. के फाउंडर अंकित तिवारी का कहना है कि आने वाले समय में 'मोमेंटम ट्रेडर्स' (ट्रेंड के पीछे चलने वाले निवेशक) किसी नए असेट की ओर बढ़ेंगे, तब सोना फिर से स्थिर और भरोसेमंद निवेश बन सकता है। फिलहाल साफ है कि बदलते बाजार में सोने की भूमिका भी बदल रही है, और निवेशकों को उसी हिसाब से रणनीति तय करनी होगी। मौजूदा हालात निवेशकों को सबक देते हैं कि सोने को चमत्कारी समाधान न मानें। यह न तो हर संकट में तेजी देता है और न ही हमेशा सुरक्षा की गारंटी देता है। बेहतर रणनीति यह है कि सोने को पोर्टफोलियो का एक हिस्सा बनाया जाए, न कि पूरा आधार। साथ ही, निवेश से पहले बाजार के बदलते ट्रेंड को समझना जरूरी है।

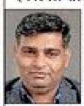

"मौजूदा हालात में सोने को पूरी तरह सुरक्षित निवेश मानना सही नहीं है। रियल यील्ड बढ़ने और केंद्रीय बैंकों की बिकवाली से कीमतों पर दबाव है। निवेशकों को इसे पोर्टफोलियो का संतुलन बनाने वाले असेट की तरह रखना चाहिए, न कि शॉर्ट टर्म कमाई का साधन समझना चाहिए।"
-अंकित तिवारी, Prasar Inc. के फाउंडर

निवेश से घबराते हैं? डर को यूं बनाएं मौका

AI Image

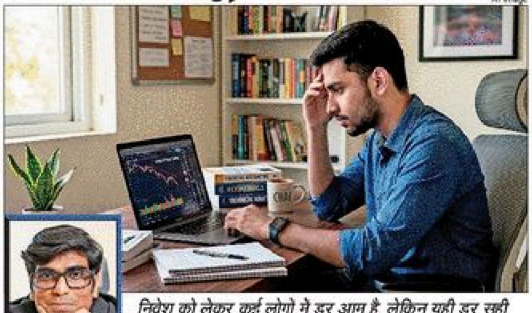

अजय लखोटिया
NBTwealth@timesofindia.com

निवेश को लेकर कई लोगों में डर आम है, लेकिन यही डर सही जानकारी और समझ के साथ अवसर बन सकता है। असली समस्या बाजार नहीं, बल्कि अधूरी जानकारी है। सीखकर, धैर्य के साथ और टेक्नॉलजी की मदद से लिया गया निवेश निर्णय आपको आत्मविश्वास और बेहतर रिटर्न की ओर ले जा सकता है।

आज निवेश की चर्चा हर घर में होने लगी है। कोई SIP की बात करता है, कोई शेयर बाजार की, तो कोई जल्दी अमीर बनने के तरीकों की। लेकिन इस बढ़ती जागरूकता के बावजूद बहुत से लोग अब भी निवेश शुरू करने से हिचकते हैं। कारण स्पष्ट है- पैसा खोने का डर, गलत निर्णय लेने की चिंता, और यह भ्रम कि निवेश केवल विशेषज्ञों का काम है। वास्तव में समस्या निवेश की नहीं, बल्कि जानकारी की कमी की है।

अक्सर लोग सोचते हैं कि शेयर बाजार सिर्फ एक्सपर्ट्स के लिए है। जबकि हकीकत यह है कि ज्यादातर नुकसान बिना समझे निवेश करने से होता है, न कि निवेश करने से। जब हम बिना समझे निवेश करते हैं, तब जोखिम बढ़ जाता है। बाजार का उतार-चढ़ाव, खबरों का असर, और भावनात्मक निर्णय- ये सभी नए निवेशकों को भ्रमित कर सकते हैं। इसलिए आज सबसे जरूरी बदलाव यह है कि लोग 'जल्दी मुनाफा' सोचने के बजाय समझदारी से निवेश करने की ओर बढ़ें। जाहिर है कि सीखना ही सुरक्षित निवेश की पहली सीढ़ी है।

टेक्नॉलजी और AI नए निवेशकों के लिए सहारा

डिजिटल युग में टेक्नॉलजी ने निवेश को पहले से अधिक सुलभ बना दिया है। अब AI निवेशकों को बेहतर निर्णय लेने में मदद कर रहे हैं। AI आधारित प्लैटफॉर्म जैसे स्टॉक्सो बाजार के रुझानों का विश्लेषण करते हैं, निवेश विकल्पों की तुलना आसान बनाते हैं, जोखिम समझने में मदद करते हैं, निवेशकों को भावनात्मक फैसलों से बचाते हैं। यह तकनीक निवेश का निर्णय आपके लिए नहीं लेती, बल्कि आपको अधिक सूचित और आत्मविश्वासी बनाती है।

निवेश से पहले समझना ज़रूरी है:

- बाजार कैसे काम करता है?
- जोखिम क्या होता है?
- लंबी अवधि का धैर्य क्यों जरूरी है?
- भावनाओं के बजाय डेटा पर आधारित निर्णय क्यों बेहतर होते हैं?
- जब सीखने की प्रक्रिया मजबूत होती है, तब निवेश आत्मविश्वास के साथ किया जाता है।

पहले अभ्यास, फिर निवेश

बड़ी चुनौती है वास्तविक पैसा लगाने से पहले अनुभव की कमी। इसलिए आज ऐसे डिजिटल समाधान विकसित हो रहे हैं जहां लोग बाजार को समझ सकते हैं, रणनीति बना सकते हैं और निर्णय लेने का अभ्यास कर सकते हैं।

युवा निवेशक और बदलती सोच

आज का युवा जल्दी निवेश शुरू करना चाहता है, जो सकारात्मक संकेत है। लेकिन समान रूप से महत्वपूर्ण है सही दिशा और अनुशासन।

स्मार्ट निवेशक बनने के लिए जरूरी है: जानकारी पर आधारित निर्णय, धैर्य और निरंतरता, अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से प्रभावित न होना।

छोटे कदम, बड़ा भविष्य

निवेश कोई दौड़ नहीं, बल्कि अनुशासन और समय से बनने वाली यात्रा है। टेक्नॉलजी और AI ने इसे सभी के लिए आसान बनाया है, लेकिन समझ जरूरी है। निवेश से पहले समझें, तभी आगे बढ़ें।

(लेखक StockGro के CEO और फाउंडर हैं।)

स्वाइप, टैप, OTP... डिजिटल पेमेंट के लिए ये है RBI की नई चेक-लिस्ट

RBI ने बढ़ाई पेमेंट सुरक्षा, 2FA अब हर लेनदेन में ज़रूरी

अभिषेक मिश्र
Abhishek.Mishra1@timesofindia.com

AI Image

*डिजिटल पेमेंट तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ धोखाधड़ी के मामले भी बढ़े हैं। इसी खतरे को देखते हुए **RBI** ने सुरक्षा को मजबूत करने के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब हर लेनदेन में अतिरिक्त वेरिफिकेशन जरूरी होगा, जिससे फ्रॉड कम करने और यूजर्स का भरोसा बढ़ाने में मदद मिलेगी।*

रियल टाइम होगी निगरानी

"यह बहुस्तरीय सुरक्षा ढांचा सिम-क्लोनिंग और फिशिंग जैसे हमलों के खिलाफ डिजिटल लेनदेन को और अधिक सुरक्षित बनाएगा। AI आधारित म्यूल हंटर प्रणाली संदिग्ध खातों की रियल-टाइम निगरानी में मदद करेगी।"
-अभिषेक कुमार, फाइनैंशल प्लानर

अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 के बीच 4,245 करोड़ रुपये के डिजिटल फर्जीवाड़े ने भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) को भी सकते में ला दिया। इन मामलों से निपटने के लिए केंद्रीय बैंक ने डिजिटल पेमेंट सिस्टम को और मजबूत बनाने के लिए सख्त रुख अख्तियार किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह भारी भरकम नुकसान महज एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह उस जोखिम को दर्शा रहा है, जो हमारे रोजमर्रा की जिंदगी में ऑनलाइन लेनदेन से जुड़ा है।

2FA की अहमियत

नए वित्त वर्ष की शुरुआत में ही RBI डिजिटल लेनदेन के लिए टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2FA) को जरूरी किया है। इसमें वन टाइम पासवर्ड (OTP) के साथ-साथ बायोमीट्रिक और अन्य वेरिफिकेशन भी जरूरी होंगे। फाइनैंशल प्लानिंग फर्म सहज मनी के संस्थापक और SEBI रजिस्टर्ड निवेश सलाहकार (RIA) अभिषेक कुमार बताते हैं कि अगर अब आपसे पेमेंट के दौरान OTP मांगा जाए या कोई सब्सक्रिप्शन रिन्यू होने से पहले मैसेज आए या फिर आपका इंटरनैशनल ट्रांजैक्शन डिक्लाइन हो जाए, तो घबराएं नहीं। ऐसा RBI के नए दिशा-निर्देशों के कारण हो सकता है। यूनिफाइड पेमेंट सिस्टम यानी UPI पहले से ही 2FA का पालन करते हैं। इसके लिए ग्राहक के पास रजिस्टर्ड मोबाइल और एक अलग PIN जरूरी है। विशेषज्ञों का कहना है कि UPI लेनदेन करने वालों को ज्यादा बदलाव महसूस नहीं होगा। जो लोग अक्सर डेबिट या क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करते हैं, खासकर इंटरनैशनल वेबसाइट वालों के लिए 2FA अब जरूरी है।

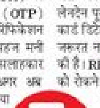

अभिषेक का कहना है कि डेबिट या क्रेडिट कार्ड के जरिये खरीदारी करने वाले लोग काफी समय से कमजोर कड़ी बने थे। कई बार सिर्फ कार्ड डिटेल्स, जैसे- कार्ड नंबर, एक्सपायरी और CVV भर देने से लेनदेन पूरा हो जाता था। कई वेबसाइट पर अगर आप कार्ड डिटेल्स सेव कर देते थे, तो दोबारा OTP की भी जरूरत नहीं होती थी। मगर, RBI ने यहीं पर सख्ती की है। RBI का मानना है कि इससे डिजिटल फर्जीवाड़े को रोकने में मदद मिलेगी।

ऑटो रिन्यूअल?

सब्सक्रिप्शन के ऑटो रिन्यूअल को लेकर भी सख्ती की गई है। कई बार ऑटो डिडक्शन के कई ट्रांजैक्शन बगैर किसी पूर्व जानकारी के पूरे हो जाते थे। RBI की इस सख्ती से अब ये अधिक पारदर्शी हो जाएंगी। नए फ्रेमवर्क के तहत बैंकों को हर डेबिट से पहले प्री-अलर्ट भेजना होगा, और पहली बार के पेमेंट या बड़े अमाउंट के मामले में अतिरिक्त मंजूरी भी लेनी पड़ सकती है। यानी अब यूजर को पहले से पता होगा कि कब और कितना पैसा कटने वाला है और जरूरत पड़ने पर वह उसे रोक भी सकता है।

अभिषेक बताते हैं कि RBI के नए दिशा-निर्देशों के तहत छोटे-मोटे डिजिटल फ्रॉड के लिए ग्राहकों को कुछ मुआवजा भी मिल सकता है। केंद्रीय बैंक ने छोटे लेनदेन वाले डिजिटल फ्रॉड के लिए 25,000 रुपये तक का मुआवजा प्रदान करने का प्रस्ताव दिया है। इससे ग्राहकों को हुई आर्थिक हानि की थोड़ी बहुत भरपाई हो सकेगी। RBI ने अन्य बैंकों की जवाबदेही भी बढ़ा दी है। सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि तकनीकी खामियों के कारण होने वाले फ्रॉड का बोझ ग्राहकों पर न पड़े।

...तो घबराएं नहीं

अभिषेक ने कहा कि RBI ने इन बदलावों को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का फैसला किया है। इससे बैंक, पेमेंट नेटवर्क और कंपनियों को अपने सिस्टम को अपडेट करने का समय मिलेगा। अक्टूबर तक पूरा इकोसिस्टम नए फ्रेमवर्क के तहत आ जाएगा। अभिषेक आगाह करते हैं कि इस दौरान पेमेंट रिजेक्ट होने, बार-बार OTP आने या कुछ पुराने प्लैटफॉर्म का ठीक से काम न करने जैसी कुछ परेशानियां भी आ सकती हैं। हालांकि, घबराने की जरूरत नहीं है। ये अस्थायी समस्याएं होंगी, जिनका समाधान हो जाएगा।

म्यूचुअल फंड गिफ्ट कार्ड बन सकता है गेम-चेंजर

यादगार गिफ्ट वही, जो समय के साथ आपका भविष्य भी संवार दे

AI Image

दो दूनी चार

रमेश तिवारी
Ramesh.Tiwari@timesofindia.com

पारंपरिक गिफ्ट जल्दी खत्म हो जाते हैं, लेकिन अगर उपहार ऐसा हो जो समय के साथ बढ़े तो? अब समय है गिफ्ट देने की सोच बदलने का। म्यूचुअल फंड, एफडी या बीमा जैसे विकल्प न सिर्फ यादगार बनते हैं, बल्कि भविष्य की वित्तीय सुरक्षा भी मजबूत करते हैं।

गिफ्ट के तौर पर सोनपापड़ी हमारे देश में बहुत फेमस है। इसका डिब्बा मिलने पर लोग तरह-तरह के अनुमान लगाने लगे हैं। लगता है कि हमने जो पैकेट किसी को गिफ्ट किया था, वही घूम-फिर कर हमारे पास तो नहीं आ गया। शुगर जैसी कंडिशन वाले लोगों संख्या बढ़ रही है, सो वे लोग मिठाई के पैकेट दूसरों को थमा देते हैं। शादियों में लोग कपड़े या नकदी के लिफाफे भेंट करते हैं। इन उपहारों से परंपरा निभाई जाती है, लेकिन ये अक्सर जल्दी खत्म हो जाते हैं। पारंपरिक उपहार तात्कालिक इच्छाओं को तो पूरा करते हैं, लेकिन दीर्घकालिक समृद्धि के लिए बहुत कम योगदान देते हैं।

क्या होगा अगर आज हम कोई उपहार दें और वो 20 साल बाद बहुत बड़ी चीज बन जाए? किसी के लिए उम्र भर की वित्तीय सुरक्षा का बीज बो दे? भारत को आज आधुनिक उपहार संस्कृति अपनाने की जरूरत है, जो निवेश के वित्तीय साधनों पर केंद्रित हो। यह बदलाव उपहार देने की परंपरा को खत्म नहीं करेगी, बल्कि उसे विकसित ही करेगी। आज डिजिटल निवेश ने वेल्थ क्रिएशन को गांवों तक पहुंचाने की कोशिश है, लेकिन बहुत बड़ी आबादी आज भी फाइनैंशल प्लानिंग से दूर है।

वित्तीय उपहार कम उम्र में ही अनुशासन विकसित करते हैं। कल्पना कीजिए कि आप अपने 18 वर्षीय भतीजे को किसी गैजेट के बजाय 10,000 का म्यूचुअल फंड फोलियो उपहार में देते हैं। इससे वह SIP, बाजार के चक्र और धैर्य के बारे में सीखता है।

आप अपने 18 वर्षीय भतीजे को किसी गैजेट के बजाय ₹10,000 का म्यूचुअल फंड फोलियो उपहार में देते हैं, तो वह इससे SIP, बाजार के चक्र और धैर्य के बारे में सीखता है।

नवविवाहितों के लिए डेस्टिनेशन वेडिंग की जगह मजबूत वित्तीय सुरक्षा का कवच दिया जा सकता है। उनके नाम एक फिक्स्ड डिपॉजिट खाता खोलकर आप उनके प्रति अपना स्नेह व्यक्त कर सकते हैं। इस जोड़े को अचानक आने वाले खर्चों के लिए तैयार रहने में मदद मिलेगी। शादियों में यूं तो गोल्ड के गहने भी गिफ्ट में देने की परंपरा रही है, लेकिन सोना निष्क्रिय असेट है। इसकी जगह पैसा उत्पादक पूंजी बाजारों की ओर मोड़ा जा सकता है। इसके अलावा बीमा प्रोडक्ट भी अच्छे गिफ्ट हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा ने बताया था कि उनकी दादी रितु नंदा बचपन में बीमा गिफ्ट दिया करती थीं। तब नव्या इसे ठीक से समझती नहीं थीं, लेकिन दादी कहती थीं कि 21 साल का होने पर मुझे इस गिफ्ट के लिए याद करोगी।

हाल ही में SEBI ने म्यूचुअल फंड गिफ्ट कार्ड्स का प्रस्ताव रखा, जो इस दिशा में गेम-चेंजर है। यह युवाओं को वेल्थ क्रिएशन के लिए म्यूचुअल फंड का रास्ता चुनने के लिए प्रोत्साहित करेगा। प्रस्तावित गिफ्ट को दोबारा लोड नहीं किया जा सकेगा। इसकी सीमा 10,000 रुपये तय की गई है और यह एक वर्ष के लिए वैध होगा। इसका उपयोग म्यूचुअल फंड योजना में शुरुआती एकमुश्त निवेश के लिए किया जाएगा। यदि उपहार प्राप्त करने वाला व्यक्ति SIP चुनता है, तो उसे अगली किस्तों के लिए अपने स्वयं के बैंक खाते से जुड़ा पेमेंट इंस्ट्रक्शन रजिस्टर कराना होगा।

ये भी भ्रम है कि फाइनैंशल प्रोडक्ट वाले गिफ्ट सिर्फ अमीर या एक्सपर्ट ही दे सकते हैं। सचाई ये है कि SIP को 100 रुपये से भी शुरू कराया जा सकता है।

म्यूचुअल फंड और स्टॉक रिस्की प्रोडक्ट माने जाते हैं, इसलिए आम लोगों का सवाल होता है कि गिफ्ट देते ही मार्केट का मूड बिगड़ गया तो? ये जरूर है कि गिफ्ट करते समय रिस्क प्रोफाइल देखना होगा। सभी फाइनैंशल प्रोडक्ट का रिस्क प्रोफाइल अलग होता है। जैसे, बच्चे के लिए ज्यादा इक्विटी ली जा सकती है, क्योंकि उसे पैसा निकालने के लिए काफी लंबा इंतजार करना है। लेकिन जो रिटायरमेंट के करीब हो, उसके लिए एफडी बेहतर होगा। ये भी भ्रम है कि इस तरह के गिफ्ट सिर्फ अमीर या एक्सपर्ट ही दे सकते हैं। सचाई ये है कि SIP को 100 रुपये से भी शुरू कराया जा सकता है। और कुछ नहीं सूझता तो वित्तीय साक्षरता का उपहार भी कम नहीं है। कोई अच्छी किताब किसी भी युवा के लिए सबसे मूल्यवान उपहारों में से एक है। कोई वर्कशॉप या ऑनलाइन कोर्स भी चलेगा। इससे निवेश विकल्पों को समझने, रिस्क मैनेजमेंट और भविष्य के लिए बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 06-04-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD3 User: cci Time: 04-04-2026 22:12 Color:

फ्लेक्सी-कैप Vs मल्टी-कैप फंड

निवेशकों के लिए कौन-सा फंड बेहतर है?

कायेज़ाद ई. अदाजानिया
Kayezad.Adajania@timesofindia.com

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले निवेशकों के सामने बड़ा सवाल है- फ्लेक्सी-कैप फंड चुनें या मल्टी-कैप? दोनों का मकसद भले एक जैसा हो, लेकिन निवेश का तरीका और नतीजे अलग हैं। हाल के आंकड़े दिखाते हैं कि मल्टी-कैप फंड बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे सही विकल्प चुनना और भी जरूरी हो गया है।

आज के समय में निवेश सिर्फ अमीर लोगों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आम लोगों के बीच भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। SIP, म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार जैसे शब्द अब रोजमर्रा की बातचीत का हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन जैसे-जैसे निवेश के विकल्प बढ़े हैं, वैसे-वैसे कन्फ्यूजन भी बढ़ा है। इन्हीं कन्फ्यूजन में एक बड़ा सवाल है कि फ्लेक्सी-कैप फंड और मल्टी-कैप फंड में क्या फर्क है, और निवेशक के लिए कौन बेहतर है?

बुनियादी समझ

- पहले यह समझना जरूरी है कि दोनों ही फंड का उद्देश्य एक है- निवेशक का पैसा अलग-अलग कैटिगरी की कंपनियों में लगाना, ताकि जोखिम कम हो और रिटर्न बेहतर मिल सके। कंपनियों को आमतौर पर तीन कैटिगरी में बांटा जाता है- लार्ज-कैप (बड़ी कंपनियां), मिड-कैप (मध्यम कंपनियां) और स्मॉल-कैप (छोटी कंपनियां)।
- **मल्टी-कैप फंड में नियम तय है। इन्हें कम से कम 25% पैसा हर कैटिगरी में लगाना होता है। यानी लार्ज, मिड और स्मॉल में 25-25% और बाकी 25% में फंड मैनेजर को कुछ आजादी होती है।**
- इसके उलट फ्लेक्सी-कैप फंड में पूरी छूट होती है। फंड मैनेजर समझ के अनुसार किसी भी कैटिगरी में निवेश कर सकता है- चाहे पूरा पैसा लार्ज-कैप में लगाए या मिड और स्मॉल-कैप में।

प्रदर्शन में कौन आगे?

अगर पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों को देखें तो मल्टी-कैप फंड ने फ्लेक्सी-कैप फंड से बेहतर प्रदर्शन किया है। ACE MF के आंकड़ों के मुताबिक, 2012 से 2025 के बीच विभिन्न 5 साल के रोलिंग पीरियड में तिमाही आधार पर मल्टी-कैप फंड का औसत रिटर्न करीब 21% रहा है, जबकि फ्लेक्सी-कैप फंड का औसत रिटर्न लगभग 18% रहा है। वहीं 2016 से 2025 के बीच 3 साल के रोलिंग पीरियड में भी मल्टी-कैप फंड ने फ्लेक्सी-कैप फंड के मुकाबले औसतन करीब 3 प्रतिशत पॉइंट बेहतर प्रदर्शन किया है। वैल्यू रिसर्च डेटा के अनुसार, 2021 से 2024 के बीच हर कैलेंडर वर्ष में मल्टी-कैप फंड ने फ्लेक्सी-कैप फंड से बेहतर प्रदर्शन किया है। हालांकि 2025 में फ्लेक्सी-कैप फंड थोड़े आगे रहे, लेकिन अंतर बहुत ज्यादा नहीं था।

मल्टी-कैप फंड आगे

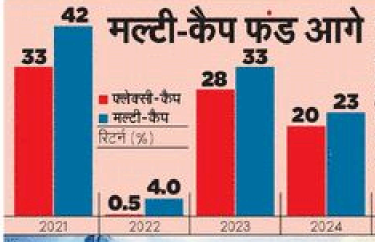

ज्यादातर साल मल्टी-कैप फंड ने फ्लेक्सी-कैप से ज्यादा रिटर्न दिया है। यानी प्रदर्शन में मल्टी-कैप फंड आगे रहे हैं।

फ्लेक्सी नामभर है?

बड़ा सवाल यही है कि ज्यादा आजादी होने के बावजूद फ्लेक्सी-कैप फंड बेहतर प्रदर्शन क्यों नहीं कर पा रहे। वजह निवेश पैटर्न में छिपी है। कई फ्लेक्सी-कैप फंड पोर्टफोलियो का 65% से 85% हिस्सा लार्ज-कैप में लगा रहे हैं। यानी नाम फ्लेक्सी-कैप का है, लेकिन व्यवहार लार्ज-कैप जैसा। लार्ज-कैप का 80% निवेश बड़ी कंपनियों में होता है, कई फ्लेक्सी-कैप भी उसी स्तर पर पहुंच गए हैं।

लार्ज पर मेहरबान क्यों

फ्लेक्सी-कैप के प्रदर्शन पर असर का बड़ा कारण उसका आकार यानी AUM है। जब फंड 30,000 करोड़, 50,000 करोड़ या ज्यादा हो जाता है, तो स्मॉल और मिड-कैप में निवेश करना कठिन हो जाता है। इन कंपनियों में लिक्विडिटी कम होती है, जिससे बड़ी रकम निकालने पर कीमत गिरने का खतरा रहता है। इसलिए फंड मैनेजर सुरक्षित रहते हुए लार्ज-कैप में निवेश बढ़ाते हैं।

क्या है सही रणनीति?

आप क्या करें, यह आपकी जोखिम लेने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर है। अगर जोखिम से बचना चाहते हैं और ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं चाहते, तो फ्लेक्सी-कैप बेहतर हो सकते हैं। क्योंकि इनमें लार्ज-कैप का हिस्सा ज्यादा होता है। लेकिन निवेश लंबी अवधि (3-5 साल या उससे ज्यादा) का है और थोड़ा जोखिम ले सकते हैं, तो मल्टी-कैप फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

मल्टी-कैप फंड की ताकत

मल्टी-कैप फंड के पास विकल्प नहीं कि वह किसी एक कैटिगरी में ज्यादा पैसा लगा दे। उसे हर कैटिगरी में निवेश बनाए रखना पड़ता है। यही उसकी सबसे बड़ी ताकत बन जाती है। जब बाजार में तेजी आती है, खासकर मिड और स्मॉल-कैप शेयरों में, तो मल्टी-कैप फंड इसका फायदा उठाते हैं। मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों में ग्रोथ भी ज्यादा होती है। इन कंपनियों की कमाई की ग्रोथ 16-17% तक हो सकती है, जबकि लार्ज-कैप कंपनियों में यह लगभग 9-10% रहती है। यानी अगर निवेश की अवधि लंबी है, तो मिड और स्मॉल-कैप बेहतर रिटर्न दे सकते हैं।

दोनों को साथ रखना सही है?

कई विशेषज्ञ मानते हैं कि पोर्टफोलियो में दोनों तरह के फंड होने चाहिए। फ्लेक्सी-कैप आपको स्थिरता देता है, जबकि मल्टी-कैप आपको ग्रोथ देता है। बाजार के अलग-अलग दौर में दोनों का प्रदर्शन अलग होता है, इसलिए दोनों का संतुलन बेहतर परिणाम दे सकता है।

लार्ज-कैप में निवेश गलत है?

ऐसा नहीं है कि लार्ज-कैप में निवेश करना गलत है। बड़ी कंपनियां आमतौर पर ज्यादा स्थिर होती हैं और उनमें उतार-चढ़ाव कम होता है। इसलिए फ्लेक्सी-कैप में ज्यादा लार्ज-कैप होना जोखिम कम करता है। समस्या तब होती है जब पूरा पोर्टफोलियो उसी पर निर्भर हो जाए। तब निवेशक ग्रोथ से चूक सकता है। हालांकि सभी फ्लेक्सी-कैप एक जैसे नहीं। कुछ फंड समय में बाजार के हिसाब से अपना निवेश बदलते हैं। ये समय-समय पर लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप में संतुलन बदलते हैं और बेहतर रिटर्न देने की कोशिश करते हैं।

दो फंड, एक ही शेयर तो नहीं?

फ्लेक्सी-कैप और मल्टी-कैप फंड दोनों के अपने फायदे और सीमाएं हैं। फ्लेक्सी-कैप लचीलापन देते हैं, लेकिन यह हमेशा दिखता नहीं, जबकि मल्टी-कैप तय नियमों से संतुलन बनाए रखते हैं और बेहतर रिटर्न दे सकते हैं। निवेश से पहले सिर्फ कैटिगरी नहीं, बल्कि पोर्टफोलियो और जोखिम जरूर देखें। साथ ही एक ही फंड हाउस के दोनों फंड न लें, क्योंकि इनमें कई शेयर समान हो सकते हैं।

SMART STATS

1 Top 5 SIPs

Top 5 equity schemes based on 10-year SIP returns

Scheme	Return
CPSE ETF	22.09
Quant Small Cap Fund(G)	21.02
ICICI Pru Infrastructure Fund(G)	19.16
Nippon India Small Cap Fund(G)	19.05
Nippon India ETF Nifty PSU Bank BeES	18.64

1 April 2016 to 1 April 2026 — % ANNUALISED RETURNS As on: 2 April 2026

2 Top 5 SWPs

Top 5 conservative hybrid scheme based on 3-year return

Scheme	Return
Parag Parikh Conservative Hybrid Fund-Reg(G)	10.54
ICICI Pru Regular Savings Fund-Reg(G)	9.10
SBI Conservative Hybrid Fund-Reg(G)	8.95
DSP Regular Savings Fund-Reg(G)	8.70
HSBC Conservative Hybrid Fund(G)	8.63

SWP: SYSTEMATIC WITHDRAWAL PLAN — % ANNUALISED RETURNS AS ON 2 April 2026

किसका, कैसा रिटर्न?

यहां अलग-अलग कैटिगरी में रिटर्न के आधार पर अधिक रिटर्न देने वाले टॉप 5 और कम रिटर्न वाले फिसड्डी 5 फंड्स की सूची है, ताकि निवेशक समझ सकें कि किन फंड्स का कैसा प्रदर्शन रहा है।

Equity: Large Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Nippon India Large Cap Fund(G)	15.30	PGIM India LargeCap Fund(G)	7.80
ICICI Pru Large Cap Fund(G)	14.41	LIC MF Large Cap Fund-Reg(G)	8.52
DSP Large Cap Fund-Reg(G)	14.32	Axis Large Cap Fund-Reg(G)	9.55
Taurus Large Cap Fund-Reg(G)	14.26	Sundaram Large Cap Fund-Reg(G)	9.62
WOC Large Cap Fund-Reg(G)	14.25	UTI Large Cap Fund-Reg(G)	9.63

Equity: Flexi Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Bank of India Flexi Cap Fund-Reg(G)	19.85	Samco Flexi Cap Fund-Reg(G)	0.49
Motilal Oswal Flexi Cap Fund-Reg(G)	18.61	UTI Flexi Cap Fund-Reg(G)	7.57
ITI Flexi Cap Fund-Reg(G)	18.01	Shriram Flexi Cap Fund-Reg(G)	8.14
HDFC Flexi Cap Fund(G)	18.00	PGIM India Flexi Cap Fund-Reg(G)	9.77
Parag Parikh Flexi Cap Fund-Reg(G)	16.77	SBI Flexicap Fund-Reg(G)	10.25

Equity: Mid Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
WOC Mid Cap Fund-Reg(G)	23.51	PGIM India Midcap Fund-Reg(G)	10.96
Invesco India Midcap Fund-Reg(G)	23.21	Taurus Mid Cap Fund-Reg(G)	13.86
Nippon India Growth Mid Cap Fund(G)	23.13	SBI Midcap Fund-Reg(G)	13.92
ICICI Pru Midcap Fund(G)	23.02	Quant Mid Cap Fund(G)	14.58
HSBC Midcap Fund-Reg(G)	22.50	UTI Mid Cap Fund-Reg(G)	15.03

Equity: Small Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Bandhan Small Cap Fund-Reg(G)	27.54	Tata Small Cap Fund-Reg(G)	10.40
ITI Small Cap Fund-Reg(G)	21.67	SBI Small Cap Fund-Reg(G)	11.56
Mahindra Manulife Small Cap Fund	21.54	Kotak Small Cap Fund(G)	12.40
Invesco India Smallcap Fund-Reg(G)	21.14	PGIM India Small Cap Fund-Reg(G)	12.46
DSP Small Cap Fund-Reg(G)	18.52	Canara Rob Small Cap Fund	13.34

Hybrid: Aggressive 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
BOI Mid & Small Cap Equity & Debt	17.62	PGIM India Aggressive Hybrid Equity	8.10
ICICI Pru Equity & Debt Fund(G)	16.74	HDFC Hybrid Equity Fund(G)	8.13
JM Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	14.71	HDFC Hybrid Equity (Adjusted)	8.13
UTI Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	14.04	Tata Aggressive Hybrid Fund	8.65
Edelweiss Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	14.04	Groww Aggressive Hybrid Fund	9.03

ANNUALISED RETURNS IN %. As on: 2 April 2026

सही निवेश फैसलों के लिए मार्केट कैप को समझना जरूरी है

क्या है मार्केट कैपिटलाइजेशन?

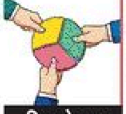

रिजु मेहता
Riju.Mehta@timesofindia.com

***मार्केट कैपिटलाइजेशन (Market Capitalisation)** किसी कंपनी की असली वैल्यू समझने का आसान तरीका है। यह बताता है कंपनी कितनी बड़ी है और निवेश में कितना जोखिम हो सकता है। सही निवेश फैसलों के लिए इसे समझना जरूरी है।*

मार्केट कैप, निवेशकों के लिए किसी लिस्टेड कंपनी की मार्केट वैल्यू और उसके आकार का अंदाजा लगाने का आसान तरीका है। किसी कंपनी का मार्केट कैप, मार्केट में मौजूद उस कंपनी के कुल आउटस्टैंडिंग शेयरों की कुल वैल्यू का हिसाब लगाकर निकाला जाता है। आउटस्टैंडिंग शेयरों का मतलब उन शेयरों से है जो कंपनी के सभी शेयरहोल्डर्स के पास सक्रिय रूप से मौजूद हैं। किसी कंपनी का मार्केट कैप कितना है, यह जानने के लिए कंपनी के कुल आउटस्टैंडिंग शेयरों को उसकी एक शेयर की कीमत से गुणा कीजिए। जैसे, किसी कंपनी के 1 करोड़ शेयर हैं और हर शेयर 100 का है, तो उसकी कुल कीमत 100 करोड़ होगी।

सबसे समझदारी क्या है? अलग-अलग कैटिगरी में पैसा लगाकर बैलेंस यानी संतुलन बनाना ही समझदारी है। अलग-अलग मार्केट कैप वाली कंपनियों को शामिल करके, निवेशक एक विविध और संतुलित पोर्टफोलियो बना सकते हैं, जिसमें जोखिम कम होता है और स्थिरता ज्यादा होती है।

कंपनियों के प्रकार

Large-cap

ये टॉप 100 कंपनियां हैं जो बड़ी, अच्छी तरह से स्थापित और स्थिर हैं। ये आम तौर पर मार्केट लीडर होती हैं। इनमें जोखिम कम होता है, लेकिन ग्रोथ की संभावना भी सीमित होती है।

Mid-cap

मार्केट कैप के मामले में ये अगली 101-250 कंपनियां हैं। इनमें मध्यम जोखिम होता है, लेकिन लार्ज-कैप कंपनियों की तुलना में इनमें अधिक रिटर्न की संभावना भी होती है।

Small-cap

मार्केट कैप के मामले में ये 251वें स्थान से आगे की कंपनियां हैं। क्योंकि ये ग्रोथ के शुरुआती दौर में होती हैं, इसलिए इनमें जोखिम बहुत ज्यादा होता है, लेकिन अगर ये सफल होती हैं तो इनमें ज्यादा रिटर्न देने की संभावना भी होती है।

मार्केट कैप क्यों जरूरी?

- मार्केट कैप से पता चलता है कि कंपनी कितनी बड़ी है।
- जोखिम समझने में मदद मिलती है।
- कंपनियों की तुलना आसान हो जाता है।

क्या मतलब होता है?

- सुरक्षा के लिहाज से लार्ज-कैप सही है।
- थोड़ा जोखिम ले सकते हैं, तो मिड-कैप, ज्यादा मुनाफा और ज्यादा जोखिम तो स्मॉल-कैप शानदार है।

अभी जंग की सुर्खियों पर टिकी हुई है शेयर बाज़ार की दिशा

निफ्टी और नीचे आ सकता है, विशेषज्ञों की सलाह- सतर्कता बरतें

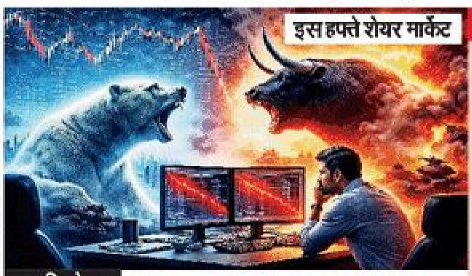

अखिलेश प्रताप सिंह
AkhileshSingh1@timesofindia.com

पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध तनाव और महंगाई के दबाव के बीच शेयर बाजार की दिशा इस हफ्ते भी अनिश्चित रह सकती है। गिरावट के बाद विशेषज्ञ सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं, जबकि RBI की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक पर निवेशकों की नजरें टिकी हुई हैं।

पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच लगातार छठे हफ्ते गिरावट के साथ बंद हुए शेयर बाजार के लिए इस सप्ताह हालात और गंभीर हो सकते हैं। दो अमेरिकी विमानों को नवीन सुंघा देने वाले ईरानी हमले के बाद युद्ध और भड़क सकता है। होर्मुज स्ट्रेट से सप्लाई बाधित होने के चलते कच्चा तेल 100 डॉलर के ऊपर बना हुआ है। अमेरिका से भारत तक, महंगाई बढ़ती दिख रही है। RBI की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी की इस हफ्ते होने वाली मीटिंग पर मार्केट की नजरें रहेंगी। RBI कमिटी क्या करेगी, यह देखना अहम होगा। मार्केट के विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार और गिर सकता है, लिहाजा ऐसे माहौल में बड़े दांव लगाने से बचना चाहिए।

कैसा रहेगा माहौल? विदेशी निवेशक भारत में बिकवाली का सिलसिला बनाए हुए हैं। डॉलर में मजबूती और महंगाई बढ़ने के रिस्क के बीच बॉन्ड यील्ड बढ़ने से वे भारतीय बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। वहीं, वोलैटिलिटी इंडेक्स इंडिया VIX बढ़कर 25.52 पर पहुंचने के साथ अनिश्चितता बढ़ने का संकेत दे रहा है। मैन्युफैक्चरिंग PMI के 4 साल के निचले स्तर पर जाने के साथ इंडियन इकॉनमी को लेकर चिंता बढ़ी है।

जियोजीत इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, 'RBI को क्रूड में तेजी के चलते महंगाई के जोखिम और इकनॉमिक ग्रोथ सुस्त हो सकने की तस्वीर, दोनों पर ध्यान देना होगा। रेट साइकल और वित्त वर्ष 2027 के बारे में RBI गवर्नर के बयान पर सबकी नजर रहेगी। अमेरिका में भी महंगाई उछलने का जोखिम है। ऐसे में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कमी की उम्मीदें दफन हो सकती हैं। ऐसा होने से भारत जैसे इमर्जिंग मार्केट्स के लिए वित्तीय स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो जाएगी।'

निफ्टी किधर जाएगा?

निफ्टी गुरुवार को 22713 पॉइंट्स पर बंद हुआ था। पिछले हफ्ते इसमें 0.5% की गिरावट रही। चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग के रिसर्च एनालिस्ट हितेश टेलर ने कहा, 'निफ्टी के लिए फिलहाल 22450-22500 जोन में सपोर्ट दिख रहा। 22840-22900 रेंज में रेजिस्टेंस है। रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 27.56 पर है। यह 50 के मिड लेवल पॉइंट से नीचे बना हुआ है। मार्केट में भले ही गुरुवार को रिकवरी दिखी, अभी तेजी में दमखम नहीं है। बैंक निफ्टी के लिए 51000-51150 रेंज में सपोर्ट है, 51860-52000 में रेजिस्टेंस है।'

सतर्कता ज़रूरी

जियोजीत इनवेस्टमेंट्स के विनोद नायर ने कहा, 'एक ओर अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड्स में बढ़ोतरी, मजबूत डॉलर और ब्रेंट क्रूड में तेजी से महंगाई बढ़ने का रिस्क बढ़ा है, दूसरी ओर भारत के PMI मैन्युफैक्चरिंग में नरमी ने बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। जंग और भड़कने से सेल ऑन राइज का माहौल मजबूत होगा।' चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग के हितेश टेलर ने कहा, 'मौजूदा जियोपॉलिटिकल टेंशन को देखते हुए निवेशकों को सतर्कता बरतनी चाहिए। ट्रेडर्स को अहम सपोर्ट, रेजिस्टेंस लेवल्स पर निगाह बनाए रखते हुए ट्रेड शुरू करने पर तभी विचार करना चाहिए, जब कन्फर्मेशन की साफ तस्वीर दिखे। अनिश्चितता में हड़बड़ी में कदम उठाना ठीक नहीं है।'

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 06-04-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD4 User: cci Time: 04-04-2026 22:26 Color:

फॉर्म कम लेकिन निगरानी ज्यादा...

टैक्स का नया खेल समझें

नए इनकम टैक्स नियम 2026 में कर्मचारियों और निवेशकों के लिए कई अहम बदलाव किए गए हैं, जिनसे टैक्स बचत के मौके बढ़ेंगे तो कुछ मामलों में बोझ भी बढ़ सकता है। मील कूपन, अलाउंस, TCS, SGB और रिटर्न फाइलिंग जैसे नियम सीधे आपकी जेब पर असर डालेंगे।

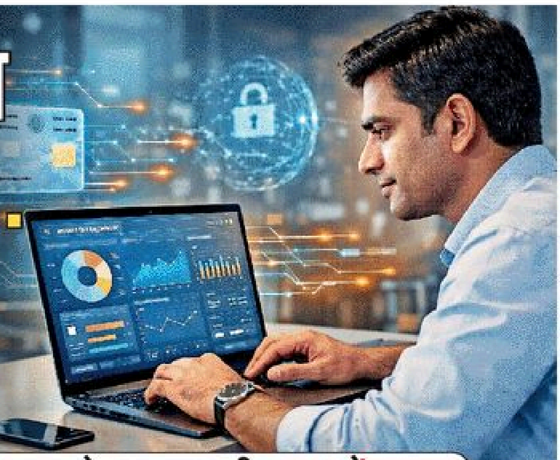

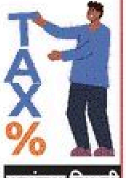

मृत्युंजय त्रिपाठी
Mrityunjay.Tripathi@timesofindia.com

अब टैक्स सिस्टम एक डिजिटल और PAN-सेंट्रिक ढांचे में बदल रहा है। फाइलिंग, ट्रांजैक्शन और रिपोर्टिंग, इन तीनों में डेटा लिंक करना जरूरी होगा। यानी अब हर जानकारी आपस में जुड़ी होगी।

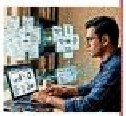

विदेश में पढ़ाई और इलाज के लिए भेजे जाने वाले पैसे (रेमिटेंस) पर भी राहत दी गई है।

नए इनकम टैक्स सिस्टम में सबसे बड़ा बदलाव फॉर्म और पूरे ढांचे में मिल रहा है। फॉर्म 399 से घटाकर 190 कर दिए गए हैं। कई TDS और TCS फॉर्म को मिलाकर एक ही कंसोलिडेटेड फॉर्म 141 बना दिया गया है। टैक्स ऑडिट रिपोर्ट को अब एक ही फॉर्म 26 में समेट दिया गया है, जिसमें 55 रिपोर्टिंग क्लॉज होंगे। AIS/26AS को बदलकर नया फॉर्म 168 बनाया गया है, जो PAN आधारित होगा और आपकी पूरी टैक्स हिस्ट्री दिखाएगा। अब टैक्स सिस्टम एक डिजिटल और PAN-सेंट्रिक ढांचे में बदल रहा है। TDS रिटर्न को स्टैंडर्ड किया गया है, जैसे सैलरी के लिए फॉर्म 138 और अन्य इनकम के लिए फॉर्म 140 भरना होगा। TDS सर्टिफिकेट को भी एक सीरीज (फॉर्म 130-133) में व्यवस्थित किया गया है। फाइलिंग, ट्रांजैक्शन और रिपोर्टिंग, इन तीनों में डेटा लिंक करना जरूरी होगा। यानी अब हर जानकारी आपस में जुड़ी होगी और सिस्टम ज्यादा स्मार्ट बनेगा। इसी के साथ हर ट्रांजैक्शन पर नजर होगी। फॉर्म 128 (कम TDS के लिए) और फॉर्म 15G/15H में ज्यादा जानकारी देनी होगी, जैसे पिछले 2 साल की ITR हिस्ट्री।

मील कूपन

नए इनकम टैक्स नियम 2026 के अनुसार, जिन कर्मचारियों को ऑफिस से मील (Meal) कूपन, वाउचर, कार्ड (जैसे Sodexo/Pluxee, Zaggle) या सब्सिडी वाला खाना मिलता है, उन्हें ऐसे बेनिफिट्स पर सालाना 1.05 लाख तक टैक्स छूट मिल सकती है, और यह छूट पुराने और नए दोनों टैक्स रेजीम में उपलब्ध होगी। पहले टैक्स छूट सिर्फ 50 प्रति मील तक सीमित थी। यानी अगर कंपनी दिन में दो बार खाना देती थी (50 + 50 = 100), तो वही रकम टैक्स फ्री होती थी। अब नए नियमों के तहत यह सीमा काफी बढ़ा दी गई है, जिससे कर्मचारियों को ज्यादा टैक्स बचाने का मौका मिलेगा।

एजुकेशन और हॉस्टल अलाउंस

कई सालों से लगभग समान स्तर पर चल रहे दो अहम अलाउंस- बच्चों की पढ़ाई और हॉस्टल खर्च अब बढ़ाए जा रहे हैं। बच्चों का एजुकेशन अलाउंस 100 से बढ़ाकर 3,000 प्रति माह प्रति बच्चा किया जाएगा (अधिकतम 2 बच्चों तक)। हॉस्टल अलाउंस 300 से बढ़ाकर 9,000 प्रति माह प्रति बच्चा किया जाएगा। अगर किसी माता-पिता के दो बच्चे हॉस्टल में पढ़ते हैं, तो उन्हें अब सालाना करीब 2.16 लाख तक टैक्स छूट मिल सकती है, जबकि पहले यह सिर्फ 7,200 थी।

ये बदलाव भी जान लें

ब्याज पर TDS

नए इनकम टैक्स एक्ट, 2025 के अनुसार, सभी बैंकिंग कंपनियां तय सीमा से ज्यादा ब्याज आय पर TDS काटेंगी। किसी व्यक्ति की बैंक या पोस्ट ऑफिस डिपॉजिट से सालाना ब्याज आय 50,000 या 1 लाख (सीनियर सिटीजन) से ज्यादा होती है, तो उस पर TDS कटेगा। तय सीमा से कम ब्याज आय पर TDS नहीं काटा जाएगा।

NRI प्रॉपर्टी

अब NRI से प्रॉपर्टी खरीदने की प्रक्रिया भी आसान कर दी गई है। पहले खरीदार को TDS के लिए TAN (Tax Deduction Account Number) लेना जरूरी होता था। अब खरीदार अपने PAN के जरिए ही TDS डिडक्ट कर सकता है। इससे पूरी प्रक्रिया सरल हो गई है और कागजी झंझट कम हो जाएगा।

गिफ्ट वाउचर

नॉन-कैश गिफ्ट (जैसे गिफ्ट वाउचर) की सालाना सीमा 5,000 से बढ़ाकर 15,000 कर दी गई है। इसके अलावा, एम्प्लॉयर द्वारा दिए जाने वाले अन्य फायदे (perquisites) और लोन से जुड़े नियमों में भी बदलाव किए गए हैं, जिससे उनकी वैल्यू तय करने का तरीका बदल सकता है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (SGB)

1 अप्रैल 2026 से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (SG) के टैक्स नियमों में अहम बदलाव किया गया है। अब टैक्स-फ्री रिडेम्प्शन का फायदा सिर्फ उन्हीं निवेशकों को मिलेगा, जिन्होंने ये बॉन्ड सीधे सरकार से खरीदे हैं और उन्हें मच्योरिटी तक होल्ड किया है। वहीं, जो निवेशक सेकेंडरी मार्केट से SGB खरीदते हैं, उन्हें अब मच्योरिटी पर 12.5% LTCG (Long Term Capital Gains) देना होगा। इसका सीधा असर यह होगा कि ऐसे निवेशकों का रिटर्न पहले के मुकाबले कम हो सकता है।

विदेश यात्रा/पढ़ाई/इलाज

विदेश यात्रा करने वालों के लिए बड़ी राहत दी गई है। अब TCS को कम कर दिया गया है। पहले 10 लाख तक के टूर पैकेज पर 5% TCS लगता था और 10 लाख से ज्यादा रकम पर 20% TCS देना पड़ता था। अब पूरे टूर खर्च पर सिर्फ 2% TCS लगेगा। यानी विदेश घूमना अब पहले के मुकाबले थोड़ा सस्ता हो जाएगा। इसी तरह, विदेश में पढ़ाई और इलाज के लिए भेजे जाने वाले पैसे (रेमिटेंस) पर भी राहत है। पहले 10 लाख से ज्यादा पर 5% TCS लगता था। अब सिर्फ 2% TCS देना होगा।

मोटर एक्सिडेंट क्लेम

मोटर एक्सिडेंट क्लेम से जुड़ा बदलाव भी राहत भरा है। किसी व्यक्ति को Motor Accidents Claims Tribunal की ओर से मिलने वाले मुआवजे के ब्याज पर अब TDS नहीं लिया जाएगा। यानी क्लेम के साथ मिलने वाली ब्याज राशि पूरी तरह व्यक्ति को मिलेगी, उस पर पहले की तरह टैक्स कटौती नहीं होगी।

कंपनी कार

एक अहम बदलाव कर्मचारियों को मिलने वाली कंपनी कार सुविधा पर है, जो पुराने और नए दोनों टैक्स रेजीम में लागू होगा। छोटी कार की टैक्सेबल परक्विजिट वैल्यू 2,700 से बढ़कर 8,000 और बड़ी कार की 3,300 से बढ़कर 10,000 रुपये प्रति माह हो सकती है। इससे आपकी टैक्सेबल इनकम बढ़ेगी और टैक्स बोझ भी ज्यादा होगा, क्योंकि दोनों रेजीम में राहत नहीं है।

PAN नियम

PAN नियमों में भी बदलाव हुआ है। अब 1 अप्रैल से पैन पर वही नाम होगा जो आधार में दर्ज है। सिर्फ आधार से आवेदन नहीं होगा, बल्कि अलग कैटेगरी के लिए अलग फॉर्म भरने होंगे, जैसे व्यक्तियों के लिए फॉर्म 93 और बिजनेस के लिए 94। बड़े लेन-देन जैसे 10 लाख या उससे ज्यादा के कैश डिपॉजिट, 20 लाख या उससे ज्यादा की प्रॉपर्टी डील पर PAN देना अब जरूरी है।

FY 2026-27 मनी कैलेंडर

टैक्स, इंश्योरेंस और निवेश के लिए अहम डेडलाइन पर रखें नजर

AI Image

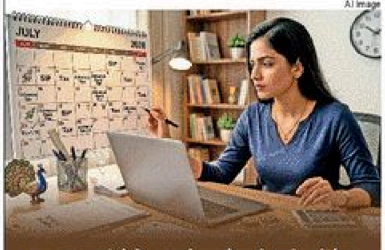

अगर आप चाहते हैं कि आपकी फाइनेंस की गाड़ी सही ट्रैक पर रहे, तो पूरे साल की प्लानिंग जरूरी है। FY 2026-27 के लिए यह 'मनी कैलेंडर' आपको बताता है कि किस महीने क्या करना है। टैक्स फाइलिंग से लेकर निवेश, इंश्योरेंस और फाइनेंशल फैसलों तक यह आपके काम आने वाला है।

यासमीन हुसैन
Yasmin.Hussain@timesofindia.com

पूरे साल अगर आप जरूरी कामों की डेडलाइन पर नजर रखते हैं, तो न सिर्फ टैक्स सही तरीके से भर पाएंगे, निवेश और फाइनेंशल लाइफ को भी बेहतर बना पाएंगे। याद रखें समय पर प्लानिंग यानी कम तनाव, सही दस्तावेज का मतलब है कम गलती और और नियमित रिव्यू माने बेहतर रिटर्न। यही है स्मार्ट फाइनेंशल मैनेजमेंट की कुंजी।

अप्रैल: सही शुरुआत करें

- नए फाइनेंशल साल की शुरुआत सबसे अहम होती है। सबसे पहले अपने निवेश के लक्ष्य तय करें, यानी आपको कितना पैसा बनाना है, कितने समय में और कितना जोखिम उठा सकते हैं।
- इसी महीने तय करें कि आप ओल्ड टैक्स रेजीम (छूट वाला टैक्स सिस्टम) चुनेंगे या न्यू टैक्स रेजीम (कम टैक्स दर लेकिन कम छूट)। देर करने से नुकसान हो सकता है।
- अगर आपने अभी तक वसीयत (संपत्ति बांटने का कानूनी दस्तावेज) नहीं बनाई है, तो अब समय है।
- अपने इंश्योरेंस को भी रिव्यू करें, क्योंकि जिंदगी बदलती है तो जरूरतें भी बदलती हैं।
- 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया है- सोना खरीदने का शुभ दिन, लेकिन जरूरत से ज्यादा खर्च न करें।
- साथ ही, Form 15G/15H (फॉर्म 121) जल्दी जमा करें ताकि बिना वजह TDS न कटे।

मई: डेटा और आय को समझें

- इस महीने AIS (Annual Information Statement) डाउनलोड करें।
- अगर इसमें कोई गड़बड़ी दिखे, तो अभी ठीक कर लें, वरना बाद में परेशानी होगी।
- अपनी सभी आय को जोड़ें- सैलरी, ब्याज, कैपिटल गेन (निवेश से मुनाफा)।
- अगर आपकी सैलरी बढ़ी है, तो उसे सही जगह लगाएं, जैसे लोन प्रीपेमेंट (कर्ज पहले चुकाना) या SIP बढ़ाना।

जून: टैक्स भरना शुरू कर दें

- 15 जून को एडवांस टैक्स (पहले से दिया जाने वाला टैक्स) का पहला भुगतान करना होता है। आपको अपनी अनुमानित टैक्स देनदारी का कम से कम 15% जमा करना चाहिए। ध्यान रखें कि सिर्फ सैलरी नहीं, बाकी आय को भी जोड़ें।
- इसी दिन तक एम्प्लॉयर आपको Form 16 (फॉर्म 130) देता है। इसे डाउनलोड करके रखें, क्योंकि ITR (Income Tax Return) भरने में इसकी जरूरत पड़ेगी।
- अगर आपने नौकरी बदली है या बोनस मिला है, तो टैक्स का हिसाब दोबारा करें।

जुलाई: फाइलिंग का महीना

- आपका डेटा साफ हो। AIS, Form 26AS (फॉर्म 168) और Form 16- तीनों में कोई अंतर नहीं होना चाहिए।
- 31 जुलाई तक ITR-1 और ITR-2 फाइल करने की आखिरी तारीख है। देर करने से पेनल्टी लग सकती है।
- आप अचानक भारत लौटे हैं, तो अपना टैक्स रेजिडेंसी स्टेटस जरूर जांच लें।

अगस्त: आजादी के कदम

- 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) पर एक सवाल खुद से पूछें- क्या आप फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट हैं? आज ही सफर शुरू करें।
- 31 अगस्त तक नॉन-ऑडिट मामलों में रिटर्न फाइल करने का आखिरी मौका होता है।
- इस महीने आप अपने घर में काम करने वालों के लिए SIP या RD (Recurring Deposit) शुरू कर सकते हैं।

सितंबर: रिव्यू करने का समय

- 15 सितंबर को एडवांस टैक्स की दूसरी किस्त देनी होती है, जिसमें कुल 45% टैक्स जमा होना चाहिए।
- साल का आधा हिस्सा गुजर चुका है, इसलिए अपने पोर्टफोलियो का रिव्यू करें। जरूरत पर बदलाव करें।

नवंबर: खर्च के साथ सीख भी

- दिवाली में खुशी मनाएं, लेकिन कर्ज लेकर नहीं।
- आपका इमरजेंसी फंड शॉपिंग के लिए नहीं है।
- 14 नवंबर (बाल दिवस) को बच्चों को पैसों की समझ देना शुरू करें।

अक्टूबर: फेस्टिव सीजन में सतर्क रहें

- त्योहारों में खर्च पर कंट्रोल रखें।
- बैंक अकाउंट, इंश्योरेंस, म्यूचुअल फंड में नॉमिनेशन अपडेट करें।
- साथ ही, अपने जॉइंट अकाउंट और निवेश की स्थिति भी जांचें कि वे अभी भी आपकी इच्छा के अनुसार हैं या नहीं।

दिसंबर: तैयारी जांच लें

- 15 दिसंबर तक आपको 75% एडवांस टैक्स जमा करना होता है।
- अभी से हिसाब करें ताकि मार्च में कोई सरप्राइज न हो।
- जुलाई में ITR फाइल नहीं तो 31 दिसंबर आखिरी मौका है। 5,000 तक लेट फीस लग सकती है।

जनवरी 2027: रेजोल्यूशन सेट करें

- नए साल में फाइनेंशल रेजोल्यूशन (आर्थिक लक्ष्य) तय करें, जो मापे जा सकें।
- अपना हेल्थ चेकअप कराएं- अक्सर इंश्योरेंस में यह सुविधा होती है।
- साथ ही, अपने निवेश और टैक्स प्रूफ तैयार रखें, क्योंकि जल्द ही नियोक्ता इसकी मांग करेगा।

फरवरी 2027: बजट और बदलाव

- 1 फरवरी को बजट आता है, जिससे टैक्स, निवेश के नियम बदल सकते हैं। इसलिए दोबारा तय करें कि कौन सा टैक्स रेजीम बेहतर है।
- 14 फरवरी (वैलेंटाइन डे) पर याद रखें- अच्छा फाइनेंशल प्लान किसी भी गिफ्ट से ज्यादा टिकाऊ होता है।

मार्च 2027: यह अंतिम मौका

- 15 मार्च को एडवांस टैक्स 100% जमा होना चाहिए।
- यही समय है नुकसान बुक करने या मुनाफा लॉक करने का।
- 31 मार्च टैक्स सेविंग का आखिरी दिन है। इसी दिन रिटर्न को भी रिवाइज यानी सुधार सकते हैं।

साल की शुरुआत से ही करें टैक्स बचाने की स्मार्ट प्लानिंग

जानें, आपके लिए कौन-सा टैक्स रेजीम सही है

डेविड शर्मा
David.Sharma@timesofindia.com

नए फाइनेंशल ईयर की शुरुआत टैक्स प्लानिंग के लिए है। अगर अप्रैल से ही सही टैक्स रेजीम चुनकर निवेश और खर्च की रणनीति बनाते हैं, तो न सिर्फ टैक्स बचा सकते हैं बल्कि पूरे साल बेहतर कैश फ्लो और वित्तीय संतुलन भी रख सकते हैं।

बीच में रेजीम बदल सकते हैं?

टैक्स और फाइनेंशल प्लानर लक्ष्मण झा के अनुसार, ITR फाइल करते समय दोबारा टैक्स रेजीम चुन सकते हैं। हालांकि, इनकम में बिजनेस या प्रोफेशन इनकम शामिल हो, तो रेजीम लॉक हो जाती है।

नया फाइनेंशल ईयर 1 अप्रैल से शुरू हो चुका है। आमतौर पर टैक्सपेयर फाइनेंशल ईयर की शुरुआत में बेपरवाह रहते हैं और अंतिम महीने मार्च में टैक्स बचाने की हड़बड़ी में गलत जगह निवेश कर बैठते हैं। समझदारी इसी में है कि टैक्स की प्लानिंग साल के पहले महीने से ही शुरू की जाए। नए इनकम टैक्स एक्ट, 2025 के लागू होने के बाद अब सही टैक्स रेजीम का चुनाव सिर्फ टैक्स बचाने का जरिया नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरे साल के कैश फ्लो और वेल्थ क्रिएशन की दिशा भी तय करता है।

शुरुआत में सही रेजीम चुनने से न सिर्फ टेक-होम सैलरी बेहतर रहती है, बल्कि साल के आखिर में अचानक आने वाली टैक्स देनदारी और पेनल्टी से भी बचा जा सकता है। इसलिए सही रणनीति के तहत निवेश और टैक्स प्लानिंग करना जरूरी है।

सही प्लानिंग जरूरी

अगर आप शुरुआत में पुराने रेजीम चुनकर भारी निवेश का दावा करते हैं लेकिन साल के अंत तक वह निवेश नहीं कर पाते तो आपकी टैक्स देनदारी अचानक बढ़ सकती है। ऐसे में बकाया टैक्स पर ब्याज और लेट पेमेंट पेनल्टी देनी पड़ सकती है। साल के आखिर यानी मार्च में टैक्स बचाने के दबाव में लोग अक्सर ऐसी एंडोमेंट पॉलिसी या ULIP में पैसा लगा देते हैं, जिनका रिटर्न महंगाई दर को भी नहीं पछाड़ पाता। अगर आप अप्रैल में ही सही रेजीम चुनकर एचआर को जानकारी दे देते हैं तो TDS हर महीने समान रूप से कटता है और किसी एक महीने, खासकर मार्च में सैलरी पर अचानक असर नहीं पड़ता।

क्या है टैक्स का नया गणित?

नए इनकम टैक्स नियमों के तहत नया टैक्स रेजीम डिफॉल्ट बन चुका है। इसमें वेतनभोगी कर्मचारियों को 75,000 का स्टैंडर्ड डिडक्शन मिलता है। साथ ही 12 लाख तक की नेट टैक्सेबल इनकम पर कोई टैक्स नहीं लगता। यानी अगर आपकी कुल इनकम 12.75 लाख तक है तो आपकी टैक्स देनदारी जीरो होगी। पुराने रेजीम में बिना निवेश के टैक्स-फ्री लिमिट 5 लाख (रिबेट के साथ) है और स्टैंडर्ड डिडक्शन 50,000 है। इसके अलावा अलग-अलग डिडक्शन का फायदा मिलता है।

AI Image

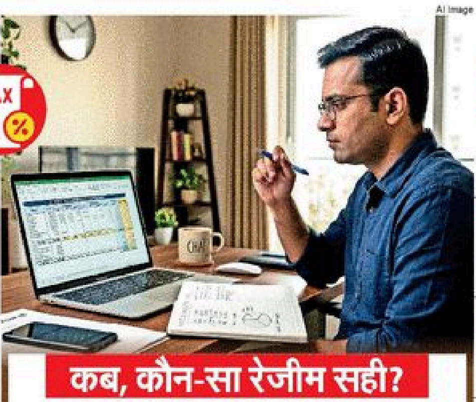

कब, कौन-सा रेजीम सही?

CA सिद्धार्थ चौधरी ने बताया कि नए नियमों में बच्चों की ट्यूशन फीस और हॉस्टल खर्च पर कुछ फायदे बढ़े हैं, जबकि कुछ अन्य लाभ कम हुए हैं। लेकिन इसका फायदा किसे मिलेगा, यह शख्स की इनकम और खर्च पर निर्भर करता है। हर केस में अलग प्लानिंग जरूरी है।

इनकम ₹12.75 लाख या कम तो...

नए टैक्स रेजीम में स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ ₹12.75 लाख तक की इनकम पूरी तरह टैक्स फ्री है। वहीं पुराने रेजीम में इतनी इनकम को टैक्स फ्री बनाने के लिए करीब ₹7.75 लाख के निवेश और खर्च (जैसे होम लोन ब्याज, HRA, NPS, डोनेशन आदि) के पक्के सबूत देने होते हैं।

- पुराने रेजीम चुनने पर टैक्स बचाने के लिए बड़ी रकम अलग-अलग स्कीम में लॉक हो सकती है, जिससे लिक्विडिटी की समस्या आ सकती है। नए रेजीम में बिना निवेश किए भी टैक्स बचाया जा सकता है और पैसा जरूरत के हिसाब से इस्तेमाल किया जा सकता है।

₹12.75 लाख से ज्यादा तो...

सालाना ₹18 लाख इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन के बाद नए टैक्स रेजीम में 4% सेस समेत ₹1.50 लाख टैक्स देना होगा। पुराने रेजीम में इतने टैक्स तक के लिए कई छूट का सहारा लेते हुए ₹7.25 लाख का डिडक्शन क्लेम करना होगा।

₹30 लाख या ज्यादा तो...

CA सिद्धार्थ चौधरी के मुताबिक, आपकी इनकम ₹30 लाख या उससे ज्यादा है और ₹8.3 लाख से ज्यादा के डिडक्शन मिल रहे हैं तो पुराना रेजीम ज्यादा फायदेमंद हो सकता है।

5 करोड़ से ज्यादा तो...

नया रेजीम हाई इनकम ग्रुप (5 करोड़+) के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि सरचार्ज 37% से घटाकर 25% किया गया है। साथ ही 15 से 30 लाख वालों को भी (बिना होमलोन) इसमें कम टैक्स देना पड़ता है।

साल की शुरुआत में 4 स्मार्ट टिप्स

1. **इन्वेस्टमेंट को 12 महीनों में बांटें** — अगर आप शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहते हैं तो एकमुश्त पैसा लगाने के बजाय अप्रैल से ही SIP शुरू करें। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है।
2. **डिक्लेरेशन समय पर दें** — अपने एम्प्लॉयर को समय पर सही डिक्लेरेशन दें। अगर बाद में रेजीम बदलते हैं (ITR भरते समय) तो रिफंड के लिए इंतजार करना पड़ सकता है, जो लंबा प्रोसेस हो सकता है।
3. **टर्म इंश्योरेंस और हेल्थ कवर लें** — नए रेजीम में निवेश मजबूरी नहीं है। इसलिए इंश्योरेंस को टैक्स बचाने का तरीका न मानें। परिवार की सुरक्षा के लिए अच्छा टर्म इंश्योरेंस और पर्याप्त हेल्थ इंश्योरेंस लेना जरूरी है।
4. **एक्स्ट्रा इनकम पर एडवांस टैक्स** — अगर सैलरी के अलावा किसी अन्य सोर्स (जैसे फ्रीलांसिंग, FD का ब्याज या किराया) से ₹10,000 से ज्यादा टैक्स बनता है तो समय-समय पर एडवांस टैक्स जमा करें। इससे ब्याज और पेनल्टी से बचा जा सकता है।

एक्सपर्ट कहते हैं...

"नया रेजीम ₹30 लाख तक की इनकम वालों के लिए फायदेमंद है। ₹30 लाख से ज्यादा पर सही प्लानिंग, डिडक्शन के जरिए पुराना रेजीम ज्यादा टैक्स बचा सकता है।" - *CA सिद्धार्थ चौधरी*

"पुराने रेजीम में हर साल HR को होम लोन की डिटेल, HRA, NPS, इंश्योरेंस आदि की डिटेल देने की टेंशन है। नए रेजीम में ऐसे सबूत देने की कोई जरूरत नहीं होती है।" - *टैक्स प्लानर लक्ष्मण झा*

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 06-04-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD5 User: cci Time: 04-04-2026 22:12 Color:

तेल की कीमतों में बढ़ोतरी, इन्फ्रास्ट्रक्चर लागत बढ़ने से प्रॉपर्टी प्रोजेक्ट्स महंगे हुए हैं और सेक्टर पर दबाव बढ़ा है

युद्ध के दबाव के बीच NCR रियल एस्टेट में अब भी दम

लोकेश के. भारती
Lokesh.Bharti@timesofindia.com

वेस्ट एशिया में युद्ध और बढ़ती लागत के दबाव के बीच भी भारतीय रियल एस्टेट निवेश के लिहाज से मजबूती दिखा रहा है। शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव के बावजूद डिमांड कायम है और सालाना ग्रोथ पॉजिटिव है, जिससे निवेशकों के लिए यह सेक्टर अभी भी भरोसेमंद विकल्प बना हुआ है।

अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से सिर्फ ये तीन देश ही प्रभावित नहीं हो रहे, पूरा वेस्ट एशिया डिस्टर्ब है। साथ ही डिस्टर्ब हैं हम और हमारे पड़ोसी भी। हमारे यहां इस युद्ध का असर धीरे-धीरे कई इंडस्ट्रीज पर पड़ रहा है। ऐसे में रियल एस्टेट भी नहीं बचा है। फिर भी भारत के प्रॉपर्टी मार्केट ने कुछ स्थिरता और ग्रोथ भी दिखाई है।

गिरावट के पीछे की वजहें? रियल एस्टेट में कुछ गिरावट के पीछे कई ठोस वजहें हैं, जिनमें सबसे प्रमुख वेस्ट एशिया में जारी युद्ध है। इस युद्ध ने ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता पैदा कर दी है, जिसका सीधा असर निवेश और खर्च के फैसलों पर पड़ा है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और इन्फ्रास्ट्रक्चर लागत बढ़ने से प्रॉपर्टी प्रोजेक्ट्स महंगे हुए हैं, जिससे सेक्टर पर दबाव आया है। वेस्ट एशिया के निवेशकों का भरोसा भी कुछ हद तक कमजोर हुआ है। घरेलू स्तर पर भी असर दिख रहा है। नौकरी जाने का डर और कंपनियों में छंटनी की खबरों ने लोगों को सतर्क बना दिया है। ऐसे माहौल में खरीदार बड़े निवेश, खासकर प्रॉपर्टी खरीदने जैसे फैसलों को फिलहाल टाल रहे हैं।

युद्ध से लोगों के मन में शंका है कि आगे क्या होगा? ऐसे में लोग यह चाहते हैं कि उनके हाथों में लिक्विडिटी यानी कैश फ्लो बनी रहे। इससे वे किसी नई जगह पर पैसा नहीं लगाना चाहते। लोगों को लगता है कि अगर कहीं जॉब चली गई, बिजनेस लॉस में चला गया तो बड़ी मुश्किल हो जाएगी। इन वजहों से लोग खर्च का नया मोर्चा खोलने से बचना चाहते हैं। कई बार तो हमेशा के लिए उस खर्च को टाल देते हैं। रियल एस्टेट इंडस्ट्रीज के साथ भी ऐसा ही हुआ है। बायर्स ने कई नई डील को टाल दिया है। कमोबेश यही स्थिति डिवेलपर्स की भी है। वे भी ज्यादा संख्या में नया प्रोजेक्ट लाने के बारे में नहीं सोच रहे। फिर भी रियल एस्टेट में नए प्रोजेक्ट भी लॉन्च हो रहे हैं और बायर्स भी मार्केट में बने हुए हैं।

AI Image

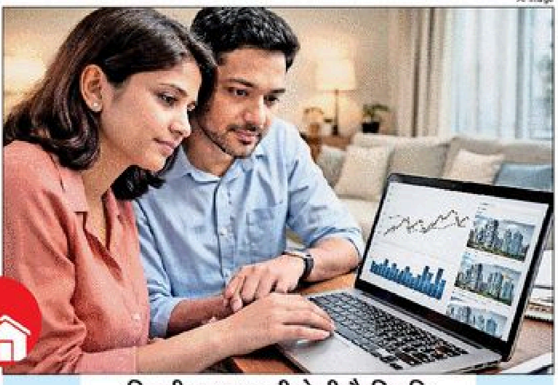

दिल्ली-NCR की ऐसी है स्थिति

2026 की पहली तिमाही में दिल्ली-NCR का रियल एस्टेट मार्केट मिला-जुला संकेत देता है। एक ओर हाउसिंग सेल्स में तिमाही गिरावट दिखी, वहीं सालाना आधार पर मजबूत वृद्धि ने बुनियादी मजबूती साबित की है। ANAROCK के अनुसार, इस Q1 2026 में NCR में करीब 15,190 हाउसिंग यूनिट्स की बिक्री हुई जो Q4 2025 के मुकाबले करीब 8% कम है। पिछली तिमाही में यह आकड़ा करीब 16,525 यूनिट्स था। यह गिरावट भी खासतौर पर युद्ध से बनी अनिश्चितता, बढ़ती लागत और इन्वेस्टर्स की कुछ झिझक की वजह से देखी गई। अच्छी बात यह है कि अगर सालाना तुलना करें तो तस्वीर सकारात्मक नजर आती है। Q1 2025 में NCR में करीब 12,520 यूनिट्स की बिक्री हुई थी, जबकि इस तिमाही में यह बढ़कर 15,190 यूनिट्स हो गई। यानी सालाना आधार पर लगभग 21% की वृद्धि दर्ज की गई है। यह दर्शाता है कि NCR में हाउसिंग डिमांड अभी भी मजबूत बनी हुई है और खरीदारों का भरोसा कायम है।

मुंबई और बेंगलुरु का दबदबा?

तिमाही डेटा में देश के 2 शहरों ने इस युद्ध के माहौल में भी सबसे ज्यादा निवेश पाया है। इस तिमाही में मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन और बेंगलुरु का दबदबा रहा। इन दोनों शहरों ने मिलकर कुल बिक्री का करीब 48% हिस्सा अपने नाम किया है। दिलचस्प बात यह है कि चेन्नै ने जहां इस तिमाही 18% की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की है, वहीं सालाना आधार पर 31% की सबसे ज्यादा वृद्धि भी दिखाई। इस तिमाही में देश के टॉप 7 शहरों में करीब 1,01,675 यूनिट्स की बिक्री हुई है। यह आंकड़ा पिछले साल की आखिरी तिमाही के मुकाबले भले ही 7% कम है, जब लगभग 1,08,970 यूनिट्स बिकी थीं। हालांकि, अगर इसी साल 2025 की पहली तिमाही से तुलना करें तो स्थिति पॉजिटिव नजर आती है। उस समय करीब 93,280 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

न्यू लॉन्चिंग का क्या है हाल?

पहली तिमाही में NCR में करीब 15,985 नई यूनिट्स लॉन्च हुई जो पिछले साल की आखिरी तिमाही के मुकाबले 17% कम है। यह गिरावट डिवेलपर्स की 'वाच एंड वेट' की नीति को ही दर्शाती है। वे बाजार की मौजूदा स्थिति को देखते हुए नए प्रोजेक्ट्स लॉन्च करने में थोड़ी सावधानी बरत रहे हैं। लेकिन सालाना आधार पर देखें तो नई सप्लाई में जबरदस्त उछाल है। 2025 की पहली तिमाही में सिर्फ 11,120 यूनिट्स लॉन्च हुई थीं। इसका मतलब है कि लंबे समय में डिवेलपर्स को इस एरिया में डिमांड बढ़ने की उम्मीद है।

AI Image

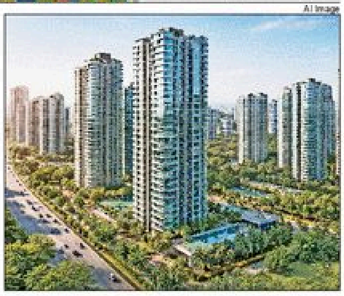

यह ट्रेंड भी कुछ अलग ही है...

NCR में प्रॉपर्टी के प्राइस सेगमेंट को लेकर खास ट्रेंड सामने आया है। इस तिमाही लॉन्च हुई नई यूनिट्स में से आधे से ज्यादा प्रॉपर्टीज 2.5 करोड़ से ऊपर की कीमत वाली थी। यानी NCR में लग्जरी, अल्ट्रा-लग्जरी हाउसिंग की मांग तेज है। वहीं प्रॉपर्टी की कीमतों में सालाना 15% की बढ़ोतरी दिखी है। ऐसे में यह भी समझा जा सकता है कि जिन लोगों को 1 करोड़ से कम के फ्लैट चाहिए, उनके लिए विकल्प कम हैं। डिवेलपर्स कम दाम वाली प्रॉपर्टीज में दिलचस्पी नहीं ले रहे।

प्राइवेसी डिस्प्ले

आपके फोन पर बगल वाला नहीं देख सकता OTP

सैमसंग ने हाल ही में Galaxy S26 Ultra लॉन्च किया, लेकिन इस बार चर्चा उसके कैमरा या प्रोसेसर की नहीं, बल्कि नए 'प्राइवेसी डिस्प्ले' की हो रही है। यह फीचर स्क्रीन को जरूरत पड़ने पर आंशिक या पूरी तरह अंधकार में बदलकर यूजर की गोपनीयता को नया स्तर देता है।

गैजेट गुरु

आकृति राणा

निमिष दुबे
NBTwealth@timesofindia.com

Galaxy S26 Ultra की स्क्रीन सिर्फ सामने से दिखती है और साइड से देखने पर कुछ नजर नहीं आता। बिना स्क्रीन प्रोटेक्टर के मिलने वाली यह तकनीक यूजर की निजी जानकारी को पहले से ज्यादा सुरक्षित बनाती है।

स्क्रीन प्रोटेक्टर के बिना भी प्राइवेसी

पहली बार Galaxy S26 Ultra में ऐसा इनबिल्ट डिस्प्ले-लेवल प्राइवेसी फीचर दिखा है। यह ऐसा डिस्प्ले है जिसे केवल सामने से ही साफ देखा जा सकता है। कोई साइड से इसे देखने की कोशिश करेगा, तो उसे सिर्फ अंधेरा दिखाई देगा। इसका मतलब है कि अगर कोई चुपके से आपके फोन में झांकने की कोशिश करे, तो उसे कुछ भी नजर नहीं आएगा। यह सुविधा पहली बार किसी मोबाइल फोन में देखने को मिली है, और इससे यूजर की निजी जानकारी पहले से ज्यादा सुरक्षित हो जाती है। अब आप बिना चिंता के अपना फोन इस्तेमाल कर सकते हैं, बिना इस डर के कि कोई और आपकी स्क्रीन देख रहा है।

स्क्रीन प्रोटेक्टर से चलता था काम

पहले ऐसी प्राइवेसी के लिए स्मार्टफोन पर खास तरह के "स्क्रीन प्रोटेक्टर" लगाने पड़ते थे। ये काफी महंगे होते थे और इनसे स्क्रीन की ब्राइटनेस और रंगों की क्वालिटी भी कम होती थी। यानी प्राइवेसी के बदले में आपको डिस्प्ले की गुणवत्ता से समझौता करना पड़ता था। अगर आप असली रंग और ब्राइटनेस देखना चाहते थे, तो स्क्रीन प्रोटेक्टर हटाना पड़ता था। और क्योंकि इसे दोबारा लगाना आसान नहीं होता था, इसलिए नया प्रोटेक्टर खरीदना पड़ता था।

हर पिक्सेल में छिपी है प्राइवेसी

Galaxy S26 Ultra में हाई क्वालिटी डिस्प्ले है, जिसमें रंग बहुत शानदार दिखते हैं। जब आप इसमें प्राइवेसी मोड ऑन करते हैं, तो साइड से देखने वाले को कुछ भी नजर नहीं आता, लेकिन आपके देखने के अनुभव में कोई कमी नहीं आती। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह कोई ऊपर से लगाया गया स्क्रीन प्रोटेक्टर नहीं है, बल्कि फोन के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का हिस्सा है। डिस्प्ले के पिक्सेल खुद तय करते हैं कि उन्हें कितना चमकना है या कितना अंधेरा रहना है।

अब आप तय करेंगे कौन, क्या देखे

इस तकनीक की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यूजर खुद तय कर सकता है कि आसपास मौजूद लोग उसकी स्क्रीन पर क्या देखें। साइड से देखने वालों के लिए स्क्रीन को धुंधला या पूरी तरह काला किया जा सकता है। चाहें तो सिर्फ नोटिफिकेशन एरिया छुपाया जा सकता है, ताकि मैसेज, OTP और बैंक अलर्ट सुरक्षित रहें। कुछ ऐप्स को भी छुपाने का विकल्प मिलता है और जरूरत पड़ने पर फीचर तुरंत ऑन-ऑफ किया जा सकता है। हालांकि, अगर कोई बिल्कुल पीछे खड़ा हो, तो स्क्रीन दिख सकती है।

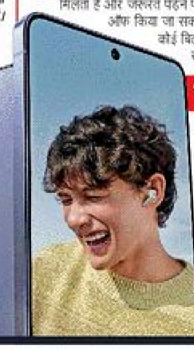

भविष्य में क्या होगा?

भीड़-भाड़ वाली जगह, ऑफिस या कैफे- हर जगह यह प्राइवेसी डिस्प्ले सुनिश्चित करता है कि आपका फोन सिर्फ आप ही देख सकें। फिलहाल यह फीचर केवल Galaxy S26 Ultra में है, लेकिन इसे अन्य कम कीमत वाले फोनों में भी लाया जा सकता है। भविष्य में संभव है कि फोन खुद समझ जाए कि आप किस जगह पर हैं और उसी हिसाब से स्क्रीन को डार्क कर दे, या फोन खुद पहचान ले कि कौन-सा कंटेंट दूसरों से छुपाना है। जब हर चीज सार्वजनिक होती जा रही है, यह प्राइवेसी डिस्प्ले हमें ज्यादा नियंत्रण देता है।

सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा, बताना होगा कि संपत्ति के लिए पैसा कैसे आया

क्या आपके पास हैं पैतृक संपत्ति के सबूत?

नीलांजित दास
NBTwealth@timesofindia.com

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि किसी संपत्ति को 'पैतृक' कहना ही काफी नहीं है। मालिकाना हक साबित करने के लिए ठोस दस्तावेज जरूरी हैं। बिना वैध कागजों के दावे कमजोर पड़ सकते हैं, इसलिए संपत्ति से जुड़े हर रेकॉर्ड को सही और सुरक्षित रखना बेहद अहम है।

अक्सर हम सुनते हैं कि कोई जमीन या घर 'पैतृक संपत्ति' यानी पूर्वजों से मिली हुई है। लोगों को लगता है कि अगर उन्होंने कह दिया कि यह पैतृक है, तो उस पर उनका हक अपने आप बन जाता है। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि सिर्फ ऐसा कहना काफी नहीं है। अगर आप किसी संपत्ति पर दावा करते हैं, तो आपको उसके ठोस सबूत भी देने होंगे।

मामला क्या था? हाल ही में एक केस में दो भाइयों के बीच विवाद हुआ। सवाल यह था कि जमीन 'संयुक्त परिवार की संपत्ति' है या फिर अलग-अलग लोगों की खुद की कमाई से खरीदी गई संपत्ति है। एक भाई का कहना था कि परिवार के पास जो पैतृक जमीन थी, उससे खेती के जरिए आय होती थी और उसी पैसे से दूसरी जमीन खरीदी गई। दूसरे भाई का कहना था कि जिस जमीन को आय का स्रोत बताया जा रहा है, वह तो पानी में डूबी रहती थी और उससे कोई कमाई संभव ही नहीं थी। उसने यह भी कहा कि उनके पिता की अपनी अलग कमाई थी और उन्होंने मरने से पहले वसीयत भी बनाई थी।

कोर्ट ने क्या कहा? सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि सिर्फ यह कहना कि जमीन पैतृक है, पर्याप्त नहीं है। आपको यह दिखाना होगा कि पैसा कहां से आया और संपत्ति कैसे खरीदी गई। सुप्रीम कोर्ट ने केस की सुनवाई के बाद एक भाई के 5/16वें हिस्से को सही ठहराया और दूसरे भाई को कुछ खास खुद से कमाई हुई जमीनें रखने की इजाजत दी। इस फैसले से एक बात साफ हो गई कि दावा करने के लिए ठोस और स्पष्ट सबूत होना जरूरी है।

AI Image

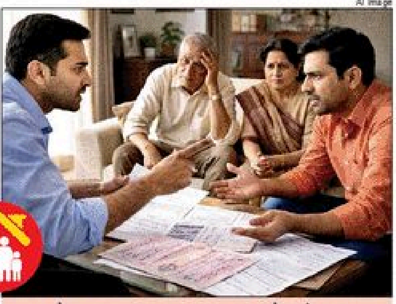

क्या है कानून?

हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम में परिवार के सदस्यों को जन्म से कुछ अधिकार मिलते हैं, लेकिन आपको साबित करना होता है कि उस पूर्वज से आपका क्या रिश्ता है, परिवार में साझा संपत्ति मौजूद थी, कोई बंटवारा हुआ था या नहीं।

सबूत कौन देगा?

नए कानून 'भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023' के तहत जो व्यक्ति संपत्ति पर दावा करता है, उसी पर सबूत देने की जिम्मेदारी होती है। यानी अगर आप कहते हैं कि जमीन आपकी है, तो आपको यह साबित भी करना होगा।

'अग्रीमेंट टू सेल' से मालिकाना हक नहीं

एक और महत्वपूर्ण बात कोर्ट ने कही। सिर्फ 'अग्रीमेंट टू सेल' से आपको संपत्ति का मालिक नहीं माना जाएगा। अगर रजिस्टर्ड सेल डीड नहीं है, तो आपका मालिकाना हक साबित नहीं होगा। आपको सिर्फ यह अधिकार होगा कि आप कोर्ट में जाकर डील पूरी करवाने की मांग कर सकते हैं।

यूं साबित होगा मालिकाना हक

कोर्ट ने साफ किया है कि सिर्फ बातों से नहीं, बल्कि दस्तावेजों से ही अधिकार साबित होगा। जैसे जमीन के रेकॉर्ड, पुराने लेन-देन के कागज, कब्जे का इतिहास, परिवार के बंटवारे से जुड़े दस्तावेज। अगर यह सब नहीं है, तो दावा कमजोर पड़ जाएगा।

कब्जा का महत्व

बहुत लोग सोचते हैं कि अगर वे किसी जमीन पर लंबे समय से रह रहे हैं, तो वह उनकी हो जाती है। लेकिन इससे पहले कुछ मामलों में कोर्ट ने कहा है सिर्फ कब्जा होना, मालिकाना हक का सबूत नहीं है।

क्या है सीख?

अगर आपके पास जमीन या संपत्ति है तो उसके सभी दस्तावेज सही रखें। भविष्य में विवाद से बचना चाहते हैं तो साफ रेकॉर्ड और वसीयत बनाएं। वहीं अगर आप निवेश कर रहे हैं तो हमेशा वैध और रजिस्टर्ड दस्तावेज लें।

काम की खबर

फ्लोटिंग रेट सेविंग्स बॉन्ड के नए नियम

स्नेहा कुलकर्णी
NBTwealth@timesofindia.com

RBI ने फ्लोटिंग रेट सेविंग्स बॉन्ड, 2020 (टैक्सेबल) के नियमों में बदलाव किया है, जिससे निवेशकों को बेहतर सुविधा और आसान प्रक्रियाएं मिलेंगी। ये बॉन्ड सरकार द्वारा समर्थित निवेश विकल्प हैं, जो कम जोखिम के साथ स्थिर रिटर्न देते हैं। फिलहाल इन पर 8.05% ब्याज मिल रहा है, जो FD के मुकाबले आकर्षक माना जाता है। इनकी ब्याज दर NSC की दर से जुड़ी होती है, जिसमें 0.35% अतिरिक्त मिलता है।

ब्याज का भुगतान हर छह महीने में 1 जनवरी और 1 जुलाई को किया जाएगा और मच्योरिटी की राशि सीधे निवेशक के बैंक खाते में आएगी। बॉन्ड की मच्योरिटी अवधि 7 साल है जिसके बाद ब्याज नहीं मिलेगा। नए नियमों के तहत निवेशक आसानी से नॉमिनी जोड़ या बदल सकेंगे। समय से पहले पैसे निकालने के नियम भी स्पष्ट हैं। निवेशकों को ऑनलाइन सुविधाएं भी मिलेंगी, जैसे आवेदन करना, खाते की जानकारी देखना, नॉमिनी अपडेट करना और जरूरी दस्तावेज डाउनलोड करना। RBI ने बैंकों को 31 दिसंबर 2026 तक ये सुविधाएं शुरू करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, इस निवेश से मिलने वाला ब्याज पूरी तरह टैक्सेबल होगा और TDS लागू होगा।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 06-04-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD6 User: cci Time: 04-04-2026 22:12 Color:

पश्चिम एशिया संघर्ष से बिगड़े ट्रैवल प्लान

ट्रिप कैंसल? ऐसे बचाएं अपने पैसे और पाएं रिफंड

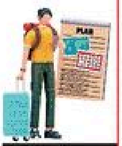

रिजु मेहता
Riju.Mehta@timesofindia.com

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने हजारों यात्रियों के ट्रैवल प्लान बिगाड़ दिए हैं। फ्लाइट कैंसलेशन, महंगे टिकट और नॉन-रिफंडेबल बुकिंग से लोगों को बड़ा नुकसान हुआ है। ऐसे में जरूरी है समझना कि रिफंड कैसे पाएं और आगे बुकिंग करते समय किन बातों का ध्यान रखें।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने हजारों भारतीय यात्रियों के ट्रैवल प्लान पर असर डाला है। फ्लाइट कैंसलेशन, महंगे टिकट और नॉन-रिफंडेबल बुकिंग की वजह से लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मार्च के मध्य तक विदेशी एयरलाइंस की 1,187 और भारतीय एयरलाइंस की 4,335 फ्लाइट्स रद्द हो चुकी थीं। इनमें अकेले एयर इंडिया ने करीब 2,500 फ्लाइट्स कैंसल की, जिससे 2.19 लाख से ज्यादा यात्री प्रभावित हुए।

कैसे फंसे यात्रियों के पैसे? फॉर्मूला वन की शौकीन पंचकूला की रुपाली बराड़ ने बेटे के साथ बहरीन ग्रैंड प्रिक्स 2026 देखने के लिए करीब 1 लाख खर्च कर ट्रिप बुक की थी। लेकिन संघर्ष शुरू होने के बाद उन्हें यात्रा रद्द करनी पड़ी और 75,000 का नुकसान हुआ, क्योंकि सिर्फ इवेंट टिकट का ही रिफंड मिला। ऐसे कई यात्री हैं जिन्हें फ्लाइट और होटल बुकिंग में फंसे पैसे वापस नहीं मिल पा रहे हैं। ट्रैवल इंडस्ट्री के अनुसार, वेस्ट एशिया और यूरोप ट्रिप्स में 40-50% तक कैंसलेशन देखने को मिले हैं। वजह यह है कि यूरोप जाने वाली कई फ्लाइट्स का स्टॉपओवर भी इसी क्षेत्र में होता है।

लोग अब कहां जा रहे हैं? जो यात्री ट्रिप कैंसल कर रहे हैं, वे अब सुरक्षित विकल्पों, जैसे जापान, साउथ कोरिया, वियतनाम, फिलीपींस, बाली और श्रीलंका जैसे डेस्टिनेशन की ओर रुख कर रहे हैं। लेकिन टिकट महंगे हैं। मुंबई की कुमकुम शर्मा, जिन्होंने ओमान ट्रिप कैंसल की, बताती हैं कि श्रीलंका के टिकट 20,000 से बढ़कर 55,000-60,000 तक पहुंच गए। इस वजह से उन्हें पूरी यात्रा ही छोड़नी पड़ी।

क्यों बढ़ा किराया?

मार्च में एयर इंडिया, इंडिगो, अकासा एयर ने फ्यूल सरचार्ज बढ़ा दिया। सरकार ने भी घरेलू उड़ानों पर 18,000 की लिमिट भी हटा दी। इससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय टिकट महंगे हो गए। यूरोप, US जैसे डेस्टिनेशन और ज्यादा महंगे हो गए हैं।

इंश्योरेंस है तो भी...

ट्रैवल इंश्योरेंस भी ऐसे मामलों में मदद नहीं कर पाता। ज्यादातर इंश्योरेंस पॉलिसी में युद्ध (War) और संघर्ष (Conflict) को कवर नहीं किया जाता। यानी आपकी ट्रिप युद्ध या एयरस्पेस बंद होने की वजह से कैंसल होती है, तो क्लेम मिलना मुश्किल है।

समझदारी से करें ट्रैवल प्लानिंग

यह संकट सबक देता है कि ट्रैवल प्लानिंग में सिर्फ सस्ता विकल्प चुनना सही नहीं होता। अगर आप थोड़ी ज्यादा कीमत देकर फ्लेक्सिबल टिकट, सही होटल और बेहतर पॉलिसी चुनते हैं, तो आप बड़े नुकसान से बच सकते हैं।

ताकि नुकसान कम हो

कुछ सावधानियां अपनाकर नुकसान कम किया जा सकता है।

1. **फ्लेक्सिबल होटल:** ऐसे होटल चुनें जो 24-48 घंटे पहले तक फ्री कैंसलेशन देते हों या 'पे एट होटल' विकल्प देते हों। कुछ मामलों में संकट के दौरान होटल खुद ही पूरा रिफंड दे देते हैं।
2. **एयरलाइन वेवर (Waiver):** कई एयरलाइंस ऐसी स्थिति में 'ट्रैवल वेवर' देती हैं, जिससे बिना चार्ज के डेट बदल सकते हैं या रिफंड ले सकते हैं। कुछ एयरलाइंस फ्री डेट चेंज दे भी रही हैं।
3. **फ्लेक्सी टिकट:** फ्लेक्सी फेयर महंगा जरूर होता है, लेकिन इसमें कैंसलेशन या डेट बदलने की सुविधा मिलती है। ऐसे टिकट में पूरा पैसा वापस मिल सकता है।
4. **टिकट कैंसल:** खुद टिकट कैंसल करना 'वॉलंटरी कैंसलेशन' है, जिसमें रिफंड नहीं मिलता। एयरलाइन फ्लाइट कैंसल करे तो रिफंड या फ्री रीबुकिंग होती है।
5. **नए रिफंड नियम जानें:** सरकार ने 26 मार्च से नए नियम लागू किए हैं। एयरलाइन ऑफिस में कैश रिफंड तुरंत, क्रेडिट कार्ड रिफंड 7 दिन में, एजेंट के जरिए रिफंड 14 दिन में देना होगा।
6. **क्रेडिट कार्ड:** कुछ क्रेडिट कार्ड 'Cancel for Any Reason' जैसी सुविधा देते हैं। अगर आपने बुकिंग ऐसे कार्ड से की है, तो आपको ₹25,000 से ₹50,000 तक का रिफंड मिल सकता है।
7. **सावधानी:** ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म या एजेंट के जरिए बुकिंग करने पर रिफंड में देरी हो सकती है। इसलिए बेहतर है कि फ्लाइट सीधे एयरलाइन से बुक करें, ताकि प्रक्रिया आसान रहे।

बिना समझे देखादेखी निवेश बढ़ा रहा जोखिम, ठगी का खतरा भी ज्यादा

क्रिप्टो में निवेश से पहले सीखना ज़रूरी

Crypto Class

एडुल पटेल
NBTwealth@timesofindia.com

भारत में क्रिप्टो निवेश, खासकर युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। लेकिन जानकारी के बिना निवेश जोखिम भरा साबित हो सकता है। शिक्षा की कमी ही ठगी की बड़ी वजह बन रही है, इसलिए निवेश से पहले समझ जरूरी है।

आज भारत में निवेशकों की एक नई पीढ़ी क्रिप्टो की दुनिया को खोज रही है। युवा नौकरीपेशा लोग, छात्र और पहली बार निवेश करने वाले लोग डिजिटल संपत्ति के प्रति तेजी से उत्सुक हो रहे हैं। वे सोशल मीडिया पर क्रिप्टो के बारे में चर्चा देखते हैं, खबरों में इसके बारे में पढ़ते हैं और दोस्तों और सोशल मीडिया पर असर डालने वाले लोगों से इसके बारे में सुनते हैं। उनके लिए क्रिप्टो नवाचार, तकनीक और भविष्य की वित्तीय व्यवस्था का हिस्सा बनने का अवसर प्रतीत होता है। लेकिन एक बड़ी समस्या भी है। कई लोग क्रिप्टो में निवेश करने से पहले यह पूरी तरह समझ ही नहीं पाते कि वे किस चीज में निवेश कर रहे हैं। अति उत्साह और सही जानकारी की कमी क्रिप्टो में फ्रॉड की एक बड़ी वजह बन रही है। सच यह है कि लोग पहले निवेश कर रहे हैं और बाद में सीख रहे हैं। जब शिक्षा निवेश के बाद आती है, तो इसका फायदा ठगों को मिलता है।

निवेशकों की बढ़ती संख्या

भारत दुनिया के सबसे युवा और डिजिटल रूप से जुड़े देशों में है, जहां लाखों युवा डिजिटल पेमेंट, ट्रेडिंग ऐप और ऑनलाइन वित्तीय सेवाओं का आसानी से इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में स्टॉक्स और म्यूचुअल फंड से आगे बढ़कर क्रिप्टो में निवेश करना उन्हें स्वाभाविक अगला कदम लगता है। लेकिन क्रिप्टो बाजार पारंपरिक निवेश से अलग है, जहां कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव होता है और नए टोकन लगातार आते रहते हैं। सोशल मीडिया पर गलत जानकारी और ठगी भी उतनी ही तेजी से फैलती है।

ठग कैसे उठाते हैं फायदा?

ठग पक्के मुनाफे और अंदर की जानकारी का दावा करते हैं और लोगों को जल्द निवेश के लिए दबाव डालते हैं। सोशल मीडिया ग्रुप के जरिए भरोसा बनाकर कुछ निवेशकों को नकली मुनाफा दिखाया जाता है, जिससे और लोग जुड़ते हैं। जब तक सच्चाई सामने आती है, ठग गायब हो जाते हैं।

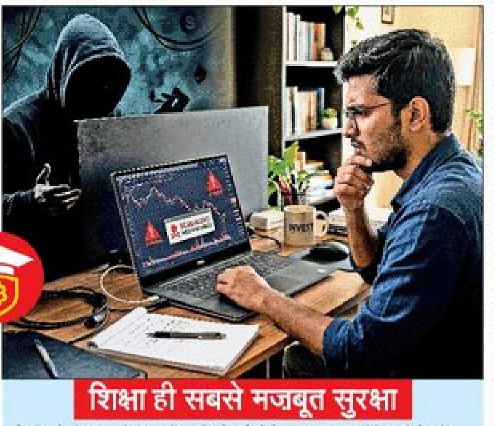

शिक्षा ही सबसे मजबूत सुरक्षा

क्रिप्टो ठगी को कम करने का सबसे प्रभावी तरीका सिर्फ नियम या सख्त कार्रवाई नहीं है। असली समाधान है शिक्षा। जब निवेशक बुनियादी बातें समझते हैं, तो उनके ठगी का शिकार बनने की संभावना काफी कम हो जाती है। शिक्षा उन्हें निवेश से पहले सही सवाल पूछने में मदद करती है। उदाहरण के लिए, निवेश से पहले यह सवाल पूछना जरूरी है...

- इस प्रोजेक्ट को किसने बनाया है?
- यह किस समस्या का समाधान करता है?
- क्या इसकी जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है?
- क्या इसमें अवास्तविक मुनाफे का वादा किया जा रहा है?

अगर निवेशक ये बुनियादी सवाल पूछना सीख जाएं, तो कई ठगी से बचा जा सकता है।

शिक्षा यह समझने में मदद करती है कि निवेश में पक्के मुनाफे की गारंटी नहीं होती। अगर कोई अवसर क्रिप्टो में तय और सुरक्षित मुनाफे का वादा करता है, तो यह तुरंत सतर्क होने का संकेत होना चाहिए।

उद्योग की ज़िम्मेदारी

शिक्षा की कमी को दूर करने में क्रिप्टो प्लैटफॉर्म की भी जिम्मेदारी है। उन्हें सिर्फ निवेश के साधन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उपयोगकर्ताओं को जोखिम समझाने में भी मदद करनी चाहिए। इसके लिए आसान भाषा में सीखने की सामग्री, शुरुआती निवेशकों के लिए गाइड और बाजार कैसे काम करता है इसकी स्पष्ट जानकारी उपलब्ध करानी होगी। लक्ष्य यह होना चाहिए कि हर निवेशक अपनी पहली क्रिप्टो निवेश से पहले यह समझे कि वह क्या कर रहा है।

जोखिम जानना ज़रूरी

भारत में वित्तीय शिक्षा ने पहले ही निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है, जैसा म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में देखा गया। क्रिप्टो में भी यही समझ जरूरी है। इसे जल्दी कमाई का जरिया मानने के बजाय जोखिम समझकर, छोटी शुरुआत और सीखते हुए निवेश करना चाहिए, क्योंकि निवेश के मूल सिद्धांत समान रहते हैं।

पहले शिक्षा, फिर निवेश

क्रिप्टो तेजी से वैश्विक वित्तीय व्यवस्था का हिस्सा बन रहा है, लेकिन निवेश से पहले समझ होने पर ही लोग ज्यादा जिम्मेदार और सुरक्षित रहते हैं। भारत में क्रिप्टो का भविष्य इस पर निर्भर करेगा कि निवेशक जोखिम और अवसर को कितनी अच्छी तरह समझते हैं।

(लेखक Mudrex के कोफाउंडर, CEO हैं।)

काम की खबर

ग्रुप हेल्थ पॉलिसी में डॉगी का भी बीमा

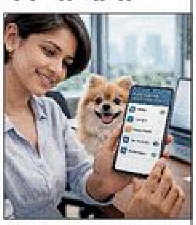

भारत का ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस बाजार अब बदल रहा है। पहले सभी कर्मचारियों के लिए एक जैसी पॉलिसी होती थी। वहीं, अब कंपनियां ऐसी पॉलिसी ला रही हैं जो लचीली हैं और 'पॉइंट्स' पर आधारित हैं। कंपनियां हर कर्मचारी के लिए तय बजट को पॉइंट्स में बदल रही हैं, जिससे लोग अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार बीमा डिजाइन कर सकें। इस नए मॉडल में दांत और आंखों का इलाज, मेंटल हेल्थ सेवाएं और यहां तक कि पालतू जानवरों का बीमा भी शामिल किया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, 60-70% कर्मचारी इन विकल्पों को खुद चुन रहे हैं, हालांकि अभी इसका हिस्सा कुल प्रीमियम का करीब 5% ही है।

[illegible]

जॉन जे मर्फी ने अपनी किताब में 'विजुअल इन्वेस्टिंग' के बारे में बताया है

बाज़ार ख़राब है, बुनियादी बातें न भूलें!

किताब लाजवाब

मृत्युंजय राय
Mrityunjay.Ray@timesofindia.com

बाजार में गिरावट और अनिश्चितता के दौर में निवेशकों का भरोसा डगमगा जाता है, लेकिन ऐसे समय में बुनियादी सिद्धांत सबसे ज्यादा काम आते हैं। जॉन जे मर्फी की किताब बताती है कि चार्ट्स और ट्रेंड को समझकर बिना जटिल गणित के भी बेहतर निवेश फैसले लिए जा सकते हैं।

इन दिनों भारत सहित दुनिया भर के शेयर बाजारों पर ईरान युद्ध की साया है। भारत में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मार्च में रेकॉर्ड बिकवाली की है। वे इस महीने में 1.18 लाख करोड़ रुपये भारतीय बाजारों से निकाल चुके हैं। रुपये ने सोमवार को डॉलर के मुकाबले 95 का रेकॉर्ड निचला स्तर छुआ। निवेशक इन हालात में मायूस हैं। सेंसेक्स-निफ्टी इस साल अब तक 14-16% तक गिर चुके हैं। अक्सर जब बाजार में ऐसी गिरावट आती है, तब पहले के टेक्निकल पैटर्न ध्वस्त हो जाते हैं। इन हालात में कई बार तो फंडामेंटल एनालिस्टों का भी यकीन हिल जाता है। लेकिन अगर बाजार में लंबे समय तक टिके रहकर पैसा बनाना है तो इन्वेस्टमेंट और ट्रेडिंग के बुनियादी सिद्धांतों को हमेशा याद रखना चाहिए।

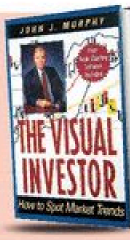

गिरते बाजार में घबराएं नहीं। चार्ट्स और ट्रेंड को समझना सीखें, क्योंकि 'ट्रेंड ही आपका दोस्त' है। सही समय पर सही दिशा ही लंबे समय में मुनाफा दे सकती है।'

'चार्ट्स ऐसी तस्वीरें होती हैं, जिनसे आपको स्टोरी का पता चलता है।' हाई, लो, हेड एंड शोल्डर या फ्लैग, इन पैटर्न्स के जरिये आपको ट्रेंड के बारे में जानकारी मिलती है।

■ **चार्ट्स पर भरोसा:** इसलिए आज इस कॉलम में हम बात करेंगे जॉन जे मर्फी की किताब- The Visual Investor: How to Spot Market Trends की। इस किताब में मर्फी ने रोजमर्रा बाजार में पैसा लगाने वाले लोगों के लिहाज से टेक्निकल एनालिसिस के बारे में जानकारी दी है। मर्फी इस किताब में विजुअल इन्वेस्टिंग का जिक्र करते हैं। इससे उनका मतलब है चार्ट्स को बगैर पेचीदा गणित या फॉर्मूले के समझना। वह लिखते हैं कि किस तरह से शेयरों की कीमत के पैटर्न, वॉल्यूम आपको उभरते हुए ट्रेंड के बारे में बताते हैं। उनका कहना है कि इस तरह के चार्ट्स से शेयरों, खास क्षेत्रों यानी सेक्टर्स, एक्सचेंज ट्रेडेड फंडों और वैश्विक बाजारों के पैटर्न समझे जा सकते हैं और उन्हें देखकर किए गए निवेश से लाभ कमाया जा सकता है।

■ **ट्रेंड है दोस्त:** मर्फी ने लिखा है कि जब बाजार ऊपर या नीचे जाते हैं तो उनसे मिलने वाले पैटर्न को ट्रेडिंग के इस तरीके में सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाती है। उनके शब्दों में कहें तो 'चार्ट्स ऐसी तस्वीरें होती हैं, जिनसे आपको स्टोरी का पता चलता है।' हाई, लो, हेड एंड शोल्डर या फ्लैग, इन पैटर्न्स के जरिये आपको ट्रेंड के बारे में जानकारी मिलती है। दूसरे टेक्निकल एनालिस्टों की तरह मार्केट में 40 साल का तजुर्बा रखने वाले मर्फी भी यही सलाह देते हैं कि पैसा लगाने वालों को मोमेंटम के हिसाब से चलना चाहिए, न कि उन्हें मार्केट के ट्रेंड पलटने को लेकर माथापच्ची करनी चाहिए। यानी निवेशकों के लिए ट्रेंड ही उनका दोस्त होता है।

■ **बफेट का जिक्र:** वह टेक्निकल एनालिसिस के साथ फंडामेंटल एनालिसिस के बारे में भी लिखते हैं। मर्फी यहां ट्रेडर्स को दुनिया के सबसे मशहूर निवेशक और बर्कशायर हैथवे के संस्थापक वॉरेन बफेट की कही हुई बात भी याद दिलाते हैं। बफेट ने कहा था कि कई बार फंडामेंटल एनालिसिस में इस्तेमाल किए जाने वाले आंकड़ों से ट्रेंड की जानकारी नहीं मिलती, लेकिन वह चार्ट्स से पता चल जाता है। मर्फी लिखते हैं कि इस तरह के निवेश का फायदा यह है कि इसमें आपको पेचीदा समीकरणों में नहीं उलझना पड़ता। विजुअल इन्वेस्टिंग की खूबी इसका सिंपल होना है, जिससे निवेशकों को रियल टाइम इनसाइट्स मिलते हैं।

■ **क्या बताते हैं मूविंग एवरेज:** मर्फी ने किताब में कई तरह के चार्ट्स के बारे में लिखा है। वह इसकी शुरुआत लाइन चार्ट्स से करते हैं। इसके बाद वह बार चार्ट और पॉइंट ऐंड फिगर चार्ट्स के बारे में बताते हैं। उनका कहना है कि इन दोनों से आप बाजार के शोर से बच सकते हैं। कई बार मार्केट में किसी शेयर या सेक्टर पर दांव लगाने को बहुत फायदेमंद बताया जाता है, असल में यह एक तरह का शोर होता है, जो कई बार गलत साबित होता है। ऐसे शोर में फंसने वाले निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। मर्फी ने विजुअल इन्वेस्टिंग में जिन चीजों पर ध्यान देने पर जोर दिया है, उनमें मूविंग एवरेज भी शामिल है।

वह लिखते हैं कि 200 डेज SMA से किसी असेट के लॉन्ग टर्म ट्रेंड के बारे में पता चलता है, जबकि अगर 50 डेज का एवरेज 200 डेज के एवरेज से ऊपर चला जाए तो उसका मतलब है कि उसमें खरीदारी का सिग्नल बन रहा है। इसी तरह से उन्होंने मोमेंटम ऑसिलेटर्स (मूविंग एवरेज कन्वर्जेंस) और ब्रेड्थ इंडिकेटरों (एडवांस-डिक्लाइन रेशियो) की भी बात की है। उन्होंने अलग-अलग असेट्स के बीच रिश्तों के बारे में भी किताब में लिखा है। वह कहते हैं कि जब बॉन्ड्स गिरते हैं तो शेयरों के दाम में बढ़ोतरी होती है। फिर गोल्ड में तेजी महंगाई बढ़ने का संकेत देती है। इस किताब का दूसरा संस्करण 2009 में आया था। यूं तो इसमें तब तक की जानकारियों के हिसाब से बदलाव किए गए हैं, फिर भी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के दौर में इन्वेस्टिंग जिस दिशा में बढ़ रही है, उसकी जानकारी इसमें नहीं मिलती।

साप्ताहिक आर्थिक भविष्यफल (6-12 अप्रैल 2026)

नन्दिता पाण्डेय
NBTwealth@timesofindia.com

मेष (22 मार्च-21 अप्रैल)
सप्ताह की शुरुआत में खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए निवेश पर खास ध्यान दें। धीरे-धीरे स्थितियां पक्ष में होंगी और बुधवार से धन लाभ के अवसर बनने लगेंगे। सप्ताह के अंत में मेहनत अच्छे परिणाम देगी और भाग्य का साथ मिलेगा। निवेश के लिहाज से होटल, मीडिया, फैशन, FMCG, डेयरी, बैंकिंग, इंश्योरेंस, सोना-चांदी और शिक्षा सेक्टर में पैसा लगाना फायदेमंद साबित हो सकता है।

वृषभ (22 अप्रैल-21 मई)
इस सप्ताह आय के नए स्रोत खुल सकते हैं और कर्ज से राहत मिलने की संभावना है। हालांकि सप्ताह के बीच के दिनों में खर्च बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं, इसलिए सावधानी जरूरी रहेगी। साझेदारी में किया गया निवेश अच्छा रिटर्न दे सकता है। निवेश के लिए AI, सोलर पावर, IT, टेलीकॉम, तेल-पेट्रोलियम, फार्मा और केमिकल सेक्टर में पैसा लगाना आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

मिथुन (22 मई-21 जून)
यह सप्ताह आपकी नियमित मेहनत से आय बढ़ाने का मौका देगा। सप्ताह के मध्य में साझेदारी से लाभ मिलेगा और जीवनसाथी से आर्थिक सहयोग भी मिल सकता है। हालांकि सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए संतुलन जरूरी रहेगा। निवेश के लिए बैंकिंग, इंश्योरेंस, IT, ऑटोमोबाइल, एयरलाइंस, हेल्थ, होटल, मीडिया और फैशन सेक्टर आपके लिए लाभ देने वाले साबित हो सकते हैं।

कर्क (22 जून-21 जुलाई)
सप्ताह की शुरुआत से ही धन लाभ के संकेत मिलेंगे और आय के नए स्रोत खुलने की संभावना बन रही है। शेयर बाजार या लॉटरी जैसे माध्यमों से भी फायदा मिलने की प्रबल संभावना है। यही नहीं, कर्ज से राहत और आर्थिक मजबूती के भी योग बन रहे हैं। सप्ताह के अंत में पार्टनरशिप से लाभ होगा। निवेश के लिहाज से शेयर बाजार और साझेदारी वाले बिजनेस में पैसा लगाना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

सिंह (22 जुलाई-21 अगस्त)
सप्ताह की शुरुआत में खर्च बढ़ सकते हैं, खासकर घर और वाहन से जुड़े मामलों में। लेकिन मध्य से हालात सुधरेंगे और भाग्य का साथ मिलेगा। शेयर बाजार या अन्य स्रोतों से धन लाभ के संकेत हैं। सप्ताह के अंत में स्थिति अनुकूल रहेगी। निवेश के लिए सोना-चांदी, बैंकिंग, इंश्योरेंस, शिक्षा, मीडिया, फैशन, FMCG और होटल-रेस्टोरेंट सेक्टर अच्छे विकल्प साबित हो सकते हैं।

कन्या (22 अगस्त-21 सितंबर)
सप्ताह की शुरुआत निवेश से लाभ दिला सकती है और आपकी बातचीत की क्षमता आय बढ़ाने में मदद करेगी। बीच के दिनों में बुधवार से लेकर शुक्रवार तक खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन अंत में भाग्य का साथ मिलेगा और धन लाभ होने की उम्मीद है। निवेश के लिए टेलिकॉम, मोबाइल, कंप्यूटर, ट्रेडिंग, बैंकिंग, इंश्योरेंस, सोना-चांदी, शिक्षा और AI सेक्टर में पैसा लगाना इस सप्ताह आपके लिए फायदेमंद रह सकता है।

तुला (22 सितंबर-21 अक्टूबर)
यह सप्ताह आर्थिक रूप से लाभकारी रह सकता है और आपकी नेटवर्किंग आपको फायदा दिलाएगी। निवेश से भी अच्छे रिटर्न मिलने के संकेत हैं। हालांकि सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए संतुलन बनाए रखें। निवेश के लिहाज से AI, बैंकिंग, इंश्योरेंस, सोना-चांदी, शिक्षा, होटल, FMCG, मीडिया, फैशन और टेलीकॉम सेक्टर आपके लिए अच्छे अवसर प्रदान कर सकते हैं।

वृश्चिक (22 अक्टूबर-21 नवं.)
जैसे-जैसे सप्ताह आगे बढ़ेगा, आपके लिए उन्नति के रास्ते खुलते जाएंगे। आपकी समझदारी से किए गए निवेश लाभ देंगे और मध्य से स्थितियां बेहतर होंगी। आय के नए अवसर मिलेंगे और निर्णय क्षमता मजबूत रहेगी। इस सप्ताह निवेश के लिए डिफेंस, मैन्युफैक्चरिंग, डेयरी, सोलर पावर, हेल्थ, IT, AI इंडस्ट्री, ऑयल-पेट्रोलियम, फार्मा और केमिकल सेक्टर में पैसा लगाना आपके लिए लाभदायक रहेगा।

धनु (22 नवंबर-21 दिसंबर)
सप्ताह की शुरुआत थोड़ी चुनौतीपूर्ण रह सकती है और खर्च बढ़ सकते हैं। लेकिन बुधवार के बाद हालात सुधरेंगे और आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। आपकी समझदारी से धन अर्जन के मौके मिलेंगे। सप्ताह के अंत में निवेश से लाभ होगा। निवेश के लिए सोलर पावर, हेल्थ, IT, मोबाइल, टेलिकॉम, AI, होटल, मीडिया और फैशन सेक्टर आपके लिए अच्छे विकल्प साबित हो सकते हैं।

मकर (22 दिसंबर-21 जनवरी)
सप्ताह की शुरुआत में धन लाभ के संकेत हैं, खासकर शेयर बाजार या पैतृक संपत्ति से। बीच के दिनों में खर्च बढ़ सकते हैं और निवेश में सावधानी जरूरी रहेगी। सप्ताह के अंत में स्थिति फिर बेहतर होगी और लाभ के मौके बनेंगे। इस सप्ताह निवेश के लिए IT, फार्मा, ऑटोमोबाइल, एयरलाइंस, AI, टेलिकॉम और मीडिया-फैशन सेक्टर में पैसा लगाना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

कुंभ (22 जनवरी-18 फरवरी)
यह सप्ताह मेहनत का फल देने वाला रहेगा और आपके प्रोजेक्ट्स से आय बढ़ेगी। मध्य में अचानक धन लाभ के संकेत हैं, खासकर शेयर या प्रॉपर्टी से। सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकते हैं। निवेश के लिए होटल, मीडिया, फैशन, FMCG, डिफेंस, मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, AI, बैंकिंग और शिक्षा सेक्टर आपके लिए अच्छे रिटर्न दे सकते हैं।

मीन (19 फरवरी-21 मार्च)
सप्ताह की शुरुआत में निवेश को लेकर सतर्क रहना जरूरी है, लेकिन जल्दी ही भाग्य साथ देगा और धन वृद्धि के अवसर मिलेंगे। बिजनेस ट्रिप्स लाभदायक रहेंगी और प्रोजेक्ट्स से आय बढ़ेगी। निवेश के लिए बैंकिंग, इंश्योरेंस, सोना-चांदी, डिफेंस, मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर और मीडिया-फैशन सेक्टर में पैसा लगाना लाभकारी रहेगा।

(लेखिका ऐस्ट्रो-टैरो रीडर, आध्यात्मिक गुरु और लाइफ कोच हैं।)

स्मार्ट तकनीक से तेज़ होगी दिल्ली की रफ्तार

डेटा की समीक्षा और रियल-टाइम मॉनिटरिंग से जाम पर वार, ट्रैफिक पुलिस ने तैयार किया हाई-टेक ब्लूप्रिंट

ट्रैफिक जाम खत्म करने के लिए हर मोर्चे पर जंग लड़ी जा रही है। केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों ही इसे लेकर संजीदा है। इसलिए सभी विभागों के बीच तालमेल बिठाया गया है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने अपना ब्लूप्रिंट तैयार किया है, जो टेक्नॉलजी की मदद ले रही है। इस पर राजेश सरोहा की स्पेशल रिपोर्टः

तकनीक के जरिए कंट्रोल

दिल्ली का ट्रैफिक अब सिर्फ रोड पर खड़े पुलिसवालों के इशारों से नहीं बल्कि स्मार्ट टेक्नॉलजी से भी कंट्रोल हो रहा है। गूगल मैप्स और टॉमटॉम जैसे इंटरनैशनल प्लेटफॉर्म्स से दिल्ली ट्रैफिक पुलिस अब रियल-टाइम डेटा के आधार पर फैसले ले रही है। नतीजतन कहीं जाम खत्म हो रहा है तो कहीं मिले-जुले नतीजे मिले हैं। इसी तरह स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल, CCTV कैमरे और डेटा एनलिटिक्स का भी इस्तेमाल हो रहा है और तुरंत एक्शन लिया जाता है।

गूगल मैप्स दिखा रहा राह

गूगल मैप्स अब सिर्फ रास्ता दिखाने तक सीमित नहीं है बल्कि रियल-टाइम ट्रैफिक की पूरी तस्वीर भी देता है। दरअसल यह ऐप लाखों फोन यूजर्स के जीपीएस डेटा के आधार पर ट्रैफिक की स्थिति को समझता है। जैसे किसी रोड पर ट्रैफिक धीमा चलता है तो यह तुरंत पहचान लेता है। मैप पर उसी हिसाब से कलर दिखने लगते हैं। जैसे हरी लाइन का मतलब ट्रैफिक बिल्कुल स्मूद, पीली लाइन का मतलब मध्यम ट्रैफिक, लाल का मतलब भारी जाम या बेहद स्लो। इसके जरिए ट्रैफिक पुलिस जाम वाले इलाकों की तुरंत पहचान करती है। संबंधित लोकेशन की लाइव फीड सीनियर अफसरों को भेजी जाती है। मौके पर स्टाफ पहुंचता है, सिग्नल टाइमिंग बदला जाता है और जरूरत पड़ने पर ट्रैफिक डायवर्ट किया जाता है। इससे लोगों को पहले से पता चल जाता है किस रास्ते पर जाम है। वैकल्पिक रूट मिल जाते हैं।

गूगल मैप यह भी बताता है कि आने वाले समय में ट्रैफिक कैसा रहेगा

गणतंत्र दिवस पर तकनीक का असर दिखा और जाम न के बराबर रहा

जाम के खिलाफ जंग

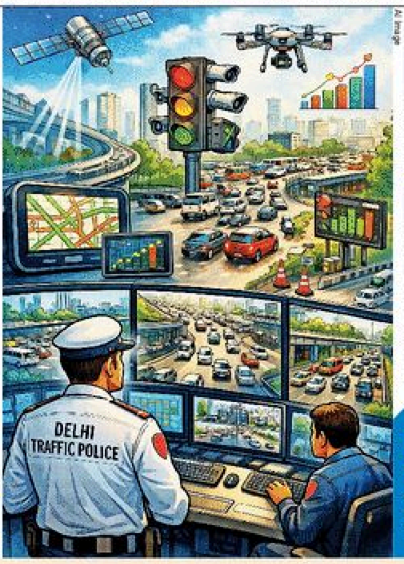

टॉमटॉम से ट्रैफिक का अनुमान

टॉमटॉम सिर्फ वर्तमान नहीं बल्कि भविष्य के ट्रैफिक को समझने में मदद करता है। दरअसल हॉलैंड की कंपनी टॉमटॉम एक एडवांस ट्रैफिक डेटा और एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म है। यह ट्रैफिक विश्लेषण के साथ-साथ भविष्य के ट्रैफिक का अनुमान भी लगा लेता है। ये टूल GPS डिवाइस, मोबाइल फोन, कारों के नेविगेशन सिस्टम, ट्रैफिक कैमरे और सेंसर के डेटा को कुछ ही सेकंड में प्रोसेस होकर ट्रैफिक की स्थिति बताता है।

कुछ जगह प्रयोग रहा सफल

टॉमटॉम से मिले डेटा के माध्यम से ट्रैफिक पुलिस को यह समझने में मदद मिली कि किस समय, किस जगह और क्यों जाम लगता है। इसलिए, उसी हिसाब से इंतजाम किए गए। टॉमटॉम से मिले डेटा के आधार पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार को कई इंटरसेक्शन पर फेरबदल कर प्रयोग किए। इसके कुछ जगह शानदार परिणाम मिले, जिसके तहत औसत स्पीड बढ़कर 24.66 किमी/घंटा तक पहुंची, दस किमी का सफर सिर्फ 25 मिनट में पूरा हुआ और जाम में खासतौर पर कमी देखने को मिली। लेकिन हर प्रयोग सफल नहीं रहा। जैसे पिछले बुधवार को किए गए बदलावों से औसत स्पीड घटकर 23.13 किमी/घंटा रह गई और जाम भी बढ़ा और ट्रैवल टाइम भी बढ़ा।

'तकनीक से आ रहे बेहतर नतीजे'

टेक्नॉलजी के इस्तेमाल के साथ-साथ ट्रैफिक मैनेजमेंट का सिस्टम भी बदलना जरूरी था, इसलिए हम अब डेटा-ड्रिवन सिस्टम की ओर बढ़ चुके है। इसके बेहतर नतीजे आ रहे है।

-नीरज ठाकुर, स्पेशल सीपी (ट्रैफिक)

एक्सपर्ट की सलाह

'बेहतर ट्रैफिक मैनेजमेंट से सुधार संभव'

गाड़ियों की बढ़ती संख्या पर कोई अंकुश नहीं लगा सकता, लेकिन बेहतर ट्रैफिक मैनेजमेंट, रोड इम्प्रूवमेंट और सड़कों पर लोगों के व्यवहार में बदलाव से कुछ हद तक ट्रैफिक जाम की समस्या को कम किया जा सकता है। जहां तक सवाल वीवीआईपी मूवमेंट का है, तो इसके लिए ट्रैफिक व्यवस्था जरूरी है। लेकिन, जनता को भी उतनी ही तरजीह मिले। अगर चार ट्रैफिक पुलिसकर्मी एक रोड पर VVIP मूवमेंट मैनेज करने के लिए है, तो जिस रोड पर ट्रैफिक डायवर्ट है, उस पर भी कोई व्यवस्थाओं को देखने वाला हो।

- दिनेश कुमार, पूर्व चीफ इंजिनियर, PWD

'नियम तोड़ने वालों पर सख्ती जरूरी'

लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए। तभी दिल्ली की ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारा जा सकता है। नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी ट्रैफिक पुलिस की होती है। अगर कोई व्यक्ति ट्रैफिक नियमों को तोड़ता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। इससे नियम तोड़ने वाले लोगों में कानून का डर बैठेगा और वे नियम तोड़ने से बचेंगे। पहले के मुकाबले वर्तमान में ट्रैफिक पुलिस के पास हर तरह की टेक्नॉलजी है। पुलिस को उसका पूरा फायदा उठाना चाहिए।

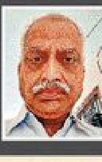

-सतेंद्र गर्ग, पूर्व जॉइंट सीपी ट्रैफिक पुलिस

NBT का मिल रहा साथ — रीडर्स खुलकर बता रहे समस्या, सुधार के लिए दे रहे सुझाव

दिल्ली में जाम की समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या और वाहनों की संख्या है। समस्या के समाधान के लिए ट्रैफिक मैनेजमेंट में बेहतर तालमेल जरूरी है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि लोग निजी गाड़ियों का कम उपयोग करें। *-करन झा*

उत्तम नगर से द्वारका मोड़ तक रोज जाम लगता है। 3 किमी के इस रास्ते को पूरा करने में 40 मिनट लग जाता है। जाम का कारण रोड पर अतिक्रमण, बीच-बीच में बने कट और रॉन्ग साइड ट्रैफिक है। पुलिस अगर इन सब पर सख्त कार्रवाई करे तो सुधार संभव है। *-धीरज धुरड*

जाम का सबसे बड़ा कारण रोड किनारे अतिक्रमण ही है। ऐसा कोई इलाका नहीं है जहां रोड पर अतिक्रमण न हो। अगर राजधानी से जाम की समस्या खत्म करनी है तो अतिक्रमण को पूरी तरह हटाना और रोड किनारे पार्किंग को बंद करना जरूरी है। *-एससी गुप्ता*

दिल्ली में अवैध पार्किंग और वाहनों की बढ़ती संख्या जाम का मुख्य कारण है। ब्रिटानिया चौक और रानी बाग जैसी सड़कों पर स्थिति गंभीर है। समाधान के लिए प्रति परिवार एक वाहन की सीमा, अवैध पार्किंग पर रोक, बेहतर सिग्नलिंग और ऑड-ईवन पर काम हो। *-वेद प्रकाश शर्मा*

मंगोलपुरी वाई ब्लॉक और कंझावला रोड पर वाहनों की मनमानी और अतिक्रमण से भारी जाम रहता है। पीक आवर्स में पुलिस की नियमित तैनाती, अवैध पार्किंग पर सख्ती कर सड़क चौड़ी करने से यहां जाम से राहत मिल सकती है। *- मोहन लाल सैनी*

ट्रैफिक स्मूद करने के लिए चौराहों से ट्रैफिक सिग्नल हटाकर गोलचक्कर बनाए जाएं। इससे प्रदूषण और जाम खत्म होगा। साथ ही, सड़कों पर रेहड़ी-पटरी वालों के अवैध कब्जे और पार्किंग पर भारी चालान और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। *-अनिल कुमार सैनी*

दिल्ली में ट्रैफिक जाम के दो अछूते कारण वाहनों की बेलगाम बिक्री और फुटपाथों पर अतिक्रमण है। टैक्स और वोट बैंक के कारण इन्हें नजरअंदाज किया जाता है। समाधान के लिए वाहनों की संख्या सीमित करने और रोड से अतिक्रमण हटाना जरूरी है। *-आदित्य अवस्थी*

ट्रैफिक अव्यवस्था का 70% कारण है ट्रैफिक पुलिस में फैली भ्रष्टाचार की बीमारी। बाकी 30% अन्य विभाग जैसे MCD, PWD, DDA की टूटी सड़कें, गड्ढे, सड़कों पर पार्किंग अलॉटमेंट और रेहड़ी पटरी वाले हैं। ट्रैफिक पुलिस और संबंधित विभाग इन पर सख्त ऐक्शन लें तो समस्या खत्म हो जाएगी। *-राजीव कुमार*

पटेल रोड को सिग्नल फ्री करने के लिए सभी ट्रैफिक सिग्नल और क्रॉसिंग पॉइंट्स बंद किए जाएं। यू-टर्न के लिए गोलचक्कर का उपयोग हो। इसी तरह पंजाबी बाग नॉर्थ वेस्ट एवेन्यू के बीच के कट्स बंद कर यू-टर्न की सुविधा मिले। *-विवेक*

नरेला के झंडा चौक और बाजारों में अवैध पार्किंग, ई-रिक्शा और सड़कों पर सजी दुकानों से भारी जाम रहता है। समाधान हेतु चेतावनी बोर्ड लगें, भारी चालान कटे और नियम तोड़ने वालों के लाइसेंस सस्पेंड हों। सड़कों पर अतिक्रमण और अवैध कब्जे रोकना निहायत जरूरी है। *-विनोद गुप्ता आर्य*

मुख्य सड़कों पर बिना लाइसेंस और फिटनेस के चल रहे ई-रिक्शा ट्रैफिक की बड़ी बाधा है। अतिक्रमण और रेड लाइटों से पुलिस का नदारद रहना समस्या को बढ़ाता है। समाधान हेतु बस शेल्टर दो रेड लाइटों के बीच बनाए जाएं और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन हो। *-रामेश्वर दयाल बंसल*

दिल्ली में भारी ट्रैफिक कम करने हेतु सरकारी कार्यालयों के समय में बदलाव (स्टैगर्ड टाइमिंग्स) किया जाए। सुबह 8, 9 और 10 बजे जैसे अलग-अलग शिफ्ट में दफ्तर खुलने से सड़कों पर एक साथ भीड़ नहीं होगी। इससे ईंधन और जनशक्ति की भी बड़ी बचत होगी। *- राजेश कुमार*

सोनिया विहार पुश्ता रोड पर सिंगल लेन, भारी ट्रैफिक और नो-एंट्री में खड़ी कमर्शियल गाड़ियों से भीषण जाम रहता है। अवैध ई-रिक्शा और जौहरी पुरते पर कूड़ाघर समस्या और बढ़ाते हैं। अधिकारियों से मांग है कि इस मार्ग को जाममुक्त कर मरीजों व आमजन को राहत दिलाएं। *-मोहित सिंह रजावत*

ऐसे बनें समाधान का हिस्सा

ईमेल : nbtreader@timesofindia.com पर हमें मेल कर सकते हैं, सब्जेक्ट में लिखें TRAFFIC

वट्सऐप : समस्याएं और सुझाव 9220747220 पर हमें वट्सऐप करें। मेसेज के बाद अपना नाम जरूर लिखें। लास्ट में TRAFFIC भी लिख दें।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग

बी-ब्लाक, द्वितीय तल, विकास भवन, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली-110002

सार्वजनिक सूचना

वर्ष 2025-26 के लिए केवल दिल्ली राज्य के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग वर्ग के विद्यार्थियों से छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

05 राज्य छात्रवृत्ति योजनाएँ

आवेदन भरने की अंतिम तिथि 30/04/2026

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार की ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल https://edistrict.delhigovt.nic.in के माध्यम से निम्नलिखित छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए दिल्ली के अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों द्वारा ऑन-लाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं-

1. सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निजी / पब्लिक स्कूलों में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को ट्यूशन फीस की अदायगी।

2. कॉलेज और व्यावसायिक संस्थानों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को योग्यता छात्रवृत्ति ।

3. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को डॉ. बी. आर. अम्बेडकर राज्य टॉपर्स पुरस्कार।

4. मुख्यमंत्री विद्यार्थी प्रतिभा योजना (कक्षा 9 से कक्षा 12 में पढ़ने वाले छात्रों के लिए)।

5. अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को विदेश में उच्च अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता। (यह योजना ऑफलाइन है)

इन छात्रवृत्ति योजनाओं का विवरण, जिसमें छात्रों द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने के निर्देश और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा आवेदनों का सत्यापन आदि शामिल है, विभाग की आधिकारिक वेबसाइट https://scstwelfare.delhi.gov.in पर उपलब्ध है।

DIP/Shabdarth/Classified/0005/26-27

नोएडा एयरपोर्ट से उड़ाने होंगी सस्ती! एयरलाइंस को मिलेंगे खास पैकेज

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: दूरी और कनेक्टिविटी की वजह से नोएडा एयरपोर्ट के सामने ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को अपनी ओर खींचने की चुनौती सबसे बड़ी है। इसके लिए नोएडा एयरपोर्ट ऑपरेटर विभिन्न योजनाओं पर काम कर रहा है, जिससे लोगों को शुरुआत में दिल्ली के मुकाबले नोएडा एयरपोर्ट से टेक ऑफ करना सस्ता पड़ सकता है। इसके अलावा यहां एयरलाइंस और आउटलेट खोलने वालों से भी कम चार्ज लेने की बात कही जा रही है।

दूरी पाटने के लिए टैक्सी कंपनियों से भी बातचीत शुरू

एविएशन सूत्रों का कहना है कि दिल्ली एयरपोर्ट के मुकाबले नोएडा एयरपोर्ट पर एयरलाइंस को कई तरह के पैकेज देने पर काम किया जा रहा है। जिसमें जीएमआर के दिल्ली एयरपोर्ट के मुकाबले नोएडा एयरपोर्ट पर एयरलाइंस कंपनियों से लैंडिंग, पार्किंग और एयरोब्रिज चार्ज कम वसूला जाएगा। उन्हें दिल्ली के मुकाबले यहां कुछ सस्ता एविएशन फ्यूल भी देने पर विचार है। इसके अलावा एयरलाइंस को टर्मिनल बिल्डिंग में भी काउंटर और अन्य सर्विस देने के लिए दिल्ली के मुकाबले कम चार्ज लिया जाएगा।

इसके अलावा शुरुआत में नोएडा एयरपोर्ट यात्रियों से दिल्ली के मुकाबले एयरपोर्ट डिवेलपमेंट फीस के नाम पर भी कम चार्ज वसूल सकता है। साथ ही यहां से खाना-पीना और शॉपिंग करना भी कुछ सस्ता होगा। ऐसे कुछ लोगों ने नोएडा एयरपोर्ट पर शॉप्स लेने के लिए संपर्क करना भी शुरू कर दिया है, जिनके आउटलेट दिल्ली एयरपोर्ट पर भी है। जब एयरलाइंस कंपनियों को विभिन्न तरह की सर्विसेज सस्ते में मिलेंगी तो इसका फायदा यात्रियों को भी मिलेगा। इन सब कारणों से लोगों को दिल्ली के मुकाबले नोएडा एयरपोर्ट से टेक ऑफ करना सस्ता पड़ सकता है।

File Photo

NBT Lens — खबरों के अंदर की बात: टिकट सस्ता, जेवर जाएंगे लोग?

अब सवाल ये है कि अगर दिल्ली के मुकाबले नोएडा एयरपोर्ट से फ्लाइट खासतौर से डोमेस्टिक फ्लाइट का टिकट एक-दो हजार रुपये सस्ता भी हुआ तो क्या लोग दिल्ली की जगह नोएडा एयरपोर्ट से टेकऑफ करने को प्राथमिकता देंगे? इसमें सबसे बड़ी अड़चन दिल्ली से नोएडा एयरपोर्ट की दूरी है जो करीब 70 किमी है। दिल्ली-एनसीआर के दूसरे शहरों में रहने वालों को नोएडा एयरपोर्ट तक जाने के लिए कैब काफी महंगा पड़ेगा। अपनी कार से जाने वालों का भी पेट्रोल और पार्किंग का एक्स्ट्रा खर्च झेलना पड़ेगा। एयरपोर्ट तक जाने के लिए अभी पब्लिक ट्रांसपोर्ट न के बराबर है। हालांकि, ऑपरेटर टैक्सी कंपनियों से कुछ सस्ती दरों पर टाइअप करने की कोशिश में है।

कूड़े की ढुलाई के लिए रेलवे वैगन का यूज़

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली को स्वच्छ बनाने की दिशा में नगर निगम (MCD), रेलवे के साथ मिलकर रेलवे ट्रैक के किनारे एक व्यापक स्वच्छता अभियान चला रहा है। दिल्ली में लगभग 102.9 किलोमीटर लंबे रेलवे कॉरिडोर पर समय के साथ जमा हुए कचरे को हटाने के लिए MCD 123 चिह्नित स्थानों पर युद्धस्तर पर काम कर रही है। इस अभियान के तहत अब तक 18,495 मीट्रिक टन कूड़ा उठाया जा चुका है, जिसे ठिकाने लगाने के लिए विशेष रूप से रेलवे वैगनों की मदद ली जा रही है।

MCD रेलवे के साथ मिलकर चला रहा अभियान

इस दौरान अधिकारियों को कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। करोल बाग जोन के जखीरा क्षेत्र में रेलवे लाइनों के त्रिकोणीय मिलन के कारण कचरा हटाना बेहद मुश्किल था, जिसका समाधान 20 रेलवे वैगनों की तैनाती करके निकाला गया। इसी तरह, आजादपुर रेलवे स्टेशन के पास स्थित वर्षों पुराने एक बड़े कचरा स्थल को पूरी तरह साफ कर दिया गया है। एमसीडी कमिश्नर संजीव खिरवार ने कहा कि यह प्रयास दिल्ली की स्वच्छता व्यवस्था को बदलने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार

भूमि एवं भवन विभाग

(प्रशासनिक शाखा)

बी ब्लॉक, विकास भवन, नई दिल्ली

ई-मेल: buildingland22@gmail.com

विज्ञापन सूचना संख्या दिनांक

अनुबंध के आधार पर सलाहकारों के पद के लिए विज्ञापन।

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार का भूमि एवं भवन विभाग, पद से सेवानिवृत्त [illegible] अधिकारियों/कर्मचारियों से आवेदन आमंत्रित करता है, [illegible] अनुबंध के आधार पर [illegible] नियुक्त किया जाएगा [illegible]

इच्छुक उम्मीदवारों को विस्तृत विज्ञापन, आवेदन पत्र और आवश्यक दस्तावेज देखने के लिए विभाग की वेबसाइट https://land.delhi.gov.in पर जाना आवश्यक है। [illegible]

DIP/Shabdarth/Classified/0003/26-27. अतिरिक्त सचिव (भूमि एवं भवन)

बुनियादी सुविधाओं की कमी पर बुराड़ी में प्रदर्शन

■ NBT रिपोर्ट, बुराड़ी: बुराड़ी में बुनियादी सुविधाओं की बदहाली को लेकर लोगों का गुस्सा अब सड़कों पर सामने आ गया है। जर्जर सड़कें, कॉलोनियों और गलियों में लंबे समय से सीवर ओवरफ्लो, खराब सफाई व्यवस्था, 100 फुटा रोड की बदहाल स्थिति और बेहतर ट्रांसपोर्ट सुविधा की कमी से परेशान लोगों ने रविवार को बुराड़ी बंद का आह्वान किया। स्थानीय लोग सड़कों पर उतरे, वहीं व्यापारियों ने भी अपनी दुकानें बंद कर विरोध जताया। वॉइस ऑफ बुराड़ी नाम की एक संस्था के बैनर तले प्रदर्शनकारी सुबह करीब 10 बजे 100 फुटा रोड, बुराड़ी मोड़ से बुराड़ी मेट्रो स्टेशन तक पैदल मार्च निकालना चाहते थे लेकिन पुलिस ने उन्हें बीच रास्ते में ही रोक दिया। संस्था से जुड़े [illegible] फुलेरा ने बताया कि इलाके में लंबे समय से सड़कों की हालत खराब है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 06-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH03 User: cci Time: 04-05-2026 23:22 Color:

गोदाम से सीधे सिलिंडर बेचना अवैध, होगी कार्रवाई, अब घर पर ही डिलिवरी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

प्रवासी मजदूरों के लिए गैस सिलिंडर किल्लत दूर करने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला किया है। अब वैध पहचान पत्र (आईडी) दिखा कर कोई भी प्रवासी श्रमिक 5 किलो का सिलिंडर हाथों-हाथ ले सकता है। न तो उन्हें अब वैध कनेक्शन की जरूरत है और न ही गैस सिलिंडर की अग्रिम बुकिंग की जरूरत। गैस किल्लतों को लेकर रविवार को सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि गोदाम से सीधे सिलिंडर बेचना अवैध है। इस प्रकार की किसी भी गतिविधि पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीएम ने कहा कि सरकार ने उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूरे शहर में 5 किलो के एलपीजी सिलिंडरों की उपलब्धता में विस्तार किया है। छोटे सिलिंडर वैध पहचान पत्र दिखा कर गैस एजेंसियों से आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके लिए पते के सत्यापन जरूरत नहीं होगी। प्रवासी श्रमिकों को विशेष सुविधा देने के उद्देश्य से एचपीसीएल के चयनित आउटलेट्स पर 11 डेडिकेटेड हेल्प डेस्क भी बनाए गए हैं, जहां उन्हें नजदीकी एलपीजी वितरकों की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा एलपीजी सप्लाई की लगातार निगरानी भी की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की बाधा न आए और सभी नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित हो सके। सीएम ने कहा कि लोग गैस एजेंसियों या गोदामों पर जाने या भीड़ लगाने से बचें, क्योंकि बुक किए गए सभी एलपीजी सिलिंडर निर्धारित समय के भीतर सीधे घर तक पहुंचाए जा रहे हैं।

दिल्ली में कुल 1,14,679 एलपीजी बुकिंग : उन्होंने कहा कि चार अप्रैल के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में कुल 1,14,679 एलपीजी बुकिंग दर्ज की गई, जबकि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1,31,335 सिलिंडरों की डिलिवरी की है। डिलिवरी की संख्या बुकिंग से अधिक होना इस बात का संकेत है कि लंबित मांग को तेजी से पूरा किया जा रहा है और पूरा सिस्टम प्रभावी ढंग से काम कर रहा है। वर्तमान में घरेलू एलपीजी सिलिंडरों का औसत डिलिवरी समय 4.24 दिन है। गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए सरकार ने एक डेडिकेटेड कंट्रोल रूम (हेल्पलाइन: 011-23379836 / 8383824659) भी संचालित किया है। जमाखोरी और कालाबाजारी पर नकेल कसने के लिए दिल्ली पुलिस ने हाल ही में 17 स्थानों पर छापेमारी की थी। खाद्य व आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने 76 गैस एजेंसियों और गोदामों का निरीक्षण किया है। सीएम ने कहा कि लोगों को शांति बनाए रखने की जरूरत है। किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें।

सरकार ने पारदर्शिता के लिए गोदामों से सिलिंडर बिक्री पर रोक लगा दी है, अब सिर्फ होम डिलिवरी मान्य होगी। उपभोक्ताओं, विशेषकर प्रवासियों की सुविधा के लिए पहचान पत्र दिखाकर बिना एड्रेस प्रूफ 5 किलो वाला सिलिंडर लेने की सुविधा दी गई है। सहायता के लिए HPCL आउटलेट्स पर 11 हेल्प डेस्क भी बनाए गए हैं। नागरिक अफवाहों से बचें और अधिकारिक व्यवस्था का सहयोग करें। –रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री

सीएम की अपील: सीएम रेखा गुप्ता ने अपील की है कि लोग गैस एजेंसियों या गोदामों पर जाने या भीड़ लगाने से बचें, क्योंकि बुक किए गए सभी एलपीजी सिलिंडर निर्धारित समय के भीतर सीधे घर तक पहुंचाए जा रहे है

महंगाई और पेमेंट संकट से चरमराई सप्लाई चेन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

राजधानी के एक्सपोर्ट कारोबार में इन दिनों सन्नाटा पसरा है, लेकिन यह सन्नाटा मांग की कमी से नहीं बल्कि सप्लाई के संकट से है। कच्चे माल की आसमान छूती कीमतों ने पूरी सप्लाई चेन को हिलाकर रख दिया है। आलम यह है कि कारोबारी अब नए ऑर्डर लेने से तौबा कर रहे हैं और पुराने ऑर्डर्स को पूरा करने में भी मुश्किल आ रही है। कई कारोबारियों का तो करोड़ों का पेमेंट अटका हुआ है।

जानकारी के अनुसार, लोहा, प्लास्टिक, केमिकल और पैकेजिंग मटेरियल के दाम में काफी बढ़ोतरी हुई है। कारोबारियों का कहना है कि आज जिस रेट पर ऑर्डर लेंगे, माल तैयार होने तक कच्चा माल और महंगा हो जाता है। ऐसे में मुनाफे की जगह जेब से पैसे भरने पड़ रहे हैं। कई मैन्युफैक्चरर्स ने कच्चे माल की कमी के चलते प्रोडक्शन लाइन को धीमा कर दिया है। ओखला चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के चेयरमैन अरुण पोपली ने बताया कि इन दिनों मैन्युफैक्चरर सबसे ज्यादा परेशान हैं। कच्चे माल की बढ़ी कीमत से सप्लाई चेन प्रभावित हो चुकी है। आलम यह है कि नए ऑर्डर लेने से भी कारोबारी डर रहे हैं। साथ ही पुराने ऑर्डर को भी पूरा करने में मुश्किल आ रही है।

खाड़ी देशों को होने वाले चावल के निर्यात पर असर

वहीं, चावल के कारोबारी सचिन शर्मा बताते हैं कि पश्चिम एशिया में छिड़ी जंग के चलते चावल कारोबार लगभग ठप पड़ा है। कई ऐसे कारोबारी हैं, जिनका करोड़ों रुपये का पेमेंट अटका हुआ है। जिससे उनकी चिंता दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

मजदूरों का पलायन रोकने आगे आए

लोगों की मदद से जले चूल्हे

■ राम त्रिपाठी, नई दिल्ली

गैस की किल्लत के दौर में प्रवासी मजदूरों के पलायन को रोकने के लिए कुछ लोग अपने ड्राइवर और घरेलू सहायकों आदि की मदद कर रहे हैं। वे खुले बाजार से महंगे LPG सिलिंडर लेने और गैस भरवाने के लिए रकम दे रहे हैं। इससे उनके घरों में खाना बन रहा है। कई लोग अपने घर में नाश्ते से लेकर दोनों टाइम का खाना भी खिला रहे हैं।

LPG गैस सिलिंडर नहीं मिलने से प्रभावित लोगों ने पूरे परिवार के साथ अपने घर जाने की तैयारी कर ली थी। इन हालातों में जहां मजदूरों पर किराए के रूप में आर्थिक बोझ बढ़ रहा था तो वहीं काम से छुट्टी लेने के कारण तनख्वाह से पैसे भी कटते। दूसरी तरफ मजदूरों के जाने से मालिकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता था। मजदूरों की मदद करने से अब दोनों (मालिक और मजदूर) ही लोग राहत महसूस कर रहे हैं।

मौजूदा स्थिति यह है कि अपने परिवार के साथ यहां किराए के कमरों में रह रहे ज्यादातर प्रवासी मजदूरों के पास एलपीजी सिलिंडर कनेक्शन नहीं है। वे 5 किलो के सिलिंडरके सहारे थे। खुले बाजार में सिलिंडर में गैस 300 से 400 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिक रही है। इतनी महंगी गैस वे खरीदने की स्थिति में नहीं थे। ऐसे में कुछ लोगों ने गैस से भरा अपना सिलिंडर दिया है, तो कुछ ने गैस भरवाने की रकम भी दी है।

क्या कहते हैं लोग

घर की मेड और ड्राइवर परिवार के साथ अपने गांव जा रहे थे। घरों में खाना नहीं बन पा रहा था। उन्हें गैस भरवाने के लिए पैसे दिए हैं। ड्राइवर को घर पर खाना भी खिला रहा हूं। –अरविंद कैंथ, कैलाश कॉलोनी

हमारे यहां दूध की सप्लाई करने वाले डिलिवरी बॉय के घर में गैस की कमी के कारण खाना नहीं बन पा रहा था। उसने गांव जाने की तैयारी कर ली थी। उसे घर का भरा सिलिंडर दिया है। –संजीव गुप्ता, जीके-1

अपनी मेड को 5 किलो का सिलिंडर भरवाने के लिए 2000 रुपये दिए हैं। गैस नहीं होने के कारण वह बच्चों के लिए किसी तरह बाजार से थोड़ा-बहुत खाना खरीद पा रही थी। –अंजलि, कृष्णा नगर

बाजार में भी दिख रहा इसका असर

कच्चे माल का रेट बढ़ने से प्लास्टिक इंडस्ट्री पर असर

■ राजेश पोद्दार, नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष और तनाव का असर भारत में दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। दिल्ली के कई बड़े इंडस्ट्रियल एरिया, जहां प्लास्टिक से बनने वाले प्रोडक्ट्स बनाए जाते हैं, वहां आपूर्ति में अचानक आई कमी से उद्योगों को भारी नुकसान हो रहा है। फुटवियर, पॉलिथीन, खिलौने, प्लास्टिक प्रोडक्ट समेत अन्य चीजों के उत्पादन पर इसका बड़ा असर पड़ रहा है।

कारोबारियों का कहना है कि खासकर प्लास्टिक के रॉ मटेरियल में तेजी देखी जा रही है। प्लास्टिक के दाने बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले पॉलिमर, रेजिन, और पॉलीप्रोपाइलीन कोपोलिमर (पीपीसीपी) जैसे कच्चे माल की कमी और कीमतों में भारी उछाल के कारण उत्पादन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। पहले से मंदी की मार झेल रहे फुटवियर, केबल वायर, मेटल और अन्य उद्योग अब और बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें उद्योगों पर भारी पड़ रही हैं।

नरेला इंडस्ट्रियल एरिया कॉम्प्लेक्स वेलफेयर एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट वीरेंद्र गर्ग के अनुसार, कच्चे तेल से जुड़े पॉलिमर की कीमतों में लगभग 75% तक वृद्धि हो चुकी है, जिसके कारण उत्पादन में कटौती करनी पड़ रही है। नरेला-बवाना जैसे इंडस्ट्रियल एरिया में कई कारखाने अब न्यूनतम क्षमता पर चल रहे हैं या उत्पादन बंद करने की स्थिति में हैं। कुछ इकाइयां 10 में से केवल 2 लाइनों पर ही काम कर रही हैं, जिससे उत्पादन लगभग 30% तक घट गया है। छोटी यूनिट्स बंद होने की कगार पर हैं, जबकि बड़ी यूनिट्स में भारी कटौती कर रही हैं।

30 प्रतिशत तक घट गया फैक्ट्रियों का प्रोडक्शन

फेडरेशन ऑफ एमएसएमई वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष आशीष गर्ग का कहना है कि फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूरों को गैस नहीं मिल रही है, जिससे वे काम छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। अधिकांश फैक्ट्री, जहां पहले 24 घंटे उत्पादन होता था, अब उसे घटाकर 12 या 8 घंटे कर दिया है।

बनेगा 4 लेन का 5 किमी लंबा बाईपास

5 मिनट में संगम विहार से महरौली-बदरपुर रोड

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

महरौली-बदरपुर रोड से संगम विहार की दर्जनों कॉलोनियों को कनेक्ट करने के लिए 5 किमी लंबा बाईपास बनाया जाएगा। बाईपास एमसीडी प्राइमरी स्कूल के पास से सूरजकुंड रोड को कनेक्ट करते हुए गुप्ता कॉलोनी तक बनेगा। इसके निर्माण से संगम विहार में रहने वाले लाखों लोगों को महरौली-बदरपुर रोड की तरफ निकलने का रास्ता साफ हो जाएगा और इंटरनल सड़कों पर जाम भी कम होगा। इसके अलावा मां आनंदमयी मार्ग से हरकेश नगर मेट्रो स्टेशन तक जाने के लिए भी 900 मीटर लंबी रोड का निर्माण किया जाएगा।

पीडब्ल्यूडी अफसरों के अनुसार संगम विहार विधानसभा क्षेत्र की दर्जनों रिहायशी कॉलोनियों से बाहर निकलने को कोई मुख्य मार्ग नहीं है। दो रोड हैं, जिसमें से एक तो रतिया मार्ग और दूसरा बंध रोड है जिस पर आबादी अधिक होने के कारण हर समय जाम लगा रहता है। ऐसे में महरौली-बदरपुर रोड पर निकलने के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में एक 5 किमी लंबी बाईपास रोड बनाई जाएगी, जो संगम विहार स्थित टी-पॉइंट एमसीडी प्राइमरी स्कूल के पास सूरजकुंड रोड को कनेक्ट करते हुए जे-ब्लॉक स्थित गुप्ता कॉलोनी तक बनाई जाएगी। संगम विहार के विधायक चंदन कुमार के अनुसार पिछले एक वर्ष से वह इस परियोजना को लेकर पीडब्ल्यूडी और पर्यावरण मंत्रालय के साथ प्रयास कर रहे हैं। चार लेन का बाईपास कॉरिडोर शूटिंग रेंज से शुरू होकर बंध रोड के पास खत्म होगा। इससे भारी ट्रैफिक कम होगा और लाखों लोगों का जीवन बेहतर होगा। अभी महरौली-बदरपुर रोड तक आने में 25 मिनट का समय लगता है, लेकिन इस रोड के बनने से 5 मिनट में वहां तक पहुंचा जा सकता है। इस रोड के निर्माण के लिए वन भूमि के उपयोग के लिए रिज मैनेजमेंट बोर्ड से अनुमति के लिए आवेदन किया गया है।

AI Image

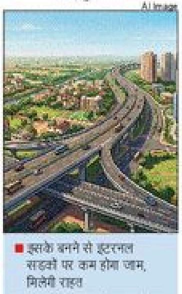

- इसके बनने से इंटरनल सड़कों पर कम होगा जाम, मिलेगी राहत
- एमसीडी स्कूल के पास से गुप्ता कॉलोनी तक बनाई जाएगी रोड

यहां बनाई जाएगी 900 मीटर लंबी रोड

संगम विहार के अलावा मां आनंदमयी रोड से हरकेश नगर मेट्रो स्टेशन तक कनेक्टिविटी डिवेलप करने के लिए 900 मीटर लंबी रोड निर्माण का भी प्लान है। फिलहाल जिन्हें मां आनंदमयी मार्ग आना होता है या यहां से हरकेश नगर मेट्रो स्टेशन जाना होता है, वह राम दुलारी मार्ग होते हुए महाराजा अग्रसेन मार्ग से करीब 2 किमी लंबा घूम कर जाना-आना पड़ता है। लेकिन, इस रोड के बनने से लोग पैदल भी हरकेश नगर मेट्रो स्टेशन तक पहुंच सकते हैं।

विडियो बनाने पर जानलेवा हमला

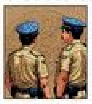

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: करावल नगर में दो पक्षों के बीच हो रहे झगड़े में बीच-बचाव करना और विडियो बनाना एक महिला को भारी पड़ा। आरोपियों ने महिला पर नुकीली चीज से जानलेवा हमला कर दिया और फरार हो गए। घायल महिला (गीता) को इलाज के लिए जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना वेस्ट करावल नगर गली नंबर 14 की है।

पुलिस ने पकड़ा ऑटो लिफ्टर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सीसीटीवी फुटेज की मदद से एक ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया गया है। ईस्ट जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (AATS) की टीम ने उसके पास से चोरी की एक स्कूटी और एक बाइक बरामद की है। गिरफ्तार ऑटो लिफ्टर की पहचान खिचड़ीपुर निवासी 28 वर्षीय मन्नी दास के तौर पर हुई है। उससे पूछताछ जारी है।

आरोपी से चोरी की एक स्कूटी और एक बाइक भी बरामद

लूट-स्नैचिंग में बदमाश गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: लूटपाट, स्नैचिंग और गाड़ी चोरी की पांच वारदात में शामिल एक शातिर बदमाश को साउथ डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अक्षत माहेश्वरी (25) के रूप में हुई है। आरोपी लगभग डेढ़ साल से गिरफ्तारी से बचता आ रहा था। कोर्ट ने उसे भगोड़ा भी घोषित कर रखा था। डीसीपी अनंत मित्तल ने बताया कि स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर अनुज कुमार की टीम ने चार मार्च को गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी को पकड़ा।

नामी ब्रैंड्स के नाम पर बेच रहे थे नकली दवाएं, छह अरेस्ट, ₹2 करोड़ की दवा पकड़ी

क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने ₹50 करोड़ के फर्जी बिल का भी किया है खुलासा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने नकली जीवन रक्षक दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग, स्टोरेज और डिस्ट्रिब्यूशन में शामिल एक बहुत ही ऑर्गनाइज्ड इंटरस्टेट नेटवर्क को पकड़ा है। नकली इनवॉइस बनाने और गैर-कानूनी कारोबार को लॉन्ड्रिंग करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली फर्जी GST फर्मों के एक पैरलल रैकेट का भी पर्दाफाश किया है। इस ऑपरेशन में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 1.2 लाख से ज्यादा नकली टैबलेट/कैप्सूल जब्त किए हैं। एक गैर-कानूनी दवा बनाने वाली यूनिट का भंडाफोड़ हुआ है। 50 करोड़ के नकली GST बिलिंग नेटवर्क का भी पता चला है।

आरोपियों की पहचान शाहदरा के बिहारी कॉलोनी निवासी निखिल अरोड़ा (होलसेलर), गाजियाबाद शिवम त्यागी (सप्लायर), मोदी नगर के मयंक अग्रवाल (सप्लायर), हरिद्वार रुड़की के मोहित कुमार शर्मा (उत्तराखंड से मुख्य सप्लायर), मुजफ्फरनगर के शाहरुख (फर्जी GST फर्मों के प्रोवाइडर) और दिल्ली के स्वरूप नगर निवासी राहुल (फर्जी GST फर्मों के प्रोवाइडर) के तौर पर हुई है। बरामद दवाओं की कीमत करीब 2 करोड़ रुपये है। जिन दवाओं के नाम पर ये नकली दवाइयां बनाई जा रही थीं, वे आमतौर पर डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, संक्रमण और अन्य गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होती हैं।

डीसीपी आदित्य गौतम के मुताबिक 11 मार्च को मिली सूचना के आधार पर भागीरथी पैलेस स्थित बाबा श्याम मेडिकोज पर छापा मारा गया। वहां से निखिल अरोड़ा उर्फ सनी को गिरफ्तार किया, जो नकली दवाओं का थोक कारोबार चला रहा था। बरामद दवाओं में कई नामी ब्रैंड के नाम पर नकली दवाई की पैकिंग मिली। जांच में सामने आया कि इस पूरे नेटवर्क को ऑपरेट करने के लिए नकली जीएसटी फर्मों का सहारा लिया जा रहा था। इन फर्जी कंपनियों के जरिए नकली बिल बनाए जाते थे, जिससे गैर-कानूनी सप्लाई को वैध दिखाया जा सके। पुलिस के मुताबिक, शाहरुख और राहुल नाम के आरोपी टेलीग्राम और व्हाट्सऐप के माध्यम से इस नेटवर्क को चला रहे थे। उनके मोबाइल फोन की जांच में लगभग 50 करोड़ रुपये के फर्जी इनवॉइस और कई शेल कंपनियों का खुलासा हुआ है।

ड्रग कंट्रोल विभाग और फार्मास्यूटिकल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने पुष्टि की है कि जब्त की गई सभी दवाएं पूरी तरह नकली हैं और इन्हें किसी अधिकृत कंपनी द्वारा न तो बनाया गया है और न ही सप्लाई किया गया है। इसके अलावा संबंधित स्थान पर दवाओं के स्टॉक या बिक्री का कोई वैध लाइसेंस भी नहीं मिला। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश में एक अवैध दवा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का भी भंडाफोड़ किया। यह यूनिट करीब 1000 वर्ग गज में फैली थी और बड़े पैमाने पर नकली दवाओं का उत्पादन कर रही थी। वहां से भारी मात्रा में कच्चा माल, आधुनिक मशीनरी और नकली पैकेजिंग सामग्री बरामद की गई। इस मामले में दिल्ली, गाजियाबाद, मोदीनगर और उत्तराखंड से जुड़े कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक मुख्य आरोपी फरार है। जांच जारी है, ताकि इस पूरे नेटवर्क के अन्य लिंक को भी उजागर किया जा सके।

AI Image

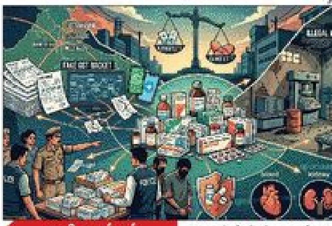

बड़ी कार्रवाई

- उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में गिरोह चला रहा था अवैध दवा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट
- यह यूनिट करीब 1000 वर्ग गज में फैली थी। यहीं बड़े पैमाने पर नकली दवा बना रहे थे आरोपी

शकूरपुर इलाके में हुई चाकूबाजी, एक की गई जान

■ NBT रिपोर्ट, नेताजी सुभाष प्लेस: शकूरपुर इलाके में पड़ोसियों के बीच हुआ मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। जिसमें एक युवक की हत्या कर दी गई। जबकि दो अन्य घायल हो गए। यह घटना 4 अप्रैल की रात करीब 9:10 बजे संजय पार्क, के-ब्लॉक में हुई।

डीसीपी आकांक्षा यादव के मुताबिक, पीसीआर कॉल पर पड़ोसियों के बीच झगड़े की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पाया कि झगड़े में आरोपियों ने लाठी, लोहे की रॉड और चाकू जैसे हथियारों से हमला कर दिया था। इस हमले में 50 वर्षीय राजकुमार की हत्या की गई, जो इलाके में किराना दुकान चलाते थे। मेडिकल जांच में उनके शरीर पर चाकू के कई निशान थे। इसके अलावा इस घटना में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया है।

आजादपुर एरिया में शनिवार रात हुआ हादसा

रोड क्रॉस कर रहे लड़के को DTC बस ने रौंदा

■ NBT रिपोर्ट, आदर्श नगर

आजादपुर इलाके में शनिवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब एक डीटीसी बस ने युवक को टक्कर मार दी। आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान 19 वर्षीय आकाश के रूप में हुई है, जो शालीमार बाग के शहीपुर गांव के रहने वाले थे। जांच में सामने आया है कि आकाश सड़क पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार डीटीसी बस ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

पुलिस के मुताबिक शाम करीब 5:30 बजे पीसीआर कॉल के माध्यम से थाना आदर्श नगर को सड़क हादसे के बारे में जानकारी मिली थी। पहले यह कॉल थाना मॉडल टाउन में दर्ज हुई थी, जिसे बाद में आदर्श नगर थाने को ट्रांसफर कर दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि फरार बस और उसके चालक की पहचान की जा सके। हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल आकाश को तुरंत अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि इस संबंध में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी बस चालक की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार आरोपी की तलाश जारी है।

AI Image

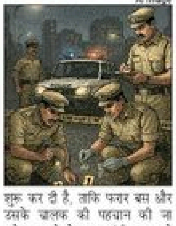

हादसे में जान गंवाने वाले लड़के की उम्र 19 साल थी

वसंत कुंज इलाके में हुई वारदात, CCTV में कैद हुई घटना

किराना आउटलेट में घुसकर किया हमला, तोड़फोड़ और लूटपाट भी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के वसंत कुंज साउथ इलाके में एक किराना आउटलेट में देर रात ऑडिट कर रहे लोगों पर हमला कर दिया गया और लूटपाट भी की। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित का आरोप है कि घटना सूचना मौके पर पहुंची पीसीआर ने संबंधित थाना पुलिस के आने की बात कही, लेकिन कोई पुलिसकर्मी नहीं आया। पीड़ित की शिकायत पर तीन अप्रैल को पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

घटना एवरफ्रेश रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के मसूदपुर में कावेरी अपार्टमेंट स्थित किराना आउटलेट पर हुई। कंपनी के आईटी मैनेजर नवीन ने शिकायत में पुलिस को बताया कि वित्तीय वर्ष का अंतिम दिन होने के कारण 30 और 31 मार्च रात 1 बजे वह सहयोगियों के साथ स्टोर बंद होने के बाद ऑडिट कर रहे थे। इस बीच एक व्यक्ति किराना आउटलेट पर आया। उन्होंने उसे समझाया कि स्टोर बंद हो गया है। यह सुनकर वह व्यक्ति खफा हो गया और जबरन अंदर घुसकर उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। नवीन व उनके साथियों ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने फोन कर बाहर खड़े अपने साथी को भी बुला लिया। आरोप है कि दोनों ने पीड़ित को पीटा और गले से सोने की चेन लूट ली। साथ ही 4 लैपटॉप, 1 फोन के अलावा स्टोर के कीमती सामान को भी नुकसान पहुंचाया। दोनों हमलावरों ने स्टोर को आग लगाने और गोली मारने की धमकी दी।

रंजिश में युवक पर चाकू से हमला, गंभीर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सोनिया विहार इलाके में पुरानी रंजिश के चलते 19 साल के युवक पर चाकू से जानलेवा हमला किया गया। युवक की पहचान निखिल के रूप में हुई है, जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए।

पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है

पुलिस के अनुसार निखिल अपने परिवार के साथ दूसरे पुश्ता, सोनिया विहार में रहता है। 29 मार्च की शाम करीब 5 बजे वह दूसरे पुश्ता स्थित अंशु पनवाड़ी की दुकान पर बैठे थे। तभी कुछ लड़के आए और हमला कर दिया।

300 करोड़ से ज्यादा की ठगी का खुलासा, मास्टरमाइंड गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने बड़े इन्वेस्टमेंट स्कैम के मास्टरमाइंड करण कालरिया को गिरफ्तार किया है। वह पूरे नेटवर्क को ऑपरेट कर रहा था। जांच में सामने आया है कि इस गिरोह से जुड़े बैंक खातों के खिलाफ देशभर में 2,500 से ज्यादा शिकायतें दर्ज हैं और कुल ठगी की रकम 300 करोड़ रुपये से अधिक है। इस मामले में अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने 48 मोबाइल फोन, 258 सिम कार्ड, कई एटीएम कार्ड, लैपटॉप, बैंकिंग दस्तावेज और 19 लाख रुपये भी जब्त किए हैं।

बनाया नकली ट्रेडिंग ऐप: डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार इस मामले की शुरुआत एक पीड़ित की शिकायत से हुई, जिसे फर्जी निवेश स्कीम के जरिए 31.45 लाख रुपये का चूना लगाया गया। आरोपी उसे व्हाट्सऐप ग्रुप के जरिए जोड़ते थे और नकली ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड कराते थे। इसमें भारी मुनाफे का लालच दिया जाता था। जब पीड़ित ने पैसे निकालने की कोशिश की तो ऐप बंद हो गया और पूरा ग्रुप गायब हो गया। इसके बाद एफआईआर दर्ज की गई।

मिलकर काम करता था गिरोह: जांच में सामने आया कि यह गिरोह बेहद संगठित तरीके से काम कर रहा था। आरोपी फर्जी इन्वेस्टमेंट प्लैटफॉर्म बनाकर लोगों को फंसाते थे और म्यूल बैंक खातों के जरिए रकम को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर देते थे। पुलिस के अनुसार गिरोह OTP हासिल करने और अवैध ट्रांजैक्शन के लिए फर्जी ऐप और APK फाइल्स का इस्तेमाल करता था।

जांच के दौरान कोलकाता में फैले बैंक खातों और शेल कंपनियों का बड़ा नेटवर्क सामने आया।

AI Image

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 06-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH04 User: cci Time: 04-05-2026 23:46 Color:

ग्रीन बजट से बदलेंगे शहर की तस्वीर, 17 विभागों को मिली बड़ी जिम्मेदारी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

22,236 करोड़ के बजट में यमुना सफाई से ई-बसों तक बड़ा रोडमैप | **6,485** करोड़ रुपये जल बोर्ड को ग्रीन बजट का सबसे बड़ा हिस्सा

दिल्ली को प्रदूषण मुक्त और हरित बनाने के लक्ष्य के साथ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सरकार ने 2026-27 के लिए 22,236 करोड़ रुपये के जरिए ग्रीन दिल्ली का खाका तैयार किया है, जो कुल बजट का 21.44% है। यह बजट विशेष रूप से ग्रीन योजनाओं के लिए तैयार किया गया है। इस योजना के तहत 17 विभागों की खास जिम्मेदारी तय की गई है। यमुना की सफाई, ई-बसों के विस्तार और हरित बुनियादी ढांचे पर खास जोर की कवायद की गई है, ताकि 'क्लीन दिल्ली, ग्रीन दिल्ली' का सपना नीति से जमीन पर उतारा जा सके।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया कि 'क्लीन दिल्ली, ग्रीन दिल्ली' अब महज एक चुनावी नारा नहीं, बल्कि जहरीली हवा और बढ़ते तापमान के खिलाफ सरकार का एक ठोस व निर्णायक प्रहार है। मुख्यमंत्री के अनुसार ग्रीन बजट का सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 6,485 करोड़ रुपये दिल्ली जल बोर्ड को दिया गया है, जिसका इस्तेमाल यमुना की सफाई और वाटर ट्रीटमेंट परियोजनाओं में किया जाएगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को 'सक्षम यात्रा' 2026 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

परिवहन विभाग को 4,758 करोड़ दिए गए हैं, जिसका लक्ष्य-बसों को बढ़ावा और स्वच्छ परिवहन प्रणाली को मजबूत करना है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को 3,350 करोड़ रुपये दिए गए हैं, धूल नियंत्रण और बेसिक ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर पर का विकास किया जाएगा। ग्रीन परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्लानिंग डिपार्टमेंट को 2,350 करोड़ रुपये दिए गए हैं। शहरी विकास विभाग और पुलिस को मिलाकर 2,273 करोड़ रुपये दिए गए हैं। बिजली विभाग को 1,410 करोड़ रुपये सौर और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने के लिए आवंटित किए गए हैं।

पर्यावरण विभाग को प्रदूषण नियंत्रण की प्रमुख योजनाओं के लिए 558 करोड़ रुपये, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को जल संरक्षण कामों के लिए 305 करोड़ रुपये और डेवलपमेंट डिपार्टमेंट को ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीन डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए 258 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

वन विभाग को वृक्षारोपण और वन्यजीव संरक्षण के लिए 181 करोड़, पर्यटन विभाग को पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 102 करोड़ और शिक्षा विभाग को स्कूलों में ग्रीन पहल के लिए 100 करोड़ आवंटित किए गए हैं। उद्योग विभाग को औद्योगिक प्रदूषण कम करने के लिए 42 करोड़, स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में पर्यावरणीय सुधार के लिए 31 करोड़ और राजस्व विभाग को आपदा प्रबंधन एवं हरित सर्वेक्षण के लिए 23 करोड़ दिए गए हैं।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को हरित कौशल विकास के लिए 7 करोड़ और उच्च शिक्षा विभाग को रिसर्च और पर्यावरण अध्ययन के लिए 2 करोड़ आवंटित किए गए हैं।

आस्था की रोशनी से जगमगाया चर्च

नई दिल्ली के सैक्रेड हार्ट कैथेड्रल में ईस्टर के अवसर पर लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर प्रभु यीशु के सामने प्रेयर की।

बवाना में सुविधाएं होंगी मजबूत: मंत्री

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने बवाना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रोहिणी सेक्टर-24 के पॉकेट 06, 08, 09, 17, 18, 20 और 22 में मुख्यमंत्री विकास फंड (सीएमडीएफ) के तहत नाली व सड़क निर्माण के कामों का उद्घाटन किया।

एक साथ 7 विकास के कार्यों का हुआ शुभारंभ

एक साथ सात विकास के कामों का शुभारंभ करते हुए उन्होंने इसे क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। ये सभी काम दिल्ली नगर निगम द्वारा कराए जा रहे हैं, जिनका मकसद क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करना है। सिंह ने कहा कि इससे सड़कों, नालियों, जल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट, पार्कों के विकास सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं को मजबूती मिल रही है।

संगठन की मजबूती पर कांग्रेस का जोर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: प्रदेश कांग्रेस दिल्ली में अपनी खोई जमीन को मजबूत करने के मकसद से संगठन सृजन अभियान को आगे बढ़ाने में जुटी हुई है। रविवार को एक और बैठक की गई, जिसे संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा कि खुलकर अपनी बात रखें, तभी संगठन सृजन का मकसद पूरा होगा और पार्टी मजबूत होगी।

यादव ने कार्यकर्ताओं से खुलकर बात रखने को कहा

रोहिणी जिला की बैठक का आयोजन जिला अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह और बाबर पुर जिला कांग्रेस की बैठक का आयोजन राजकुमार जैन ने किया। एआईसीसी के आब्जर्वर लालजी देसाई, कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन अनिल भारद्वाज, पूर्व मेयर फरहाद सूरी, पूर्व मंत्री मंगतराम, भीष्म शर्मा, विपिन शर्मा मौजूद थे।

केजरीवाल खुद रख सकते है अपना पक्ष, 6 को पेशी संभव

दिल्ली एक्साइज मामला: HC में सुनवाई से पहले रिक्यूजल अर्ज़ी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली आबकारी नीति मामले में सुनवाई से ठीक पहले एक महत्वपूर्ण मोड़ आया है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य आरोपियों ने दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष एक रिक्यूजल अर्जी दाखिल कर उनसे इस मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने की मांग की गई है। वहीं AAP की लीगल टीम के अनुसार, केजरीवाल 6 अप्रैल को कोर्ट में पेश हो सकते हैं और इस मामले में खुद अपनी दलीलें रख सकते हैं।

हाई कोर्ट CBI की उस याचिका पर होनी है, जिसमें ट्रायल कोर्ट द्वारा एक्साइज पॉलिसी मामले में केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को आरोपों से मुक्त (डिस्चार्ज) करने के आदेश को चुनौती दी गई है। इस मामले की सुनवाई जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा कर रही थीं, जिन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस मामले से जुड़ी विशेष अनुमति याचिका और रिट पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं।

मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने की मांग

सीबीआई की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि सभी पक्षकारों को नोटिस दिया जा चुका है और इस मामले में विस्तृत जवाब की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट को केवल ट्रायल कोर्ट के रेकॉर्ड और डिस्चार्ज आदेश की जांच करनी है। वहीं, केजरीवाल के वकील एन. हरिहरन ने 500 पन्नों के आदेश का जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय की मांग की थी।

'रिक्यूजल' का अर्थ किसी जज द्वारा हितों के टकराव या निष्पक्षता पर सवाल उठने के कारण खुद को केस से अलग करना है। आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 32 के तहत याचिकाएं दायर कर केस को किसी अन्य बेंच में ट्रांसफर करने की भी मांग की है। उनके प्रमुख तर्क हैं कि पिछली सुनवाइयों के दौरान जज की टिप्पणियों से निष्पक्षता पर आशंका और ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर हाई कोर्ट द्वारा लगाई गई अंतरिम रोक।

इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने केस ट्रांसफर की केजरीवाल की उस प्रशासनिक मांग को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि मामला रोस्टर के अनुसार आवंटित है और रिक्यूजल का निर्णय संबंधित जज को ही लेना होता है।

दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामला 2021-22 की उस नीति से जुड़ा है, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया था। इस नीति के निर्माण और लागू करने में कथित अनियमितताओं की जांच CBI और अन्य एजेंसियां कर रही हैं। इस मामले में केजरीवाल और सिसोदिया समेत कई AAP नेताओं को आरोपी बनाया गया है।

सेक्सुअल असॉल्ट में आरोपी प्रिंसिपल किया गिरफ्तार

■ NBT न्यूज, हापुड़: थाना हाफिजपुर क्षेत्र के एक गांव स्थित स्कूल में सातवीं की छात्रा को रिजल्ट देने के बहाने ऑफिस में बुलाकर सेक्सुअल असॉल्ट के आरोपी प्रिंसिपल को पुलिस ने गिरफ्तार किया। हाफिजपुर क्षेत्र स्थित एक प्राइवेट स्कूल में गांव की 13 वर्षीय किशोरी सातवीं कक्षा की छात्रा है।

शनिवार को वह अपना रिजल्ट लेने स्कूल गई थी, तभी प्रिंसिपल ने उसे अपने ऑफिस में रिजल्ट कार्ड देने के बहाने बुलाया। अकेले का फायदा उठाकर उसके साथ सेक्सुअल असॉल्ट का प्रयास किया गया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि आरोपी प्रिंसिपल राजकुमार शर्मा को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

गुड़गांव: एक-दूसरे की गाड़ी में मारी टक्कर

बीच सड़क पर SUV सवारों ने दिखाई दबंगई

■ NBT रिपोर्ट, गुड़गांव

गुड़गांव में एसयूवी सवारों ने जमकर आतंक मचाया। मामला धनवापुर का है। यहां आपसी कहासुनी के बाद दो स्कॉर्पियो गाड़ियों के ड्राइवरों ने बीच सड़क पर उत्पात किया। दोनों एक-दूसरे की गाड़ियों को बार-बार टक्कर मारते रहे। इससे सड़क पर अफरातफरी मच गई। घटना का विडियो सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। **बताया जा रहा है कि** दोनों स्कॉर्पियो सवार युवक स्थानीय निवासी हैं।

किसी बात को लेकर शुरू हुई मामूली कहासुनी इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्ष सड़क पर लड़ने लगे। दोनों ने ट्रैफिक नियमों को पूरी तरह अनदेखी करते हुए अपनी-अपनी गाड़ियों को हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। दोनों गाड़ियां तेज रफ्तार में एक-दूसरे का पीछा करते हुए जोरदार टक्कर मारती नजर आईं। इस दौरान सड़क से गुजर रहे स्कूटी व बाइक सवार राहगीर उनकी चपेट में आने से बचे। मौके पर एक स्कूटी सवार दोनों गाड़ियों के बीच फंसते-फंसते बचा। घटना को देखकर कई राहगीरों ने अपनी गाड़ियां रोक लीं। घटना का एक विडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों स्कॉर्पियो सवार युवक खुलेआम सड़क पर खतरनाक तरीके से एक-दूसरे की गाड़ियों को टक्कर मारते दिखाई दे रहे हैं। इसी बीच मौके पर मौजूद लोग किसी तरह खुद को बचाते भी नजर आए हैं।

घटना का विडियो सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है

सूदखोरों ने बंधक बनाया, घंटों तक बेरहमी से पीटा

■ NBT रिपोर्ट, गुड़गांव : गुड़गांव में सूदखोरों का आतंक कम नहीं हो रहा है। इस बार साउथ सिटी-1 में लेन-देन को लेकर एक ऑटो चालक के साथ दरिंदगी की गई। तीन लोगों ने एक ऑटो चालक को हिसाब-किताब के बहाने बुलाकर ऑफिस में बंधक बना लिया और घंटों तक लात-घूंसों व डंडों से पीटा। लहूलुहान हालत में पीड़ित किसी तरह आरोपियों के चंगुल से भाग निकला। ऑटो चालक ने शिकायत सेक्टर-40 पुलिस को दी है।

भोंडसी के युवक को हिसाब करने के बहाने बुलाया

भोंडसी में रहने वाले ऑटो चालक संतोष ने पुलिस को बताया कि साउथ सिटी-1 में फाइनेंस का काम करने वाले युवकों के साथ पैसों का लेन-देन चल रहा है। संतोष वजीराबाद में अपने काम पर था, तभी तीनों आरोपी वहां पहुंचे। आरोप है कि हिसाब-किताब फाइनल करने की बात कही और संतोष को ऑटो सहित तीनों साउथ सिटी-1 स्थित अपने कार्यालय ले गए। आरोप है कि ऑफिस पहुंचते ही आरोपियों ने अंदर से दरवाजा बंद कर दिया और शराब पीकर उस पर टूट पड़े। आरोपी घंटों तक उसे बेरहमी से पीटते रहे।

पलायन को मजबूर कर रही है बीजेपी: AAP

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

एलपीजी संकट को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने बड़ा आरोप लगाया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता संजीव झा ने कहा है कि दिल्ली में जो कुछ हो रहा है, वो सिर्फ गैस की कमी नहीं, बल्कि बीजेपी सरकार एलपीजी संकट पैदा कर प्रवासी मजदूरों को अपने गृह राज्य जाने के लिए मजबूर कर रही है।

एलपीजी संकट को लेकर लगाए आरोप

जब यूपी-बिहार के लोग वापस चले जाएंगे तो बीजेपी एसआईआर में उनके वोट कटवा देगी। इसलिए गैस की कालाबाजारी को संरक्षण दिया जा रहा है। संजीव ने कहा कि आज बीजेपी की खराब नीतियों की वजह से पूरा देश गैस की त्रासदी झेल रहा है। लंबी लाइनें लगी हुई हैं और लोग परेशान हैं। दुख की बात यह है कि बीजेपी के नेता कह रहे हैं कि गैस की कोई कमी नहीं है। अगर गैस की कमी नहीं है तो फिर लोगों को गैस मिल क्यों नहीं रही है? बीच में कालाबाजारी हो रही है, जो बिना सरकारी संरक्षण के नहीं हो सकती।

दिल्ली में गैस की कोई किल्लत नहीं: BJP

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

गैस सिलिंडर किल्लत को लेकर आम आदमी पार्टी नेता संजीव झा के बयानों पर दिल्ली बीजेपी पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष संतोष ओझा और प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह ने भी पलटवार किया है। बीजेपी नेताओं ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने कोविड काल के दौरान प्रवासियों को उनके हाल पर छोड़ दिया था, लेकिन बीजेपी ऐसा नहीं करने वाली है। दिल्ली में गैस की किल्लत नहीं है। जिनके पास गैस के वैध कनेक्शन हैं, उन्हें तो कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन, जिनके पास वैध कनेक्शन नहीं है, उन्हें थोड़ी दिक्कत हो रही है। इसका भी समाधान किया जा रहा है। व्यवसायिक कनेक्शन वालों को भी 75% नियमित सप्लाई मिलने लगी है। सरकार ने कुछ समय के लिए कोयले पर खाना बनाने की छूट भी दे दी है।

AAP नेता संजीव झा के बयानों पर किया पलटवार

भगवान महावीर के जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

भारत मंडपम में गूंजी 'महावीर कथा'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य पर भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम 'मेरे महावीर 3.0' का आयोजन रविवार 5 अप्रैल की शाम 5 बजे भारत मंडपम में किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं भगवान महावीर देशना फाउंडेशन के निदेशक मनोज कुमार जैन ने बताया कि इस अवसर पर कथावाचक राजीव जैन (सीए) ने भगवान महावीर की जीवन गाथा प्रस्तुत की। इस दौरान आचार्य लोकेश मुनि जैन भी मौजूद रहे।

कथावाचक राजीव जैन ने भगवान महावीर की जीवन गाथा प्रस्तुत की

यह कार्यक्रम 'भगवान महावीर देशना फाउंडेशन' के सहयोग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की सफलता के लिए मुख्य कथा संयोजक बर्षु जैन के साथ बीना जैन सक्रिय रूप से मौजूद रहीं। कार्यक्रम में अभिषेक जैन ने सूत्रधार की भूमिका निभाई, जबकि प्रदीप जैन ने अपने गायन और संगीत से समां बांधा। समारोह की अध्यक्षता सुभाष ओसवाल जैन, सत्य भूषण जैन और अनिल कुमार जैन द्वारा की गई। यह आयोजन जैन समाज और आध्यात्मिक प्रेमियों के लिए भक्ति और ज्ञान का एक अनूठा संगम साबित हुआ।

हरिद्वार में हादसा

गंगा में डूबने से MNC अफसर, दोस्त की मौत

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद

हरिद्वार में रविवार सुबह भूपतवाला ठोकर नंबर-1 के कच्चे घाट पर स्नान करते समय डूबने से गाजियाबाद के दो दोस्तों की मौत हो गई। काफी मशक्कत के बाद दोनों शवों को पानी से बाहर लाया गया। इनमें से बृजेश कुमार त्रिपाठी गुड़गांव स्थित एक मल्टी नैशनल आईटी कंपनी में सीनियर पद पर कार्यरत थे। वहीं, उनके दोस्त सचिन त्यागी प्रॉपर्टी का काम करते थे। दोनों राजनगर स्थित क्वॉन्टम सोसायटी में रहते थे। दोनों के निधन से सोसायटी का माहौल काफी गमगीन दिखा।

दोनों लोग पत्नी और बच्चों के साथ गए थे वहां

सचिन व बृजेश (दाएं) के फाइल फोटो

बृजेश कुमार त्रिपाठी राजनगर एक्सटेंशन की क्वॉन्टम होम्स सोसायटी में जी-503 में पत्नी दिव्या त्रिपाठी और 13 वर्षीय एक बेटे और सात वर्षीय एक बेटी के साथ रहते थे। रिश्तेदार अंकेश मिश्रा ने बताया कि बृजेश गुड़गांव स्थित एक मल्टी नैशनल आईटी कंपनी में एचआर में सीनियर पद पर तैनात थे। शुक्रवार को वह वीकेंड पर पत्नी व बच्चों को लेकर सोसायटी के ही रहने वाले सचिन त्यागी और उनके परिवार के साथ घूमने के लिए निकले थे। रविवार को हरिद्वार में स्नान के दौरान यह हादसा हुआ।

बृजेश मूलरूप से बिहार के गोपालगंज के रहने वाले थे। उनके बड़े भाई बिजेंद्र कुमार त्रिपाठी अपने परिवार के साथ ग्रेटर नोएडा में रहते हैं। सूचना मिलते ही सभी हरिद्वार पहुंचे। बृजेश के रिश्तेदार अंकेश मिश्रा ने बताया कि बृजेश का अंतिम संस्कार हरिद्वार में ही सोमवार सुबह करेंगे। सचिन त्यागी अपने अपनी पत्नी आस्था त्यागी और दो बेटियों के साथ क्वॉन्टम होम्स सोसायटी में ही जी-801 में रहते थे।

महानगर खेल

आप भी हमें अपनी खेल खबर और फोटो भेजिए nbtreader@timesofindia.gcom पर। सब्जेक्ट में लिखें Khel

बाबा हरिदास फाइनल में

सचिन सोलंकी (3/43), सम्भव जैन (2/38), अमन कुमार (48) और अनुज सैनी (35) की बदौलत बाबा हरिदास क्रिकेट अकैडमी (230) ने राधिका कप अंडर-17 सेमीफाइनल में बाल भवन क्रिकेट अकैडमी (150/10) को 80 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

वंश का दोहरा शतक

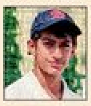

वंश (212), गौरांग (84), हार्दिक (42) और अर्जुन (3 विकेट) के दम पर मद्रास क्रिकेट क्लब (441/5) ने बी.आर. शर्मा अंडर-12 टूर्नामेंट में मौलाना आजाद क्लब (115) को 326 रन से हराया। पराजित टीम से युवराज (43) ने सर्वाधिक रन बनाए।

यश का जलवा

यश हुल (114), केशव डबास (56, 2 विकेट), रोहन राणा (62) और अक्षय सैनी (58) के शानदार खेल से रवींद्र ट्रॉक अकैडमी (218/6) ने आरपीएस टी20 टूर्नामेंट में सेंट्रल दिल्ली किंग्स (215/9) को 4 विकेट से हराया।

रियांश का पंजा

रियांश शर्मा (5/26), सुजल भाटू (69 रन), वंश अरोड़ा (21 रन) और अर्णव गंभीर (2/25) की बदौलत क्रांति स्टार सीसी (135/10) ने डीडीसीए टी29 लीग 2025-26 के एक मैच में डीटीसी (118/9) को 17 रन से मात दी। पराजित टीम से हेमंत कुमार (3/30) और अमित डागर (29) ने दमदार प्रदर्शन किया।

अनी का शतक

अनी (101 रन, 1/15), सुजल सिंह (94 रन, 1/8), शौर्य सरन (63 रन), राहुल चौधरी (3/57) और शुभम दुबे (2/9) की बदौलत दूसरे राधे श्याम शर्मा इनविटेशनल ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट में मद्रास क्रिकेट क्लब (340/9) ने हमस्टर सीसी (147/10) को 193 रनों से मात दी। पराजित टीम से शिवम बुशिद (4/59) और हार्दिक (3/55) ने अच्छी बॉलिंग की।

लक्ष्या की सेंचुरी

लक्ष्या भारद्वाज (108 रन), शुभम (43 रन), विश्वासु शर्मा (42 रन), तेजेंद्र (3/17), राहुल भारद्वाज (2/09) और तरुण कुमार (2/33) की मदद से अजमल खान क्लब (303/9) ने दूसरे राधे श्याम शर्मा इनविटेशनल ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट में एमएस स्पोर्ट्स (130/10) को 173 रनों से हराया।

अरविंद का ऑलराउंडर शो

अरविंद वर्मा (4/04, 24 रन), ऋषभ शर्मा (2/15) और गौरव गौर (44) के शानदार प्रदर्शन से मोहन मीकिन क्लब (141) ने डीडीसीए लीग में क्रांति स्टार क्लब (63) को 78 रन से हराया। पराजित टीम से अर्णव गंभीर (5/21) ने बेहतरीन गेंदबाजी की।

निखिल, माहिर चमके

निखिल नैथानी (42), माहिर सिंह (2/13) और वीरवर्धन (18) के दम पर रूप नगर सीसी (132/8) ने डीडीसीए टी20 लीग में यूनिवर्सल सीसी (131/5) को 1 रन से हराया।

नैतिक संस्कारों के लिए शुरू की गई पाठशाला

■ रमेश जैन, नई दिल्ली

श्री दिगंबर जैन मंदिर निर्माण विहार में रविवार को दिगंबर जैन नैतिक शिक्षा समिति के अंतर्गत बच्चों में धार्मिक और नैतिक संस्कारों के बीजारोपण एवं परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति नैतिक कर्तव्यों के जागरण हेतु नैतिक पाठशाला का शुभारंभ किया गया। ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन व भगवान महावीर के चित्र अनावरण व पूजन किया। समिति के पदाधिकारियों धनपाल सिंह जैन, प्रवीन जैन, मनोज जैन और समाज के संरक्षक कुलदीप जैन, अनंतवीर जैन, अमर जैन आदि ने पाठशाला का शुभारंभ किया। इस मौके पर संयोजक सत्येंद्र जैन, निरीक्षक संदीप जैन, रमेश जैन, तरुण जैन, प्राची जैन के अलावा महिला समाज की अनिता जैन, निशा जैन, नीलम जैन और अरुण जैन, सुनील जैन, धनेंद्र जैन, राकेश जैन पाटनी आदि मौजूद रहे। पहले दिन ही 50 से अधिक बच्चों ने भाग लिया, सभी बच्चों को गिफ्ट भी दिए गए।

धर्म कर्म

भगवान महावीर विधान: श्री दिगंबर जैन मेरु मंदिर, मस्जिद खजूर धर्मपुरा में तीर्थंकर जन्मकल्याणक समारोह समिति द्वारा रविवार को सामूहिक अभिषेक, शांतिधारा के बाद भगवान महावीर विधान आयोजित किया गया। मैनेजर कुलदीप जैन के अनुसार पालना भी झुलाया गया। संयोजन जैन वीर सभा कृपा सेठ ने किया। वहीं श्री दिगंबर जैन मंदिर भोलानाथ नगर की वार्षिक रथयात्रा रविवार को धूमधाम से निकाली गई।

सत्संग: बटुक भैरव शक्तिपीठ मंदिर नेहरू पार्क, चाणक्यपुरी सत्संग में पं. राजेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि सत्संग में बड़ी शक्ति होती है, यह तो अनन्त जन्मों के पापों को नष्ट कर देता है।

कार्रवाई ना करने पर SHO सस्पेंड

■ NBT न्यूज, मोदीनगर : महिला संबंधी अपराध को लेकर कार्रवाई न करने और लापरवाही बरतने के आरोप में भोजपुर थाने के एसएचओ सुरेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया गया। बताया जाता है कि पीड़िता की शिकायत करने के बाद भी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद मामला पुलिस आयुक्त के पास पहुंचा।

महिला के परिवार में जमीन को लेकर चल रहा विवाद

थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला का अपने जेठ से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। तीन दिन पहले वह अपने बेटे के साथ खेत में काम करने के लिए गई थी। जेठ अपने बेटे व दोस्त के साथ आ गया और मां-बेटे के साथ मारपीट की। महिला के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास भी किया गया। किसी तरह महिला व उसका बेटा अपनी जान बचाकर भोजपुर थाने पहुंचे और तहरीर दी।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 06-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH05 User: cci Time: 04-06-2026 00:00 Color:

हवाओं से रही ठंडक, कल फिर बारिश की उम्मीद, 10 के बाद बढ़ेगी गर्मी

7-8 अप्रैल को बारिश और तेज हवाएं, तापमान में होगी गिरावट

10 अप्रैल से गर्मी तेज, तापमान 36 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान

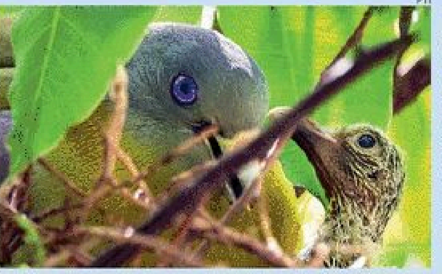
PTI

रविवार को धूप के बावजूद अधिकतम तापमान सामान्य से कम बना रहा।

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

बीते दो दिनों से बारिश रुकी हुई है लेकिन ठंडी हवाओं की वजह से तापमान तेजी से नहीं बढ़ा है। रविवार को धूप निकलने के बावजूद अधिकतम तापमान सामान्य से कम बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार से एक बार फिर बारिश लौटेगी और यह दौर करीब दो दिन तक चलेगा। इसके बाद 10 अप्रैल से गर्मी बढ़ने लगेगी और तापमान 36 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है।

अप्रैल के पहले 5 दिनों में मौसम आरामदायक बना हुआ है

अप्रैल के पहले 5 दिनों में मौसम आरामदायक बना हुआ है। बीच-बीच में हो रही बारिश और चल रही हवाओं की वजह से तापमान में बढ़ोतरी नहीं हो रही है। यह स्थिति 9 अप्रैल तक बनी रहने की संभावना है। रविवार को अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 20.1 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.3 डिग्री अधिक है। हवा में नमी का स्तर 30 से 80 फीसदी के बीच रहा।

अलग-अलग इलाकों में तापमान की बात करें तो पालम में अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री, लोदी रोड में 32.4 डिग्री, रिज में 33.5 डिग्री और आया नगर में 32.4 डिग्री दर्ज किया गया। पालम में न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री, लोदी रोड में 19 डिग्री, रिज में 18.2 डिग्री और आया नगर में 18.4 डिग्री रहा।

अनुमान के अनुसार सोमवार को शाम के समय हल्के बादल छा सकते हैं। अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री रहने का अनुमान है। 7 अप्रैल को दिन में बादल छाए रहेंगे और दोपहर के समय एक-दो बार हल्की बारिश और आंधी आ सकती है। 8 अप्रैल को बारिश हल्की हो जाएगी। 9 अप्रैल को मौसम साफ हो जाएगा और धूप निकलने लगेगी।

ओजोन बनी पल्यूशन की वजह

दिल्ली का AQI 134 रहा, सामान्य लेवल पर पल्यूशन

राजधानी में रविवार को पल्यूशन का लेवल सामान्य रहा। हालांकि धूप निकलते ही ओजोन गैस के पल्यूशन में बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह एक बार फिर मुख्य प्रदूषक बनकर सामने आई। अनुमान के अनुसार अगले 10 दिन तक पल्यूशन का लेवल सामान्य रहने की संभावना है। केंद्रीय पल्यूशन नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक दिल्ली का AQI 134 दर्ज किया गया। वहीं एनसीआर के शहरों- फरीदाबाद का AQI 173, गाजियाबाद का 160, ग्रेटर नोएडा का 201, गुरुग्राम का 154 और नोएडा का 146 दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार 6 से 8 अप्रैल तक पल्यूशन का लेवल सामान्य बना रहेगा। अगले 6 दिन सामान्य लेवल पर रहने की संभावना है।

नए रूप में नेक्स्ट जेनरेशन के अमृत भारत कोच तैयार

रेल मंत्री ने नई दिल्ली स्टेशन पर लिया इनका जायजा

क्या है खास कोच के इंटीरियर को शानदार बनाने पर ध्यान दिया है, जिसमें नए तरह के पर्दे, खिड़की और फ्लोरिंग की गई है। सभी में एक जैसे रंग

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में लगाए जाने वाले कोचों को और अधिक आधुनिक और सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। इसी तरह के नेक्स्ट जनरेशन अमृत भारत स्लीपर कोच का निरीक्षण शनिवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया, जिन्हें नए रंग-रूप और सुविधाओं के साथ तैयार किया गया है।

रेल मंत्रालय ने बताया कि इन कोचों को यात्रियों की यात्रा को और आरामदायक बनाने के लिए तैयार किया है। इसमें इंटीरियर को शानदार बनाने पर ध्यान दिया है। जिसमें नए तरह के पर्दे, खिड़की और फ्लोरिंग है। सभी में एक ही रंग का इस्तेमाल किया है। यानी कोच का निर्माण कलर थीम पर किया गया है। इसमें पीवीसी फर्श, सीट और बर्थ रेक्सिन, टेबल, पर्दे और टायलेट समेत सभी में एक जैसे रंगों का इस्तेमाल किया गया है। इसमें ऊपर वाली बर्थ पर चढ़ने के लिए और अधिक पैसेंजर फ्रेंडली सीढ़ियां बनाई गई हैं।

इन में उपयोग किया गया सभी तरह का मैटेरियल HL3 अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुरूप है। जिनमें आग लगने की आशंका बेहद कम होती है। सीटों पर नए कवर, टच लाइट, दिव्यांग यात्रियों को ध्यान में रखते हुए टायलेट बनाए गए हैं। इनमें पर्दे भी ऐसे हैं कि बीच गैलरी में चलने वाले लोग अंदर ताकाझांक ना कर सकें। कोच के अंदर टेबल और डस्टबिन भी रखे गए हैं। रेलवे का कहना है कि भविष्य में अमृत भारत ट्रेनों के लिए इसी तरह के कोच तैयार किए जाएंगे।

3 मिनट में पढ़ें

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल पूरा

Abhishek.Gautam1
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** आने वाला साल रेल से सफर करने वाले यात्रियों और रेलवे के लिए बड़ी सौगात लेकर आ सकता है। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन की शुरुआती तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। हाइड्रोजन ट्रेन के साथ इसका फ्यूल स्टेशन भी लगभग तैयार है और सेफ्टी को लेकर जांच-पड़ताल जारी है। इसी बीच रेलवे ने हाइड्रोजन ट्रेन का पहला ट्रायल भी पूरा कर लिया है। यह ट्रायल हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच किया गया, जहां ट्रेन ने 85 किमी प्रति घंटे की रफ्तार हासिल की। सूत्रों के अनुसार, इस ट्रायल के आधार पर तकनीकी खामियों का एनालिसिस किया जाएगा। इसके बाद कुछ और ट्रायल किए जाएंगे ताकि सभी जरूरी स्टैंडर्ड को पूरा करने के बाद ट्रेन को रोजाना चलाने की इजाजत मिल सके।

10 कोच से होगी शुरुआत: जानकारी के अनुसार रेलवे में अब हाइड्रोजन ट्रेन का दौर शुरू होने जा रहा है। चेन्नई में तैयार इस ट्रेन में कुल 10 कोच होंगे, जिनमें से 8 कोच लोगों के लिए होंगे। हर कोच में करीब 100 यात्री बैठ सकेंगे। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए भारत दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन शुरू करने जा रहा है। यह ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच चलेगी।

इसकी खासियत यह है कि यह बिना धुआं छोड़े चलेगी। इससे पहले जर्मनी में हाइड्रोजन ट्रेन केवल दो कोच के साथ शुरू हुई थी। रेलवे सूत्रों का कहना है कि यह ट्रेन अधिकतम 105 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकेगी और एक दिन में करीब 360 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

हाइड्रोजन ट्रेन की खासियतें

जींद में इसके लिए हाइड्रोजन प्लांट बनाया गया है, जहां इलेक्ट्रोलिसिस के जरिए ग्रीन हाइड्रोजन तैयार की जाएगी। यह ट्रेन पूरी तरह से [illegible] है। ब्रॉड गेज पर चलने वाली यह फिलहाल दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन होगी। इसमें 2,400 किलोवाट की क्षमता होगी और दो ड्राइविंग पावर कार लगाई गई हैं, जिनकी क्षमता 1,200-1,200 किलोवाट है। इस ट्रेन की सबसे खास बात यह है कि यह जीरो कार्बन इमिशन करती है।

मुंबई से गिरफ्तार संदिग्ध आतंकियों ने बताया....

यूपी के हैंडलर के निर्देश पर धमाके की कर रहे थे प्लानिंग

Manish.jha
@timesofindia.com

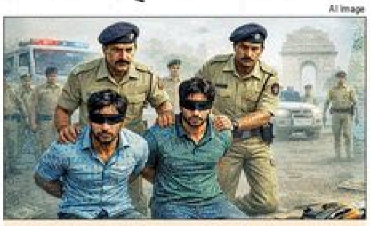
AI image

■ **मुंबई:** दिल्ली को दहलाने की एक बड़ी साजिश को महाराष्ट्र एटीएस और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मिलकर नाकाम कर दिया है। दोनों एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए मुंबई से दो संदिग्धों कामरान और बड़ा इमरान को पकड़ा है। दोनों आरोपी टॉय कार की मदद से दिल्ली में धमाका करने की साजिश रच रहे थे।

विडियो दिखाकर किया गया ब्रेनवॉश

सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में सामने आया है कि दोनों यूपी के एक कथित हैंडलर के निर्देश पर दिल्ली में धमाका करने की साजिश बना रहे थे। जांच एजेंसियों को शक है कि टेलीग्राम और सिग्नल ऐप के जरिए इनका संपर्क जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े पाकिस्तानी हैंडलर से था, जिसने विडियो कॉल के जरिए इनका ब्रेन वॉश किया। दोनों को जैश-ए-मोहम्मद की कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़े विडियो और भाषण सुनाए जाते थे।

दिल्ली-मुंबई के नक्शे, रूट मैप मिले

दोनों आरोपी टॉय कार की मदद से दिल्ली में धमाका करने की साजिश रच रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में संदिग्ध और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। इनके पास से दिल्ली और मुंबई के बड़े ठिकानों के नक्शे और रूट मैप मिले हैं। इसके अलावा मोबाइल, लैपटॉप सहित कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस भी जब्त किए गए हैं।

दिल्ली स्पेशल सेल करेगी आगे की जांच

इस पूरे मामले में टारगेट दिल्ली होने के कारण आगे की जांच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल करेगी। जॉइंट ऑपरेशन में स्पेशल सेल की भी अहम भूमिका रही है। पूछताछ के बाद मुंबई पुलिस भी आरोपियों की कस्टडी मांग सकती है। वहीं महाराष्ट्र एटीएस भी दोनों आरोपियों से अलग से गहन पूछताछ और जांच कर सकती है।

24 घंटे बाद भी पुलिस के लिए पहेली बने केस

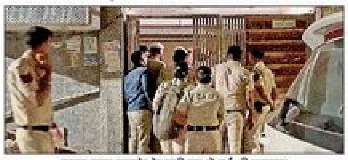
उत्तम नगर इलाके के इसी घर में हुई थी वारदात

■ नवीन निश्चल, नई दिल्ली

वेस्टर्न रेंज के द्वारका जिला और वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के दो थाना इलाकों में हुए अलग-अलग मामलों के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस को कोई खास सफलता नहीं मिली है। एक तरफ जहां मोती नगर थाना इलाके में शनिवार सुबह प्लास्टिक की बोरी के अंदर मिले शव की रविवार देर शाम तक पहचान नहीं हो पाई थी। वहीं, उत्तम नगर थाना एरिया में शनिवार देर शाम एक फ्लैट में दो सगे भाइयों के शव मिलने के मामले में भी खुलासा नहीं हो पाया है। रविवार को दोनों भाइयों की डेडबॉडी का पोस्टमॉर्टम तो करवा दिया गया, लेकिन पुलिस को रविवार देर शाम तक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार था। दोनों जिले की पुलिस अपने-अपने मामले का जल्द खुलासा करने का दावा कर रही है।

मोती नगर और उत्तम नगर के मामले अभी अनसुलझे

मोती नगर केस, शव की पहचान नहीं: गौरतलब है कि शनिवार सुबह 7:30 बजे के आसपास मोती नगर के रामा रोड इलाके में फैक्ट्री के बाहर प्लास्टिक की बोरी के अंदर एक शख्स का शव मिला था। जिसके शरीर पर बाहर से चोट का कोई निशान नहीं मिला, लेकिन जिस तरीके से शव को बोरी में बंद करके डाला गया, उससे पुलिस हत्या मानकर ही चल रही है। पहचान के लिए शव को अभी हरि नगर के दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल के पोस्टमॉर्टम हाउस में रखवाया गया है। इस मामले में पुलिस 1 अप्रैल से 5 अप्रैल के बीच गुम हुए 38 से ज्यादा लोगों की डिटेल निकाल चुकी है, लेकिन इससे पहचान नहीं हो सकी है। इस केस में डीसीपी वेस्ट शरद भास्कर द्वारा रविवार को आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई थी।

डीडीयू में दोनों भाइयों के शव का पोस्टमॉर्टम

वहीं, द्वारका जिले के उत्तम नगर थाना इलाके में शनिवार देर शाम एक फ्लैट के अंदर दो भाइयों की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत के मामले में रविवार को हरि नगर के दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया। डीसीपी कुशल पाल सिंह के अनुसार अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। वहीं, इस मामले में सूत्रों से पता चला है कि इन दो मृतक भाइयों में से एक का बेटा शनिवार से लापता है। ऐसे में पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है।

घर छोड़कर निकली स्टूडेंट, पुलिस ने परिवार से मिलाया

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** पढ़ाई के दबाव से परेशान होकर उत्तर प्रदेश के बिजनौर से घर छोड़कर दिल्ली पहुंची एक स्टूडेंट को यमुना बैंक मेट्रो थाना पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुए सुरक्षित उसके परिजनों से मिला दिया। यह मामला रविवार का है, जब स्टूडेंट आनंद विहार मेट्रो स्टेशन परिसर में रोती हुई मिली। मेट्रो का काम देख रहे डीसीपी श्री. भरत रेड्डी के अनुसार, यमुना बैंक मेट्रो थाने में तैनात हेड कॉन्स्टेबल आदर्श और महिला कॉन्स्टेबल सुनीता नियमित गश्त पर थे। इसी दौरान उनकी नजर आनंद विहार मेट्रो स्टेशन पर एक घबराई हुई और रोती हुई लड़की पर पड़ी। पुलिसकर्मियों ने बातचीत शुरू की। काफी समझाने-बुझाने के बाद लड़की ने बताया कि वह यूपी के बिजनौर की रहने वाली है और पिछले कुछ दिनों से पढ़ाई को लेकर माता-पिता के दबाव में थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए लड़की से उसके पिता का मोबाइल नंबर लिया और उनसे संपर्क किया। इसके बाद पिता दिल्ली पहुंच गए। पुलिस ने सत्यापन के बाद लड़की को परिजनों के हवाले कर दिया।

उत्तर प्रदेश के बिजनौर से घर छोड़कर आई थी

35 फुट चौड़ी रोड मार्केट खुलने पर दिखती है आधी

पालम अग्निकांड में 9 लोगों की मौत के बाद भी नहीं सुधरा रामचौक मार्केट का हाल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

पालम के रामचौक के पास 18 मार्च को एक घर में आग लगने से 9 लोगों की मौत की घटना को अभी एक महीना भी नहीं हुआ है, लेकिन यहां फिर से मार्केट में अतिक्रमण पहले की तरह लौटने लगा है। रेहड़ी-पटरी बाजार तो यहां लौट ही आया है मार्केट में सड़क पर ही पार्किंग भी शुरू हो गई है। इससे सड़क एकदम संकरी हो गई है। रामचौक मार्केट असोसिएशन ने भी इस स्थिति पर चिंता जाहिर की है।

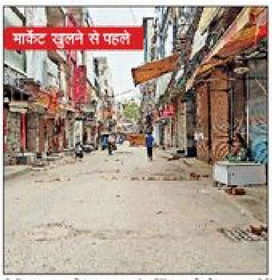

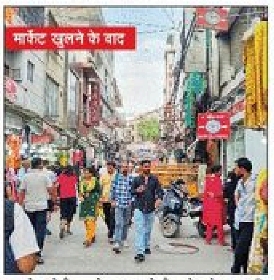

अतिक्रमण का हाल यह है कि करीब 35 फुट चौड़ी यह सड़क मार्केट खुलते ही सिकुड़ कर आधी रह जाती है। दोनों तरफ पटरी बाजार के अलावा टू व्हीलर खड़े दिखते हैं। इस वजह से लोगों को पैदल चलने में भी यहां परेशानी आती है। राम चौक मार्केट असोसिएशन के प्रधान महेश शर्मा का कहना है कि एमसीडी ने यहां पार्किंग उपलब्ध करवाने के लिए असोसिएशन से शुल्क भी लिया था। इसके बावजूद यहां पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं की गई। ऐसे में व्यापारी, दुकानों में काम करने वालों और यहां आने वाले ग्राहकों को रोड पर ही गाड़ियां पार्क करनी पड़ती है। रेहड़ी-पटरी वाले कार्रवाई के कुछ दिन फिर से आ जाते हैं। उन्होंने बताया कि वह जल्द इसे लेकर एक मीटिंग बुलाने वाले हैं।

कई बार एक्शन, लेकिन खत्म नहीं हो रही समस्या : रामचौक पालम एरिया का मुख्य मार्केट है। यहां कई बड़े शोरूम हैं। मिक्सलैंड यूज के तहत इस मार्केट में नीचे शोरूम, गोदाम व दुकानें हैं तो ऊपर लोग फ्लैट में अपने परिवारों के साथ रहते हैं। महेश ने बताया कि हादसे के कुछ दिनों बाद तक रेहड़ी-पटरी और पार्किंग की स्थिति काबू में रही, लेकिन अब फिर से एक बार स्थिति पहले जैसी ही होने लगी है। यह स्थिति मार्केट के लिए चिंताजनक है। हादसे से पहले भी इसे लेकर वह एमसीडी व संबंधित एजेंसियों को कई बार लिख चुके थे। कई बार कार्रवाई की गई और दुकानों के फुटपाथ तक तोड़े गए। इसके बावजूद समस्या खत्म नहीं हो रही।

बनाए जा रहे गलियों में पार्किंग के नियम : वहीं, साध नगर मोहल्ला सुधार समिति के संयोजक विनोद राणा ने बताया कि हादसे के बाद साध नगर वॉर्ड की एक बड़ी मीटिंग हुई थी। इसमें यह तय किया गया कि घर के बाहर जो स्लैब बनाए जाते हैं, वे सिर्फ गेट पर डेढ़ मीटर में बनेंगे। दीवार के साथ कोई स्लैब नहीं होगी। साथ ही गलियों में गाड़ियां पार्किंग के लिए भी नियम बनाए जा रहे हैं। अभी साध नगर में ज्यादातर गलियों की चौड़ाई 15 से 20 फुट की है। दीवारों के आगे स्लैब और स्लैब के आगे गाड़ी खड़ी करने से सड़क की सात फुट (30 से 40 प्रतिशत) जगह बेकार चली जाती है और इमरजेंसी में भी फायर ब्रिगेड, ऐम्बुलेंस आदि नहीं आ पाती। इसके लिए लोगों को समझाया गया है और एमसीडी से बात की गई है।

STAINLESS STEEL FABRICATION FACILITY
At Sohna, Gurgaon, Haryana
Brand New constructed on 5 acres land, factory having 68,000 sq. ft. Shed with 15 Ton EOT cranes, available for heavy & precision stainless steel fabrication and manufacturing partnerships.
Seeking: OEMs, EPC contractors, consultants & industries requiring reliable fabrication partners.
Contact: Swarn Singh - 9958693950
E-mail : ssc93950@gmail.com

तैयारी | मुंडका हॉल्ट से नजफगढ़ सप्लीमेंट्री ड्रेन तक बनेगी नई ड्रेन, दो रेगुलेटर और एक सबवे से पानी निकासी सिस्टम होगा मजबूत

जलभराव से राहत के लिए बनेगी 4.5 किमी लंबी ड्रेन

Sudama.Yadav
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** बाहरी दिल्ली के मुबारकपुर डबास स्थित शर्मा कॉलोनी में जलभराव की समस्या को देखते हुए अब बड़ा कदम उठाया गया है। इस तरह की परेशानी झेल रही दर्जनों कॉलोनियों को राहत देने के लिए 4.5 किमी लंबा नया ड्रेन बनाने की योजना तैयार की गई है। यह ड्रेन दिल्ली-भटिंडा रेलवे लाइन के पास मुंडका हॉल्ट से नजफगढ़ सप्लीमेंट्री ड्रेन तक बनाया जाएगा। इस ड्रेन के साथ दो रेगुलेटर भी बनाए जाएंगे ताकि किसी एक ड्रेन में पानी का लेवल ज्यादा होने पर एक्स्ट्रा पानी को दूसरी ड्रेन में डायवर्ट किया जा सके।

सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार इस ड्रेन का निर्माण 4 हिस्सों में किया जाएगा। पहला हिस्सा 620 मीटर लंबा होगा, जिसकी चौड़ाई 1.3 मीटर और गहराई 1.15 मीटर होगी। दूसरा हिस्सा 1.72 किमी लंबा होगा, जिसकी चौड़ाई 2.7 मीटर और गहराई 2 मीटर रखी जाएगी। तीसरा हिस्सा 780 मीटर और चौथा हिस्सा 1.36 किमी लंबा होगा। सुल्तानपुरी रोड के पास रेलवे क्रॉसिंग 14C पर 5 मीटर चौड़ा और 3.6 मीटर ऊंचा सबवे बनाया जाएगा। यहां नाला, सबवे और पहले से बना आरयूबी एक साथ डिवेलप किया जाएगा। इससे ट्रैफिक और पानी निकासी दोनों आसान हो सकेंगी।

अधिकारियों के अनुसार यह ड्रेन नांगलोई रेलवे स्टेशन के पास किराड़ी-सुलेमान नगर ड्रेन को क्रॉस करेगा। यहां अपस्ट्रीम में एक रेगुलेटर बनाया जाएगा, जिससे मौजूदा समय में बह रहे 268 क्यूसेक एक्स्ट्रा पानी को नए ड्रेन में डायवर्ट किया जा सके। इससे इस ड्रेन के ओवरफ्लो होने की समस्या कम होगी।

क्यों जरूरत है इस प्लान की?

NBT Lens
खबरों के अंदर की बात

किराड़ी, नांगलोई और बाहरी दिल्ली के कुछ ऐसे विधानसभा इलाके हैं, जहां आबादी लाखों में है। लेकिन वहां एक ऐसा इलाका है जहां पिछले 20 से 30 साल में आबादी काफी ज्यादा बढ़ी है। इसके चलते सिविक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बेहद बोझ बढ़ा है। पहले जिन नालों की बनावट हजारों की आबादी के लिए थी, उन नालों पर लाखों लोगों द्वारा जनरेट गंदे पानी का बोझ बढ़ गया है। इससे नाले ओवरफ्लो होने से जलभराव की समस्या गंभीर हो गई है।

22 और नालों का यमुना में नहीं गिरेगा पानी, 30 जून डेडलाइन

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** यमुना में गिरने वाले नालों के गंदे पानी को रोकने के लिए जल बोर्ड ने डेडलाइन तय कर दी है। इसके तहत कुल 43 नालों की लिस्ट बनाई गई है। इनमें से 17 नालों को ट्रैप करने का दावा किया गया है। एक नाला ऐसा है, जिसे 31 मार्च तक ट्रैप करना था लेकिन यह काम तय समय पर पूरा नहीं हो सका। अब 22 नालों को ट्रैप करने की नई डेडलाइन 30 जून तय की गई है।

43 नालों की लिस्ट तैयार, 17 को ट्रैप करने का दावा

जल बोर्ड अधिकारियों के अनुसार कई नालों का गंदा पानी सीधे यमुना में गिरता है। इसे रोकने के लिए इन नालों के पानी को ट्रैप कर ट्रीट करने की योजना बनाई गई है ताकि गंदा पानी सीधे नदी में न जाए। गंदे पानी के ट्रीटमेंट के लिए डिसेंट्रलाइज्ड एसटीपी बनाए जा रहे हैं। जल बोर्ड ने जिन 22 नालों की पहचान की है, उनमें महरौली इलाके का सैदुलाजाब ड्रेन भी शामिल है, जिसका फ्लो 23 MLD है। एम्स के पास स्थित गौतम नगर ड्रेन का फ्लो 11.5 MLD है।

GURU GOBIND SINGH INDRAPRASTHA UNIVERSITY
(A NAAC Accredited A++ State University Established by Govt. of NCT of Delhi)
Sector-16 C, Dwarka, New Delhi-110078
Website : www.ipu.ac.in

ADMISSION NOTICE 2026-27

Admission Window Open for **Under Graduate (UG), Post Graduate (PG) & Ph.D** programmes in Engineering, Management Studies, Medical Sciences, Pharmacy, Nursing, Education, Law, Basic Sciences, Humanities, Commerce, Architecture, Design, Ayurveda, Homeopathy, Para-Medical, Disaster Management, Journalism, Hotel Management, Yoga, Environment Management, Computer Applications, Economics, Bio-Technology, Languages, etc.

Mandatory Online Registration at https://ipu.admissions.nic.in for all candidates of National Level Tests, GGSIP CETs, & Merit- Based programmes

Last Date : 11th April 2026

The University will consider CUET scores for some of the UG & PG programmes, however, CET scores will be given preference over CUET scores. CUET applicants are advised to apply for CETs of the University also for better chances of admissions. Admission Brochures & other details are available on both the websites of the University www.ipu.ac.in & www.ipu.admissions.nic.in
Note- The appearing candidates can also apply for all the programmes.

SCAN THE QR CODE FOR REGISTRATION AND ONLINE APPLY

Registrar

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 06-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH06 User: cci Time: 04-05-2026 23:13 Color:

केरल में शाह ने एम्स का वादा किया

■ पीटीआई, कोझिकोड: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को ईस्टर के अवसर पर ईसाई समुदाय से अपील की कि वह केरल विधानसभा चुनाव में बीजेपी नीत एनडीए का समर्थन कर सरकार बनाने में मदद करे। शाह ने कहा कि केरल को अपना पहला एम्स मिलेगा और राज्य में एनडीए सरकार के आने के दो साल के भीतर यह कार्य करने लगेगा।

TMC का भय चाहिए या BJP का भरोसा: मोदी

अफसरों को बंधक बनाने की घटना पर भी बरसे पीएम

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में रविवार को जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि बंगाल में आम लोग भी सुरक्षित नहीं रह गए हैं।

■ पीटीआई, कूचबिहार: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान मालदा की घटना को लेकर टीएमसी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों के घेराव को 'महाजंगलराज' बताते हुए कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने कहा, बंगाल में लोगों के सामने दो विकल्प है, एक टीएमसी का भय और दूसरा बीजेपी का भरोसा। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ 2029 के लोकसभा चुनाव से मिलना शुरू हो जाएगा।

'महिलाओं को 33% आरक्षण 2029 से मिलना शुरू हो जाएगा'

कूचबिहार में मोदी ने कहा, पूरे देश ने देखा कि किस तरह न्यायिक अधिकारियों को घंटों तक बंधक बनाया गया। जो सरकार अधिकारियों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आम लोगों को कैसे सुरक्षित रखेगी। टीएमसी सरकार संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान नहीं करती और राज्य में लोकतंत्र 'रोज खून बहा रहा है और संविधान को ताक पर रखा है'। पीएम ने कहा कि हालात इतने खराब है कि सुप्रीम कोर्ट को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। राज्य पर तुष्टिकरण की राजनीति करने, घुसपैठ को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। दावा किया कि सीमावर्ती इलाकों में जनसंख्या संतुलन बदल रहा है। प्रधानमंत्री ने CAA-SIR का विरोध करने के लिए भी कहा कि यह घुसपैठियों को बचाने के लिए उतारू जा रहे हैं।

ममता का आरोप...

'वोटर लिस्ट से नाम हटाने के पीछे शाह की भूमिका'

■ पीटीआई, शमशेरगंज: पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को वोटर लिस्ट से कुछ लोगों के नाम हटाए जाने के मुद्दे पर बयान दिया। शमशेरगंज में रैली को संबोधित करते हुए प्रभावित लोगों से अपील की कि वे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के तहत नाम हटने के खिलाफ ट्रिब्यूनल में अपील करें। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि वोटर लिस्ट से नाम हटाने के पीछे केंद्र सरकार और अमित शाह की भूमिका है। उन्होंने कहा कि अगर हिम्मत है तो सीधी लड़ाई लड़ें। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से मतगणना (4 मई) तक सतर्क रहने को कहा। दावा किया कि कुछ जगहों पर ईवीएम में गड़बड़ी कराई जा सकती है और कार्यकर्ताओं को मशीन बदलने की मांग करने की सलाह दी। चुनाव आयोग पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि SIR के नाम पर कुछ लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं और कुछ को डराया जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव वाली वोटर लिस्ट से ही विधानसभा चुनाव क्यों नहीं कराए जा रहे।

ममता बनर्जी

केरल : साक्षरता में पुरुषों से आगे, फिर भी सिर्फ 11% महिलाओं को टिकट

कासरगोड से लाइव
Hanwati.Rajaura1@timesofindia.com

देश में सबसे ज्यादा साक्षरता दर और महिलाओं की मजबूत सामाजिक स्थिति के लिए पहचाने जाने वाले केरल में राजनीति की तस्वीर इससे उलट नजर आती है। जहां राज्य में हर 1000 पुरुषों पर 1091 महिलाएं हैं और महिला साक्षरता दर पुरुषों से ज्यादा है, वहीं 2026 के विधानसभा चुनाव में 420 उम्मीदवारों में सिर्फ 46 महिलाएं ही मैदान में हैं यानी महज 11 फीसदी। सामाजिक प्रगति और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के बीच यह बड़ा अंतर एक बार फिर सवाल खड़े कर रहा है। तीनों प्रमुख गठबंधनों यूडीएफ, एलडीएफ और एनडीए ने मिलकर सिर्फ 46 महिलाओं को टिकट दिया है। इनमें यूडीएफ ने 12, एलडीएफ ने 18 और एनडीए ने 16 महिला उम्मीदवार उतारी हैं। दिलचस्प यह है कि ये उम्मीदवार सिर्फ 40 सीटों पर ही चुनाव लड़ रही हैं, जबकि 100 सीटों पर कोई महिला उम्मीदवार नहीं है।

राज्यों का रण

लोकल बॉडी चुनावों में अधिक सक्रियता: ग्राम पंचायत, ब्लॉक और जिला पंचायत चुनावों में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण मिला हुआ है। इस वजह से बड़ी संख्या में महिलाएं जमीनी राजनीति में सक्रिय हैं। लेकिन, विधानसभा चुनाव आते-आते उनकी संख्या अचानक घट जाती है।

केरल में 1000 पुरुषों पर 1091 महिलाएं: एनएसओ के सर्वे के अनुसार, केरल में पुरुष साक्षरता दर 97.4 प्रतिशत है, जबकि महिलाओं की साक्षरता दर 95.2 प्रतिशत है। वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक, केरल में प्रति एक हजार पुरुषों पर 1091 महिलाएं हैं।

कान्हनगोड में महिलाओं को चुनाव के बारे में समझाते कार्यकर्ता।

विनबिलिटी फैक्टर ध्यान में रखा जाता है

स्थानीय मिथुन कृष्णन ने कहा, कासरगोड से आज तक एक भी महिला विधानसभा नहीं पहुंची। महिलाएं कई मामलों में पुरुषों से आगे हैं पर राजनीतिक दल विनबिलिटी फैक्टर ध्यान में रखकर टिकट देते हैं। कई शहरों की जरूर मेयर महिलाएं हैं।

मिथुन कृष्णन

महिलाओं में देखने को मिलती है नाराजगी

कासरगोड जिले के कई इलाकों में महिलाओं से बातचीत में नाराजगी साफ दिखती है। एक पंचायत सदस्य कहती है, हमने पंचायत चलाई है, विकास के काम किए हैं, फिर भी टिकट के समय हमें नजरअंदाज किया जाता है। प्रभावती कासरगोड की है।

प्रभावती

पिछले चुनाव में भी सीमित भागीदारी

केरल के 15वें विधानसभा चुनाव में सिर्फ 11 महिला विधायक थीं। इनमें से लगभग सभी इस बार फिर मैदान में हैं और दोबारा जीतने की कोशिश कर रही हैं। इससे साफ है कि महिला प्रतिनिधित्व बढ़ने की रफ्तार बेहद धीमी है।

बड़ी सीटों पर महिला चेहरे भी

इस बार कुछ हाई-प्रोफाइल मुकाबलों में महिला उम्मीदवार भी हैं। LDF ने अपनी सबसे चर्चित नेता के.के. शैलजा को पेरावूर से मैदान में उतारा है। उनका मुकाबला कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सनी जोसेफ से है। यह सीट कांग्रेस का मजबूत गढ़ मानी जाती है। मुकाबला काफी दिलचस्प हो गया है।

'पंजाब के मुद्दे न उठाने के आरोप बेबुनियाद'

■ आईएएनएस, नई दिल्ली: राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा लगाए गए आरोपों को सख्ती से खारिज कर दिया। पार्टी ने उन पर संसद में पंजाब से जुड़े मुद्दे नहीं उठाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि संसद में पंजाब के मुद्दे न उठाने के आरोप पूरी तरह झूठे और राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं। रविवार को जारी एक विस्तृत बयान में राघव चड्ढा ने कहा, मैं इन निराधार और दुर्भावनापूर्ण आरोपों को पूरी तरह खारिज करता हूं कि मैंने संसद में पंजाब के मुद्दे नहीं उठाए। मेरा पूरा रिकॉर्ड इसका उल्टा साबित करता है। उन्होंने कहा कि उनके सभी हस्तक्षेप आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज हैं और कोई भी नागरिक उन्हें देख सकता है।

बंगाल में वोटरों को धमकाने और माहौल बिगाड़ने वाले होंगे अंदर

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : चुनाव आयोग इस बार पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के दौरान लोकल पुलिस को दरकिनार कर सीएपीएफ को साथ लेते हुए ट्रिपल लेयर वोटिंग मैनेजमेंट सिस्टम पर काम कर रहा है। जिसमें पोलिंग बूथ परिसर, पोलिंग बूथ के अंदर और बाहर वोटरों के लिए यह सुरक्षा इंतजाम होंगे।

इसमें ईवीएम में किसी खास पार्टी और उसके उम्मीदवार के बटन पर परफ्यूम लगाने, वोटरों को घरों से न निकलने देने, बूथ जाम करने और वहां लगे कैमरों पर टेप लगाने जैसी किसी भी हरकत पर चुनाव आयोग की पैनी नजर रहेगी। अगर किसी पोलिंग बूथ पर ऐसा मिलता है तो उस बूथ का चुनाव रद्द कर वहां फिर से चुनाव कराया जा सकता है। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि इसके लिए सबसे पहले दो चरणों में होने वाले चुनाव के लिए बनाए गए 85,379 पोलिंग बूथों पर फ्रंट मैनेजमेंट का सारा जिम्मा बीएसएफ, सीआरपीएफ और सीआईएसएफ जैसी सीएपीएफ का होगा।

- ट्रिपल लेयर वोटिंग मैनेजमेंट पर काम कर रहा चुनाव आयोग
- ईवीएम बटन पर परफ्यूम लगाने, वोटरों को घरों से न निकलने देने वालों की निगरानी
- गड़बड़ी वाले बूथों का चुनाव रद्द किया जाएगा, कानूनी कार्रवाई होगी

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

वोटरों की सुविधा का ध्यान

पश्चिम बंगाल में वोटरों को उनके घर के नजदीक ही वोट डालने का विकल्प मिल सके। इसके लिए चुनाव आयोग ने 4660 पोलिंग बूथ और बनाए हैं। ताकि किसी भी बूथ पर 1200 से अधिक वोटरों का दबाव ना होने पाए। इसके अलावा 311 ऐसे पोलिंग स्टेशनों की पहचान की गई। जो की फेयर इलेक्शन कराने में ठीक नहीं लग रहे थे। इन पोलिंग बूथों को वहां से शिफ्ट कर दूसरी ठीक जगह बनाया गया है। ताकि मतदाता बिना किसी डर और दबाव के वोट डाल सकें। ऐसे तमाम अराजक तत्वों की पहचान की जा रही है। जो चुनाव के दौरान वोटरों को डरा-धमका सकते हैं और माहौल बिगाड़ सकते हैं। इन सभी को चुनाव पूरा होने तक कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की आशंका के चलते अंदर किया जाएगा।

पीएम श्री स्कूलः क्या चुनावी राज्यों में शुरू होगी यह योजना

Bhupender.Sharma
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल को छोड़कर देश में 13,076 पीएम श्री स्कूल (प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया) हो गए हैं। इन तीनों राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से लंबे समय से कोशिश है कि तीनों राज्य भी इस योजना से जुड़ें, लेकिन इसे सियासत कहें या चुनावी रणनीति, तीनों जगह पीएम श्री स्कूल शुरू नहीं हो पाए हैं। केरल ने पिछले वर्ष अक्टूबर में पीएम श्री योजना पर केंद्र से समझौता किया, बाद में विवाद बढ़ने पर राज्य सरकार ने इस योजना को रोक दिया। जानकारों का कहना है कि अब चुनाव के बाद ही तय होगा कि इन तीनों राज्यों में पीएम श्री स्कूल शुरू हो पाएंगे या नहीं? बीजेपी और सहयोगियों की सरकार बनती है तो योजना का लागू होना तय है।

पैनल ने भी किया था जिक्र

संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट में भी तीन राज्यों में पीएम श्री स्कूल शुरू नहीं होने का जिक्र किया गया था। समिति की रिपोर्ट में है कि पिछले तीन वित्तीय वर्षों 2023-24, 2024-25 और 2025-26 में पीएम श्री के अंतर्गत आवंटित निधि का उपयोग लगातार अपेक्षित स्तर तक नहीं हो पाया है। तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल द्वारा अभी तक समझौता न करने के कारण योजना का कार्यान्वयन नहीं हुआ है।

3 राज्यों में शुरू होने हैं 1500 स्कूल

योजना में देश में 14,500 स्कूल शुरू होने थे, जिसमें से 13,076 स्कूलों को इजाजत मिल गई है। केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 1500 स्कूल शुरू होने हैं। राज्यों को पीएम श्री स्कूलों का फॉर्मेट भी जारी किया गया है।

असम CM का परिवार भ्रष्ट : राहुल

■ पीटीआई, बिस्वनाथ चारियाली: असम के बिस्वनाथ में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर कड़ा हमला किया। राहुल गांधी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने परिवार को भ्रष्टाचार में शामिल करके बड़ी गलती की है। अब उनके परिवार को भी आरोपों का सामना करना पड़ेगा और कांग्रेस सत्ता में आने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। वहीं, हिमंत और कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बीच आरोप-प्रत्यारोप को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। हिमंत ने खेड़ा के आरोपों को राजनीति से प्रेरित झूठ बताते हुए उनके खिलाफ मानहानि का केस दायर करने की चेतावनी दी है। खेड़ा ने हिमंत पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे।

जमीयत ने अजमल को भेजा नोटिस

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने मौलाना बदरुद्दीन अजमल कासमी को नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। आरोप है कि उन्होंने हालिया चुनावी अभियान में एक सांप्रदायिक राजनीतिक दल के साथ कथित गठबंधन किया, जो संगठन की घोषित नीति के खिलाफ है। महासचिव मौलाना मोहम्मद हकीमुद्दीन कासमी की ओर से जारी नोटिस में 17-18 अगस्त 1951 की कार्यकारिणी बैठक का हवाला देते हुए कहा गया कि जमीयत के सदस्य किसी भी सांप्रदायिक दल से संबंध या समर्थन नहीं रख सकते। उन्हें केवल उन दलों के साथ रहने का निर्देश है जो राष्ट्रीय एकता की भावना रखते हैं।

SBI
केंद्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग (सीआरपीडी),
तीसरी मंजिल, अटलांटा बिल्डिंग, नरीमन पॉइंट, मुंबई 400021

प्रस्ताव हेतु अनुरोध

भारतीय स्टेट बैंक ने मानव संसाधन परामर्शदाता(ओं) को पैनल में शामिल करने के लिए दो प्रस्ताव निवेदन (आरएफपी) जारी किए हैं। इनमें से एक वरिष्ठ प्रबंधन/कार्यकारी स्तर के पदों पर भर्ती के लिए और दूसरा बैंक में कनिष्ठ/मध्यम प्रबंधन स्तर के पदों पर भर्ती के लिए है। अधिक जानकारी के लिए कृपया बैंक की वेबसाइट https://sbi.bank.in पर 'प्रोक्योरमेंट न्यूज' देखें।

स्थान: मुंबई
दिनांक: 06.04.2026

हस्ताक्षर/- उप महाप्रबंधक (सीआरपीडी)
मानव संसाधन विभाग, कॉर्पोरेट केंद्र, मुंबई

ncrtc राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम लि.
(भारत सरकार एवं प्रतिभागी राज्य सरकारों का एक संयुक्त उपक्रम)

निविदा सं.: डीकेएन/ईसी/पीसीएन-ईईपी/024 — ई-निविदा सूचना — निविदा आईडी: 2026_एनसीआरटीसी_273708_1

दिल्ली–पानीपत–करनाल नमो भारत कॉरिडोर में पानीपत से करनाल (चै. 97300–136000) तक यूएचवीईएचएसएल की 33केवी, 11केवी, एलटी लाइनों और ट्रांसफॉर्मर्स आदि के स्थानांतरण/संशोधन के लिए ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

विस्तृत जानकारी एवं अनुवर्ती परिशिष्ट/शुद्धिपत्र (यदि कोई हो) के लिए कृपया एनसीआरटीसी वेबसाइट www.ncrtc.in या सीपीपी पोर्टल www.etenders.gov.in/eprocure/app को 06.04.2026 से 11.05.2026 (1500 बजे तक) देखें।
हस्ता.- सीजीएम/पानीपत

गुमशुदा/अपहृत की तलाश

रंजीता

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़की (फोटो में दिखायी गयी है) जिसका नाम रंजीता, पिता दीन बन्धु दूबे निवासी: मकान नंबर–ए–183, बिलासपुर कैंप, मोलरबंद गांव, बदरपुर, नई दिल्ली। उम्र–19 वर्ष, जो कि अपने घर से दिनांक 02.04.2026 को प्रातः करीब 11.00 बजे, से लापता होने की सूचना मिली है। DD No. 122A Dated 02.04.2026, के तहत पुलिस स्टेशन बदरपुर, दक्षिण–पूर्व जिला, में पंजीकृत किया गया है। महिला का शारीरिक विवरण इस प्रकार है: लिंग: महिला, कद: 4'6", चेहरा: गोल, रंग: गोरा, शरीर: मध्यम, पहनावा: सफेद और लाल रंग का सूट और पैरों में आसमानी नीले रंग की चप्पल पहनी है।

स्थानीय पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी इस लापता लड़की के बारे में कुछ मालूम नहीं हो पाया है। अगर किसी को भी इस लड़की के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया निम्नलिखित पर सूचित करें।

थाना प्रभारी,
पुलिस स्टेशन बदरपुर,
दक्षिण–पूर्व जिला, नई दिल्ली
फोन: 8750870933,7872388236

वेबसाइट: https://cbi.nic.in
DP/4416/SE/2026

पहचान के लिए अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक पुरुष जिसका नाम: अज्ञात पुत्र: अज्ञात, निवासी अज्ञात, जो कि दिनांक 24.03.2026 को जंगल पार्क की दीवार के पास, डीडीए पार्क, सफदरजंग टर्मिनल के पास, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली क्षेत्र में मृत पाया गया। इस सन्दर्भ में DD No.: 48A, Dated 23.03.2026, U/S 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023, पुलिस स्टेशन कोटला मुबारकपुर, दक्षिण जिला, नई दिल्ली में रिपोर्ट दर्ज है। नीचे मृत पुरुष की पहचान दी गई है:

लिंग: पुरुष, उम्र: लगभग 30–40 वर्ष, कद: अज्ञात, रंग: अज्ञात, पहनावा: एमसीडी फ्लोरोसेंट जैकेट पहने हुए है। मृतक के शव को पहचान के लिए एम्स अस्पताल, दिल्ली के शवगृह में 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखा गया है।

अगर किसी को इस मृत पुरुष के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें।

थाना प्रभारी,
पुलिस स्टेशन कोटला मुबारकपुर, दक्षिण जिला,
DP/4436/SD/2026 नई दिल्ली, फोन: 8383975546, 8750870828

TIMES interact — Connecting People, Connecting Needs
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

भर्ती

भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति

प्रशासन

लिपिक विषयक

REQUIRED office staff-fresher/ exp. in laxmi nagar, graduate degree must. Send resume aristopaper@gmail.com

टेंडर और नोटिस

निविदाएं (टेंडर्स)

LIFT capacity 10 Passengers 11 Floors, working condition, to dismantle and carry. Contact No. 011-40109228, Email estateofficeisaa@yahoo.com

SYNISE e-Sale & Sourcing
E-Auction Notice
Sale of Obsolete / Unused Lazy spares of 12.5-MW DG and power plant component on 10th April 2026.
- Contact us -
laliti@synise.com
ashishk@synise.com
Ashish - 9811907274
Raman - 8383979655

व्यक्तिगत

नाम परिवर्तन

I Have Changed my name from Ish Pramod Kapoor to Ish Kapoor s/o Pramod Kapoor R/o B1/956 T12A Purvanchal Royal City CHI-5 GR. Noida U.P. 201310 henceforth

I, Monika Jain, W/o Ashish Jain, r/o S-1203,La Royale,CISF Rd, Indirapuram, Ghaziabad have changed my name from Monika Jain to Monika Kapoor for all future purposes.

I Have Changed my name from Akansha Mehrotra Kapoor to Akansha Kapoor W/o Ish Kapoor R/o B1/956 T12A Purvanchal Royal City CHI-5 GR.Noida UP-201310 henceforth

खोया एवं पाया

ORIG Share Certificates # 2930-2958 DTD 25 OCT 1994, ISSUED TO (LATE) SH. Sham Ved Sharma, By Vivekanand Cooperative Group Housing Society Ltd., Dwarka, New Delhi Have Been Lost.

बिजनेस

बिक्री के लिए

For Sale- Premium Quality Polymer Solutions
PP Reprocessed Granules: High-quality Coloured granules (Equivalent to Virgin). Superior MFI & high impact strength. Perfect for Industrial, Roto Moulding, & Extrusion needs. Black Polyethylene Available in 50 & 100 Microns. 50 Microne 12ft Width x 500ft Length total weight 25Kg/ Bundle. 100 Microne 12ft width x 250ft Length total weight 25 Kg/ Bundle. Specially designed for Construction works.
Bulk Quantity Available.
JUMBOO JUNCTION, Pithampur
97525-96107

HEALTH & WELLNESS

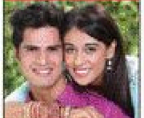

SEX PROBLEMS का सफल इलाज! मिलें
सबलोक क्लिनिक दरियागंज
नेताजी सुभाष मार्ग (निकट दिल्ली गेट) नई दिल्ली-2
9891300008
समय : 1 से 6 रविवार : अवकाश
Consultation fees 500/-
सबलोक क्लिनिक दरियागंज की इंडिया में कहीं कोई ब्रांच नहीं है।

BOOK YOUR PERSONAL ADS
FOR BOOKING PLEASE CALL
AMIT : 9811790649
TO BOOK ONLINE LOG ON TO Ads.timesofindia.com
SCAN QR CODE

BOOK YOUR SHOPPING ADS
FOR BOOKING PLEASE CONTACT
Aman Pasricha
9312633518
TO BOOK ONLINE LOG ON TO
Ads.timesofindia.com
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE
SCAN TO BOOK

Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

TIMES TRIBUTE — PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

REMEMBRANCE SHARING MEMORIES

श्रीमती छवि जैन
(W/O पुनीत कुमार जैन)
द्वितीय पुण्य तिथि, 6 अप्रैल 2026

शरीर छूटता है पर स्मृतियां हमेशा बनी रहती हैं। आज आप भले ही हमारे बीच नहीं हैं पर आपके आदर्श, सिद्धांत, कर्तव्यपरायणता और आपकी शिक्षा हमें कर्म पथ पर हमेशा शक्ति और प्रेरणा देती है। पुनीत, अक्षत, निहारिका, ऋषभ, महिमा, अनायिका, सुविधा कूलिंग टावर्स प्रा लि, 9811045684, 9911045684

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".

The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.
Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

REMEMBRANCE SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 10th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

TO BOOK AN OBITUARY AD PLEASE CONTACT
VINOD : 99589 92088 &
PANKAJ : 81306 04727

खाड़ी में जंग 37 दिन

ईरान में गिरा था अमेरिका का F-15E फाइटर जेट | एक पायलट तुरंत बचा, दूसरा पहाड़ों में फंसा रहा

एक पिस्तौल, पहाड़ और 36 घंटे...फिर हुआ रेस्क्यू

अमेरिका के F-15E फाइटर जेट को ईरान के ऊपर मार गिराए जाने के 36 घंटे बाद उसके दोनों पायलट को अमेरिकी स्पेशल फोर्स ने बचा लिया। शनिवार को स्पेशल कमांडो यूनिट ने दर्जनों लड़ाकू विमानों के साथ ईरान में ऑपरेशन चलाया। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरानी फोर्स को उस इलाके तक पहुंचने से रोकने के लिए हमले भी किए। इस दौरान भारी गोलीबारी हुई, लेकिन अंत में अमेरिकी टीम पायलट को सुरक्षित निकालने में सफल रही और सभी सैनिक ईरान से बाहर आ गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन करार दिया है।

1 ईरान से जंग के बीच गिरा F-15E

अमेरिकी वायुसेना का F-15E स्ट्राइक ईगल फाइटर जेट ईरान के अंदर मार गिराया गया। पहली बार ईरान में अमेरिकी लड़ाकू विमान को सीधे निशाना बनाया गया। विमान में दो क्रू मेंबर मौजूद थे- एक मुख्य पायलट और दूसरा वेपन सिस्टम ऑफिसर (एयरमैन), जो हथियारों को संचालित करता है।

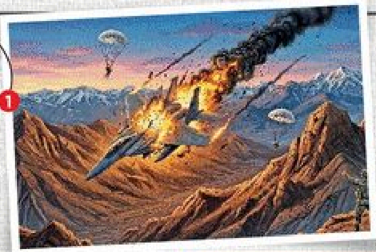

2 बचाने का मिशन शुरू हुआ

जेट पर हमला होते ही दोनों क्रू मेंबर ने इजेक्ट कर लिया। पायलट और एयरमैन अलग-अलग जगहों पर उतरे। मुख्य पायलट को कुछ ही घंटों में अमेरिकी बलों ने सुरक्षित निकाल लिया, लेकिन दूसरा एयरमैन ईरान के दुर्गम पहाड़ी इलाके में फंस गया। उसे चोट भी लगी।

3 पहाड़ी इलाके में 'लुका-छिपी' का खेल

एयरमैन ने अपनी SERE (Survival, Evasion, Resistance, Escape) ट्रेनिंग का इस्तेमाल किया। यह ट्रेनिंग दुश्मन के इलाके में जिंदा रहने और पकड़े जाने से बचने के लिए दी जाती है। वह कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद प्रांत के सुनसान पहाड़ों में छिपा रहा।

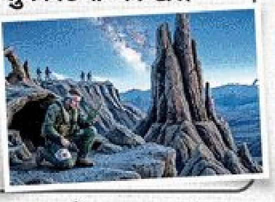

4 ईरान की तलाश और इनाम का ऐलान

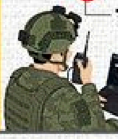

दूसरी तरफ, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड और स्थानीय सुरक्षाबल भी एयरमैन को खोजने में जुट गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने उस सैनिक को पकड़ने के लिए इनाम तक घोषित कर दिया था। स्थानीय लोगों को भी अलर्ट किया गया और सोशल मीडिया पर मलबे की तस्वीरें फैलाकर जानकारी जुटाने की कोशिश की गई।

5 अमेरिकी सेना की रिकवरी प्रक्रिया

विमान के गिरने की पुष्टि होते ही अमेरिकी सेना ने 'पर्सनल रिकवरी' ऑपरेशन शुरू किया। इसमें लोकेशन, इलाके की स्थिति, दुश्मन की मौजूदगी और क्रू की हालत का आकलन किया जाता है। फिर रेस्क्यू प्लान बनाया जाता है।

6 लोकेटर बना जीवनरेखा

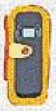

एयरमैन के पास मौजूद इमरजेंसी लोकेटर बीकन उसकी सबसे बड़ी ताकत साबित हुआ। यह उपकरण लगातार सिग्नल भेजता रहा, जिससे अमेरिकी सैटलाइट और कमांड सेंटर को उसकी लोकेशन मिलती रही। हालांकि, दुश्मन के इलाके में होने के कारण सटीक लोकेशन तक पहुंचना आसान नहीं था।

7 CIA ने अफवाहों से ईरान को भटकाया

मिशन का सबसे दिलचस्प और रणनीतिक पहलू था CIA का भटकाने का ऑपरेशन। ईरान में अफवाह फैलाई कि सेना पहले ही एयरमैन को ढूंढ चुकी है और बाहर निकालने की तैयारी कर रही है। इससे ईरानी बलों की खोज दिशा बदली। फिर अमेरिकी एजेंसियों ने सही लोकेशन ट्रैक कर ली।

8 36 घंटे का संघर्ष...

एयरमैन करीब 36 घंटे तक दुश्मन के इलाके में छिपा रहा। सीमित संसाधनों संग खुद को जिंदा रखा। सिर्फ एक पिस्तौल थी। वह लगातार अपनी स्थिति बदलता रहा ताकि पकड़ा न जाए।

9 MQ-9 रीपर ड्रोन का इस्तेमाल

अमेरिकी MQ-9 रीपर ड्रोन ने उन लोगों पर हमला किया जो एयरमैन को पकड़ने की कोशिश कर रहे थे। इससे एयरमैन को छिपे रहने का समय मिला और रेस्क्यू टीम को ऑपरेशन की तैयारी का मौका।

10 स्पेशल फोर्स का एंट्री प्लान

अमेरिकी स्पेशल फोर्स के ऑपरेशन में दर्जनों लड़ाकू विमान, हेलिकॉप्टर और सपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल हुए। उनका मकसद एयरमैन तक पहुंचना और उसे सुरक्षित निकालना था।

11 भारी गोलीबारी भी हुई

जब स्पेशल फोर्स टीम एयरमैन के करीब पहुंची, तब गोलीबारी भी हुई। अमेरिकी विमानों ने ईरानी बलों को दूर रखने के लिए हवाई हमले किए। जमीन पर कमांडो टीम तेजी से आगे बढ़ी और आखिरकार एयरमैन तक पहुंच गई।

12 अस्थायी हवाईपट्टी काम आई

रेस्क्यू के बाद एयरमैन और कमांडो को निकालने के लिए अस्थायी एयरस्ट्रिप का इस्तेमाल किया गया। लेकिन यहां दो ट्रांसपोर्ट विमान वहीं फंस गए। इसके बाद अमेरिका को अतिरिक्त विमान भेजने पड़े।

13 अपने ही विमान को उड़ाना पड़ा

स्थिति को देखते हुए अमेरिकी सेना ने एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने फंसे हुए ट्रांसपोर्ट विमानों को खुद ही नष्ट कर दिया, ताकि वे ईरान के हाथ न लगें। विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम बताता है कि मिशन कितना संवेदनशील और जोखिम भरा था।

14 इलाज के लिए कुवैत भेजा

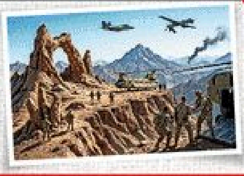

इस पूरे मिशन में सैकड़ों स्पेशल ऑपरेशन सैनिक शामिल थे। हाई-टेक कम्युनिकेशन, सैटलाइट ट्रैकिंग, ड्रोन सर्विलांस और एयर सपोर्ट का समन्वय इस ऑपरेशन की सफलता की कुंजी बना। रेस्क्यू के बाद घायल एयरमैन को तुरंत चिकित्सा सहायता दी गई और आगे इलाज के लिए कुवैत भेजा गया। उसकी हालत स्थिर बताई गई।

ट्रंप ने ऑपरेशन को बताया साहसिक

बोले- ईरान ने होर्मुज नहीं खोला, तो नरक बना दूंगा

■ एएफपी, वॉशिंगटन

अमेरिकी लड़ाकू विमान के पायलट को सुरक्षित निकालने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक ओर जहां रेस्क्यू ऑपरेशन को ऐतिहासिक बताया, वहीं दूसरी तरफ ईरान के खिलाफ कड़े तेवर भी दिखाए। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान ने तय समयसीमा तक होर्मुज को नहीं खोला, तो हमले तेज कर नरक बना दूंगा।

36 घंटे मिशन के बाद ट्रंप का ईरान को अल्टीमेटम

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर लिखा कि अमेरिकी सेना ने 'इतिहास के सबसे साहसी सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन में से एक' को अंजाम दिया। यह मिशन एक वरिष्ठ क्रू मेंबर अधिकारी के लिए चलाया गया, जो ईरान के खतरनाक पहाड़ी इलाके में फंसा हुआ था। ट्रंप के मुताबिक, वह अधिकारी घायल होने के बावजूद दुश्मन के बीच 36 घंटे तक छिपा रहा और अमेरिकी सेना लगातार उसकी लोकेशन ट्रैक कर रही थी। विशेष बलों ने ऑपरेशन चलाकर अधिकारी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

> मिशन के दौरान कोई अमेरिकी सैनिक हताहत नहीं हुआ और यह पहली बार है जब दुश्मन के इलाके से अलग-अलग स्थानों से दो अमेरिकी पायलटों को सफलतापूर्वक बचाया गया। - डॉनल्ड ट्रंप

'ईरान से आज समझौते की उम्मीद'

ट्रंप ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान के साथ सोमवार तक समझौता हो सकता है। यह बयान उन्होंने उस समय दिया है, जब उन्होंने तेहरान को होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए समयसीमा दी हुई है। ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा कि मुझे लगता है कि आज समझौते की अच्छी संभावना है। बातचीत जारी है। उन्होंने संकेत दिया कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल रही है और जल्द कोई नतीजा निकल सकता है। हालांकि, ट्रंप ने साथ ही कड़ा रुख भी दिखाया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्दी समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका कड़े कदम उठा सकता है। उनके मुताबिक, यदि ईरान ने समय पर फैसला नहीं लिया, तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई पर भी विचार कर सकता है।

एक्सपर्ट बोले- बचाव में दिखे कई विरोधाभास

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

रेस्क्यू ऑपरेशन पर अमेरिका और ईरान के अपने-अपने दावे हैं। हालांकि कुछ तस्वीरें सार्वजनिक तौर पर सामने आई हैं, जिसके आधार पर कई तरह की ब्योरे भी सामने आ रही हैं। रक्षा मामलों के जानकार विनेंद्र कुमार ठाकुर कहते हैं कि अमेरिका की ओर से जो बातें आधिकारिक तौर पर कही जा रही हैं, उसमें कुछ विसंगति तो दिख रही है। ये ऑपरेशन बहुत 'क्लीन जॉब' नहीं लगता।

रक्षा विशेषज्ञ ने रेस्क्यू मिशन पर उठाए सवाल

इस तरह के मिशन के तहत योजना के साथ आगे बढ़ा जाता है। इसकी योजना पूरी तरह से जमीनी सच्चाई पर आधारित नहीं लगती। बिना एयरफील्ड की असल स्थिति का आकलन किए और C130 को लैंडिंग के लिए भेजना प्रोफेशनली सही नहीं है। इसकी वजह से उन्हें नुकसान भी झेलना पड़ा है। हालांकि उन्हें इस बात का लाभ मिला कि जिस क्षेत्र में उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन किया है, वहां ईरानी सरकार को पूरा समर्थन नहीं था।

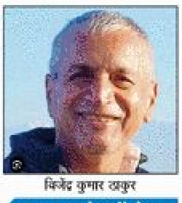

विनेंद्र कुमार ठाकुर

'इस तरह के ऑपरेशन चलाना बेहद मुश्किल'

बिना नाम लिए एक दूसरे रिटायर्ड एयरफोर्स पायलट ने कहा कि इस तरह के ऑपरेशन चलाना बहुत मुश्किल होता है। तस्वीरों से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर अमेरिका C130 जैसे एयरक्राफ्ट को नष्ट करने के लिए तैयार हुआ है तो जाहिर है कि रेस्क्यू ऑपरेशन और पायलट को किस तरह की महत्ता दी गई है। ऐसा लगता है कि इस ऑपरेशन में पहली लेयर ड्रोन की थी।

ईरान ने कहा- रेस्क्यू में शामिल अमेरिका के 4 एयरक्राफ्ट गिराए

■ NBT रिपोर्ट

ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी रेस्क्यू मिशन के दौरान उसके सैन्य विमानों को निशाना बनाया। TOI की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बागर गालिबाफ ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर एक कथित मलबे की तस्वीर साझा की। उन्होंने इसे उस घटना से जोड़ा, जिसमें ईरान ने कहा है कि लापता अमेरिकी पायलट की तलाश में आए एयरक्राफ्ट को मार गिराया गया।

अमेरिकी ड्रोन को भी मार गिराने का दावा किया

ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि इस्फहान क्षेत्र में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान दो अमेरिकी C-130 विमान और दो ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर को निशाना बनाया गया। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रवक्ता के हवाले से यह भी कहा गया कि अभियान के दौरान एक अमेरिकी ड्रोन को मार गिराया गया, जो दक्षिणी इस्फहान में गिरा।

AFP

बेरूत में इस्राइली हमले में चार लोगों की मौत और 39 लोग घायल हुए।

'अपनों की भलाई छोड़, ईरान को डरा रहे ट्रंप'

ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ट्रंप अपने ही देश के लोगों को इलाज जैसी सुविधाएं नहीं दे पा रहे, लेकिन दूसरी तरफ ईरान को धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा नेता जो अपने लोगों की भलाई छोड़कर दूसरों को डराता है, वह बहुत पुरानी सोच वाला है। ईरान मुश्किल हालात में भी आगे बढ़ने और विकास का रास्ता चुन रहा है। वहीं, ईरान की संयुक्त कमान ने धमकी दी कि अगर अमेरिका और इस्राइल ईरान की नागरिक सुविधाओं पर हमला करते हैं, तो वह तेल और अन्य नागरिक बुनियादी ढांचा सुविधाओं पर अपने हमले तेज कर देगा।

जयशंकर ने ईरान, कतर और UAE के मंत्रियों से की बात

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार शाम को ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ फोन पर बातचीत की। इसे लेकर विदेश मंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट भी साझा की। जयशंकर ने कहा कि अराघची ने उन्हें फोन किया और पश्चिम के हालात पर चर्चा हुई। इसके साथ ही विदेश मंत्री ने कतर के पीएम और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद अब्दुल रहमान बिन अल थानी से फोन पर बात की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और उसका दुनिया भर में तेल और गैस की सप्लाई पर असर को लेकर चर्चा की।

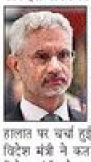

इसके अलावा, जयशंकर ने यूएई के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से भी फोन पर बातचीत की। ये बातचीत ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं।

कोरिया से ईरान तक, अमेरिका के युद्धों की कहानी

कभी जीत, कभी विवाद- अमेरिकी सैन्य अभियानों का मिला-जुला इतिहास और असर

अमेरिका और युद्ध का पुराना इतिहास रहा है। अमेरिका का दूसरे देशों में दखलअंदाज और भूमिका को लेकर सवाल अमेरिका के भीतर और बाहर, दोनों जगह भी उठते रहे हैं। कोरिया से लेकर ईरान युद्ध तक, ऐसी लड़ाइयों की एक लंबी कड़ी है। इसे लेकर भी काफी बहस हुई है कि यूएस इन लड़ाइयों में क्यों शामिल हुआ? कितनी बार उसकी जीत हुई और कितनी बार उसे मुंह की खानी पड़ी? 1945 के बाद अब तक अमेरिका की छह बड़े युद्धों में प्रत्यक्ष भूमिका रही है। इस पर पेश है अल्पयू सिंह की रिपोर्ट:

कोरिया

पचास के दशक में शीत युद्ध के एक बड़े संघर्ष की तरह कोरियाई युद्ध का दखल हुआ। अमेरिका ने साम्यवाद का विरोध करते हुए दक्षिण कोरिया को समर्थन दिया। अमेरिका ने दक्षिण कोरिया की मदद के लिए सेना भी भेजी। माना जाता है कि करीब 17,89,000 अमेरिकी सैनिकों ने इसमें हिस्सा लिया। एक आंकड़े के मुताबिक 33,000 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक मारे गए।

वियतनाम

1969 में युद्ध के चरम पर यूएस ने लाखों सैनिक युद्ध में झोंक दिए। अमेरिका को इस युद्ध में देश के भीतर इतना विरोध झेलना पड़ा कि दबाव में उसे पीछे हटना ही पड़ा। 20 साल चले इस युद्ध से राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन को सेना वापस बुलानी पड़ी। अमेरिका में युद्ध में जान गंवाने वाले युवाओं के परिजनों के आक्रोश ने जैसे एक जनआंदोलन को जन्म दे दिया था।

File

इराक

1990 के खाड़ी युद्ध में सद्दाम हुसैन के कुवैत पर कब्जे के बाद, इराक पीछे नहीं हटा और अमेरिका ने ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म शुरू किया। इसका खर्च अरब देशों ने भी उठाया। लेकिन साल 2003 में जॉर्ज बुश प्रशासन ने 2003 में इराक पर अटैक किया। कहा गया कि सद्दाम के पास सामूहिक विनाश के हथियार हैं और उसके अल कायदा से भी रिश्ते बताए गए। हालांकि ऐसा कुछ भी नहीं निकला। एक बार अमेरिकी प्रशासन आलोचना का शिकार हुआ।

अफगानिस्तान

तालिबान को हटाने और अलकायदा को खत्म करने के कथित मकसद से शुरू हुई अमेरिका की भूमिका 20 वर्षों तक रही। साल 2021 में अमेरिकी सेना दिशाहीन युद्ध लड़कर वापस लौट आई। इसके बाद तालिबान ने ही फिर काबुल की सत्ता पर कब्जा कर लिया। माना जाता है कि इस युद्ध में $2.313 ट्रिलियन डॉलर खर्च हुए और 243,000 लोगों की जान गई। इसके अलावा अमेरिका ने खुद को सोमालिया, यमन और लीबिया जैसे युद्धों के बीच भी खुद को पाया। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने प्रचार के दौरान कहा था कि वो अंतहीन युद्धों के खिलाफ हैं। लेकिन अब लगता है कि उनकी अगुआई में अमेरिका ऐसे ही एक युद्ध में फिर उलझ गया है, जहां से निकलने का रास्ता भी नहीं दिख रहा।

'ईरानी मिसाइलों में नॉर्थ कोरिया की तकनीक'

■ NBT रिपोर्ट

ईरान के बलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को लेकर नई जानकारी सामने आई है, जिसमें विशेषज्ञों ने दावा किया है कि ईरान की कई बलिस्टिक मिसाइल या तो सीधे नॉर्थ कोरिया से खरीदी गई हैं या फिर उसी की तकनीक पर बनाए गए हैं। यह दावा Fox News Digital से बातचीत में किया गया है।

रिपोर्ट में दावा, कई मिसाइल नॉर्थ कोरिया से खरीदी गईं

हाल ही में ईरान ने हिंद महासागर में स्थित डिएगो गार्सिया में अमेरिका-ब्रिटेन के सैन्य अड्डे पर दो मिसाइल दागी थीं। The Wall Street Journal के मुताबिक, इनमें से एक मिसाइल रास्ते में ही फेल हो गई, दूसरे को अमेरिकी युद्धपोत ने रोकने की कोशिश की। दोनों ही मिसाइल अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकीं। विशेषज्ञ के अनुसार, हमले में इस्तेमाल मिसाइल Musudan थी, जिसे ईरान ने साल 2005 में नॉर्थ कोरिया से खरीदा था।

File

ईरान ने खुद विकसित की तकनीक

1990 के दशक में नॉर्थ कोरिया ने बड़ी संख्या में No Dong मिसाइल ईरान को दी थी। इसके बाद ईरान ने अपने यहां इनकी तकनीक पर काम शुरू किया और आगे Emad और Ghadr जैसी मिसाइल भी विकसित की। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के पास फिलहाल 1,000 किलोमीटर तक मार करने वाले शॉर्ट-रेंज और 3,000 किलोमीटर तक पहुंचने वाले मीडियम-रेंज मिसाइल हैं। लंबी दूरी के मिसाइल पर भी काम जारी है।

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 6 अप्रैल 2026

> महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी केवल न्याय का विषय नहीं है, यह लोकतंत्र की पूर्व शर्त है।
> – *मिशेल बैशले, चिली की पूर्व राष्ट्रपति*

अब और देरी नहीं

साल 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत की जनसंख्या में महिलाओं की आबादी 48.5% थी। अनुमान है कि पिछले करीब डेढ़ दशक में इसमें कुछ सुधार ही हुआ होगा, लेकिन जो नहीं बदला, वह है देश की संसद और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) इसी स्थिति को बदलने वाला कानून है और इसके पास व लागू होने में देरी नहीं होनी चाहिए।

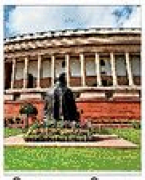
महिला आरक्षण बिल

कमजोर प्रतिनिधित्व । आंकड़े बताते हैं कि राजनीति में महिलाएं महत्वपूर्ण तो रहीं, पर ज्यादातर वोट बैंक के नजरिये से। उनको उचित प्रतिनिधित्व आज भी नहीं मिल पाया है, जबकि हर क्षेत्र में समान अधिकार की बात की जाती है। मौजूदा लोकसभा में महज 14% महिला सांसद हैं, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में तो स्थिति और खराब है - महज 10% महिला विधायक। और जब महिलाओं को मौका ही नहीं मिलेगा, तो यह सुधरेगा कैसे।

लंबा इंतजार । भारत ने अपनी आजादी के साथ ही महिलाओं को पुरुषों के बराबर वोटिंग का अधिकार देकर दुनिया के सामने नजीर पेश की थी, पर इसके अगले चरण - राजनीति में उनकी बराबर भागीदारी में देश पीछे रह गया। साल 1996 में एचडी देवेगौड़ा की सरकार में पहली बार महिला आरक्षण बिल लाया गया था और तब से तीन दशकों में चार असफल प्रयास हो चुके हैं। अब सरकार ने बिल पास करने के लिए 16 से 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है।

लोकतंत्र में संतुलन । पीएम नरेंद्र मोदी ने केरल में एक चुनावी रैली में महिलाओं से विपक्षी दलों पर दबाव बनाने की अपील की, ताकि संसद में महिला आरक्षण बिल बिना किसी विरोध के पास हो सके। आदर्श स्थिति तो यह होगी कि बिल को हर दल का साथ मिले, दबाव बनाने और विरोध की नौबत ही न आए। देर से ही सही, कम से कम अब इस काम को अंजाम तक पहुंच जाना चाहिए।

नीतियों पर असर । जब सदन में ज्यादा महिलाएं होंगी, तो आधी आबादी से जुड़े मुद्दों को ज्यादा आवाज मिलेगी। उनकी समस्याओं पर ज्यादा सटीक और संवेदनशील चर्चा हो सकेगी, जिससे नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। महिलाओं की अनगिनत उपलब्धियों के बावजूद राजनीति उन कुछ क्षेत्रों में है, जहां उन्हें बराबर मौके नहीं मिल पाते। महिला आरक्षण बिल इस कमी को दूर करेगा। इस बदलाव का असर पूरे समाज पर पड़ेगा। महिला आरक्षण का सवाल सिर्फ सीटों का बंटवारा नहीं, भारत के लोकतंत्र को और संतुलित व न्यायपूर्ण बनाने का मुद्दा है।

नश्तर

गब्बर का आश्रम

गब्बर ने सांभा से पूछा, 'कितना इनाम रखे है सरकार हम पर?' 'सरदार, पचास हजार', कहते हुए सांभा का मन खुश-सा गया। 'बस! रुपया कितना गिर गया। सरकार को कुछ तो सोचना चाहिए, इसीलिए तो कोई हमें पकड़ने नहीं आता।' गब्बर के सुर में मायूसी थी।

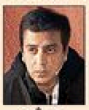
सौरभ श्रीवास्तव

कुछ दिनों बाद किसी माननीय ने सदन में मांग उठाई कि गब्बर को जिंदा या मुर्दा पकड़ने की रकम बढ़ाई जाए। कम रकम होने के कारण वह पकड़ा नहीं जा रहा। मंत्रीजी ने कहा कि यह मांग वित्त मंत्री तक पहुंचा दी गई है। गब्बर यह सुनकर खुश हुआ। बजट वाले दिन वह नहा-धोकर निर्मल हुआ और टीवी के सामने बैठ गया। मंत्रीजी बजट पेश कर रही थीं। काफी देर बाद गब्बर का नंबर आया। मंत्रीजी ने कहा, 'गब्बर को पकड़ने पर अब कोई ईनाम नहीं है। हमारी सरकार ने डकैत खत्म कर दिए हैं। मैंने SIR के बाद रामगढ़ की नई वोटिंग लिस्ट देखी। गब्बर का नाम ही नहीं है। इसका मतलब गब्बर है ही नहीं। जब गब्बर नहीं है तो इनाम कैसा?' सदन में तालियां बजीं, पर रामगढ़ में गब्बर का गला रुंध गया। उसने सांभा और कालिया से कहा, 'साथियों को जुटाओ। बड़ी लूट करनी पड़ेगी, तब सरकार हमें जिंदा मानेगी।' अगले रोज गब्बर का गैंग बाजार पहुंचा। गब्बर ने बैंक में घुसकर मैनेजर से कहा, 'सारे रुपये हमारे हवाले कर दो।' मैनेजर ने 20-25 हजार रुपये लाकर रख दिए। कहा, 'ले जाइए, रुपया इतना गिर गया है कि इन पैसों से अब एक स्कूटी भी नहीं आती। वैसे भी ज्यादातर लोग UPI इस्तेमाल करते हैं, ना कैश निकालते हैं और ना जमा करते हैं। हमें इतने से पैसों के लिए रोज बैंक आना पड़ता है। हम इन्हें लूट में दिखा देंगे, जांच चलने तक राहत मिलेगी।' गब्बर ने पैसे छोड़े और उदास मन से अपने अड्डे पर चला गया। कुछ दिन बाद रामगढ़ में एक बोर्ड लगा - गब्बर बाबा के आश्रम का रास्ता इधर है। मन की शांति का पैकेज-एक लाख रुपये से शुरू।

एकदा

संकलन : रिंकल शर्मा

बदलाव की हिम्मत

रोजा पार्क्स का जन्म 1913 में अमेरिका के Tuskegee शहर में एक साधारण परिवार में हुआ था। उस समय अमेरिका में काले और गोरे लोगों के लिए अलग-अलग स्कूल, रेस्तरां और बसों की सीटें थीं। बचपन से ही यह अन्याय देखने के कारण रोजा के मन में समानता और न्याय की भावना मजबूत हो गई। 1 दिसंबर 1955 को Montgomery में एक ऐसी घटना घटी, जिसने इतिहास बदल दिया। रोजा पार्क्स काम से लौटते समय बस में बैठी थीं। नियम था कि गोरे यात्रियों के लिए काले लोगों को अपनी सीट छोड़नी पड़ती थी। जब बस चालक ने रोजा से सीट छोड़ने को कहा, तो उन्होंने शांत लेकिन दृढ़ता से मना कर दिया। यह अन्याय के खिलाफ साहसिक प्रतिरोध था। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन इस घटना ने पूरे शहर में आंदोलन की चिंगारी फैला दी। अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय ने बसों का बहिष्कार किया, जिसे Montgomery Bus Boycott कहा जाता है। लगभग 381 दिनों तक चले इस आंदोलन का नेतृत्व Martin Luther King Jr. ने किया। अंत में अदालत ने बसों में नस्लीय भेदभाव को असंवैधानिक घोषित कर दिया। रोजा पार्क्स का साहस यह साबित करता है कि एक साधारण व्यक्ति भी समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है।

यूनुस के असहज करने वाले दौर को पीछे छोड़ने को तैयार नई दिल्ली और ढाका

ये रिश्ता अच्छा कहलाता है

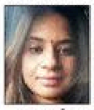
अल्पयु सिंह

बांग्लादेश के नैशनल डे पर बीते दिनों सामने आई यह तस्वीर पड़ोसी देश के साथ संबंधों में यू-टर्न की गवाह बनी। इस तस्वीर में बांग्लादेश के राजदूत रियाज हमीदुल्लाह, भारत के विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्री की बॉडी लैंग्वेज में जो दिख रहा है, उसे द्विपक्षीय संबंधों में 'सहजता' कहते हैं। कुछ महीनों पहले तक हाई कमीशन में ऐसी तस्वीर की कल्पना नहीं की जा सकती थी।

बदल रहा माहौल । ढाका में नई सरकार आने के बाद हुए इस कार्यक्रम में जहां पुचका डिप्लोमेसी दिखी, तो राजदूत ने अपने भाषण में गायक जुबीन गर्ग का जिक्र किया, उनकी आवाज को सरहद के आर-पार का पुल बताया। तीन महीने पहले बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों के विरोध में यहां विरोध प्रदर्शन हुआ था। उस दौरान ढाका में भी भारतीय मिशन के बाहर नारेबाजी और विरोध ने दिल्ली को चिंता में डाला था। लेकिन, अब पूरब से आने वाली कूटनीतिक हवा से बदली फिजा को महसूस किया जा सकता है।

हसीना का मुद्दा । किसी देश के राजनीतिक तापमान का असर किस तरह उसकी विदेश नीति पर पड़ता है, बांग्लादेश इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। अगस्त 2024 से दिल्ली के लुटियंस के एक 'सेफ' हाउस में रह रहीं शेख हसीना के मुद्दे को यूनुस प्रशासन ने बार-बार द्विपक्षीय रिश्तों का डेंजर जोन बनाया। कई बार ढाका की ओर से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग उठाई गई।

रिश्तों की परीक्षा । अगस्त 2024 से इस साल फरवरी तक ढाका और दिल्ली के बीच कूटनीतिक असहजता रही। चीन दौरे में यूनुस ने चिकन नेक और सेवन सिस्टर्स पर विवादित बयान दिया। पेइचिंग के साथ नजदीकी हो या फिर हिंदू अल्पसंख्यकों का मुद्दा, यूनुस के दौर में कई विषयों ने ढाका-नई दिल्ली के रिश्तों की परीक्षा ली और भारत के लिए कूटनीतिक तौर पर चुनौती पेश करते रहे। दोनों तरफ के बयानों से साफ था कि चुनावों के रास्ते आने वाली सरकार की गैरमौजूदगी में बांग्लादेश के साथ सामान्य इंगेजमेंट मुमकिन नहीं। बीते साल अप्रैल में बिम्सटेक समिट में मोहम्मद यूनुस और पीएम मोदी की मुलाकात से भी रिश्तों पर जमी बर्फ पिघल ना सकी।

> **बदली हुई कूटनीति**
> - भारत ने बदले हुए बांग्लादेश के लिए अपने आपको तैयार किया
> - तारिक रहमान ने व्यावहारिकता को रखा है आगे
> - बांग्लादेश के विदेश मंत्री की भारत यात्रा से बहुत उम्मीदें

गलतियों से सबक । इस संदर्भ में बीते साल नवंबर में मौजूदा विदेश मंत्री और उस वक्त राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे खलीलुर रहमान की भारत यात्रा को संबंधों में आए ठंडेपन को दूर करने की एक कोशिश की तरह देखा गया। इस दौरे से बांग्लादेश ने नए सिरे से इंगेजमेंट का संकेत दिया। हालांकि नवंबर में इस यात्रा के बाद चुनावी प्रचार और गर्मागर्मी में भारत विरोधी सुर भी सुने गए। हसीना के सत्ता से हटने के बाद के हालातों को पढ़ने और रिएक्ट करने में देरी की गलती भारत इस बार नहीं करना चाहता था। भारत इस बार बांग्लादेश चुनाव के बाद के हालात से निपटने के लिए तैयार था।

भारत की तैयारी । जमात हो या बीएनपी, बांग्लादेश में इलेक्शन के दौरान भारत सभी पक्षों के संपर्क में रहा। खालिदा जिया के इंतकाल के बाद संवेदना जाहिर करने के लिए खुद विदेश मंत्री जयशंकर ढाका गए थे। बांग्लादेश की दो ध्रुवीय राजनीति में से शेख हसीना की गैरमौजूदगी के बीच बनने वाले सियासी हालात के लिए भारत ने खुद को तैयार रखा। विदेश मंत्री और तारिक रहमान की मुलाकात इसका संकेत भर थी। इस बात का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं था कि हसीना अब फिलहाल राजनीति के नेपथ्य में रहेंगी।

संकट में सहयोग । बांग्लादेश और भारत के बीच अब भी कई ऐसे मुद्दे हैं, जो असहज कर सकते हैं। बीएनपी की परंपरागत तौर पर पाकिस्तान से नजदीकी रही है, लेकिन नरसंहार दिवस पर पाक फौज को लेकर तारिक रहमान का बयान काफी कुछ कह गया। पश्चिम एशिया संकट के दौरान ऊर्जा आपूर्ति में सहयोग जैसे मुद्दों को नकारना बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देश के लिए भी आसान नहीं, जबकि दक्षिण एशिया के कई देश भारत की ओर नजर लगाए हैं।

नया मौका । इसी हफ्ते बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान भारत दौरे पर होंगे। एजेंडे में जल बंटवारे से लेकर तमाम तरह के मुद्दे हैं। भारत इस दौरे को रिश्तों में खुलेपन की तरह देखने की कोशिश करेगा, खासकर ऐसे वक्त जब अपनी मां की राजनीति से अलग तारिक रहमान ने अभी तक भारत को लेकर किसी तरह की नकारात्मकता नहीं दिखाई है। वैसे भी भारतीय डिप्लोमेसी बीते काफी समय से ढाका के साथ रिश्तों को सुधरी पिच पर लाने की कोशिश करती रही है।

सफ़र का सरप्राइज है बगल की खाली सीट

डॉनल्ड ट्रंप ईरान में रेजीम बदलना चाहते हैं ताकि मिड टर्म इलेक्शन में जीत के साथ अपनी सीट पर और मजबूती से जम जाएं। नेतन्याहू को ईरान में कुर्सी बदलनी नहीं, तबाह कर देनी है ताकि इस्राइल में जब कभी चुनाव हो, तो उन्हें ही सबसे ज्यादा सीटें मिलें। और ईरान को तो लड़ना ही है, वरना राजनीतिक से धार्मिक नेतृत्व तक, कहीं कोई सीट नहीं बचेगी। घूम-फिरकर हर जगह सारा मामला आ जाता है कुर्सी या सीट का। अब अगर यही सीट बिना मांगे मिल जाए तो... ट्रेन में ही सही!

भीड़, शोर और हलचल से भरी होती है ट्रेन। अगर फेस्टिव सीजन है तो इन तीनों का अनुपात भी बढ़ जाता है। जब हर सीट के लिए रिजर्वेशन साइट और इंटरनेट के साथ दंगल करना पड़ता हो, तब अगर बगल वाली सीट खाली रह जाए, तो लगता है कि सफर अचानक साधारण से असाधारण हो गया। बगल की सीट का खाली होना ऐसा सरप्राइज है, जिस पर पहले यकीन नहीं होता। जैसे-जैसे ट्रेन के चलने का समय होता है, मन में यह सवाल उठने लगता है कि क्या इस पर कोई है? और जब ट्रेन प्लैटफॉर्म छोड़ने लगती है और कोच के भीतर सारे यात्री अपनी जगहों पर जम जाते हैं, तब जाकर भरोसा होता है अपनी किस्मत पर। और तब वह जगह इतनी कीमती हो जाती है हमारे लिए कि उसके खोने का भी डर लगने लगता है। जब भी किसी स्टेशन पर ट्रेन रुकती है, तो यही धड़क उठती है मन में कि कहीं कोई यहां न आ जाए। यही तो इंसानी फितरत है, अस्थायी चीजों से मोह।

जीवन आनंद
शैलेंद्र पांडेय

बगल की खाली सीट बस एक सीट नहीं रह जाती तब, वह निजी संसार बन जाती है। लगता है कि वह छोटा-सा कोना हमारा ही है। बिना किसी झिझक, बिना किसी समझौते के उस कोने का इस्तेमाल कर सकते हैं हम। खाली सीट केवल स्पेस नहीं, फ्रीडम लेकर आती है। भीड़ भरी दुनिया में सभी अपनी जगह के लिए लड़ते रहते हैं - बसों में, प्लेन में, ऑफिसों में, समाज में और यहां तक कि रिश्तों में भी। सभी को अपनी पहचान चाहिए, अपना पर्सनल स्पेस। बगल की खाली सीट यही है और उसका कुछ देर का साथ भी बता देता है कि स्पेस कितना जरूरी है।

सबसे दिलचस्प बात है कि यह अस्थायी होती है। अगले स्टेशन पर कोई यात्री आ सकता है और वह खाली सीट भर सकती है, लेकिन यही अस्थायित्व इसे और खास बना देता है। यह हमें सिखाता है वर्तमान क्षण का आनंद लेना। जीवन में कुछ भी तो स्थायी नहीं होता। और सफर के अंत में जब जाने लगते हैं हम, तब वह खाली सीट अपना आखिरी मैसेज देती है - भीड़ के बीच अगर थोड़ी-सी जगह मिल जाए, तो वह भी बहुत है खुद को खोजने के लिए।

THE SPEAKING TREE
और पढ़ने के लिए देखें
www.speakingtree.nbt.in

मुल्शी की यात्रा में मौन और एकांत के साम्राज्य से रूबरू

शीतल वर्मा

पिछले सप्ताह मुझे पुणे के मुल्शी के बीचों-बीच टाटा पावर द्वारा आयोजित एक प्रतिष्ठित आर्ट कैंप में भाग लेने का सौभाग्य मिला। एक कलाकार के रूप में यह मेरे लिए केवल एक आयोजन नहीं, जीवन भर का एक यादगार अनुभव था।

मुल्शी बांध का क्षेत्र सह्याद्रि पर्वतमाला का एक छिपा हुआ रत्न है, जो अपनी धुंध से ढकी चोटियों और गहरी हरी घाटियों के लिए जाना जाता है। इस यात्रा के दौरान दो बार मैंने अपनी सुबह की शुरुआत पानी की लहरों के बीच की। विशाल जलाशय में मोटरबोट की सवारी ने परिदृश्य का एक अनूठा नजारा पेश किया। झील की ठंडी फुहारें और इंजन की गूंज भोर की शांति तोड़ रही थीं। जमीन पर वापस आकर, मैंने रिसॉर्ट के आसपास के रास्तों पर घंटों पैदल यात्रा की, जहां रास्ते के हर पत्ते और पत्थर में मुझे नई प्रेरणा मिली।

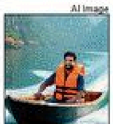

चूंकि मैं अपनी कलाकृति पहले ही पूरी करके वहां पहुंचा था, ताकि पूरी तरह से उस अनुभव में डूब सकूं, इसलिए मेरे पास समय की दुर्लभ विलासिता थी। मेरा दिन एक आत्मिक लय के साथ बीतता था।

भोर : पहाड़ियों के पीछे से सूर्योदय के साथ योग और नाव की सवारी। दिन का उजाला : गहरे ध्यान के सत्र, जहां मोबाइल नेटवर्क की अनुपस्थिति में मैंने 'विपश्यना' जैसी स्पष्टता को महसूस किया। जुड़ाव : बड़े कलाकारों से बहुत कुछ सीखना। इतने अनुभवी और दिग्गज कलाकारों के बीच होना अपने आप में एक जीवंत मास्टरक्लास की तरह था।

हर शाम, दिन की शांति एक उत्सव में बदल जाती थी। हर रात अलग-अलग व्यंजनों के स्वाद हमारे उत्साह को बढ़ा देते थे। फिर शुरू होता था गाने और नाचने का सिलसिला। यह आदर्श संतुलन था- दिन में कला और ध्यान का अनुशासन, और रात में नए दोस्तों के साथ बेबाक खुशी।

मैं न केवल यादों के साथ, बल्कि एक नई ऊर्जा और ताजगी के साथ घर लौटा हूं। सच तो यह है कि कभी-कभी अपनी रचनात्मक आवाज को खोजने के लिए आपको ऐसी जगह जाना पड़ता है जहां दुनिया आपको ढूंढ न सके।

कांटे की बात

> ईरान अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को नहीं खोलता है तो अमेरिका उसके पावर प्लांट्स और पुलों पर हमला कर सकता है। हम ऐसे इन्फ्रास्ट्रक्चर को तबाह कर सकते हैं। अमेरिका तब ईरान को नरक की तरह बना देगा।

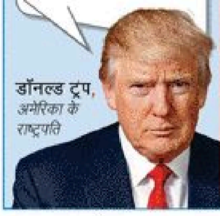
डॉनल्ड ट्रंप, *अमेरिका के राष्ट्रपति*

डेटा Window

अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच चल रही जंग की तीनों देशों को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। ईरान के 20 से 50 हजार डॉलर वाले शाहेद ड्रोन से बचने के लिए इस्राइल को 10 से 40 लाख डॉलर वाले इंटरसेप्टर का इस्तेमाल करना पड़ रहा। अमेरिका ने अबतक 27.68 अरब डॉलर से अधिक फूंक दिए हैं।

ईरान युद्ध में रोज स्वाहा हो रहे अरबों डॉलर

अमेरिका की आफत
- 1 अरब डॉलर हर दिन खर्च कर रहा अमेरिका
- 3 करोड़ डॉलर रोजाना हवाई अभियान पर खर्च
- 80 करोड़ डॉलर के इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान
- 100+ टॉमहॉक मिसाइलें उपयोग की गईं
- 35 लाख डॉलर एक टॉमहॉक की कीमत

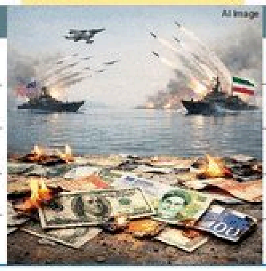

इस्राइल की चिंता
- $2.93 अरब हर हफ्ते नुकसान
- $72.5 करोड़ के हवाई अभियान
- $20 करोड़ रोज इंटरसेप्टर पर खर्च
- $55 अरब पहुंचा युद्ध का बजट
- 177 अरब शेकेल का GDP घाटा

ईरान का हाल
- 1/3 मिसाइल स्टॉक अब तक हुए नष्ट
- 92% नौसैनिक जहाज अब तक बर्बाद
- 600+ शैक्षणिक संस्थान हुए तबाह
- 10%+ गिरावट GDP में संभव
- 71.8% पहुंची महंगाई

प्रस्तुति : अभिषेक मिश्र

जनता जंक्शन — इरफान

हमारे सामने है पूंजीवाद का भयानक चेहरा

मृत्युंजय राय

The Insatiable Machine: How Capitalism Conquered the World में पूंजीवाद के उभार और इसके दबदबे के बारे में बताया गया है, जिसे लिखा है ट्रेवर जैक्सन (Trevor Jackson) ने। वह अमेरिका के UC बर्कले में आर्थिक इतिहासकार हैं। जैक्सन ने श्रम, जमीन और दूसरे संसाधनों को बाजार में विनिमय की चीज बनाने को पूंजीवाद माना है। वह लिखते हैं कि इसकी शुरुआत सुनियोजित तरीके से नहीं हुई थी, लेकिन इसके विस्तार में हिंसा, इनोवेशन और जरूरत की अहम भूमिका रही।

जैक्सन ने किताब की शुरुआत अमेरिकी दार्शनिक फ्रेडरिक जेमेसन के इस तंज के साथ की है- आप कयामत की कल्पना भले ही कर लें, पूंजीवाद के अंत की नहीं कर सकते। मगर वह यह भी लिखते हैं कि हमारी धरती का भूगोल तय है और वह अनंत ग्रोथ को बर्दाश्त नहीं कर सकती। जैक्सन की यह किताब सदियों की कहानी बयां करती है। इसमें 15वीं सदी के पुर्तगाली खोजियों के दुनिया के अलग-अलग कोनों में पहुंचने से लेकर पहले विश्वयुद्ध के बाद पैदा हुए संकटों के बारे में लिखा गया है। जैक्सन यह भी लिखते हैं कि पूंजीवाद की इस यात्रा में मार्टिन लूथर, आइजैक न्यूटन और व्लादिमीर लेनिन अहम बदलावों के गवाह रहे। वह लिखते हैं कि चांदी की खानों से जो अंतरराष्ट्रीय मुद्रा व्यवस्था शुरू हुई, उसने पूंजीवाद के प्रसार में निर्णायक भूमिका निभाई। इसमें दासता, पेट्रोल-डीजल से औद्योगिकीकरण में आई तेजी और साम्राज्यों की वजह से पूंजीवाद के लगातार बढ़ते जाने का भी जिक्र है। किताब में बताया गया है कि स्पेन और पुर्तगाल के दक्षिण और उत्तर अमेरिका के इलाकों पर कब्जे से वैश्विक व्यापार में तेजी आई। इससे मेक्सिको की चांदी तक पहुंच हुई, जिससे बैंकिंग और फाइनेंशल प्रॉडक्ट्स वजूद में आए। जैक्सन ने नीदरलैंड में ट्यूलिप और चीनी मल्बरी पेड़ों को लेकर बने बुलबुले का जिक्र भी किया है। वह बताते हैं कि यह इस तरह की शुरुआती घटनाएं थीं। किताब में लिखा है कि अमेरिका में गृहयुद्ध खत्म होने के बाद वर्टिकली इंटीग्रेटेड कंपनियां वजूद में आईं, जिन्होंने मशीनों का प्रयोग शुरू किया। कंपनियों के मशीनों का इस्तेमाल करने से कम श्रम में बड़े पैमाने पर उत्पादन करना संभव हुआ। पूंजीवाद के इसी चेहरे की वजह से वर्ग शत्रुता भी बढ़ी, साथ ही इससे पूंजीवाद की समाज पर पकड़ और मजबूत हुई। 20वीं सदी के आते-आते इसने कई युद्ध और संकट देख लिए थे और यह दुनिया से कहीं गहरे जुड़ चुका था। बेशक, लोगों ने पर्यावरण की तबाही और गैरबराबरी के रूप में पूंजीवाद की बड़ी कीमत भी चुकाई।

विचार विंडो

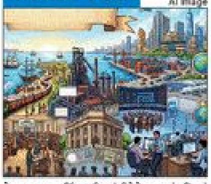

इस किताब में जैक्सन का शिल्प उभरकर आया है। उनका गद्य पढ़ने के लिहाज से आसान है और इसी वजह से एक बेहद उलझे हुए विषय के बारे में पढ़ते वक्त वह रीडर्स का ध्यान बांधे रखते हैं। जैक्सन ने पूंजीवाद की आलोचना के साथ उसकी अच्छी बातों को भी इसमें रखा है। वह बताते हैं कि किस तरह से इसके कारण लिविंग स्टैंडर्ड में अप्रत्याशित बेहतरी आई। लेकिन साथ ही, वह उपनिवेशवाद, दास प्रथा और दूसरे शोषण की आलोचना भी करते हैं।

आज जब दुनिया पर्यावरण संकट, जलवायु परिवर्तन और समाज में बढ़ती गैर-बराबरी जैसे मुद्दों पर बहस कर रही है तो यह किताब और प्रासंगिक हो जाती है। खासतौर पर प्रॉडक्शन में तेजी लाने के लिए जिस आर्टिफिशल इंटेलिजेंस को नया जरिया बनाने की बात हो रही है, वह पूंजीवाद का कहीं भयावह चेहरा सामने ला सकता है। इसकी शुरुआत भी हो चुकी है। लाखों की संख्या में लोगों की नौकरियां जा रही हैं। पिछले ही हफ्ते ओरेकल ने भारत में 10000-11000 लोगों की छंटनी की है। ऐसे वक्त में यह किताब पढ़ी जानी चाहिए।

रीडर्स मेल
www.edit.nbt.in

समाधान पर हो ध्यान

यह पत्र 4 अप्रैल के संपादकीय 'दुनिया का नुकसान' से संबंधित है। ईरान, अमेरिका और इस्राइल के बीच बढ़ता संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा। अब रिहायशी इलाकों, पुलों और ऊर्जा ढांचे पर हमले तेज हो गए हैं, जिससे हालात और गंभीर बनते जा रहे हैं। यह जंग केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक असर डाल रही है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने की आशंका ने दुनिया में ऊर्जा संकट का खतरा बढ़ा दिया है। इससे खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था चरमरा सकती है। ऐसे में इस संघर्ष का जल्द खत्म होना बेहद जरूरी है। सभी देशों को संयम और जिम्मेदारी दिखानी होगी, ताकि शांति बहाल हो सके और वैश्विक स्थिरता बनी रहे।

वारिस अली खान, ईमेल से

nbtedit@timesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ मेल करें।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 06-04-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH09 User: cci Time: 04-05-2026 23:02 Color:

विचार

जहां मन डर से मुक्त हो और सिर ऊंचा हो, वही सच्ची आजादी है। शिक्षा और सोच इंसान को मजबूत बनाती है, जिससे वह अपने सपनों को पूरा कर सकता है।
- रवीन्द्रनाथ टैगोर

कविता

भविष्य की ओर

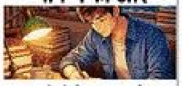

पुस्तकों को ही बना अपना मीत,
कर दे जीवन ज्ञान से प्रकाशित,
ज्ञान से गूंजे जीवन का गीत,
जीवन की राहों को मिले नव संगीत।
परिश्रम से तू हर बाजी ले जीत,
लगातार कर्म करने की तू बना रीत,
बस तू मेहनत से ही बढ़ा अपनी प्रीत,
सफलता खुद चलकर आएगी तेरे समीप।
तू अपनी राहों में खुद जला दीप,
ताकि ओझल हो जाए तेरा बुरा अतीत,
मेहनत से रच ले तू अपना नवगीत,
जिससे हो जाए तेरा भविष्य सुनिश्चित।

- चंदर कुमार, NBT रीडर

पॉजिटिव सोच के साथ आपने भी कोई कविता लिखी है, तो हमें ईमेल nbtreader@timesofindia.com पर भेजें। जिसे मिल सकता है अगले अंक में छपने का मौका।

उम्मीद का फैक्ट

दुनिया भर के मरीजों की पसंद बना भारत

AI image

भारत अपनी सस्ती और वर्ल्ड क्लास स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण ग्लोबल हब के रूप में उभरा है। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय के मुताबिक सरकार और प्राइवेट सेक्टर के साथ आने से भारत की मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (MVT) इंडस्ट्री तेजी से आगे बढ़ रही है।

- भारत का मेडिकल टूरिज्म मार्केट 2022 में 6 अरब डॉलर का था, जो 2026 तक 13 अरब डॉलर के पार पहुंच जाएगा।
- विदेशी मरीजों को भारत में बेहद कम खर्च में वर्ल्ड-क्लास डॉक्टरों और अस्पतालों की सुविधा मिलती है।
- 'हील इन इंडिया' अभियान और आसान मेडिकल वीजा नियमों से विदेशी मरीजों का आना बढ़ा है।
- आधुनिक इलाज के साथ-साथ भारत की आयुर्वेद जैसी पारंपरिक चिकित्सा दुनिया को आकर्षित कर रही है।

सोर्स: केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति मंत्रालय

किसी अजनबी की ज़िंदगी की सबसे मुश्किल जंग में साथ देने का तरीका बना

बालों का दान, कैंसर मरीज़ों के नाम

कहते हैं एक औरत की सबसे बड़ी पहचान उसके बाल होते हैं। सालों की मेहनत, देखभाल और प्यार से बढ़े ये बाल दुनिया को बताते हैं कि वह कौन है। लेकिन गुजरात की कई महिलाएं अपनी इस पहचान का एक हिस्सा खुशी-खुशी उन लोगों को दे रही हैं, जिन्हें उन्होंने कभी देखा तक नहीं। यह कैंसर से लड़ रहे मरीजों की हिम्मत बढ़ाने का उनका अपना एक खामोश तरीका है। प्रशांत रूपेरा की रिपोर्ट

पिछले 10 साल से नमिता गांधी एक नेक काम में जुटी हैं। उनकी पहल 'इवन अ कट कैन हील' (Even a Cut Can Heal) दान किए गए बालों से कैंसर मरीजों के लिए मुफ्त विग बनाती है। नमिता कहती हैं कि विग कभी-कभी भारी और असुविधाजनक हो सकते हैं, इसलिए उन्होंने 'क्वीन कैप्स' (Queen Caps) भी बनानी शुरू की, जो पहनने में आसान और आरामदायक होती हैं। 12 नामों से शुरू हुआ यह सफर आज 1,800 से ज्यादा लोगों तक पहुंच चुका है।

नन्ही कृष्णा से लेकर 17 साल की पलक तक: इस मुहिम में हर उम्र के लोग शामिल हैं। सिर्फ 4 साल की नन्ही कृष्णा सिंघवी ने अपनी दादी की कैंसर से जंग देखकर पहली बार अपने बाल कटवाए। वहीं मुंबई की 18 साल की नीति गांधी ने अपने चाचा की याद में बाल दान किए, जिन्हें उन्होंने कैंसर की वजह से खो दिया था। सुरेन्द्रनगर की 17 साल की पलक पारेख ने तो बोर्ड एग्जाम खत्म होते ही अपना सिर मुंडवा लिया। वह कहती हैं कि उनके जिन बालों की दुनिया तारीफ करती थी, वे किसी मरीज के लिए उनसे कहीं ज्यादा कीमती थे।

समाज की रूढ़ियों को तोड़ती जंग: 'बाल्ड ब्यूटी इंडिया' चलाने वाले कुणाल पटेल बताते हैं कि शादीशुदा महिलाओं का सिर मुंडवाना आज भी एक चुनौती है। लेकिन सोच बदल रही है। आणंद की एक महिला ने बाल दान किए, तो उनके पति ने भी उनका साथ देने के लिए अपना सिर मुंडवा लिया।

पलक पारेख

बाल दान करने के लिए क्या करें

- कम से कम लंबाई 12 इंच
- बाल कटवाने से पहले रजिस्टर करें
- केमिकल से ट्रीट किए हुए बाल न दें
- बाल काटने से पहले पोनीटेल या चोटी बना लें
- कटे हुए बाल साफ और सूखे रखें, अच्छे से पैक करें
- किसी संस्था से बात किए बिना बाल न कटवाएं

बार-बार दान करने का जज्बा: वडोदरा की 59 साल की श्यामली पालकर ने पिछले 6 साल में 3 बार बाल दान किए हैं। एक स्कूल टीचर की बातों ने उनका दिल पिघला दिया था, जो नहीं चाहती थी कि कैंसर की वजह से उसके छात्र उसे देखकर डरें। वहीं, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन (NID) से जुड़ी प्राची वैद्य दुबले अब तक 4 बार अपने बाल दे चुकी हैं। वह कहती हैं कि यह सिर्फ बाल देना नहीं, बल्कि एक अनजान बहन के साथ खड़े होना है।

मां का दर्द और बेटी का तोहफा: गांधीधाम की जलपा ठक्कर ने 2012 से कैंसर के खिलाफ एक लंबी और थका देने वाली लड़ाई लड़ी। कीमोथेरेपी की वजह से जब उनके बाल झड़ गए, तो वह सबसे मुश्किल वक्त था। उनकी बेटी यशस्वी ने मां की तकलीफ देखी और अपने तीन-चौथाई बाल दान कर दिए। कैंसर सर्वाइवर केयूरी स्वामीनारायण ने भी अपनी बहू डॉ. कृति के साथ मिलकर बाल दान किए। केयूरीबेन अब खुद हाथों से खास टोपियां बनाती हैं ताकि किसी और महिला को वह दर्द न झेलना पड़े, जो उन्होंने झेला था।

दीपिका बाम्भणिया

दीपिका का वो वादा...

ऊना की 19 साल की दीपिका बाम्भणिया की कहानी दिल छू लेने वाली है। उन्होंने अपनी चचेरी बहन दिव्या को ब्लड कैंसर में खो दिया। दिव्या को अपने लंबे बालों के जाने का बहुत दुख था। जब दीपिका ने सिर मुंडवाया, तो लोगों ने पूछा, 'शर्म नहीं आई?' दीपिका का बस एक ही जवाब था 'यह मेरी दिव्या के लिए था।'

यशस्वी

प्राची वैद्य दुबले

यह सिर्फ कटे हुए बाल नहीं हैं, बल्कि उम्मीद के वे धागे हैं जो एक अजनबी को दूसरे अजनबी से जोड़ते हैं। इन महिलाओं ने साबित कर दिया है कि खूबसूरती बालों में नहीं, दूसरों का दर्द बांटने में होती है।

बेज़ुबानों की जान बचाने वाला शहर, सरहद पार से भी मिल रहा भरोसा

Sarthak.G
@timesofindia.com

पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के लोगों के लिए कोलकाता लंबे समय से इलाज का भरोसेमंद केंद्र रहा है। अब यही शहर पालतू जानवरों के इलाज के लिए भी तेजी से उभर रहा है। यहां की बेहतर सुविधाएं, अनुभवी डॉक्टर और कम खर्च इसे खास बना रहे हैं। इस ट्रेंड की चर्चा 2025 में तब बढ़ी, जब बांग्लादेश के खुलना में एक लैब्राडोर 'संतु' की मौत हो गई। उसके मालिक उसे कोलकाता इलाज के लिए नहीं ला सके थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर कोलकाता की वेटरनरी सुविधाओं को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी।

डॉक्टरों के अनुसार, पहले हर महीने बांग्लादेश से 800 से 1000 तक पालतू जानवर इलाज के लिए कोलकाता आते थे। राजनीतिक तनाव के कारण कुछ समय यह संख्या घटी, लेकिन अब फिर से धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। खुलना के एक पालतू पशु मालिक ने बताया कि उसकी बिल्ली अचानक बीमार हो गई थी। स्थानीय स्तर पर इलाज संभव नहीं था, इसलिए वह कोलकाता आया। यहां इलाज के बाद उसकी बिल्ली की हालत में सुधार हुआ। विशेषज्ञ बताते हैं कि बांग्लादेश से पालतू जानवर लाने के लिए वीजा और कस्टम से जुड़े नियम पूरे करने होते हैं। जमीन और हवाई मार्ग से लाने की प्रक्रिया अलग-अलग होती है।

बढ़ रहा कारोबार: सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी क्लिनिक और डायग्नोस्टिक लैब मिलकर एक मजबूत नेटवर्क बना रहे हैं। अनुमान के मुताबिक, बंगाल का पेट हेल्थ सेक्टर करीब 3600 करोड़ का हो चुका है और तेजी से बढ़ रहा है। कोलकाता में अब पेट से जुड़ा कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। बड़े पेट स्टोर, ग्रूमिंग सेंटर और पेट ट्रांसपोर्ट सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं। आने वाले समय में यह इंडस्ट्री और बड़े स्तर पर विकसित हो सकती है।

- बांग्लादेश और नॉर्थ-ईस्ट के पालतू पशुओं की जीवनरेखा बना कोलकाता
- आसान पहुंच, सस्ता इलाज और बेहतर सुविधाओं ने पेट ट्रीटमेंट का बड़ा केंद्र बनाया

शहर में सुविधाएं

- 3600 करोड़ रुपये का पेट हेल्थ सेक्टर
- 200 से अधिक वेटरनरी क्लिनिक
- 2 सरकारी अस्पताल
- 35+ पैथोलॉजी लैब
- सीटी स्कैन, सर्जरी, डायलिसिस जैसी सुविधाएं

पालतू जानवरों की देखभाल को लेकर लोगों की सोच तेजी से बदली है। अब लोग समय पर और बेहतर इलाज चाहते हैं, इसलिए क्लिनिक भी एडवांस सुविधाओं से लैस हो रहे हैं। *- स्नेहा कजारिया, कोलकाता में एक निजी पेट क्लीनिक की मालिक*

192 साल से दुनिया देख रहा है कछुआ

इतिहास जब खुद चलकर कैमरे के सामने आ जाए

AFP

यह महज एक कछुए की तस्वीर नहीं, बल्कि जीवित इतिहास की एक झलक है। दक्षिण अटलांटिक द्वीप सेंट हेलेना के 'प्लान्टेशन हाउस' में रहने वाला जोनाथन, दुनिया का सबसे उम्रदराज कछुआ है जिसे हर कोई अपने कैमरे में कैद करना चाहता है।

मंदिर ने जोड़ा पूरा गांव, टूटी मूर्तियों से मिली पहचान

अर्जुन कुमार

सबसे पहले एक किसान ने मूर्ति का टूटा हुआ हिस्सा खोजा- एक देवी की खंडित प्रतिमा। मॉनसून के दौरान उसने अपने खेत के किनारे उग आई झाड़ियों को साफ करने का फैसला किया था। जब उसने खुदाई शुरू की तो उसे एक काला पत्थर मिला, जिस पर चेहरा और हाथ उकेरे गए थे। जब उसने यह बात अपने पिता को बताई तो बुजुर्ग ने उस मूर्ति की तुलना पड़ोस के एक बकरी चराने वाले के पास रखे ऐसे ही एक टुकड़े से की। दोनों मूर्तियां दिखने में एक जैसी थीं और एक ही पत्थर की बनी थीं।

इन मूर्तियों को गांव के कोने में एक साथ रख दिया गया। इसे देखकर एक और किसान अपनी पहले मिली मूर्ति लेकर आया और वहीं रख दी। यहीं से एक आंदोलन शुरू हुआ। ऐसा आंदोलन, जिसने गांव वालों को अपने मतभेद भुलाने पर मजबूर कर दिया। जाति और पेशे की दीवारें भी टूट गईं और लोग अपने भूले-बिसरे इतिहास के टुकड़ों को खोजने में जुट गए। यह कहानी है मुरैना जिले के छोटे से गांव पारोली की।

गांव के इन लोगों ने आसपास के इलाके से प्राचीन अवशेष इकट्ठा किए हैं

मुरैना कभी डकैतों के लिए बदनाम था। आज यह नदी पर्यटन, प्राचीन मंदिरों के लिए जाना जाता है। पारोली एक छोटा और अनजान गांव है, जो टूरिस्ट मैप से दूर है। यह अमलेश्वा, अटेनी और मैसोरा जैसे गांवों की तरह है, जहां पुराने मंदिर हैं लेकिन इसे उतनी पहचान नहीं मिल पाई। फर्क सिर्फ इतना है कि जहां अन्य गांवों में सरकार ने मंदिरों को सही कराया, वहीं पारोली में यह काम गांव वालों ने खुद अपने हाथ में लिया।

19वीं सदी के दूसरे हिस्से में इस इलाके की खोज के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के मेजर जनरल एलेक्जेंडर कनिंघम यहां पहुंचे थे। उन्होंने यहां खंडहर हो चुके 3 मंदिरों की पहचान विष्णु मंदिर के रूप में की। यहां मिले शिलालेख करीब 1,000 साल पुराने थे, जो बताते हैं कि ये मंदिर 9वीं-10वीं सदी के प्रतिहार काल के हैं। इन शिलालेखों में यह भी उल्लेख है कि पारोली कभी 'पराशरग्राम' के नाम से जाना जाता था, जहां प्रतिहार राजा अम्मान ने मंदिरों का निर्माण कराया था। यहां कितने मंदिर थे, इसका सही अंदाजा आज भी नहीं है। गांव वालों के पास तकनीकी ज्ञान नहीं है कि वे टूटे मंदिरों को पूरी तरह सही करा सकें।

(लेखक एक हेरिटेज प्रेमी हैं।)

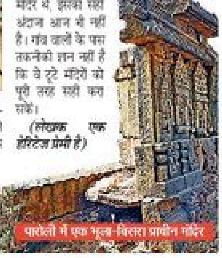

पारोली में एक भूला-बिसरा प्राचीन मंदिर

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आपने समाज में जिस प्रकार की अपनी एक मजबूत पृष्ठभूमि बनाई है, उसके बल पर आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा व्यतीत होगा। दोपहर तक आर्थिक परेशानियां भी खत्म होंगी, पर कार्यक्षेत्र की धीमी गति के कारण मानसिक तनाव पैदा हो सकता है। आपके प्रति लोगों की सद्भावनाएं भी जागृत रहेंगी।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आर्थिक मामलों में तकदीर आपका साथ देगी। स्थापित कारोबार का विस्तार होगा। विदेशीय साझेदारी करने की स्थिति बनेगी, लेकिन निजी संबंधों के मामले में विदेशीय रिश्ते अनुकूल साबित नहीं होंगे। एक नया दोस्त आपके प्रति आकर्षित होगा लेकिन वह अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति नहीं कर सकेगा।

GEMINI 21 May - 21 Jun
अपनी नैसर्गिक प्रतिभा पर पूरा भरोसा रखें और यह हमेशा याद रखें कि कुछ बड़ा कर दिखाने के लिए बहुत ज्यादा तामझाम या दिखावे की जरूरत नहीं होती। आज न चाहते हुए भी आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ सकता है, जो शायद औरों के लिए थोड़ा असुविधाजनक हो। धैर्य से काम लें।

CANCER 22 Jun - 22 July
आज सुबह से ही समय आपके लिए कुछ प्रतिकूल चल रहा है। संभावना है कि आज आपको स्वास्थ्य संबंधी किसी समस्या या शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़े। दिन के पहले हिस्से में ही किसी अच्छे डॉक्टर आदि से परामर्श लेना आपके लिए बेहतर होगा, उसके बाद ही नियमित कार्यों पर ध्यान दें।

LEO 23 July - 22 Aug
इन दिनों आपका स्वभाव काफी ठीक-ठाक चल रहा है। कारोबार की स्थिति में भी निरंतर सुधार होता जा रहा है। किसी बड़े और प्रभावशाली अधिकारी का हाथ होने से नौकरी में भी आपकी स्थिति मजबूत है। आपके विरोधियों के मन में अभी भी आपके प्रति द्वेष भरा हुआ है, इसलिए सतर्क रहें।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
किसी-किसी समय जब आप बहुत अच्छे मूड में रहते हैं, तो अपने पड़ोसी का भला करने में बिलकुल पीछे नहीं रहते। आपकी इसी उदारता का लाभ अक्सर वे चापलूस लोग भी उठा लेते हैं जो पीठ पीछे आपकी बुराई करते हैं। आज आपका समय कुछ ऐसे ही लोगों के बीच बीतेगा। सही लोगों की ही मदद करें।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
किसी भी आगामी परीक्षा या प्रतियोगिता के लिए आपको पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। यदि आप अपने व्यवसाय या कारोबार से संबंधित कोई नया अनुबंध करना चाहते हैं या कोई लिखा-पढ़ी का कार्य करना चाहते हैं, तो उसे दिन के समय ही पूर्ण कर लें। बाकी अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी अपराह्न (दोपहर बाद) तक का वक्त बहुत अच्छा चल रहा है। इसलिए जरूरी कार्य आज ही पूरे कर लें।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
कभी-कभी कुछ काम आपकी सोच के बिलकुल उलट हो जाते हैं। जिस व्यक्ति को आप बहुत सज्जन और विश्वसनीय समझते हैं, अक्सर वही धोखा दे जाता है, कुछ ऐसी ही घटना आज आपके साथ भी हो सकती है। आज का दिन मिश्रित फलदायक है। एकाध काम अच्छा होने से मन का संताप कम होगा।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
पिछले कई दिनों से आप किसी छोटे-मोटे काम के अचानक बिगड़ जाने से आश्चर्यचकित हैं। प्रबल संभावना है कि आज आपके उस रुके हुए काम में सुधार हो जाए। फिर भी, किसी दर्द के डर से आपका मन थोड़ा अशांत रह सकता है। दोपहर बाद कुछ भाग्यवश से आपको छिटपुट लाभ प्राप्त हो सकते हैं।

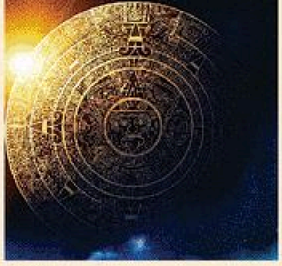

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज का दिन आपके लिए बहुत ही ज्ञानवर्धक होगा और आपकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने वाला सिद्ध होगा। समाज के सम्मान्य व्यक्तियों से मेल-मुलाकात होगी और किसी बड़े लाभ की आशा में पूरा दिन सार्थक नजर आएगा। प्रियजनों की तरफ से भी सुखद खबरें आपको मिलेंगी।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
इस समय आपके कार्यक्षेत्र में निरंतर आने-जाने और सभी महत्वपूर्ण कार्यों को समय पर निपटाने का एक व्यस्त दौर चल रहा है। इसी बीच, आपके अपने ही कुछ लोग आपकी चिंता और मानसिक भार बढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी प्रेम-प्रसंग में हैं, तो उस पर जल्द फैसला लें।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
आज आपका स्वास्थ्य पूरी तरह ठीक नहीं रहेगा। दिन के पहले हिस्से में बहुत सारे काम एक साथ आपके सामने लटके रहेंगे। जहां तक संभव हो, इनमें से सबसे महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता देकर पूरा कर लेना। दोपहर के बाद का समय फिर अनुकूल नहीं है, बनते हुए कामों में रुकावटें पैदा होंगी, जिससे मानसिक अवसाद शाम तक बना रह सकता है। मित्रों का सहयोग लेना आपके लिए जरूरी होगा।

(आचार्य नंदिता पांडे)

क्या कहते हैं आपके नंबर

(6 अप्रैल - 12 अप्रैल 2026)

मूलांक 1
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और आप अपनी मेहनत द्वारा सफलता हासिल करते जाएंगे। आर्थिक मामलों में भी सुधार दिखाई देता है व थोड़ा सा दान पुण्य करने के पश्चात नए निवेश करेंगे तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा।

मूलांक 2
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
इस सप्ताह संयम के साथ किसी भी निर्णय पर पहुंचेंगे तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे। कार्यक्षेत्र में विपरीत परिस्थितियां आप पर हावी होने की कोशिश करेंगी या फिर आपके बॉस आप से काफी उम्मीदें रखेंगे।

मूलांक 3
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
इस सप्ताह किसी भी निर्णय पर सोच समझकर पहुंचें तो बेहतर रहेगा। आर्थिक मामलों में धन लाभ में देरी संभव है एवं निवेशों में जिस प्रकार की सफलता आप चाहते हैं उन्हें प्राप्त करने में अभी समय अधिक लगेगा।

मूलांक 4
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
इस सप्ताह आपको अपने कार्यक्षेत्र में उन्नति प्राप्त होगी एवं किसी नए लुभावने प्रोजेक्ट की तरफ आकर्षण भी बढ़ेगा। आपके प्रोजेक्ट सफलता के मार्ग में आगे बढ़ते जाएंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होगा।

मूलांक 5
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
इस सप्ताह आर्थिक दृष्टिकोण से समय अनुकूल रहेगा एवं निवेशों द्वारा धन प्राप्ति के शुभ संयोग बनते जाएंगे। रचनात्मक कार्यों में निवेशों द्वारा भी धन प्राप्ति के शुभ संयोग बन रहे हैं। आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा।

मूलांक 6
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होती जाएगी एवं धन प्राप्ति के शुभ संयोग बनते जाएंगे। साझेदारी में किए गए निवेश आपके लिए शुभ संयोग लेकर आ रहे हैं। प्रेम संबंध में एक नई शुरुआत आपके जीवन में सुखद अनुभव लेकर आएगी।

मूलांक 7
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति काफी सुदृढ़ होती जाएगी एवं निवेशकों द्वारा विशेष धन लाभ प्राप्त होगा। यह सप्ताह आर्थिक मामलों के लिए अच्छा है। कार्य क्षेत्र में भी धीरे धीरे स्थितियां बेहतर होती जाएंगी।

मूलांक 8
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होती जाएगी एवं धन प्राप्ति के शुभ संयोग बनेंगे। आप जितना तुरंत निर्णय लेकर अपने निवेश करेंगे उतना बेहतर परिणाम आपके पक्ष में आएगा। प्रेम संबंध में आप प्रयास करें।

मूलांक 9
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में प्रोजेक्ट समय पर पूर्ण होते जाएंगे एवं आप सफलता के मार्ग में आगे बढ़ेंगे। इस सप्ताह आप जितना तुरंत निर्णय लेकर अपने प्रोजेक्ट से संबंधित कार्य करेंगे उतना अधिक सफल होंगे।

सुडोकू

		5	4		3	7		
	1						2	
7				8				9
4		8	5		2	3		1
6								5
3		9	7		1	2		6
9				5				7
	8						1	
		6	3		8	9		

कल के सुडोकू का जवाब

5	2	9	8	7	3	6	1	4
1	6	7	4	9	2	8	3	5
8	4	3	5	6	1	9	7	2
2	8	4	9	3	5	1	6	7
9	1	5	6	2	7	4	8	3
3	7	6	1	4	8	5	2	9
4	5	2	3	1	6	7	9	8
6	3	8	7	5	9	2	4	1
7	9	1	2	8	4	3	5	6

TELEVISION
big magic

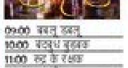

09:00 बालू बालू
10:00 बड़ुए बुहाक
11:00 रुद्र के रक्षक
11:30 अलादीन
12:00 यशोमती अजेय कृष्ण
13:30 भ से भूत
14:30 हम पांच
15:00 अजब देश की गजब कहानी
16:30 प्यार मोहब्बत हैप्पी लकी
18:30 रुद्र के रक्षक
21:00 वीर

कल का पंचांग

(मंगलवार, 7 अप्रैल 2026)

राष्ट्रीय मिति चैत्र 17, शक संवत 1948, वैशाख कृष्ण, पंचमी, मंगलवार, विक्रम संवत 2083। सौर चैत्र मास प्रविष्टे 25, शव्वाल 18, हिजरी 1447 (मुस्लिम), तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 7 अप्रैल 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, उत्तर गोल, बसंत ऋतु। राहुकाल अपराह्न 3 बजे से 4 बजकर 30 मिनट तक। पंचमी तिथि शाम 4 बजकर 35 मिनट तक के बाद षष्ठी तिथि का आरंभ। ज्येष्ठा नक्षत्र अगले दिन तड़के 5 बजकर 54 मिनट तक के बाद मूल नक्षत्र का आरंभ। व्यतीपात योग शाम 4 बजकर 17 मिनट तक के बाद वरीयान योग का आरंभ। तैतिल करण शाम 4 बजकर 35 मिनट तक के बाद वणिज करण का आरंभ। चंद्रमा अगले दिन तड़के 5 बजकर 54 मिनट तक के बाद मूल नक्षत्र का आरंभ। व्यतीपात योग शाम 4 बजकर 17 मिनट तक उपरांत वरीयान योग का आरंभ। चंद्रमा अगले दिन तड़के 5 बजकर 54 मिनट तक वृश्चिक उपरांत धनु राशि पर संचार करेगा।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

इस वर्ष राहु और नेपच्यून आपके वर्ष के प्रतिनिधि ग्रह बने रहेंगे। अप्रैल के अंत तक शनि व बृहस्पति की चाल आपके मार्ग में कुछ अप्रिय प्रभाव देने वाली हो सकती है। मई माह में शनि, सूर्य, गुरु, शुक्र और बुध का विशेष योग रहने के कारण, यदि आप वाद-विवाद और झगड़ों से बचे रहें तो ही आपके लिए श्रेष्ठ रहेगा। जून से जुलाई तक का समय आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है, इसलिए खान-पान में विशेष परहेज रखना अत्यंत जरूरी होगा। अगस्त से सितंबर का महीना आपके लिए बहुत ही अनुकूल और लाभकारी सिद्ध होगा। अक्टूबर से नवंबर के अंत तक आप किसी विशेष औपचारिकता को ध्यान में रखे बगैर भी व्यापार के नए क्षेत्रों में प्रवेश कर सकते हैं, अन्यथा इसके बाद दिसंबर में आप एक बार फिर समस्याओं से घिर सकते हैं। जनवरी 2027 में आपका मैत्रिक पक्ष और रचनात्मकता बहुत मजबूत होगी। इस वर्ष फरवरी से मार्च तक का समय विशेषकर कामकाजी महिलाओं के जीवन में बहुत ही खास होकर व्यतीत होगा। विद्यार्थियों के लिए सलाह है कि यदि वे संतुलित दृष्टिकोण रखकर अध्ययन करेंगे, तो सफलता की राह उनके लिए कुछ कठिन अवश्य हो सकती है। इसलिए अपना नजरिया व्यापक रखें। मंगलवार को श्री सुंदरकांड का पाठ करने से शांति मिलेगी।

-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in